



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-11052024-254160
CG-DL-W-11052024-254160

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 11—मई 17, 2024 (वैशाख 21, 1946)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 11—MAY 17, 2024 (VAISAKHA 21, 1946)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	215	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	417	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1427	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	1429
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	5
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	1817
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	215	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	417	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1427	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1429
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	5
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1817
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2024

सं. 23-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को राष्ट्रपति का वीरता पदक (पीएमजी), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. सांवला राम विश्वाई	हेड कांस्टेबल	राष्ट्रपति का वीरता पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. शिशुपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	राष्ट्रपति का वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीएसएफ की 97वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह और बीएसएफ की 65वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल/जीडी सांवला राम विश्वाई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में युनाइटेड नेशंस आर्गनाइजेशन स्टेबलाइजेशन मिशन (एमओएनयूएससीओ) के भाग के रूप में शांति बनाए रखने के प्रतिष्ठित कार्य में बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते (आईएनडीएफपीयू-2) के सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्हें दिनांक 02.06.2022 को बुटेम्बो डीआरसी में मोरक्कन रैपिड डिप्लॉयमेंट बटालियन (एमओआरआरडीबी) कैम्प में बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते के सदस्यों के रूप में तैनात किया गया था।

दिनांक 26.07.2022 को बुटेम्बो में प्रदर्शन हिंसक हो गया और हिंसक प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों ने एमओआरआरडीबी कैम्प, जिसके भीतर बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते की डिटेचमेंट तैनात थी, को घेर रखा था। बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते (आईएनडीएफपीयू-2) की टुकड़ी द्वारा मौखिक चेतावनी दिए जाने और संयुक्त राष्ट्र के बल प्रयोग संबंधी निदेशों के अनुसार आंसू गैस के गोलों और मिर्च के कनस्तरों जैसे गैर-घातक हथियारों का इस्तेमाल किए जाने के बावजूद, प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोही गुटों के आंदोलन और हिंसक प्रदर्शन तथा और ज्यादा आक्रामकता के साथ आगे बढ़ने में कोई कमी नहीं आई। प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों की लुटेरी भीड़ और अधिक तेजी से आगे बढ़ी, जिससे बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते (आईएनडीएफपीयू-2) के सैनिकों को चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। तथापि, भीड़ का हमला जारी रहा और सशस्त्र विद्रोहियों द्वारा समर्थित भीड़ ने एमओआरआरडीबी कैम्प और कैम्प के ओपी नंबर 2 पर हमला किया, जहां (दिवंगत) हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह गार्ड के अन्य सदस्यों के साथ तैनात थे। इस आशंका से कि प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों की भीड़ लूटपाट और आगजनी के लिए कैम्प में घुस जाएगी जैसा कि गोमा डीआरसी के एक अन्य कैम्प में किया गया था, हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह ने शत्रु भीड़ को पूर्वी तरफ से घुसपैठ करने से रोकने हेतु कैम्प की रक्षा के लिए ओपी नंबर 2 पर गार्ड का नेतृत्व किया। लगभग 1250 बजे, शत्रु भीड़ का हिस्सा बने सशस्त्र विद्रोहियों ने परिधि दीवार में छेद (गैप) से स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप एमओआरआरडीबी सैनिक घातक रूप से घायल हो गए। सशस्त्र विद्रोहियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे स्वचालित हथियारों की गोलीबारी की चपेट में आने के बावजूद, हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी सांवला राम विश्वाई के नेतृत्व में बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते की टुकड़ी के सैनिकों ने कैम्प के पूर्वी हिस्से की रक्षा करना जारी रखा। तथापि, पास के रक्षा क्षेत्र में एमओआरआरडीबी सैनिकों के मारे जाने पर, लुटेरे प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों की भीड़ ने पूर्वी दीवार में गैप के माध्यम से सुरक्षा को तोड़ दिया और ओपी नंबर 2 पर गार्ड पर भारी मात्रा में गोलीबारी की, जिसमें हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी सांवला राम विश्वाई को कई गोलियां लगीं।

हालाँकि, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, दोनों एनसीओ ने अपनी पोजीशन की रक्षा के लिए ओपी नंबर 2 पर गार्ड का बहादुरी से नेतृत्व किया और हिंसक भीड़ और सशस्त्र विद्रोहियों को सुरक्षा तोड़कर आगे निकलने से रोका। हेड कांस्टेबल/जीडी शिशुपाल सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी सांवला राम विश्वाई ने घातक चोटों के कारण दिनांक 26.07.2022 को लगभग 1320 बजे दम तोड़ दिया।

बुटेम्बो डीआरसी में एमओआरआरडीबी कैंप में ओपी नंबर 2 पर गार्ड की कमान संभालते हुए, बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते (आईएनडीएफपीयू-2) के हेड कांस्टेबल (जीडी) शिशुपाल सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी सांवला राम विश्वोई ने कैंप और अपने साथी सैनिकों के साथ-साथ एमओआरआरडीबी के सैनिकों और शिविर के अंदर तैनात एमओएनयूएससीओ के निहत्थे सदस्यों के जीवन की रक्षा में बीएसएफ के 15वें कांगो दस्ते के सैनिकों का नेतृत्व करते हुए अदम्य साहस, उच्च दर्जे की पेशेवरता और नेतृत्व के साथ-साथ अपनी कर्तव्यपरायणता और समर्पण का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, बीएसएफ के सर्व/श्री स्व. सांवला राम विश्वोई, हेड कांस्टेबल और स्व. शिशुपाल सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

राष्ट्रपति का वीरता पदक (पीएमजी), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 84-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26/07/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/168/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 24-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ज्योति कुमार सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	स्व. विश्वा उराँव	हवलदार	वीरता पदक (मरणोपरांत)
3.	शंभु महतो	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.09.2018 को रात में लगभग 22:00 बजे नगर पुलिस स्टेशन किशनगंज का एक पुलिस दल, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह के नेतृत्व में हवलदार विश्वा उराँव, सिपाही शंभु महतो व अन्य शामिल थे, रात की गश्त पर था। लगभग 1:45 बजे, जब गश्ती पुलिस दल एमजीएम मार्ग पर श्री नंद किशोर अग्रवाल की जूट मिल के परिसर के पास पहुंचा, तो उन्होंने जूट गोदाम के अंदर कुछ लोगों को डर और घबराहट से चिल्लाते हुए सुना। अपनी शंका का दूर करने के लिए, सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह ने अंदर मौजूद लोगों को जवाब देने के लिए आवाज लगाई। गोदाम में मौजूद चोर हिंसक व्यवहार कर रहे थे और कर्मचारियों को बंदूक से धमकाते हुए कमरों में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने रात्रि गार्ड, मोहन बसाक को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। परिसर के बाहर पुलिस दल की अचानक उपस्थिति ने उनको बदहवास कर दिया। यह भांपकर कि वे पुलिस दल द्वारा घेर लिए जाएंगे और वे ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे, इसलिए उन्होंने गोदाम की ऊंची चाहरदीवारी को फांदकर भागने की कोशिश की। सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह को गोदाम के अंदर कुछ गड़बड़ होने का संदेह था, इसलिए वे सतर्क थे और स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए थे। जैसे ही उन्होंने कुछ युवा उदंड व्यक्तियों को चाहरदीवारी पार करने का प्रयास करते हुए देखा, उन्होंने उनको रुकने और आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। इस पर वे हिंसक हो गए और उन्होंने पुलिस दल को निशाना बनाकर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। अपराधियों की संख्या लगभग 15-20 थी और वे पुलिस की बार-बार चेतावनी को अनसुना करते हुए भारी गोलीबारी करके पहले पुलिस दल को फांसकर रखने और फिर घटनास्थल से भागने की रणनीति के तहत गोलियां चला रहे थे। दुर्भाग्य से, हवलदार विश्वा उराँव, जो पुलिस जीप के पास पोजीशन लिए हुए थे, अपराधियों की ओर से चलाई गई गोली से घायल हो गए। उन्हें तुरंत पुलिस जीप से अस्पताल भेजा गया। स्थिति विकट हो गयी थी। सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह के लिए केवल तीन सिपाहियों के एक छोटे से पुलिस दल के साथ बड़ी संख्या में सशस्त्र अपराधियों को उनके भरसक हमलों के सामने चुनौती देना एक कठिन और चिंताजनक स्थिति थी। पर्याप्त सशस्त्र पुलिस बल की अनुपलब्धता, घटनाओं की अनिश्चितता और भारी जोखिम जैसी सभी बाधाओं के बावजूद, उन्होंने एक सोचे-समझे निर्णय के तहत, अपराधियों को रोकने, घेरने और गिरफ्तार करने के लिए एक साहसिक कदम उठाया। उन्होंने अपनी सर्विस पिस्तौल से 3 (तीन) गोलियां दागीं और सिपाही शंभु महतो ने अपने कमांडर का अनुकरण करते हुए अपनी इंसास राइफल से एक गोली दागी। पुलिस दल के इस सटीक पलटवार से कुछ पल के लिए अपराधी फंसकर रह गए। वे असमंजस और अव्यवस्था की हालत में आ गये और बदहवास होकर चाहरदीवारी पार कर भागने लगे। सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह, अंजाम की परवाह किए बिना, अपने साथियों के साथ उनके पीछे भागे और उनके कड़े प्रतिरोध के बाद उनमें से तीन को पकड़ लिया।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पूछताछ करने के बाद उनके एक साथी मोहम्मद अंसूर को लूटी गई कलाई घड़ी और 13000 रुपये नकद के साथ ग्वालपोखर, पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया गया।

सुबह, गहन तलाशी के बाद, मिल के बाहर पश्चिमी सड़क पर गोली से मृत एक अपराधी का शव पाया गया। उसके शव के पास से एक देशी लोडेड कट्टा, 2 (दो) खाली कारतूस और तीन पिट्टू बैग बरामद किए गए। गिरफ्तार अपराधियों ने मृतक की पहचान तीन सह अपराधियों में से एक मोहम्मद कबीर के रूप में की। जूट गोदाम परिसर के पूर्वी हिस्से से एक बैग बरामद किया गया, जिसमें 06 (छह) देशी बम थे और पश्चिम हिस्से से लोहे की दो मजबूत छड़ें, छेनी और पिट्टू बैग बरामद किया गया। गोली लगने से गंभीर चोट के कारण हवलदार विश्वा उराँव की अस्पताल में मौत हो गई।

इस चुनौतीपूर्ण मुठभेड़ में, सहायक उप-निरीक्षक ज्योति कुमार सिंह और उनकी टीम ने अनुकरणीय साहस, पूर्ण दृढ़ संकल्प और निडरता का परिचय देते हुए बेहद हिंसक अपराधियों का मुकाबला किया और पीछा करने के बाद उनमें से 03 (तीन) को भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार कर लिया, साथ ही इस तरह डकैती के एक हिंसक प्रयास को विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्वोच्च ज्योति कुमार सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, स्व. विश्वा उराँव, हवलदार और शंभु महतो, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12/09/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/52/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 25-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वोच्च	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	धर्मेन्द्र कुमार झा	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	धर्मेन्द्र पासवान	उप निरीक्षक	वीरता पदक
3.	वीर बहादुर रोका	जूनियर कमाण्डो	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री धर्मेन्द्र कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), बगहा को दिनांक 09.07.2020 को 32वीं बटालियन के कमांडेंट से प्राप्त एक गुप्त सूचना के आधार पर माओवादियों को पकड़ने और बगहा जिले के तहत वाल्मिकी नगर टाइगर रिजर्व के घने और व्यापक वन क्षेत्र में स्थापित उनके शिविर को कब्जे में लेने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), बगहा के नेतृत्व में एसटीएफ अधिकारियों और एसएसबी अधिकारियों और उनके अधीनस्थों की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। यह शिविर अत्यंत वांछित माओवादी, अनुभवी रणनीतिकार और आयोजक, रामबाबू उर्फ राजन, नॉर्थ वेस्ट जोनल कमेटी (सीपीआई-माओवादी) के सचिव की कमान में था, जो कि निर्दोष ग्रामीणों की जबरन भर्ती, किसानों और ठेकेदारों से लेवी की वसूली आदि जैसी अवैध गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। उन्होंने हथियार छीनने के लिए एसएसबी/पुलिस के वाहनों का रास्ता रोकने की नापाक योजना बनाई थी। नवीनतम हथियारों और बड़ी कैडर संख्या के कारण इस संगठन की ताकत बढ़ गई थी। उनकी अवैध गतिविधियाँ आसपास के जिलों बेतिया, शिवहर, मोतिहारी आदि तक फैली हुई थीं। घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों की जटिलता ने शिविर को उनके लिए एक सुरक्षित ठिकाना बना दिया था।

दिनांक 09.07.2020 की रात को लगभग 22.45 बजे, एसएसबी अधिकारियों और जवानों (टीम ए) और सहायक टीम के साथ एसटीएफ टीम (बी) वाल्मिकी नगर टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के एक महत्वपूर्ण स्थान चौथापानी एपीसी के पास पहुंची। खुफिया जानकारी के अनुसार माओवादियों का संभावित स्थान वहां से लगभग 4-5 किमी उत्तर पश्चिम में 900 फीट (लगभग) की ऊंचाई पर था।

वाल्मिकी नगर टाइगर रिजर्व (वीटीआर) का पूरा इलाका घने वन, कंटीली झाड़ियों और छोटे पेड़ों, ऊंची चोटियों, ढलानदार ऊंचे पहाड़ों, खतरनाक खाइयों, नदियों और टेढ़े-मेढ़े संकरे रास्तों से घिरा हुआ है। पिछली रात से लगातार हो रही गरज के साथ भारी बारिश ने जंगल से होकर गुजरने की चुनौती बढ़ा दी थी। तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमला टीमों ए (एसएसबी) और बी (एसटीएफ) ने अंधेरी रात में अत्यधिक घने जंगलों को भेदते हुए और बाढ़ वाली नदियों को पार करते हुए पैदल लंबी और कठिन दूरी तय की। घबराहट और अनिश्चितता के कई क्षणों का अनुभव करते हुए, वे दिनांक 10.07.2020 की सुबह लगभग 03.45 बजे निर्धारित लक्ष्य के करीब पहुंच गए। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने टॉर्च की रोशनी देखी और लगभग 200 मीटर की दूरी पर व्यक्तियों की कुछ गतिविधियों को महसूस किया। टीम ए को बाईं ओर से और टीम बी को दाईं ओर से सामरिक गतिविधि से लक्ष्य की ओर बढ़ने को निदेश दिया गया। जब टीमों नजदीक पहुंचने वाली थीं, तभी उन्हें अचानक आईईडी विस्फोट का सामना करना पड़ा, जिसके बाद माओवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिन्हें किसी तरह पुलिस जवानों की मौजूदगी की भनक लग गई थी। निश्चित रूप से एसटीएफ/एसएसबी की टीमों माओवादियों की घात में आ गई थीं, लेकिन वे उनकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गईं। पुलिस पर अचानक गोलियों की बौछार से मुठभेड़ शुरू हो गई।

उस समय तक लगभग भोर हो चुकी थी, लेकिन बारिश हो रही थी। हमला करने वाली दोनों टीमों, माओवादियों की गोलीबारी से घबराए बिना, अपराधियों को बार-बार गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी देते हुए आगे बढ़ीं। उनकी चेतावनियों को अनदेखा करते हुए, माओवादियों ने पुलिस/एसएसबी कार्मिकों को भारी नुकसान पहुंचाने के इरादे से एके-47 और एसएलआर सहित स्वचालित हथियारों से खतरनाक तरीके से गोलियों की भारी बौछार की। टीमों खतरे वाले स्थान पर थीं और माओवादियों की ओर से लगातार और अंधाधुंध गोलीबारी की जा रही थी, जो सामरिक रूप से बेहतर पोजीशन में थे और छिपकर, कवर वाले स्थान से और ऊंचाई से गोलीबारी करके फायदा उठा रहे थे। इस खतरनाक स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, एक सोची-समझी रणनीति के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने माओवादियों पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए "गोलीबारी और आगे बढ़ने" की रणनीति अपनाने का निर्णय लिया। तदनुसार, उप कमांडेंट एसएसबी ने अपने जवानों के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए बाईं ओर से माओवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी। माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री धर्मेन्द्र कुमार झा और उनके साथी, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र पासवान और जूनियर कमाण्डो वीर बहादुर रोका ने अपने हथियारों से भारी मात्रा में सटीक गोलीबारी की और माओवादियों द्वारा दी जा रही सभी बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद वे उनके शिविर की ओर आगे बढ़े। इस बीच, निरीक्षक ऋतुराज, एसएसबी, को दाहिनी कलाई में गोली लगी। इससे स्थिति गंभीर हो गई। माओवादियों द्वारा भारी और केंद्रित गोलीबारी के बीच, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), बगहा की कमान में एसटीएफ टीम ने माओवादियों की मारक क्षमता को खत्म करने और उन्हें ढेर करने के लिए दाहिनी ओर से अत्यंत साहस और दृढ़ता के साथ उन पर गोलीबारी करके मुंहतोड़ जवाब दिया। एसएसबी टीम ने बाईं ओर से गोलीबारी करते हुए उपयुक्त कवर प्रदान किया। एक माओवादी, जो शायद रिज पर शिविर के प्रवेश द्वार पर संतरी की पोजीशन में था और एक अन्य माओवादी जो स्वचालित हथियार (एके 56) से गोलीबारी कर रहा था, उन दोनों को मार गिराया गया। दो माओवादियों के मारे जाने से अन्य माओवादियों में हड़कंप मच गया और उनके कमांडरों सहित बाकी लोग उत्तर की ओर पीछे हटने लगे, जबकि कुछ कैडर एक घने पेड़ के पीछे पोजीशन लिए हुए थे और वे जमकर गोलीबारी करते रहे। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री धर्मेन्द्र कुमार झा और उनके साथियों, उप-निरीक्षक धर्मेन्द्र पासवान और जूनियर कमाण्डो वीर बहादुर रोका ने सटीक गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ते समय अपार साहस का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप दो माओवादी मारे गए, एक एसएलआर के साथ और दूसरा .303 हथियार के साथ। पुलिस ने माओवादियों के शिविर को अपने कब्जे में ले लिया। नेताओं के भागने के बाद और इलाके की तलाशी के दौरान (1) एके-56- एक (2) 7.62 एमएम - एसएलआर- 03, (3) .303 बोल्ट एक्शन राइफल- एक, गोला-बारूद- 911, आईईडी विस्फोटक, डेटोनेटर, लैपटॉप, बर्दी, मोबाइल, वॉकी-टॉकी, रेडियो और भारी मात्रा में दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित चार माओवादियों नामतः दीपक राम उर्फ किरणजी, अमर लाई देव उर्फ नकुलजी, छोटू महतो उर्फ सोनू और आलोक राम उर्फ विपुल के शव बरामद हुए। समुचित जांच के बाद, यह पाया गया कि बरामद हथियार/गोला-बारूद विगत में पुलिस कार्मिकों से लूटे गए थे।

खूंखार माओवादियों के गैरकानूनी गिरोह के खिलाफ 45 मिनट तक चली इस घातक गोलीबारी में, श्री धर्मेन्द्र कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), बगहा ने अपरिचित, कठिन और जटिल इलाके में उग्रवादी माओवादियों द्वारा विस्फोटक घातक हमले में अचानक से आईईडी विस्फोट और उसके बाद भारी गोलीबारी जैसी बेहद भयानक और चुनौतीपूर्ण स्थिति में अनुकरणीय सामरिक विशेषज्ञता, अदम्य साहस, अत्यंत जोखिम उठाने की क्षमता का परिचय देते हुए, एसटीएफ और एसएसबी दोनों टीमों को कुशल कमांडिंग नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मजबूती से उनके पीछे खड़े एसटीएफ अधिकारियों, धर्मेन्द्र पासवान, उप-निरीक्षक और जूनियर कमाण्डो वीर बहादुर रोका के साथ मिलकर, माओवादी हमले को विफल करने और इस कार्रवाई में 4 (चार) माओवादियों को मार गिराने तथा भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्व/श्री धर्मेन्द्र कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक, धर्मेन्द्र पासवान, उप निरीक्षक और वीर बहादुर रोका, जूनियर कमाण्डो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/59/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 26-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री हेमन्त कुमार पटेल	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

भेजी पुलिस स्टेशन के तहत भण्डारपाडर गांव वन क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रतिबंधित माओवादी संगठन के नक्सली सदस्यों के एकत्रित होने और गंभीर घटनाओं के घटित होने की स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर, एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। दिनांक 31.07.2022

की ऑपरेशन योजना के अनुसार, 17:30 बजे हेड कांस्टेबल 249 कट्टम विजय के साथ नक्सल ऑपरेशन कोंटा के उप पुलिस अधीक्षक, गिरिजाशंकर साव, कमांडर उप-निरीक्षक संदीप माडिले फोर्स ऑफ 36 के साथ डीआरजी ग्रुप भेजी 01, उप-निरीक्षक हेमन्त कुमार पटेल फोर्स ऑफ 29 के साथ डीआरजी ग्रुप भेजी 02 तथा जुमला 67 का संयुक्त बल आवश्यक जानकारी के बाद हथियार-गोलाबारूद, संचार उपकरण, रिसर्च किट और आवश्यक सामान के साथ बेस कैम्प पुलिस स्टेशन एरिबोर से कैम्प कोटाचेरु के लिए रवाना हो गए, जहाँ से नक्सली तलाशी अभियान चलाया जाना था।

भण्डारपाडर गांव में पहुंचने के बाद, दोनों टीमों बंट गईं और उन्होंने दिनांक 01.08.2022 को भण्डारपाडर के वन क्षेत्र की तलाशी ली। जब दोनों टीमों सामरिक गतिविधि करते हुए वापस लौट रही थीं, तभी सुबह लगभग 05:15 बजे भण्डारपाडर के पास नाला पार करते समय अंतिम में 06-07 जवान नाला पार कर रहे थे, जो पुलिस दल को जान से मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से 40-45 अज्ञात वर्दीधारी नक्सली पूर्व नियोजित आपराधिक साजिश से जंगल में नाले के पास घात लगाकर बैठे थे। उन्होंने स्वचालित और देशी हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर पुलिस दल के कमांडर उप-निरीक्षक हेमन्त कुमार पटेल, उप-निरीक्षक संदीप माडिले और अन्य जवानों ने गोलीबारी कर रहे नक्सलियों को जोर से चिल्लाकर खुद को पुलिस बताया और नक्सलियों से गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, जिस पर नक्सली अत्यंत उग्र हो गये और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। डीआरजी भेजी-02 के कमांडर उप-निरीक्षक हेमन्त कुमार पटेल और उनकी टीम के 03 अन्य जवानों ने नाले में फंसे होने के बावजूद बहादुरी से नक्सलियों की भारी गोलीबारी का जवाब दिया और नाले में फंसे टीम के अन्य जवानों को सुरक्षा दी। पुलिस टीम नक्सलियों की घात में फंसने से बच गयी।

घात का मुकाबला करने के लिए डीआरजी भेजी-02 के साथ अन्य टीमों भी नक्सलियों पर गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने लगीं, जिससे नक्सली डर गए, क्योंकि खुद को घिरता और कमजोर पड़ता देख रहे थे, क्योंकि उन्होंने देखा कि पुलिस बहुत ज्यादा है और हम चारों तरफ से घिरे हुए हैं, इसलिए वे अपनी जान बचाने के लिए चिल्लाते हुए जंगल और झाड़ियों की आड़ लेकर भाग गए। दोनों तरफ से गोलीबारी लगभग 40 से 45 मिनट तक चली।

गोलीबारी के बाद घटनास्थल की तलाशी लेने पर पेड़ के पास झाड़ियों के नजदीक एक अज्ञात पुरुष माओवादी नक्सली का शव मिला, जिसकी उम्र लगभग 30-35 वर्ष थी, जो आधी बाजू की पीली टी-शर्ट और काला लोअर पहने हुए था तथा शव के पास से 01 जिंदा कारतूस के साथ 7.65 मिमी. की 01 पिस्तौल, 02 मैगजीन मिलीं और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने पर 02 भरमार बंदूकें, 7.65 एम.एम. पिस्तौल के 03 खाली कारतूस केस, 10 एस.एल.आर. जिंदा कारतूस के साथ काले रंग का 01 पिट्टू बैग, 09 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, 01 फीट नॉटिड कोडेक्स वायर, 02 जिलेटिन रॉड, 05 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, 02 बैटरी, 02 क्रेकर बम, 01 जोड़ी काली वर्दी, नक्सली साहित्य, नक्सली पैमफ्लेट, पॉलिथीन, दवाइयां, बर्तन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। जिस स्थान पर नक्सलियों ने गोलीबारी की थी, वहां की तलाशी लेने पर एके-47 राइफल के 29 खाली कारतूस खोखे, इंसास राइफल के 17 खाली कारतूस खोखे, एसएलआर राइफल के 12 खाली कारतूस बरामद किये गए। नक्सलियों द्वारा पुलिस दल पर लगभग 250-300 राउंड और 30-40 बीजीएल गोलीबारी की गई थी। पुलिस दल ने यूबीजीएल के 05 सेल, एके-47 राइफल के 262 कारतूस, इंसास राइफल के 58 कारतूस, राइफल के 44 एस.एल.आर. कारतूस, 9 एमएम पिस्तौल के 10 कारतूस बरामद किए। कुल मिलाकर 374 कारतूस और 05 यू.बी.जी.एल. सेल दागे गए थे।

उक्त मुठभेड़ के दौरान टीम कमांडर उप-निरीक्षक हेमन्त कुमार पटेल और उनके नेतृत्व में जवानों ने नक्सलियों की घात को विफल करके और नाले में फंसे टीम के अन्य जवानों की जान बचाकर अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय दिया। घात की जवाबी कार्रवाई से माओवादियों को पीछे हटकर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान हड़मा उर्फ संकू उर्फ माडवी हड़मा पिता माडवी देवा निवासी रेगडगट्टा, पुलिस स्टेशन भेजी, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई और वह नक्सली संगठन में डीवीसीएम के पद पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था। उक्त नक्सली सुकमा जिले में सक्रिय संगठन, दक्षिण बस्तर बटालियन संख्या 01 में, उसके बाद कोंडागांव जिले में कंपनी संख्या 06 में कमांडर के पद पर तथा नारायणपुर जिले की माड डिवीजन समिति में डीवीसीएम के पद पर कार्य कर रहा था, तथा उसके विरुद्ध नारायणपुर जिले में 14 अपराधिक मामले दर्ज थे। उक्त नक्सली सभी तीनों जिलों में बड़ी नक्सली घटनाओं सहित दक्षिण बस्तर डिवीजन (सुकमा क्षेत्र) की लगभग सभी बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है, जिसकी पुष्टि जिले के आत्मसमर्पण मरने वाले नक्सलियों ने भी की है।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के श्री हेमन्त कुमार पटेल, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01/08/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/143/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 27-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मालिक राम	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सुकू राम नाग	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	संतोष चंदन	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

निरीक्षक मालिक राम के नेतृत्व में दिनांक 29.04.2020 को डीआरजी और सीएएफ का एक संयुक्त बल, जिसमें जिला पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक सुकू राम नाग और हेड कांस्टेबल संतोष चंदन भी शामिल थे, गश्त और तलाशी के लिए माड़ क्षेत्र के कडेमेट्टा गांव गया। ऑपरेशन प्लान के अनुसार गश्त और तलाशी अभियान की टीम दिनांक 29.04.2022 को कडेमेट्टा और बुरगुम गांवों के बीच बेचा मोड़ के पास पहाड़ी पर जंगल में पहुंच गई। उसी समय सीपीआई (माओवादी) की कंपनी नं. 06 के वर्दीधारी नक्सलियों ने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन नक्सलियों ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हुए बहादुरी से नक्सलियों का मुकाबला किया। मुठभेड़ 01 घंटे तक चली। पुलिस की कार्रवाई के आगे अपने नुकसान का आभास होने पर, नक्सली जंगलों और पहाड़ों की आड़ लेकर भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल की तलाशी ली, जहां मुठभेड़ में मारी गई 01 महिला वर्दीधारी नक्सली नामतः रानाय गोटा, पूर्व बस्तर डिविजन सप्लाई टीम कमांडर का शव और टेलीस्कोप तथा 15 राउंड मैगजीन सहित 01 एसएलआर राइफल, एसएलआर के 03 खाली कारतूस, एक 12 बोर बंदूक, 12 बोर के 03 कारतूस, 12 बोर के 04 खाली कारतूस के खोखे, एक काली थैली, दस .303 कारतूस, एक मोटोरोला वॉकी-टॉकी, 08 बैटरी सेल, बिजली के तार का एक बंडल, प्लास्टिक के 03 पानी के कंटेनर, दवाइयां और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। मृत नक्सली महिला के अलावा नक्सली पैफ्लैट से सीपीआई (माओवादी) की कंपनी नंबर 6 के प्लाटून के 01 डिप्टी कमांडर सन्नू मंडावी की मौत की भी पुष्टि हुई।

निरीक्षक मालिक राम, सहायक उप-निरीक्षक सुकू राम नाग और हेड कांस्टेबल संतोष चंदन ने नक्सलियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालते हुए अनुकरणीय साहस, बहादुरी और सर्वोच्च कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री मालिक राम, निरीक्षक, सुकू राम नाग, सहायक उप-निरीक्षक और संतोष चंदन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/157/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 28-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री साकेत कुमार बंजारे	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

19 जनवरी 2022 को, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को कटेकल्याण पुलिस स्टेशन के क्षेत्राधिकार के तहत प्रतापगरी पहाड़ी, नंदे डोंगरी मारजुम के वन क्षेत्र में खूंखार माओवादियों मंगतू मोदियामी (डीवीसीएम), महंगू मरकम (एसीएम) सहित सीपीआई (माओवादी) के कटेकल्याण क्षेत्र समिति दरभा डिविजन के 20-25 सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी के बारे में सटीक मानवीय खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। चिकपाला मारजुम अत्यधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों में से एक है और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों का मुख्य क्षेत्र है।

तदनुसार, एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और डीआरजी ग्रुप 01, डीआरजी ग्रुप 02, डीआरजी ग्रुप 03, डीआरजी ग्रुप 04, डीआरजी ग्रुप 05, डीआरजी ग्रुप 06 के क्रमशः उप-निरीक्षक रामावतार पटेल, निरीक्षक संजय पोटम, उप-निरीक्षक हजारी लाई मौर्य, सहायक उप-निरीक्षक रामेश्वर चतुर्वेदी, उप-निरीक्षक साकेत कुमार बंजारे और उप-निरीक्षक चैतराम गुरुपंच की कमान के तहत पांच डीआरजी दलों (कुल बल संख्या 174) की टीम 17.30 बजे आगे की तरफ बढ़ी। जैसे ही पुलिस दल मारजुम के वन क्षेत्र में पहुंची, घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने अचानक पुलिस बल के डीआरजी ग्रुप 05 और डीआरजी ग्रुप 02 पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उप-निरीक्षक साकेत कुमार बंजारे के नेतृत्व

में डीआरजी सैनिकों ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी रुकने के कुछ देर बाद मुठभेड़ वाले क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक पुरुष का शव, 03 जिंदा कारतूस सहित एक 7.65 मिमी पिस्तौल, टिफिन बम और 01 जोड़ी नक्सली वर्दी सहित अन्य नक्सली सामग्री, नक्सली साहित्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। मृतक के शव की पहचान बाद में माओवादी मुड़या उर्फ मूया मरकाम, कटेकल्याण क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएम), गांव चिकपाल, पुलिस स्टेशन कटेकल्याण, जिला दंतेवाड़ा के रूप में की गई।

सुरक्षा बलों को सफलता दिलाने में उप-निरीक्षक साकेत कुमार बंजारे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने नक्सलियों को पीछे धकेल दिया और पुलिस को क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाने में मदद मिली। यह कार्रवाई उप-निरीक्षक साकेत कुमार बंजारे के बिना संभव नहीं हो पाती। अपनी जान की परवाह किए बिना, राष्ट्र की सेवा में सुरक्षा बलों के अनुकरणीय साहस, साहसिक प्रयास और उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई ने छत्तीसगढ़ पुलिस को गौरवान्वित किया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के श्री साकेत कुमार बंजारे, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/161/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 29-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री भुवन सिंह बोरा	प्लाटून कमाण्डर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कोंडागांव के सीमावर्ती क्षेत्र में तलाशी और गश्त के लिए दिनांक 10.08.2020 को नक्सल ऑपरेशन बलसम 37, कंकेर एस.टी.एफ हब (ब्रावो-08) के तहत श्री भुवन सिंह बोरा, प्लाटून कमाण्डर के नेतृत्व में डीआरजी-1 और डीआरजी-2 के संयुक्त बल का गठन किया गया। दल मटेंगा गांव से पहाड़ी वन क्षेत्र की ओर बढ़ रहा था क्योंकि उसे जीवलामारी और मटेंगा गांव के बीच पहाड़ी वन क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिली थी। प्लाटून कमाण्डर भुवन सिंह बोरा 10 सैनिकों की टीम के साथ पहाड़ी वन के बाईं ओर से, प्लाटून कमाण्डर हेमेंद्र यदु के साथ 11 सैनिकों का दूसरा दल पहाड़ी वन के मध्य की ओर से और पीआर 422 महेंद्र कुमार नागेश के साथ 11 जवानों का तीसरा दस्ता पहाड़ी वन के दाहिनी ओर से नीचे की तरफ आ रहे थे। लगभग 17.00 बजे सादे कपड़ों में हथियारबंद माओवादी संगठन के लगभग 15-20 पुरुष एवं महिला नक्सलियों ने सैनिकों को जान से मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से प्लाटून कमाण्डर श्री भुवन सिंह बोरा की टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्लाटून कमाण्डर भुवन सिंह बोरा ने अदम्य साहस का परिचय दिया और उनकी टीम लगातार लड़ती रही। मुठभेड़ लगभग आधे घंटे तक चली। पुलिस दल को भारी पड़ता और खुद को घिरता देख नक्सली घने पहाड़ी वन का फायदा उठाकर भाग निकले। घटना स्थल की तलाशी लेने पर 01 पुरुष माओवादी का बिना कपड़े का शव, मैगजीन सहित एक 303 राइफल, 17 जिंदा कारतूस, एक 315 बोर राइफल, प्लास्टिक के 06 ट्राईपॉड, 05 जर्मन गुंजी, 05 जर्मन प्लेट स्मॉल बस, 13 प्लेट, प्लास्टिक की 03 बाल्टियां और उपयोग के अन्य सामान बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के श्री भुवन सिंह बोरा, प्लाटून कमाण्डर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3296/05/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 30-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संजय पाल	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	धरम सिंह तुलावी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	विरेन्द्र कंवर	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	पतिराम पोड़ियामी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	दिलीप कुमार वासनिक	प्लाटून कमाण्डर	वीरता पदक
6.	स्व. रमेश जुरी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक (मरणोपरांत)
7.	स्व. रमेश कोरसा	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
8.	स्व. सुभाष नायक	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
9.	स्व. रामदास कोराम	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
10.	स्व. जगताराम कंवर	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
11.	स्व. सुख सिंह	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
12.	स्व. रमाशंकर सिंह	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
13.	स्व. शंकर नाग	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
14.	स्व. किशोर एण्ड्रुक	सहायक सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
15.	स्व. सनकूराम सोढी	सहायक सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
16.	स्व. बोसाराम करटामी	सहायक सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक बीजापुर के मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश में और गांव पेडुगेलूर, टेकुलगुडेम, जोनागुडा, जीरम, जिला-बीजापुर के आस-पास भारी संख्या में सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति के बारे में आसूचना संबंधी जानकारी के आधार पर दिनांक 02.04.2021 को डीआरजी, एसटीएफ और 210 कोबरा, सीआरपीएफ को शामिल करके एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना तैयार की गई और पुलिस स्टेशन तरैम से ऑपरेशन शुरू किया गया।

पेडुगेलूर और टेकुलगुडेम में संबंधित लक्ष्य पर हमला करने के बाद दिनांक 03.04.2021 को 10:30 बजे जब पुलिस दल अपने-अपने अगले लक्षित स्थान की ओर आगे बढ़ रहे थे, तभी घात लगाकर इंतजार कर रहे नक्सलवादियों ने स्वचालित, अर्ध-स्वचालित और स्वदेशी हथियारों से पुलिस पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में, पुलिस दल ने भी गोलीबारी की और इससे दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। जब उक्त पार्टी पर नक्सलवादियों द्वारा हमला किया गया, तो डीआरजी टीम सं. 01 कमांडर उप-निरीक्षक श्री संजय पाल, उप-निरीक्षक श्री दीपक भारद्वाज, डीआरजी टीम सं. 07 कमांडर उप-निरीक्षक श्री धरम सिंह तुलावी, डीआरजी टीम सं. 04 कमांडर उप-निरीक्षक श्री विरेन्द्र कंवर, डीआरजी टीम सं. 08 कमांडर उप-निरीक्षक श्री पतिराम पोड़ियामी और अन्य कार्मिकों ने बड़ी बुद्धिमानी, अदम्य साहस, बहादुरी और विलक्षण शौर्यपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया। सूचना प्राप्त होने पर, पुलिस दलों के साथ-साथ एसटीएफ पीसी श्री दिलीप वासनिक और कोबरा 210 कमांडर श्री संदीप द्विवेदी और उप कमांडेंट श्री मनीष कुमार शीघ्र अपनी टीमों के साथ उक्त स्थान पर पहुंच गए और घात लगाकर हमला करने वाले माओवादियों का सामना किया। इस तत्काल कार्रवाई और रणनीतिक जवाबी हमले के कारण अनेक माओवादी मारे गए/घायल हो गए। माओवादियों ने पुलिस दल पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी और यूबीजीएल तथा अन्य विस्फोटक हथियारों का भी प्रयोग किया, जिसके कारण उप निरीक्षक श्री दीपक भारद्वाज, हेड कांस्टेबल रमेश जुरी, हेड कांस्टेबल सोढी नारायण, सिपाही रमेश कोरसा, सिपाही सुभाष नायक, सहायक सिपाही बोसाराम करटामी, सहायक सिपाही किशोर एण्ड्रुक, सहायक सिपाही सनकूराम सोढी, एसटीएफ हेड कांस्टेबल श्रवण कश्यप, सिपाही रामदास कोराम, सिपाही जगताराम कंवर, सिपाही सुख सिंह, सिपाही रमाशंकर सिंह, सिपाही शंकर नाग, कोबरा 210 के निरीक्षक दिलीप कुमार दास, हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव, सिपाही धर्मदेव कुमार, सिपाही एस. मुरलीकृष्ण, सिपाही राउत जगदीश, सिपाही शंभू राय, सिपाही बब्लू राभा और बस्तर बटालियन के सिपाही समैया माडवी वीरतापूर्वक मौके पर ही शहीद हो गए और सहायक उप निरीक्षक अनंत कुरसाम, सहायक उप-निरीक्षक प्रकाश चेटी, सहायक उप-निरीक्षक मणिराम कुंजम, सिपाही बदरू पुनेम, सिपाही लक्ष्मण हर्निया, सहायक सिपाही सोमारू कर्मा, सहायक सिपाही बसंत झादी, सहायक सिपाही दशरू हर्निया, एसटीएफ एपीसी भास्कर यादव, सिपाही देवप्रकाश, सिपाही सोनू मांडवी, सिपाही अनिल बघेल, सिपाही रमाराम पोयाम, कोबरा 210 कमांडर संदीप द्विवेदी, उप कमांडेंट मनीष कुमार, उप-

निरीक्षक अभिषेक पाण्डे, उप-निरीक्षक आनंद पटेल, हेड कांस्टेबल मदन पाल, हेड कांस्टेबल सूर्यभान सिंह, सिपाही थपस पाल, सिपाही राजीव सेठिया, सिपाही बलविंदर सिंह, सिपाही दिनेंद्र दास, सिपाही अमित कुमार, सिपाही सुनील कुमार, सिपाही समेश, सिपाही बलराम सिंह, सिपाही मनीष कुमार, सिपाही लालेश कुमार, सिपाही सीता राम, सिपाही राजकुमार, सिपाही एन.के. नंदिशा, सिपाही दीपक शर्मा को गोलियां लगाने से शरीर के विभिन्न अंगों में चोटें आईं। सहायक पार्टी ने उच्च कोटि के साहस का प्रदर्शन किया और वह आपसी गोलीबारी के बीच घायल कार्मिकों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में सफल रही। सैन्य बलों द्वारा सुदृढ़ जवाबी कार्रवाई के बाद और स्वयं को सैन्य बलों द्वारा घिरा हुआ पाकर, माओवादी पीछे हट गए और घनी झाड़ियों तथा उबड़-खाबड़ भूमि का लाभ उठाते हुए मौके से फरार हो गए। जब आपसी गोलीबारी बंद हो गई, तो घटनास्थल की सम्पूर्ण तलाशी की गई, जिसमें 01 इंसास राइफल और पाउच/मैगजीन (26 जिंदा कारतूसों) के साथ-साथ एक महिला नक्सलवादी सोडी दूले उर्फ सोडी सत्री, उम्र-25 वर्ष, गांव-एलमागुंडा, पुलिस स्टेशन-चिंतागुफा, जिला-सुकमा (कंपनी सं. 01 सदस्य बाबत पीएलजीए बटालियन सं. 01) का शव बरामद हुआ।

उप-निरीक्षक संजय पाल, उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी, उप-निरीक्षक विरेन्द्र कंवर, उप-निरीक्षक पतिराम पोडियामी, एसटीएफ प्लाटून कमाण्डर दिलीप कुमार वासनिक, हेड कांस्टेबल रमेश जुरी, सिपाही रमेश कोरसा, सिपाही सुभाष नायक, सहायक सिपाही बोसाराम करटामी, सहायक सिपाही किशोर एण्ड्रिक, सहायक सिपाही सनकूराम सोडी, एसटीएफ सिपाही रामदास कोराम, सिपाही जगताराम कंवर, सिपाही सुख सिंह, सिपाही रमाशंकर सिंह, सिपाही शंकर नाग ने अनुकरणीय साहसिक कार्रवाई का प्रदर्शन किया है, उन्होंने न केवल नक्सलवादियों की ओर से हो रही गोलियों की बौछार के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई की, बल्कि अन्य कार्मिकों को भीषण जवाबी कार्रवाई करने और अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवादियों के ठिकानों की ओर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया, जिसके फलस्वरूप उन्होंने घात लगाकर बैठे खूंखार नक्सलवादियों का सफलतापूर्वक सामना किया। उनके द्वारा प्रदर्शित वीरता असाधारण है और यह दर्शाती है कि उनके पास बुद्धिमानी, श्रेष्ठ ऑपरेशनल सूझबूझ, अदम्य साहस, वीरता और विलक्षण शौर्यपूर्ण दृष्टिकोण है। उक्त ऑपरेशन में, उन्होंने यह दर्शाया है कि उनके पास अच्छे सेनानायक हैं, क्योंकि उन्होंने अग्रणी रहकर सैन्य दस्तों का नेतृत्व किया और ऑपरेशन के दौरान उन्हें प्रेरित किया तथा अपने कार्मिकों की जान भी बचाई। अपने उत्कृष्ट ऑपरेशनल दृष्टिकोण की वजह से, उन्होंने नक्सलवादियों की घात के विरुद्ध नेतृत्व करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो इस प्रकार की परिस्थितियों और विषम भू-भाग में प्राप्त करना बहुत कठिन था।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वश्री संजय पाल, उप-निरीक्षक, धरम सिंह तुलावी, उप-निरीक्षक, विरेन्द्र कंवर, उप-निरीक्षक, पतिराम पोडियामी, उप-निरीक्षक, दिलीप कुमार वासनिक, प्लाटून कमाण्डर, स्व. रमेश जुरी, हेड कांस्टेबल, स्व. रमेश कोरसा, सिपाही, स्व. सुभाष नायक, सिपाही, स्व. रामदास कोराम, सिपाही, स्व. जगताराम कंवर, सिपाही, स्व. सुख सिंह, सिपाही, स्व. रमाशंकर सिंह, सिपाही, स्व. शंकर नाग, सिपाही, स्व. किशोर एण्ड्रिक, सहायक सिपाही, स्व. सनकूराम सोडी, सहायक सिपाही और स्व. बोसाराम करटामी, सहायक सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1212/05/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 31-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	धरम सिंह तुलावी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	शिव कुमार रामटेके	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	छत्रू राम पोयाम	सिपाही	वीरता पदक
4.	गौतम कोरसा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन नैमेड, जिला बीजापुर के अंतर्गत गांव गाडामल्ली, कादेर, जापेली, दुर्धा के सामान्य क्षेत्र में 25-30 (लगभग) सशस्त्र माओवादियों की संभावित मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा जुटाई गई एक अत्यधिक विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य आसूचना के आधार पर दिनांक 26.02.2022 को 21:40 बजे श्री दीपक कडवाल, 2-आईसी, सीआरपीएफ, सहायक कमांडेंट श्री वी.के.रेड्डी और डीआरजी उप-निरीक्षक जितेन्द्र सोनी और उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी के नेतृत्व में डीईएफ (डीआरजी) एवं सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त

ऑपरेशन शुरू किया गया। हमलावर पुलिस दल मार्ग संबंधी योजना के अनुसार अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे थे और उन्होंने उक्त गतिविधि के दौरान उचित विस्मय और गोपनीयता बना रखी थी।

पुलिस पार्टी ने स्वयं को दो भागों में बांट लिया। उप-निरीक्षक जितेन्द्र सोनी और उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी के नेतृत्व में पुलिस पार्टी सं. 01 तथा श्री दीपक कडवाल, 2-आईसी, सीआरपीएफ और सहायक कमांडेंट श्री वी.के. रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस पार्टी सं. 02 रणनीतिक तरीके से गांव गाडामल्ली की ओर आगे बढ़ रही थी। दिनांक 27.02.2022 को, पुलिस पार्टी संख्या 01 को दो हमलावर पुलिस दलों के रूप में बांट दिया गया। उप निरीक्षक जितेन्द्र सोनी के नेतृत्व में हमलावर पुलिस दल 01 पहाड़ी की दाहिनी ओर से और उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी के नेतृत्व में हमलावर पुलिस दल 02 बायीं ओर से गांव दुधमिट्टा के पहाड़ी जंगल में आगे बढ़ रहे थे। लगभग 06:30 बजे “स्टैंडर्ड लाइन” फोरमेशन में तलाशी करते समय, सशस्त्र माओवादियों ने हमलावर दल सं. 01 पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलीबारी से हमला कर दिया। पुलिस दल कमांडर उप-निरीक्षक जितेन्द्र सोनी और अन्य कार्मिकों ने आत्मरक्षा में रणनीतिक पोजीशन लेते हुए माओवादियों पर गोलीबारी की, परन्तु जब माओवादियों ने गोलीबारी बंद नहीं की, तो उप-निरीक्षक जितेन्द्र सोनी ने मैन-पैक सेट के माध्यम से तत्काल हमलावर पुलिस दल सं. 02 कमांडर धरम सिंह तुलावी को सूचित किया। हमलावर पुलिस दल 02 के प्रभारी उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी और अन्य कार्मिक अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी करने एवं आगे बढ़ने की रणनीति के साथ बायीं ओर से माओवादियों के विरुद्ध लड़े। जैसे ही पुलिस पार्टियों ने पुनः संगठित होकर जवाबी कार्रवाई की वैसे ही घात लगाकर अंधाधुंध गोलीबारी करने वाले माओवादी उपर्युक्त क्षेत्र के बारे में अपनी जानकारी और गहरे जंगल की आड़ का लाभ उठाते हुए मौके से फरार हो गए। यह मुठभेड़ लगभग 20-30 मिनट तक चली और जब गोलीबारी बंद हुई, तो पुलिस दस्तों ने सम्पूर्ण क्षेत्र की तलाशी की और उन्हें 02 महिला माओवादियों के शव मिले, जिनकी पहचान बाद में कुमारी रूखनी पुनेम पुत्री अईतू पुनेम, उम्र-35 वर्ष, गांव-हिरोली, पुलिस स्टेशन-गंगालूर, जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) और कुमारी सुखमती पुत्री पडगा, उम्र-30 वर्ष, गांव-मुक्कावेली, पुलिस स्टेशन-फारसेगढ़, जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई और साथ ही, एक 9 एमएम पिस्तौल, 02 मैगजीन, 07 जिंदा कारतूस, एक 12 बोर की राइफल, 06 जिंदा कारतूस, 16 पिट्टू, 03 बंडल इलैक्ट्रिक वायर, नक्सल यूनिफार्म, 300 ग्राम गन पाउडर, 10 पटाखे, दवाइयां, साहित्य आदि भी बरामद किए गए।

उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी, हेड कांस्टेबल शिव कुमार रामटेके, सिपाही छन्नू राम पोयाम और सिपाही गौतम कोरसा ने उत्कृष्ट साहसपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया, उन्होंने न केवल नक्सलवादियों की ओर से हो रही गोलियों की बौछार के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई की, बल्कि अन्य कार्मिकों को भीषण जवाबी कार्रवाई करने और अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवादियों के ठिकानों की ओर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया, जिसके फलस्वरूप उन्होंने घात लगाकर बैठे खूंखार नक्सलवादियों का सफलतापूर्वक सामना किया। उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी, हेड कांस्टेबल शिव कुमार रामटेके, सिपाही छन्नू राम पोयाम और सिपाही गौतम कोरसा द्वारा प्रदर्शित वीरता असाधारण है और यह दर्शाती है कि उनके पास बुद्धिमानी, श्रेष्ठ ऑपरेशनल सूझबूझ, अदम्य साहस, वीरता और विलक्षण शौर्यपूर्ण दृष्टिकोण है। अपने उत्कृष्ट ऑपरेशनल दृष्टिकोण की वजह से, उन्होंने नक्सलवादियों की घात के विरुद्ध सफलतापूर्वक नेतृत्व करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो इस प्रकार की परिस्थितियों और विषम भू-भाग में प्राप्त करना बहुत कठिन था और उन्होंने नक्सलवादी हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वश्री धरम सिंह तुलावी, उप-निरीक्षक, शिव कुमार रामटेके, हेड कांस्टेबल, छन्नू राम पोयाम, सिपाही और गौतम कोरसा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27/02/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/158/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 32-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री विक्रम	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.05.2022 को रात्रि लगभग 11 बजे, उप-निरीक्षक विक्रम द्वारा अपनी टीम के साथ किए गए अथक प्रयासों का फलदायी परिणाम निकला और विशेष सूचना के बाद तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, उपर्युक्त टीम ने ठिकाने/गतिविधि का पूरी तरह से पता लगाया, जिससे उनको पवन सहरावत उर्फ पौना को उसके दो अन्य साथियों नामतः आशु उर्फ पगलेट और गौरव त्यागी के साथ बुराडी, दिल्ली की ओर वजीराबाद फ्लाईओवर के निकट आउटर रिंग रोड पर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तारी की प्रक्रिया के दौरान, आत्मसमर्पण की चेतावनी दिए

जाने के बावजूद, पवन सहरावत उर्फ पौना और आशु उर्फ पगलेट ने पिस्तौलें निकाल ली और अपने बच निकलने का रास्ता बनाने के लिए पुलिस दल पर गोलीबारी कर दी। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने के बाद, उप-निरीक्षक विक्रम ने उनको आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। दूसरी ओर, आरोपी व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उप-निरीक्षक विक्रम के बायें पैर में चोट लग गई। इसके बावजूद, उप-निरीक्षक विक्रम ने बहादुरी और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया तथा आत्मरक्षा और दूसरी टीम के सदस्यों की सुरक्षा के लिए उन्होंने टीम के अन्य साथियों के साथ अपराधियों पर उनके नॉन-वाइटल अंगों को निशाना बनाकर चार राउंड गोलियां चलाई। आपसी गोलीबारी में पवन सहरावत उर्फ पौना और आशु उर्फ पगलेट के पैरों में भी गोली लगने से चोटें आईं। अपराधियों ने 6/7 राउंड गोलियां चलाई। तदनुसार, पुलिस स्टेशन-स्पेशल सेल, दिल्ली में आईपीसी की धारा 186/353/307/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 123/2022 दर्ज की गई है और जांच की जा रही है।

दो अत्याधुनिक अर्ध-स्वचालित पिस्तौलें, 315 बोर की दो देशी पिस्तौलें/देशी कट्टे, 9 एमएम के तीन जिंदा कारतूस, 315 बोर के 16 जिंदा कारतूस और दागे गए सात कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन के दौरान, उप-निरीक्षक विक्रम ने बड़ी बुद्धिमानी से टीम का नेतृत्व किया और एक सफल ऑपरेशन चलाया तथा एक छिट-पुट मुठभेड़ के बाद टिल्लू ताजपुरिया-परवेश मान-नीरज बवानिया के कुख्यात अंतर-राज्यीय गैंग के तीन खतरनाक शार्प-सूटर्स नामतः 1) पवन सहरावत उर्फ पौना, 2) आशु उर्फ पगलेट पुत्र राजेश और 3) गौरव त्यागी को गिरफ्तार कर लिया। इन खतरनाक अपराधियों की गिरफ्तारी के समय, उप-निरीक्षक विक्रम ने सबसे पहले इन अपराधियों को रोकने और साथ ही, अपनी टीम के सदस्यों की जान बचाने के लिए अपनी सर्विस पिस्तौल से एक राउंड गोली चलाकर स्थिति पर नियंत्रण कर लिया। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपनी जान की परवाह किए बिना अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करने के दौरान इन अपराधियों द्वारा चलाई गई गोली से उनकी बायें टांग में चोट भी लग गई थी। ये सभी प्रयास उप-निरीक्षक विक्रम की असाधारण कर्तव्यपरायणता और वीरतापूर्ण कार्रवाई को दर्शाते हैं।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के श्री विक्रम, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18/05/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/83/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 33-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री शम्भू दयाल मीणा	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक महिला नामतः वंदना पत्नी श्री विनोद निवासी झुग्गी सं. 137, फेज-I, मायापुरी दिनांक 04.01.2023 को सायं लगभग 04:00 बजे पुलिस स्टेशन मायापुरी में पहुंची और उसने यह सूचना दी कि एक व्यक्ति ने उसके पति का मोबाइल फोन चुरा लिया तथा उन्हें धमकी दी। सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा को उपर्युक्त कॉल पर तैनात किया गया। उस समय, पहले से अन्य पीसीआर कॉल/आवश्यक ड्यूटी पर तैनात होने के कारण कोई दूसरा व्यक्ति पुलिस स्टेशन में मौजूद नहीं था, इसलिए सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा शिकायतकर्ता के साथ मौके पर पहुंचे, जहां शिकायतकर्ता ने उस व्यक्ति की ओर इशारा किया, जिसने मोबाइल फोन चुराया था। सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा ने तत्काल कथित व्यक्ति, जिसकी पहचान बाद में अनीस पुत्र प्रह्लाद राज निवासी झुग्गी सं. 10सी/187, मायापुरी फेज-II, उम्र 24 वर्ष के रूप में की गई, को दबोच लिया और उसे पुलिस स्टेशन मायापुरी लेकर जाने लगे, जहां बी-115, फेज-I, मायापुरी के नजदीक कथित अभियुक्त ने अचानक अपनी शर्ट के भीतर छिपाया हुआ चाकू निकाल लिया और सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा के शरीर के विभिन्न अंगों अर्थात् गर्दन, छाती, पेट और पीठ पर हमला कर दिया। 57 वर्ष के और खाली हाथ होने के बावजूद सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा ने अपनी जान की परवाह किए बिना अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए अपने शरीर में विभिन्न चोटें लगने पर भी उक्त अपराधी का बहादुरी से सामना किया, उसे दबोच लिया और उस खतरनाक सशस्त्र अपराधी को गिरफ्तार कर लिया तथा लोगों द्वारा की गई पीसीआर कॉल प्राप्त होने पर पुलिस स्टेशन से आवश्यक सहायता टीम के पहुंचने तक उसे बचकर भागने नहीं दिया। वहां पर अनेक लोग खड़े हुए थे परन्तु उनमें से किसी ने भी सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा की सहायता नहीं की और वे मूकदर्शक बने रहे। ये केवल बहादुर सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा ही थे,

जिन्होंने अपने महत्वपूर्ण अंगों पर चाकू से हमला किए जाने के बावजूद अनुकरणीय शौर्यपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया और उस सशस्त्र हमलावर चोर को पकड़े रखा। इस कार्रवाई की आम लोगों और मीडिया द्वारा खूब प्रशंसा की गई।

पुलिस स्टेशन मायापुरी के पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा की हिरासत से कथित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया तथा उक्त आरोपी के कब्जे से वह चाकू (अपराध में प्रयुक्त हथियार) बरामद कर लिया। अतिरिक्त जांच के दौरान, चुराया गया मोबाइल फोन भी उसके पास से बरामद कर लिया गया। घायल सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा को उपचार के लिए डीडीयू अस्पताल, हरि नगर, दिल्ली में भर्ती कराया गया, परन्तु उन्हें अधिक उपचार के लिए उच्चतर केंद्र को रेफर कर दिया गया। घायल सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा को बीएल कपूर अस्पताल ले जाया गया। बीएल कपूर अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा किए गए सभी संभव प्रयासों के बावजूद, घायल सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा की चोटों के कारण 8 जून, 2023 को मृत्यु हो गई।

घायल सहायक उप-निरीक्षक शम्भू दयाल मीणा के बयान के आधार पर पुलिस स्टेशन मायापुरी में आईपीसी की धारा 186/353/332/307 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27/54/59 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 04/23 दिनांक 04.01.2023 दर्ज कर ली गई और तदनुसार जांच शुरू कर दी गई। उक्त आरोपी झपटमारी, चोरी और निषेधात्मक कार्रवाई जैसे विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त पाया गया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के स्व. श्री शम्भू दयाल मीणा, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04/01/2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/88/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 34-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मनमीत मालिक	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	राजीव कुमार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गोगी गैंग की गतिविधियों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, इसके हताश शूटर नामतः कुलवंत दलाई उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम छारा, थाना असौधा, जिला झज्जर, हरियाणा को सेक्टर-23 पुलिस स्टेशन, द्वारका, दिल्ली के क्षेत्र में गोलीबारी के बाद आईएससी/अपराध शाखा द्वारा गिरफ्तार किया गया था। यह शूटर दिल्ली के कंझावाला पुलिस स्टेशन के एक जबरन वसूली-सह-गोलीबारी मामले में वांछित था, जिसमें कथित कुलवंत ने दिनांक 23.10.2023 को पीड़ित राहुल डबास के मुख्य द्वार पर कई राउंड गोलीबारी की थी। एक पीड़ित के घर के मुख्य द्वार के पास 02 खाली कारतूस और 03 पर्चे मिले, जिनमें गोगी गैंग के सदस्यों द्वारा 1 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की गई थी और धमकी दी गई थी। पर्चों में लिखा था कि अगर मांग पूरी नहीं की गई, तो अगली बार उनके परिवार में किसी के सीने पर गोली मार दी जाएगी। इस संबंध में, कंझावाला पुलिस स्टेशन, दिल्ली में आईपीसी की धारा 336/387 तथा आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 426/2023 दर्ज किया गया।

आईएससी/अपराध शाखा की टीम दिल्ली में इस गिरोह से संबंधित घटनाओं पर नजर रखती रही है और वह तुरंत कार्रवाई करने में जुट गई। संदिग्धों पर मैनुअल और तकनीकी निगरानी रखी गई। इसके बाद, एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कंझावाला पुलिस स्टेशन, दिल्ली में गोलीबारी-सह-जबरन वसूली की घटना में शामिल एक संदिग्ध अपने साथियों से मिलने के लिए सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन, द्वारका, दिल्ली के पास आएगा। यह भी बताया गया कि वह अपने पास हमेशा आग्नेयास्त्र/हथियार रखता है और पुलिस टीम पर गोलियां चलाने में संकोच नहीं करता। तदनुसार, इस हताश अपराधी को पकड़ने के लिए एसीटी रमेश चंदर लांबा की कड़ी निगरानी में और निरीक्षक मनमीत मालिक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक जय कुमार, राजीव कुमार, विकास सोलंकी, हेड कांस्टेबल बिजेंद्र हरेंद्र और सिपाही आशीष मालिक शामिल थे। टीम को संदिग्ध द्वारा गोली चलाए जाने से तत्काल खतरे के बारे में भी जानकारी दी गई थी।

प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने सूचना में बताए गए स्थान पर जाल बिछाया और दिनांक 27.10.2023 को लगभग 02:00 बजे, वांछित आरोपी को रेलवे अंडरपास सेक्टर-21, भरथल रोड, द्वारका, दिल्ली के पास मोटरसाइकिल पर देखा। टीम के सदस्यों ने उसे रुकने

का इशारा किया लेकिन उसने अपनी मोटरसाइकिल रोकने के बजाय सर्विस रोड से भागने की कोशिश की। जब पुलिस दल ने उसे आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया, तो उसने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें 3 राउंड गोलीबारी हुई और एक गोली ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे निरीक्षक मनमीत मालिक के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए 04 राउंड गोलीबारी की, जिसमें उपरोक्त आरोपी को उसके बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगी और छापेमारी दल ने तुरंत उसे काबू में कर लिया। आरोपी की पहचान कुख्यात 'गोगी गैंग' के शार्प शूटर कुलवंत दलाई के रूप में हुई।

इस संबंध में, पुलिस स्टेशन अपराध शाखा, दिल्ली में आईपीसी की धारा 186/353/307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 257/2023 दर्ज किया गया। अपराध में प्रयुक्त पुलिस स्टेशन बेगमपुर क्षेत्र से लूटी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। उसके कब्जे से 03 स्वचालित पिस्तौल, एक देशी पिस्तौल और 24 जिंदा कारतूस भी बरामद किये गये।

उससे निरंतर की गई पूछताछ के दौरान, उसने खुलासा किया कि उसे जेल में बंद अपने सहयोगियों से निर्देश मिले थे। इसके बाद, दिनांक 31.10.2023 को आरोपी व्यक्ति (1) दीपक डबास उर्फ तीतर, पुत्र राजबीर सिंह, निवासी मकान संख्या 101, गांव माजरा डबास, दिल्ली, उम्र 30 वर्ष (2) मोहित बधानी उर्फ अनुज उर्फ मोहित उर्फ लांबा उर्फ शोकी नागा पुत्र अशोक, निवासी ग्राम + डाकघर भधानी सदर, जिला झज्जर, हरियाणा, उम्र 24 वर्ष (3) दिनेश कराला पुत्र बिजेंदर सिंह निवासी मकान संख्या सीएन 843 पाना सतगढ़, ग्राम कराला, दिल्ली, उम्र 31 वर्ष को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था।

इसके अलावा, दिनांक 03.11.2023 को एक और आरोपी मंजीत मन्नी पुत्र अशोक निवासी ग्राम+पीओ भधानी सदर, जिला झज्जर, हरियाणा उम्र 21 वर्ष (साजिश में शामिल आरोपी मोहित भधानी का भाई) को भी उसके गांव भधानी सदर, झज्जर, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

गोलीबारी की इस घटना में, निरीक्षक मनमीत मालिक और सहायक उप-निरीक्षक राजीव कुमार ने आरोपी द्वारा हताशा में गोली मारे जाने के बावजूद अदम्य वीरता, साहस और कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च समर्पण का परिचय दिया। यह तीव्र बुद्धिमत्ता, वीरता की भावना और दृढ़ निश्चय ही था जिसने सहायक उप-निरीक्षक राजीव कुमार के साथ-साथ निरीक्षक मनमीत मालिक को भी अच्छी स्थिति में बनाए रखा और वे ऐसे गंभीर खतरे का सामना करते समय जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम रहे। निस्संदेह, सबसे कठिन परिस्थिति में यह एक वीरतापूर्ण अनुकरणीय कार्य है।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वश्री मनमीत मालिक, निरीक्षक और राजीव कुमार, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27/10/2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/167/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 35-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विनयपाल	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मोहम्मद अकमल खान	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	सिकंदर खान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय जानकारी से पता चला कि भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए, साथ ही अपनी भूमिका को छिपाने और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा जांच से बचने के लिए, पाक-आईएसआई ने पाक आधारित और संरक्षित आतंकवादियों का उपयोग करके भारत केंद्रित आईएसआईएस का मुखौटा तैयार किया है, जो भारत से भागे हुए हैं और जिनके नाम फरहतुल्ला गौरी और उसका दामाद शाहिद फैसल (दोनों फरार आरोपी अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में शामिल थे और वर्तमान में पाकिस्तान में छिपकर पाक-आईएसआई के लिए काम कर रहे) हैं।

सुरागों की कड़ियों को जोड़ते हुए, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और महाराष्ट्र में मौजूदगी के साथ एक ऐसे मॉड्यूल की पहचान की गई। प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, इमरान खान और यूनस साकी नाम के आईएसआईएस के दो सक्रिय आतंकवादियों को पुणे, महाराष्ट्र में

पुणे पुलिस ने गिरफ्तार किया। तथापि, गिरफ्तार व्यक्तियों में से एक शाहनवाज आलम उर्फ अब्दुल्ला पुलिस हिरासत से भागने में सफल हो गया। मामले की आगे की जांच के लिए इसे बाद में एनआईए को अंतरित किया गया, जिसने बाद में फरार आतंकवादी शाहनवाज आलम उर्फ अब्दुल्ला उर्फ मोहम्मद इब्राहिम उर्फ प्रिंस और अन्य 3 आरोपियों की गिरफ्तारी पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया।

दिनांक 18.09.2023 को, विशेष सूचना मिलने पर कि आरोपी शाहनवाज आलम निवासी- हज़ारीबाग, झारखंड, रिज़वान अली, निवासी- दिल्ली के साथ घूम रहा है और अपने अन्य सहयोगियों के साथ दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा है। उनकी तैयारी अग्रिम चरण में है और इस उद्देश्य के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदे गए हैं तथा दिल्ली में ठिकाना बना लिया है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल में आईपीसी की धारा 120बी के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 243/23 दर्ज किया गया था।

दिनांक 30/09/23 को, सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि यदि समय पर संबंधित व्यक्तियों/सहयोगियों पर छापेमारी की जाये तो फरार आरोपी शाहनवाज आलम एवं रिज़वान को गिरफ्तार किया जा सकता है। तदनुसार, दिनांक 01.10.2023 को विश्वसनीय सूचना के आधार पर, केंद्रीय खुफिया एजेंसी और संबंधित राज्य की पुलिस की सहायता से तीन राज्यों (दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड) में अनेक समन्वित छापे मारे गए।

जांच के दौरान, इस मामले में मोहम्मद अरशद वारसी और मोहम्मद रिज़वान अशरफ को गिरफ्तार किया गया था। मोहम्मद अरशद वारसी ने खुलासा किया कि शाहनवाज आलम को वह जानता है और वह शाहनवाज और अन्य के साथ दिल्ली तथा आसपास के क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में भागीदार है। उसने यह भी खुलासा किया कि शाहनवाज आलम ने हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदे हैं तथा अपनी आपराधिक साजिश को अंजाम देने के लिए दिल्ली में किराए पर कमरा लिया है।

इसके बाद, एक छापेमारी टीम का गठन किया गया, जिसमें निरीक्षक विनय पाल, उप-निरीक्षक मोहम्मद अकमल खान, हेड कांस्टेबल सिकंदर खान और अन्य शामिल थे। दिनांक 01/10/23 को लगभग 09:30 बजे रात्रि में, आरोपी मोहम्मद अरशद वारसी के साथ छापेमारी टीम ने जैतपुर, दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। निरीक्षक विनय पाल ने बुलेट प्रूफ जैकेट पहन रखी थी।

आरोपी मोहम्मद अरशद वारसी अपनी मर्जी से, पुलिस टीम को 5वीं मंजिल, नंबरदार अपार्टमेंट ई-90, जैतपुर पार्ट-II, दिल्ली ले गया। आरोपी मोहम्मद अरशद वारसी के इशारे पर निरीक्षक विनय पाल ने छत के बायीं ओर स्थित फ्लैट का दरवाजा खटखटाया। शाहनवाज आलम ने दरवाजा खोला और पुलिस टीम को देखकर तुरंत फ्लैट के दूसरे कमरे के अंदर भाग गया। निरीक्षक विनय पाल, उप-निरीक्षक एम.ए. खान और हेड कांस्टेबल सिकंदर ने फ्लैट के अंदर उसका पीछा किया। तुरंत, उसने कमरे के फर्श पर पड़े अपने गद्दे के नीचे से अपनी पिस्तौल निकाली और पुलिस टीम को निशाना बनाया। निरीक्षक विनय पाल, उप-निरीक्षक एम.ए. खान और हेड कांस्टेबल सिकंदर ने अत्यधिक सूझबूझ और असाधारण साहस दिखाया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना शाहनवाज आलम पर झपट पड़े। शाहनवाज आलम ने जान से मारने की नियत से उन पर गोली चलायी, लेकिन पिस्तौल का कारतूस फायर नहीं हुआ। अपनी जान की परवाह किए बिना निरीक्षक विनय पाल ने आरोपी शाहनवाज आलम को काबू में कर लिया, जबकि उप-निरीक्षक मोहम्मद अकमल खान और हेड कांस्टेबल सिकंदर ने शाहनवाज आलम के साथ थोड़ी हाथापाई के बाद सावधानी से उसके हथियार छीन लिए। मोहम्मद शाहनवाज आलम उर्फ अब्दुल्ला, पुत्र शफीउज्जमा खान, निवासी पेलावल रोड के सामने, हज़ारीबाग, झारखंड, उम्र - 31 वर्ष को निरीक्षक विनय पाल, उप-निरीक्षक एम.ए. खान और हेड कांस्टेबल सिकंदर खान ने पकड़ लिया।

आरोपी मोहम्मद शाहनवाज आलम के कब्जे से बरामद पिस्तौल की मैगजीन में छह जिंदा कारतूस थे और पिस्तौल के चैंबर में फायर नहीं हुआ एक जिंदा कारतूस था। आरोपियों ने पुलिस पार्टी को जान से मारने के इरादे से फायरिंग की और उन्हें अपना विधिक कर्तव्य निभाने से रोका। इसलिए, पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल, दिल्ली में आईपीसी की धारा 186/353/307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 255/2023 दर्ज किया गया था।

निरीक्षक विनय पाल, उप-निरीक्षक मोहम्मद अकमल खान और हेड कांस्टेबल सिकंदर खान की साहसिक कार्रवाई ने न केवल पुलिस के उच्चतम रैंक के अधिकारियों और मीडिया से, बल्कि बड़े पैमाने पर आम जनता से भी बड़ी प्रशंसा हासिल की। निडर और अविचलित होकर, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाली और इस खूंखार आतंकवादी को पकड़ने के दौरान कोई सुरक्षा नहीं होने के बावजूद, अपनी निजी जिंदगी की परवाह किए बिना बहादुरी से इस हताश आतंकवादी का सामना किया, क्योंकि वे गोलीबारी के बीच में थे तथा उन्होंने अदम्य साहस, समर्पण, सूझबूझ तथा एक दुर्लभ वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वोच्च विनयपाल, निरीक्षक, मोहम्मद अकमल खान, उप-निरीक्षक और सिकंदर खान, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01/10/2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/169/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 36-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राहुल विक्रम	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता पदक
2.	विक्रम	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गैंगस्टर दीपक उर्फ टीनू, पंजाब स्थित जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया का करीबी साथी है और पंजाब के मनसा में लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की सनसनीखेज हत्या सहित हरियाणा और पंजाब में गिरोह-संबंधी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। 1-2 अक्टूबर, 2022 की मध्यरात्रि को दीपक उर्फ टीनू पंजाब पुलिस की हिरासत से भागने में सफल रहा।

गैंगस्टर दीपक उर्फ टीनू की आपराधिक पृष्ठभूमि: दीपक उर्फ टीनू, भिवानी, हरियाणा का स्थानीय अपराधी है, जो हरियाणा में हत्या के प्रयास, डकैती, कार-जैकिंग और जबरन वसूली के कई मामलों में शामिल रहा है। अपने कारावास के दौरान, उसने पंजाब के गैंगस्टर लवी देवड़ा से प्रतिस्पर्धा की और खतरे का मुकाबला करने के लिए, लॉरेंस बिश्नोई और संपत नेहरा के गिरोह से नाता जोड़ लिया।

इसके बाद, वह अपने गिरोह के साथियों की मदद से हरियाणा पुलिस की हिरासत से भाग गया और सरेआम अपने प्रतिद्वंद्वियों-लवी देवड़ा एवं दलजीत सिंह, की हत्या कर दी। इसके बाद, उसने भिवानी, हरियाणा में एक और प्रतिद्वंद्वी बंटी उर्फ मास्टर की हत्या कर कुख्याति प्राप्त की। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और जेल भेज दिया गया। जेल में रहने के दौरान, उसने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और अन्य के साथ मिलकर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की साजिश रची। दीपक उर्फ टीनू, पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में आरोपित 24 अभियुक्तों में से एक है।

पंजाब पुलिस की हिरासत से कुख्यात गैंगस्टर दीपक उर्फ टीनू के भागने से दिल्ली पुलिस के जांचकर्ताओं में चिंता बढ़ गई, क्योंकि यह रिकॉर्ड में था कि वह पहले पुलिस हिरासत से भाग गया था और बाद में हत्या, सशस्त्र डकैती, जबरन वसूली सहित कई हिंसक अपराधों और व्यक्तिगत लाभ के लिए गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दे चुका था। इसके अलावा, उसके भागने का मकसद गिरोह का नेतृत्व करना था, क्योंकि उसके अधिकांश अन्य कमांडरों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था।

खतरे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त, राहुल विक्रम और निरीक्षक विक्रम ने ऑपरेशन की कमान संभाली। अभियुक्त के फरार के पहले दिन से, काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने मेटाडेटा का विश्लेषण कर, डोजियर संकलित कर और महत्वपूर्ण जानकारी को फिल्टर करने के लिए एक डेटाबेस बनाकर गैंगस्टर से संबंधित सुराग इकट्ठा करने का काम करना शुरू कर दिया। फील्ड टीम ने टावर सेल आईडी एकत्र की तथा उसके द्वारा भागने हेतु चुने गये संभावित मार्गों का सीसीटीवी कवरेज प्राप्त करने के लिए विभिन्न टोल प्लाजा का दौरा किया। प्रासंगिक जानकारी निकालने के लिए दोनों ने इस डेटा का विस्तार से विश्लेषण किया।

ये सभी प्रयास सामूहिक रूप से राजस्थान में अत्यधिक संदिग्ध गतिविधियों की ओर इशारा कर रहे थे। पहचाने गए संदिग्ध पर भौतिक निगरानी बनाए रखने के लिए सूत्र जुटाए गए और टीमें भेजी गईं। फील्ड टीम से जुड़े डेटा और भौतिक निगरानी के विश्लेषण के परिणामस्वरूप राजस्थान के अजमेर में गैंगस्टर की शिनाख्त की गई। सहायक पुलिस आयुक्त, राहुल विक्रम और निरीक्षक, विक्रम अपनी सहायता टीम के साथ, संदिग्ध की पहचान सत्यापित करने तथा आगे की कार्रवाई करने के लिए तुरंत उक्त स्थान पर पहुंचे।

दिनांक 19 अक्टूबर, 2022 को जांच दल ने ग्राम बघेरा, थाना केकड़ी, अजमेर, राजस्थान में अपनी जांच करते हुए संदिग्ध को ढूंढ निकाला। पूरी तरह से फील्डवर्क करने के बाद, टीम ने गांव के भीतर एक जटिल स्थलाकृति में संदिग्ध के ठिकाने का पता लगाया। ठिकाने को पूरी तरह से कवर करने के लिए टीम को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह का नेतृत्व सहायक पुलिस आयुक्त, राहुल विक्रम और दूसरे समूह का नेतृत्व निरीक्षक, विक्रम कर रहे थे। टीमों ने एक दूसरे के साथ समन्वय में काम किया और रणनीतिक रूप से संदिग्ध के घर में घुसकर उसे आत्मसमर्पण करने को कहा।

इसके बावजूद, संदिग्ध, जिसकी पहचान बाद में वांछित गैंगस्टर दीपक उर्फ टीनू के रूप में हुई, ने आत्मसमर्पण करने के आह्वान का पालन नहीं किया और इसके बजाय, उसने अपने बैग से एक हैंड ग्रेनेड निकाला और उसकी सेफ्टी पिन निकालकर विस्फोट करने का प्रयास किया।

तत्काल खतरे को भांपते हुए, सहायक पुलिस आयुक्त, राहुल विक्रम और निरीक्षक, विक्रम जो छापेमारी टीम में सबसे आगे थे, ने तुरंत खतरे को बेअसर करने हेतु जवाबी कार्रवाई की और दीपक उर्फ टीनू को ग्रेनेड विस्फोट करने से पहले ही काबू कर लिया। अभियुक्त को पकड़ने के बाद, घर की तलाशी ली गई और अभियुक्त के पास से उच्च विस्फोटक क्षमता वाले कुल 05 लाइव ग्रेनेड तथा 02 अर्ध-स्वचालित पिस्तौल के साथ अत्यधिक संख्या में जीवित कारतूस बरामद किए गए। इस बीच, जिस व्यक्ति ने संदिग्ध को आश्रय दिया हुआ था, उसने ऑपरेशन में बाधा डालने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को इकट्ठा किया और विरोध करना शुरू कर दिया। हालांकि, सहायक पुलिस आयुक्त, राहुल विक्रम और निरीक्षक, विक्रम ने उल्लेखनीय सूझबूझ दिखाई और आक्रामक भीड़ से पेशेवर तरीके से तथा चतुराई से निपटते हुए अभियुक्त की सुरक्षित हिरासत सुनिश्चित की।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्वश्री राहुल विक्रम, सहायक पुलिस आयुक्त और विक्रम, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19/10/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/170/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 37-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, हरियाणा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री प्रदीप कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एटीएम काटने वाले गिरोह बड़े पैमाने पर दक्षिण हरियाणा (जिला पलवल, नूंह और गुरुग्राम) के इलाकों में सक्रिय थे। जब भी उन्हें पुलिस दलों द्वारा रोका जाता था, तो पुलिस दल पर नृशंस हमले किए जाते थे, जिसके बाद, गिरोह अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से अपनी गतिविधियों को अंजाम देने लगा। इसका सीधा असर न केवल बैंकों पर पड़ रहा था, बल्कि आम जनता का स्थानीय पुलिस पर से विश्वास उठ रहा था और साथ ही पुलिस का मनोबल भी प्रभावित हो रहा था। ऐसे ही एक गिरोह की पहचान की गई, जिसका नेतृत्व इकराम अरशद द्वारा किया जा रहा था और यामीन तथा आज़ाद उसके साथी थे। इकराम 24 मामलों में शामिल था, जिनमें पुलिस कर्मियों पर हमला, हत्या का प्रयास, हिरासत से फरार होने, आयुध अधिनियम, दंगा, डकैती, चोरी तथा चोरी की वस्तुओं का सौदा करना शामिल था। उसे उत्तर प्रदेश में लक्षित अपराधी घोषित किया गया था और उस पर गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधान भी लागू किए गए थे। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50,000/- रुपये का नकद ईनाम घोषित किया गया था और अन्य 50,000/- रुपये की घोषणा प्रक्रियाधीन थी। इकराम का साथी अरशद पुलिस पार्टी पर हमला, हत्या के प्रयास, हिरासत से फरार होने, आयुध अधिनियम, दंगा, डकैती, चोरी, चोरी की वस्तुओं का सौदा करने, छेड़छाड़ तथा डकैती की योजना बनाने सहित 10 मामलों में शामिल था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 25,000/- रुपये का नकद ईनाम रखा गया था। गिरोह को नष्ट करने के लिए प्रभारी, सीआईए/रेवाड़ी के पद पर तैनात निरीक्षक प्रदीप कुमार को चुना गया और तदनुसार निर्देशित किया गया। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने पूरे दक्षिणी हरियाणा में अपने स्रोत सक्रिय कर दिए और अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में थे। ऐसे ही एक मुखबिर ने इकराम के गिरोह की संभावित गतिविधि के संबंध में सूचना दी। गिरोह की पिछली गतिविधियों (पुलिस पार्टियों पर बेरहमी से हमला करने) से डरे बिना, निरीक्षक प्रदीप कुमार ने एक पुलिस पार्टी गठित की और घटनास्थल की ओर रवाना हुए। इस स्थिति में, शांतिपूर्वक आत्मसमर्पण करने के बजाय, गैंगस्टरों ने पुलिस पार्टी पर हमला करने का प्रयास किया। अपनी जान की परवाह किए बिना निरीक्षक प्रदीप कुमार, सहायक उप-निरीक्षक राकेश कुमार और सिपाही पवन कुमार ने गोलियों की बौछार के बीच इन खूंखार बदमाशों पर काबू पा लिया। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने सिपाही पवन कुमार और उनके नेतृत्व वाले पुलिस दल के अन्य सदस्यों की जान बचाने के लिए दो राउंड फायरिंग की। निरीक्षक प्रदीप कुमार द्वारा चलाई गई एक गोली अरशद के सिर में लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने मौके पर स्थिति को संभालने में अनुकरणीय साहस दिखाया, जिसके विफल होने पर पुलिस पार्टी को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते थे। सिपाही पवन कुमार घायल हो गए, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट पहनने के कारण उन्हें बचा लिया गया। गिरोह के सदस्यों से पूछताछ में पश्चिम बंगाल के एटीएम तोड़ने के 07 मामलों (नकद चोरी रु. 95,66,800/-) का भी पता चला। इस कार्रवाई के बाद, अन्य गिरोहों ने अपना कार्यक्षेत्र बदल लिया और दक्षिणी हरियाणा में ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया।

इस ऑपरेशन में, हरियाणा पुलिस के श्री प्रदीप कुमार, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 21/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/171/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 38-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद रफी राथर	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	डॉ शम्मी कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	जाकिर हुसैन	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.06.2019 को, विश्वसनीय सूत्रों से गांव मरहामा बिजबेहरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई। विश्वसनीय रूप से यह पता चला कि किसी विध्वंसक कार्रवाई को अंजाम देने के लिए आतंकवादियों का एक समूह इलाके में आया है। तदनुसार, अनंतनाग पुलिस द्वारा तीसरी आरआर और सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी अभियान के दौरान, आतंकवादियों ने हताहत करने, घेराबंदी को तोड़ने और भागने के इरादे से तलाशी/घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अनंतनाग/पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, अनंतनाग की कमान के तहत पुलिस दल, तीसरी आरआर और सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और घेराबंदी को अत्यधिक मजबूत कर दिया गया। ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, उस घर में घुसने के लिए एक टीम तैयार की गई, जिसमें आतंकी छिपे हुए थे।

आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उनकी ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और उन्होंने तलाशी दल, जिसमें मोहम्मद रफी राथर, पुलिस उपाधीक्षक, डॉ. शम्मी कुमार, पुलिस उपाधीक्षक और जाकिर हुसैन, एस.जी.सीटी शामिल थे, पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें ये सभी बाल-बाल बचे। पुलिस अधीक्षक, मुब्बाशर हुसैन यूसुफ के नेतृत्व में दूसरे दल ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी पीछे हट गए। अत्याधुनिक अवैध हथियारों/गोला-बारूद से लैस आतंकवादियों ने दूसरी तरफ घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया और तलाशी दलों पर कई हैंड ग्रेनेड फेंके और तैनात बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद रफी राथर और पुलिस उपाधीक्षक डॉ. शम्मी कुमार के नेतृत्व में तलाशी दलों ने अपनी जान की परवाह किए बिना अत्यंत प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दो खूंखार आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में "ग" श्रेणी के तौसीफ अहमद भट्ट पुत्र मोहम्मद अशरफ भट्ट, निवासी मरहामा बिजबेहरा और "ग" श्रेणी के सज्जाद अहमद भट्ट पुत्र मोहम्मद मकबूल भट्ट, निवासी बागपोरा मरहामा के रूप में हुई।

मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद हुआ। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन बिजबेहरा में आरपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 81/2019 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद रफी राथर, पुलिस उपाधीक्षक, डॉ. शम्मी कुमार, पुलिस उपाधीक्षक और जाकिर हुसैन, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1140/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 39-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	इशफाक अहमद	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मुजफ्फर अहमद भट्ट	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.06.2021 को लगभग 23.09 बजे, गांव गुंड-ब्राथ, सोपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर, सोपोर पुलिस, सेना की 22आरआर और सीआरपीएफ की 179/92वीं बटालियन द्वारा इलाके में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। चूंकि पहले से ही विश्वसनीय/पुख्ता सूचना थी कि आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं और एक आवासीय

घर में छिपे हुए हैं तथा घेराबंदी देर रात में इसलिए शुरू की गई थी, क्योंकि सभी नागरिक अपने आवासीय घरों में गहरी नींद में थे और ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में यदि उसी समय पर तलाशी अभियान को तेज कर दिया गया होता तो नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऑपरेशन क्षतिरहित रहे, सेना/सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ परामर्श करके सिविलियनों को बाहर निकालने को प्रथम और सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई। सभी प्रवेश और निकासी मार्गों को बंद कर दिया गया और तेज रोशनी की व्यवस्था की गई ताकि आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर घेराबंदी से भाग न सकें। तदनुसार, सही रणनीति के अनुसार, दूसरे संयुक्त दल की बैकअप/कवर गोलीबारी की आड़ में पहले फंसे हुए सिविलियनों को सुरक्षित निकालने के लिए एक एडवांस टीम के रूप में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसमें निरीक्षक इशफाक अहमद, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद भट्ट और अन्य शामिल थे।

तदनुसार, पहली संयुक्त टीम ने कार्रवाई प्रारंभ की और फंसे हुए सभी नागरिकों को बाहर निकाला और नागरिकों को निकाले जाने के दौरान भी, आतंकवादियों ने निकासी प्रक्रिया को रोकने और नागरिकों को बंधक बनाने के इरादे से संयुक्त दल पर रुक-रुक कर गोलीबारी की, जिसमें कुछ गोलियां टीम के सदस्यों के आस-पास भी लगीं, लेकिन टीम के सदस्यों ने अपना मनोबल बनाए रखा और फंसे हुए सभी सिविलियनों को लक्षित घर और उसके आसपास के घरों/क्षेत्र से बाहर निकाला और इस तरह उन्होंने सिविलियनों की सुरक्षा तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी।

सिविलियनों की निकासी की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद सभी प्रवेश और निकासी मार्गों को सील करके घेराबंदी को और सख्त करके तलाशी अभियान भी तेज कर दिया गया, जिसके दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने एडवांस तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका संयुक्त दलों ने जवाब दिया, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादी दो मंजिला कंक्रीट निर्मित घर में छिपे हुए थे, जो चतुराई से घर में अपनी स्थिति बदलते रहे और सुरक्षा बलों को लंबे समय तक उलझाए रहे, इसके अलावा लक्षित घर एक भीड़भाड़ वाले इलाके पर स्थित था और इसका पिछला हिस्सा बगीचों से ढका हुआ था और ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में सुरक्षा बल अतिरिक्त क्षति के डर से काफी देर तक आसानी से लक्षित घर तक नहीं पहुंच सके। अंततः, पहली संयुक्त टीम अंतिम और निर्णायक हमले के लिए लक्षित घर तक पहुंचने के लिए स्वेच्छा से आगे बढ़ी और दूसरी टीम जिसमें सीआरपीएफ और पुलिस शामिल थी, को पहली टीम के लक्षित घर तक पहुंचने तक बैकअप देने/गोलीबारी से बचने के लिए और आतंकवादियों से निपटने के लिए पहली टीम के बैकअप के रूप में रखा गया। तदनुसार, पहली टीम ने दूसरे दल की बैकअप गोलीबारी की आड़ में लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। जैसे ही एडवांस टीम लक्षित घर तक पहुंचने वाली थी, वैसे ही आतंकवादियों को यह आभास होने लगा कि सुरक्षा बल लक्षित घर तक पहुंचने वाले हैं, तीन आतंकवादी अचानक गोलियों की बौछार करते हुए मुख्य दरवाजे से घर से बाहर कूद गए और उन्होंने बागान क्षेत्र का फायदा उठाकर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन इससे पहले कि आतंकवादी मौके से भागते, एडवांस टीम विशेष रूप से निरीक्षक इशफाक अहमद और श्री मुजफ्फर अहमद भट्ट चट्टान की तरह डटे रहे और उन्होंने प्रभावी तरीके से गोलीबारी का जवाब दिया एवं इसके बाद हुई आमने-सामने की गोलीबारी में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया और बाद में उनकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादी मुदासिर अहमद पंडित उर्फ मुदु उर्फ अबू माज भज्जी पुत्र मुश्ताक अहमद निवासी बुनपोरा डेंजरपोरा, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के खुर्शीद अहमद मीर उर्फ हाशिम उर्फ अहमद पुत्र गुलाम हसन मीर निवासी ब्राथ कलां सोपोर, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादी अब्दुल्ला उर्फ असरार, निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सोपोर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 162/2021 दर्ज है। मारा गया आतंकवादी मुदासिर अहमद पंडित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन का मुख्य कमांडर था और कई विध्वंसक गतिविधियों, सिविलियनों की हत्याओं और पुलिस/सुरक्षा बल प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री इशफाक अहमद, निरीक्षक और मुजफ्फर अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1158/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 40-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सज्जाद अहमद मलिक	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	सुख देव	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3.	मंजूर हुसैन पीर	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कुलगाम पुलिस ने दिनांक 17.11.2021 को, गांव पोम्बे डी.एच.पोरा कुलगाम में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता जानकारी जुटाई। तुरंत ही, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, आईपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने पुलिस, 9 आरआर, सीआरपीएफ 18वीं बटालियन की टुकड़ी और क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग की अलग-अलग टीमों का गठन किया, ताकि युद्ध स्तर पर इलाके की घेराबंदी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादियों के पास वहां से भागने का कोई अवसर न बचे। जब भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए, तो नागरिकों के कीमती जीवन को बचाने के लिए वहां से उन्हें निकालने पर विशेष ध्यान दिया गया।

जैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में तलाशी दल संदिग्ध गौशाला की ओर बढ़ा, अवैध हथियारों से लैस छिपे हुए आतंकवादियों ने जान से मारने के इरादे से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने अपनी टीम के साथ जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों के साथ भीषण लड़ाई लड़ी, जिससे मुठभेड़ हो गई। लक्षित गौशाला को चारों तरफ से घेर लिया गया और छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। बंदूक की लड़ाई के दौरान, बहादुर अधिकारी ने अपनी क्यूआरटी और 9 आरआर तथा सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन/क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग के साथ मिलकर राज्य की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के हित में अपनी जान जोखिम में डालते हुए तीन कट्टर वर्गीकृत आतंकवादियों को बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मौके पर ही मार गिराया।

पुलिस दल, विशेषकर श्री सज्जाद अहमद मलिक, पुलिस उपाधीक्षक, उप-निरीक्षक सुख देव और हेड कांस्टेबल मंजूर हुसैन पीर, द्वारा प्रदर्शित सूझ-बूझ ने उनके द्वारा अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा की परवाह किए बिना 03 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। इसके अलावा, उन्होंने सूझबूझ का परिचय दिया और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराने में रणनीतिक कौशल का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने और हमारे देश के शांतिप्रिय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के क्षतिरहित अभियान समय की मांग हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में शाकिर अहमद नजर पुत्र गुलजार अहमद निवासी पानीपोरा कुलगाम, मोहम्मद असलम डार पुत्र मोहम्मद रफीक डार निवासी रेडवानी बाला और सुमेर अहमद नजर पुत्र अब्दुल हमीद नजर निवासी कानीपोरा, शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन डी.एच.पोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20, 38 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 155/2021 दर्ज है।

इन आतंकवादियों का खात्मा होना, संबंधित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक यूनिट के लिए एक बड़ा झटका था। ये आतंकवादी पुलिस और सिविलियनों की हत्याओं, बैंक लूटने और पुलिस गार्डों और प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल थे। ये आतंकवादी, युवाओं को आतंकी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में भी शामिल थे। इस प्रकार, उनका उद्देश्य शांति को भंग करना और लोकतंत्र समर्थक व्यक्तियों के बीच अराजकता की भावना पैदा करना, और इस प्रकार लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को नुकसान और चोट पहुंचाना था। ये तीनों आतंकवादी निर्दोष लोगों की हत्या में शामिल थे और भोले-भाले युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल करने के लिए भर्ती करने में इनकी प्रमुख भूमिका थी। इसके अलावा, उपरोक्त खूंखार आतंकवादी जिला कुलगाम के कई इलाकों में सक्रिय थे। इस तरह के त्वरित और क्षतिरहित ऑपरेशन ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों और उनके प्रचार तंत्र को मनोवैज्ञानिक झटका दिया और साथ ही, क्षेत्र में आतंकवाद से लड़ने में लगे सुरक्षा बलों को प्रेरणा प्रदान की।

तत्काल ऑपरेशन के दौरान कुलगाम पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था। ऐसी परिस्थितियों में प्रभावी नाका लगाने में कमांड, नियंत्रण और परिचालन कौशल सराहनीय थे। इस विशिष्ट ऑपरेशन में सुरक्षा बलों और पुलिस की समग्र कार्रवाई सराहनीय थी जिसके परिणामस्वरूप मिशन पूरा हुआ। सफल ऑपरेशन का संचालन तथा अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित वीरता सराहनीय है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सज्जाद अहमद मलिक, पुलिस उपाधीक्षक, सुख देव, उप-निरीक्षक और मंजूर हुसैन पीर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 17/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1173/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 41-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री जावेद अहमद चोपान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.11.2021 को, कुलगाम पुलिस ने गांव मीरपोरा अशमुजी में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना जुटाई। तुरन्त ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस की कमान में एक संयुक्त टीम, जिसमें जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ (रेंज क्यूएटी/46वीं बटालियन और 163वीं बटालियन) की एक टुकड़ी शामिल थी, गांव मीरपोरा अशमुजी की ओर रवाना हो गई और उसने इस बात को सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी कि आतंकवादियों को संदिग्ध इलाके से भागने का कोई मौका न मिले।

चूंकि गांव की घेराबंदी युद्ध स्तर पर कर ली गई थी, इसलिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम ने संदिग्ध स्थान के अत्यधिक आबादी वाला होने के कारण सिविलियनों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर उनकी जान बचाने को विशेष प्राथमिकता दी। उन्होंने किसी भी अतिरिक्त क्षति के बिना ऑपरेशन को पूरा करने के लिए मौके पर ही ऑपरेशनल योजना तैयार की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम द्वारा तैयार की गई ऑपरेशनल योजना के अनुसार, फंसे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के साथ-साथ सिविलियनों को घेराबंदी वाले इलाके से बाहर निकालने के लिए दो ऑपरेशनल टीमों का गठन किया गया, ताकि पहले उनकी संरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एक टीम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम के साथ जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की पर्याप्त नफरी शामिल थी और दूसरी टीम में हेड कांस्टेबल जावेद अहमद चोपान के साथ जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की पर्याप्त नफरी शामिल थी। ऑपरेशनल योजना के अनुसार, दोनों ऑपरेशनल टीमों आतंकवादियों को पकड़ने के लिए लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंच गईं, लेकिन इसी बीच, आतंकवादियों ने उन पर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अपने स्वचालित अवैध हथियारों से भारी गोलीबारी की तथा घनी आबादी का फायदा उठाकर मौके से भागने की कोशिश की। तथापि, दोनों ऑपरेशनल टीमों ने आतंकवादियों के पैरों के निशानों का पीछा किया और उन्हें करीब से लड़ाई में उलझा लिया। साहसी ऑपरेशनल टीमों ने अपनी जान की परवाह किए बिना चतुराई के साथ जवाबी कार्रवाई की, आतंकवादियों की गोलियों की बौछार का सामना किया और वे आतंकवादियों द्वारा चलाई गई गोलियों एवं ग्रेनेडों से चमत्कारिक ढंग से बच गए। फंसे हुए आतंकवादी ने मौके से भागने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन ऑपरेशनल योजना सफल रही, जिसके परिणामस्वरूप जब आतंकवादी घिरे हुए घर से बाहर निकल कर भाग रहा था तो कट्टर वर्गीकृत आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया गया। भीषण गोलीबारी के दौरान, दोनों ऑपरेशनल टीमों ने एकता, घनिष्ठ समन्वय, उत्साह, टीम वर्क के साथ-साथ राज्य की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के लिए अपनी जान और शरीर को जोखिम में डालकर आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराने के जुनून का परिचय दिया।

पुलिस दल द्वारा प्रदर्शित सूझ-बूझ में विशेष रूप से हेड कांस्टेबल जावेद अहमद चोपान ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक खूंखार आतंकवादी का खात्मा करने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। आतंकवादी की पहचान मुदासिर अहमद वागे पुत्र मोहम्मद जमाल वागे, निवासी मालवान देवसेर (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का "क+") के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन कुलगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 242/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री जावेद अहमद चोपान, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/22/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 42-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
	सर्व/श्री		
1.	आज़ाद अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2.	फारूक अहमद भट्ट	फॉलोअर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.10.2021 को, जिला कुलगाम के सोपत इलाके में कुलगाम पुलिस द्वारा चलाए गए एक आतंकवाद रोधी अभियान में शीर्ष लश्कर-ए-तैयबा कमांडर गुलजार अहमद रेशी पुत्र अब्दुल रहमान रेशी निवासी गुफबल कुलगाम के खात्मे के बाद, सीमा पार से लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं ने कट्टर वर्गीकृत आतंकवादियों, नामतः अफाक सिकंदर लोन और उसके सहयोगी इरफान मुश्ताक लोन को अपने बेस को शोपियां जिले से कुलगाम जिले में स्थानांतरित करने का निदेश दिया, जिसका उद्देश्य कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क को मजबूत करना और कुछ सनसनीखेज हमलों को अंजाम देना था, जिसमें शांतिप्रिय लोगों के बीच दहशत पैदा करने के लिए गैर-स्थानीय मजदूरों/सिविलियनों की हत्या करना, सुरक्षा बलों/प्रतिष्ठानों/सिविलियनों पर हमले करना और शांति भंग करना और लोकतंत्र समर्थक लोगों के बीच अराजकता की भावना पैदा करना और इस प्रकार से लोकतंत्र के सिद्धांतों को नुकसान और चोट पहुंचाना शामिल था।

तदनुसार, प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के इन कट्टर आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए इस फॉर्मेशन के फील्ड स्रोतों को कार्रवाई संबंधी सूचना जुटाने के लिए सतर्क किया गया और विश्वसनीय स्रोतों से यह पता चला कि ये आतंकवादी शांतिप्रिय लोगों के बीच दहशत पैदा करने और कुलगाम जिले में लश्कर-ए-तैयबा संगठन को फिर से मजबूत करने के लिए स्थानीय युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के इरादे से कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों पर हमला करने, सार्वजनिक स्थानों, व्यस्त बाजारों में हैंड ग्रेनेड फेंकने की योजना बना रहे हैं। दिनांक 17.11.2021 को, कुलगाम पुलिस ने गोपालपोरा डी.एच.पोरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना जुटाई। तदनुसार, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती ने ऑपरेशन की रणनीति तैयार की तथा पुलिस, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की टुकड़ी और क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग की अलग-अलग टीमों का गठन किया ताकि युद्ध स्तर पर इलाके की घेराबंदी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादियों के पास वहां से भागने का कोई अवसर न बचे। जब भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए, तो नागरिकों के कीमती जीवन को बचाने के लिए उन्हें वहां से निकालने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस बीच, वहां पर कानून और व्यवस्था (एलएंडओ) संबंधी समस्याओं की आशंका बढ़ गई, तो डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती ने मौके पर विशेष एलएंडओ ग्रिड का गठन किया, जिसमें कुलगाम पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियां शामिल थीं, ताकि स्थिति से निपटा जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी शरारती तत्व संदिग्ध स्थान के पास न पहुंचे सके और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन चलाया जा सके।

इसी बीच, उप-महानिरीक्षक एसकेआर अब्दुल जब्बार अपने क्यूआरटी के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन की निगरानी की और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन को पूरा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें घेराबंदी वाले इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए ऑपरेशन की रणनीति तैयार की। सक्षम उप-महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग के आदेश पर, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती के नेतृत्व में तलाशी दल लक्षित घर की ओर बढ़ा, इस पर अवैध हथियारों से लैस छिपे हुए आतंकवादियों ने जान से मारने के इरादे से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने अपनी टीम के साथ जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों के साथ भीषण लड़ाई लड़ी, जिससे मुठभेड़ हो गई। लक्षित घर को चारों तरफ से घेर लिया गया और छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। बंदूक की लड़ाई के दौरान, बहादुर अधिकारियों ने अपनी क्यूआरटी और 34 आरआर तथा सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन/क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग के साथ मिलकर राज्य की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के हित में अपनी जान और शरीर को जोखिम में डालते हुए बिना किसी अतिरिक्त क्षति के दो कट्टर वर्गीकृत आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया।

पुलिस दल, विशेषकर उप-महानिरीक्षक अब्दुल जब्बार, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, एस.जी.सीटी आज़ाद अहमद भट्ट और फॉलोअर फारूक अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित सूझ-बूझ ने उनके द्वारा अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा की परवाह किए बिना 02 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। इसके अलावा, अधिकारियों/कर्मियों ने सूझबूझ का परिचय दिया और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराने में रणनीतिक कौशल का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने और हमारे देश के शांतिप्रिय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के क्षतिरहित अभियान समय की मांग हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अफाक सिकंदर लोन पुत्र मोहम्मद सिकंदर लोन निवासी रायकपरान और इरफान मुश्ताक लोन पुत्र मुश्ताक अहमद लोन निवासी अवनेरा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन डी.एच.पोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 154/2021 दर्ज है।

इन आतंकवादियों का खात्मा होना, संबंधित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक यूनिट के लिए एक बड़ा झटका था। वे पुलिस की हत्याओं, बैंक लूटने और पुलिस गार्डों और प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल थे। इस प्रकार, उनका उद्देश्य शांति को भंग करना और लोकतंत्र समर्थक व्यक्तियों के बीच अराजकता की भावना पैदा करना, और इस प्रकार से लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को नुकसान और चोट पहुंचाना था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आज़ाद अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी और फारूक अहमद भट्ट, फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 17/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/25/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 43-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	क्राज़ी शमस-उल-मुजफ्फर अमीन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोहिंदर सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	नसीर अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	मोहम्मद अल्ताफ बागात	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.07.2021 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को श्रीनगर पुलिस से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि न्यू कॉलोनी, पुलवामा में सशस्त्र आतंकवादियों का एक गुट छिपा हुआ है, जो सुरक्षा प्रतिष्ठानों के ऊपर हमला करने की योजना बना रहे हैं। इसके आधार पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्रीनगर के साथ उक्त सूचना पर विस्तृत चर्चा की और अपने संबंधित अधिकारियों से सूचना की पुष्टि की तथा संदिग्ध क्षेत्र की स्थिति एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए योजना को अंजाम देने पर विचार-विमर्श किया। तत्पश्चात, योजना से संबंधित जानकारी को आगे सेना की 55 आरआर और 182/183 बटालियन, सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया और उन्हें अपने सैन्य बल तैनात करने के लिए कहा गया, ताकि ऑपरेशन शुरू किया जा सके। तदनुसार, सेना/सीआरपीएफ घटकों के साथ-साथ जिला-पुलवामा/श्रीनगर की पुलिस पार्टियां भी शीघ्र लक्षित स्थान पर पहुंची और लक्षित क्षेत्र की सुदृढ़ घेराबंदी कर दी।

सभी भीतरी सड़कों, मार्गों और पगडंडियों को दृढ़ता से अवरुद्ध करने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक क्राज़ी शमस-उल-मुजफ्फर अमीन के नेतृत्व में और 55 आरआर एवं सीआरपीएफ की 182/183 बटालियन के साथ सहायक उप-निरीक्षक मोहिंदर सिंह, एस.जी.सीटी नसीर अहमद एवं एस.जी.सीटी मोहम्मद अल्ताफ बागात के सहयोग में एक समर्पित संयुक्त टीम को संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी करने के लिए कहा गया। लक्षित क्षेत्र के कुछ घरों में सम्पूर्ण तलाशी करने के बाद, जब तलाशी दल एक आवासीय घर की ओर आगे बढ़ रहा था, तो इसमें छिपे आतंकवादियों ने सैन्य दस्तों को देखकर ग्रेनेड से हमला किया और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें तलाशी दल बाल-बाल बच गया। तथापि, तलाशी दल ने तत्काल कवर ले लिया और बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की, जिसने आतंकवादियों को सुरक्षात्मक होने के लिए विवश कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक शाकिब गनी के नेतृत्व में पुलिस/सुरक्षा बल के दूसरे दल ने तत्काल कार्रवाई की और प्रारंभिक तलाशी दल की सहायता के लिए भीतरी घेराबंदी में पोजीशन ले ली। आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद के पर्यवेक्षण में एक पुलिस दल ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसी महिलाओं और बच्चों समेत सभी आम नागरिकों को बचाकर सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने प्रारंभिक तलाशी दल को खतरे वाले क्षेत्र से बाहर निकलने का निदेश दिया और भीतरी घेराबंदी में मौजूद दूसरे सैन्य दल को उन्हें गोलीबारी से बचाने का निदेश दिया, ताकि वे खतरे वाले क्षेत्र से सुरक्षित बाहर आ सकें।

लक्षित स्थान से बाहर आने के बाद, प्रारंभिक तलाशी दल के प्रभारी को अपने कार्मिकों को भीतरी घेराबंदी में तैनात करने, लक्षित घर के भीतर आतंकवादियों की गतिविधि की निगरानी करने और उसकी सूचना अन्य अधिकारियों के साथ साझा करने के लिए कहा गया। आतंकवादियों को विफल करने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा और पुलिस अधीक्षक सिटी साउथ श्रीनगर ने आतंकवादियों से लड़ने के लिए 02 समर्पित टीमों का गठन किया। पुलिस उपाधीक्षक क्राज़ी शमस-उल-मुजफ्फर अमीन के नेतृत्व में पहले पुलिस दल, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक मोहिंदर सिंह, एस.जी.सीटी नसीर अहमद और एस.जी.सीटी मोहम्मद अल्ताफ बागात शामिल थे, को बगीचे

की ओर पोजीशन लेने के लिए कहा गया और अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद के नेतृत्व में दूसरे पुलिस दल को नाला/रिहायशी क्षेत्र में पोजीशन लेने के लिए कहा गया।

तैनाती की जानकारी प्राप्त करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने सार्वजनिक चेतावनी प्रणाली पर एक घोषणा की, जिसमें छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, परन्तु उन्होंने साफ इनकार कर दिया और सैन्य दस्तों पर ग्रेनेड से हमला कर दिया तथा उसके बाद भारी गोलाबारी प्रारंभ कर दी और उस दिशा से बच निकलने का प्रयास किया। तथापि, पुलिस उपाधीक्षक क़ाज़ी शमस-उल-मुजफ्फर अमीन के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल के सैन्य दल ने अपनी एकाग्रता गवाएं बिना शीघ्रता से पोजीशन ले ली तथा सामने रहकर बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और 02 आतंकवादियों को मार गिराया। इस पर, तीसरे आतंकवादी ने लक्षित घर की चार-दीवारी के ऊपर से कूदकर निकटवर्ती नाले में से बच निकलने का प्रयास किया। तथापि, अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद के नेतृत्व में सतर्क संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल के सैन्य दल ने अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना आगे आकर नाले/रिहायशी क्षेत्र में पोजीशन ले ली और उपर्युक्त आतंकवादी को भी मार गिराया। तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से 03 आतंकवादियों के शव और कुछ हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा गुट से जुड़े एजाज (एफटी) उर्फ अबू हरैरा (ए++ श्रेणी) निवासी पाकिस्तान, शाहनवाज नजीर गनी पुत्र नजीर अहमद गनी, निवासी सम्बूरा, अवंतीपोरा और जावेद अहमद राथर पुत्र अब्दुल गनी राथर, निवासी तहाब, पुलवामा के रूप में हुई, जिनके पास से हथियार/गोलाबारूद बरामद हुए। पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 203/2021 दर्ज करके जांच शुरू हो गई है। उपर्युक्त खूंखार आतंकवादियों के मारे जाने से लश्कर-ए-तैयबा गुट के आतंकवादियों के लिए एक बड़ा आघात और सुरक्षा बलों तथा आम लोगों के लिए एक बड़ी राहत हुई क्योंकि ये आतंकवादी आतंकवाद से जुड़े विभिन्न कृत्यों में संलिप्त थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री क़ाज़ी शमस-उल-मुजफ्फर अमीन, पुलिस उपाधीक्षक, मोहिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, नसीर अहमद, एस.जी.सीटी और मोहम्मद अल्ताफ बागात, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/32/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 44-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुश्री तनुश्री, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	मुजफ्फर अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	मोहम्मद हसन सोफ्री	सिपाही	वीरता पदक
4.	मुकेश कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.10.2021 को 34 शोपियां के गांव फीरीपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट सूचना के आधार पर आरआर, 14/178 बटालियन सीआरपीएफ और जिला पुलिस श्रीनगर के सहयोग से शोपियां की स्थानीय पुलिस ने गांव में छिपे आतंकवादियों को गिरफ्तार/उनका सफाया करने के लिए उपयुक्त रणनीतिक सूचना के अंतर्गत उक्त क्षेत्र की घेराबंदी की तथा तलाशी ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस सैन्य बल के लिए सबसे बड़ी चुनौती छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाना और उस घर की पहचान करना, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे और सभी दिशाओं से उपर्युक्त क्षेत्र पर प्रभुत्व स्थापित करना था ताकि आतंकवादियों को उक्त स्थान से बच निकलने से रोका जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में लक्षित क्षेत्र को विभिन्न दिशाओं से कवर करने के लिए शोपियां पुलिस, 34 आरआर, 14वीं/178वीं बटालियन सीआरपीएफ और श्रीनगर जिला पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात, लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां के नेतृत्व में 34 आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ पुलिस टीमों का गठन किया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, सर्च टीमों द्वारा लक्षित क्षेत्र का पता लगाया गया/इसे चिन्हित किया गया।

इसी बीच, लक्षित क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल टीमों की गतिविधि को भांपते हुए सर्च टीमों पर उनको मारने के इरादे से अपने अवैध स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सर्च टीमों ने तत्काल कवर ले लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों और सर्च टीमों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। तथापि, यह देखा गया कि कुछ आम नागरिक घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंस गए हैं। सर्च टीमों ने फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित निकालने की जिम्मेदारी ली। अनेक प्रयासों के बाद, वे फंसे हुए आम नागरिकों को बचाने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफल हुए।

उसके बाद, घिरे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए अंतिम हमले के लिए सुथ्री तनुथ्री, पुलिस अधीक्षक, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद, सिपाही मोहम्मद हसन सोफी और सिपाही मुकेश कुमार तथा अन्य को शामिल करके वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने इनकार कर दिया और उसके विपरीत उन्होंने सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा ग्रेनेड से हमला किया। उनका सफाया करने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां 34 आरआर, 14वीं एवं 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी के नेतृत्व में उपर्युक्त टीमों लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ी और उन्होंने सभी दिशाओं से लक्षित क्षेत्र को कवर कर लिया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना साहस के साथ रणनीतिक ढंग में रेंगते हुए/आगे बढ़ते हुए सामने से प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की। कुछ समय तक चलने वाली आमने-सामने की गोलीबारी की दौरान आतंकवादियों ने उत्तर-पूर्व दिशा से बच निकलने का प्रयास किया, जिसमें 02 खूंखार आतंकवादियों का सफाया हो गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा गुट के उबैद अहमद डार पुत्र अब्दुल राशीद डार, निवासी रे-कापरान, शोपियां और हिजबुल मुजाहिदीन गुट के खुबैब हामिद नेंगुरु पुत्र अब्दुल हामिद नेंगुरु, निवासी बरारीपोरा, शोपियां के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी आतंक से जुड़े विभिन्न अपराधों में संलिप्त थे और उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद हुआ। आगे की जांच करने के लिए पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 267/2021 दर्ज है।

सुथ्री तनुथ्री, पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्रीनगर, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद, सिपाही मोहम्मद हसन सोफी और सिपाही मुकेश कुमार, जो अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना प्रभावकारी तरीके से एवं बुद्धिमानी से लड़े थे, द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस, दक्षता सराहनीय थी, क्योंकि अत्यधिक विपरीत स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में शौर्यपूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों को बचाकर सुरक्षित निकाला और इस प्रकार, उन्होंने सूझ-बूझ एवं समुचित पुलिस व्यवस्था के द्वारा आम नागरिकों को हताहत होने से बचाया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सुथ्री तनुथ्री, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, सर्व/श्री मुजफ्फर अहमद, हेड कांस्टेबल, मोहम्मद हसन सोफी, सिपाही और मुकेश कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/34/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 45-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रोहित कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोहम्मद अशरिफ	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	अमित रैना	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	नजीर अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.12.2021 को, गांव चेक-ई-चोलन शोपियां के गनाई मोहल्ले में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट आसूचना के आधार पर, श्री अमृत पाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शोपियां के गहन पर्यवेक्षण में और पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार

तालिब पीसी श्रीनगर की सहायता से 34 आरआर एवं 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से शोपियां और श्रीनगर पुलिस द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया।

परिस्थिति संबंधी परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, लक्षित क्षेत्र के निकटवर्ती खेतों में काम कर रहे आम नागरिकों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब पीसी के नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना और अन्य समेत पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम गठित की गई।

श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमाम साहिब के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल नजीर अहमद सहित दूसरी टीम द्वारा प्रदान की गई कवर फायर में किए गए कुछ प्रयासों में उपर्युक्त टीम ने आम नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सफलता प्राप्त की। सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया के बाद, पुनः लक्षित क्षेत्र का निर्धारण किया गया और उक्त क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने घेराबंदी करने वाले पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ और हेड कांस्टेबल नजीर अहमद सहित उनकी टीम बाल-बाल बच गई। एडवांस ऑपरेशनल टीम ने प्रभावकारी तरीके से जवाबी गोलीबारी की, जिससे आमने-सामने की गोलीबारी तेज हो गई।

घिरे हुए आतंकवादियों से लड़ते समय पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की संयुक्त टीम अग्रिम मोर्चे पर डटी रही। अपनी गर्दन को फंदे में फंसा हुआ जानकर छिपे हुए आतंकवादी गोलियों की बौछार करते हुए अपने छिपने के स्थान से बाहर आ गए। तथापि, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी करते हुए आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई के बीच अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी गुट के आतंकवादियों (03) को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में अमीर मंजूर गनी पुत्र मंजूर अहमद गनी, निवासी चेक-ई-चोलन शोपियां, रईस अहमद मीर पुत्र नजीर अहमद मीर, निवासी कापरान, शोपियां और हुसैन यूसुफ डार पुत्र मोहम्मद यूसुफ डार निवासी खुदवानी, कुलगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद हुआ। आगे की जांच करने के लिए पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 295/2021 दर्ज है।

पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ, सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना और हेड कांस्टेबल नजीर अहमद, जो अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना प्रभावकारी तरीके से एवं बुद्धिमानी से लड़े थे, उनके द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस, दक्षता सराहनीय थी, क्योंकि अत्यधिक विपरीत स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में शौर्यपूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और इस प्रकार, उन्होंने सूझ-बूझ एवं समुचित पुलिस व्यवस्था के द्वारा आम नागरिकों को हताहत होने से बचाया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री रोहित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक, अमित रैना, सहायक उप-निरीक्षक और नजीर अहमद, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 08/12/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/36/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 46-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुधांशु वर्मा, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	मुदासिर बशीर शीरगोजरी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.07.2020 को लगभग 1930 बजे, ईएसयू दक्षिणी श्रीनगर को पुलिस स्टेशन, नीगीन श्रीनगर के क्षेत्राधिकार में हजरतबल श्रीनगर के मालबाग क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई। उपर्युक्त क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद, उक्त क्षेत्र में बिना किसी अतिरिक्त क्षति के, ऑपरेशन चलाने के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इस प्रकार गठित टीम ने उस क्षेत्र में तलाशी शुरू कर दी, जिसके दौरान पुलिस/सुरक्षाबल ऐसे स्थान का पता लगाने में सफल हुए, जहां आतंकवादी छिपे हुए

थे। घेराबंदी करने वाले सैन्य दलों द्वारा निर्धारित स्थान अर्थात् एक घर की घेराबंदी की गई। हजरतबल पुलिस, श्रीनगर की एक टीम को शामिल करके बनाए गए दूसरे सैन्य दल को उस लक्षित घर के बाहरी क्षेत्रों की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे।

उसी दिन लगभग 2230 बजे, सभी सैन्य दलों ने योजना के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन ले ली और उक्त क्षेत्र भीड़-भाड़ वाला होने की वजह से निकटवर्ती घरों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए पुलिस और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ की एक छोटी टीम गठित की गई। इस टीम में बड़े रणनीतिक ढंग में एवं बहादुरी से निकटवर्ती घरों के लोगों को बचाकर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया ताकि आम नागरिकों को हताहत होने से बचाया जा सके अथवा किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचा जा सके और साथ ही, उनसे इस बात की भी पुष्टि हुई कि उस घर में एक सशस्त्र आतंकवादी छिपा हुआ है। प्रथम प्रयास में, लक्षित स्थान, जिसका पहले ही पता लगाया जा चुका था, में आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि हुई। छिपे हुए आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई, जिसके लिए उसने तुरंत इनकार कर दिया और इसके विपरीत ऑपरेशन सैन्य दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप एक सीआरपीएफ कार्मिक, हेड कांस्टेबल/जीडी कुलदीप कुमार घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक सुधांशु वर्मा, हेड कांस्टेबल मुदासिर बशीर शीरगोजरी और अन्य सहित ऑपरेशनल सैन्य दल तथा साथ में, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ की एक टीम सभी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए उस लक्षित घर के निकट पहुंची, जहां आतंकवादी छिपा हुआ था और वह टीम ज्ञात आतंकवादी, जिसने कथित निर्माणाधीन घर में पोजीशन ले रखी थी, की ओर से की जा रही भारी गोलीबारी के बीच फंस गई। छिपे हुए आतंकवादी ने गोलीबारी के बीच आगे बढ़ रहे सैन्य दल पर ग्रेनेड से हमला भी किया; जिसका अपनी रणनीतिक योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे रहे ऑपरेशनल सैन्य दल पर कोई प्रभाव नहीं हुआ और ऑपरेशनल पार्टी केवल छिपने के स्थान को अन्य दिशाओं से लक्ष्य बनाने के लिए पीछे हट गई। इसी बीच, छिपा हुआ आतंकवादी उस स्थान से बच निकलने के प्रयास में स्थान बदलकर घर के बेसमेंट में चला गया, परन्तु ऑपरेशनल सैन्य दल सभी मार्गों को अवरुद्ध करके सभी दिशाओं से आतंकवादी की ओर आगे बढ़ा। पुलिस/सुरक्षा बल ने ऑपरेशनल एसओपी के अनुसार सभी प्रकार की सावधानियों का पालन करते हुए 01 आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में, आईएसजेके गुट के एक आतंकवादी जाहीद अहमद दास उर्फ जुल्कारनैन उर्फ हुसैन बाई पुत्र गुलाम मोहम्मद दास, निवासी दासपोरा वागहामा बीजबेहरा, जिला अनंतनाग के रूप में की गई। घायल सीआरपीएफ जवान को उपचार के लिए 92-बेस अस्पताल बादामी बाग, श्रीनगर ले जाया गया जहां चोटों के कारण बाद में उनकी मौत हो गई और उन्होंने शहादत प्राप्त की।

उपर्युक्त आतंकवादी, जाहीद अहमद दास उर्फ जुल्कारनैन उर्फ हुसैन बाई पुत्र गुलाम मोहम्मद दास, निवासी दासपोरा वागहामा बीजबेहरा, जिला अनंतनाग, जो दक्षिण/मध्य कश्मीर के आईएसजेके गुट का शीर्ष कमांडर था, का सफाया पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी और श्रीनगर के आईएसजेके गुट के नेटवर्क के लिए एक आघात था। कथित आतंकवादी विनाशकारी गतिविधियों की योजना बनाकर एक नेटवर्क तैयार कर रहा था और श्रीनगर शहर में एक नेटवर्क स्थापित करने का प्रयास कर रहा था। वह पुलिस एवं सुरक्षा बलों की हत्याओं और आम नागरिकों के प्रति अत्याचारों समेत आतंकवाद से जुड़े अनेक अपराधों में अपनी संलिप्तता के लिए कानूनी रूप से वांछित था। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद हुआ। इस संबंध में पुलिस स्टेशन नीगीन में आईपीसी की धारा 307 और 120ख तथा भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 एवं विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 114/2020 दर्ज है।

संदर्भाधीन ऑपरेशन में, सूचना एकत्र करने से लेकर ऑपरेशन को अंजाम देने तक पुलिस अधीक्षक सुधांशु वर्मा और हेड कांस्टेबल मुदासिर बशीर शीरगोजरी की भूमिका अनुकरणीय रही। ऐसे अनेक अवसर आए जहां उनको अपनी जान का जोखिम उठाना पड़ा, तथापि, उन्होंने उक्त आतंकवादी का सफाया करने में अदम्य साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सुधांशु वर्मा, पुलिस अधीक्षक और मुदासिर बशीर शीरगोजरी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/41/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 47-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहन लाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	तारिक अहमद लालू	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.06.2021 को 2330 बजे, मानवीय सूत्रों से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि कुछ अज्ञात आतंकवादी ग्राम वागूरा, नौगाम बडगाम और पुलिस स्टेशन नौगाम, श्रीनगर में छिपे हुए हैं। यह भी पता चला कि आतंकवादियों का आम जनता में भय पैदा करने के लिए कुछ सनसनीखेज हमले करने का इरादा था, जिसमें ग्रेनेड फेंकना, फिदायीन हमले करना, आईईडी विस्फोट करना आदि शामिल थे। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पीसी, श्रीनगर की समग्र देखरेख में पुलिस घटक श्रीनगर की पुलिस पार्टी/दक्षिण क्षेत्र श्रीनगर की पुलिस पार्टी/पश्चिमी क्षेत्र श्रीनगर की पुलिस पार्टी/वैली क्यूआरटी सीआरपीएफ ने वागूरा, नौगाम श्रीनगर गांव में तलाशी ली। इसके दौरान, पुलिस/सुरक्षा बल उस लक्षित स्थान को घेरने में सफल रहे जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। इसी बीच, पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की गई और उस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की उपस्थिति को भांपते हुए, गांव के बगीचे में छिपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी के बीच सुरक्षा बलों की ओर हैंड ग्रेनेड फेंके, जिससे घेराबंदी और खोजी दलों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

तुरंत, पुलिस अधीक्षक सज्जाद अहमद शाह, पीसी श्रीनगर और पुलिस अधीक्षक परबीत सिंह, पश्चिम क्षेत्र श्रीनगर द्वारा ऑपरेशनल एसओपी के अनुसार एक ऑपरेशनल योजना तैयार की गई और उस स्थान को जोड़ने वाले सभी निकास मार्गों को सील कर दिया गया। इसके अलावा, किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचने उद्देश्य से, आसपास के घरों से सिविलियनों को निकालने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक सज्जाद अहमद शाह और पुलिस अधीक्षक परबीत सिंह द्वारा एक टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, सहायक उप-निरीक्षक तारिक अहमद लालू और अन्य तथा घाटी क्यूआरटी सीआरपीएफ की पर्याप्त नफरी शामिल थी, जिन्होंने योजना के अनुसार मोर्चा संभाल लिया। पहले प्रयास में, छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय ऑपरेशन पार्टियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत, बगीचे में घुसने की योजना बनाई गई। कार्रवाई दल ने सभी सावधानियाँ बरतते हुए आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू की। तथापि, जैसे ही कार्रवाई दल बगीचे के अंदर घुसा, बगीचे के अंदर पोजीशन लिए हुए आतंकवादी की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया और छिपे हुए आतंकवादी ने अग्रिम पार्टी की ओर हैंड ग्रेनेड फेंके तथा गोलीबारी की, लेकिन, अग्रिम दल चमत्कारिक रूप से बच निकला। अग्रिम पार्टियों ने बिना अपनी सूझबूझ खोए प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और उक्त लक्षित स्थान को जोड़ने वाले सभी क्षेत्रों/निकास मार्गों को बंद कर दिया। ऑपरेशनल पार्टियों और आतंकवादी के बीच हुई भारी गोलीबारी के दौरान, एक आतंकवादी को मार गिराया गया, जिसकी पहचान "उजैर अशरफ डार पुत्र मोहम्मद अशरफ डार, निवासी बंडिना मेलहोरा वाची जैनापोरा, जिला शोपियां के रूप में की गई, जो लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ संगठन का आतंकवादी था तथा दिनांक 02.01.2021 से दक्षिण मध्य कश्मीर क्षेत्र में सक्रिय था। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन नौगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 18, 20 और 23 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 70/2021 दर्ज है।

यह ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ और उक्त स्थानीय आतंकवादी का खात्मा दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। मारा गया उक्त आतंकवादी उजैर अशरफ डार पुत्र मोहम्मद अशरफ डार, निवासी बंडिना मेलहोरा वाची जैनापोरा, जिला शोपियां, लश्कर/टीआरएफ संगठन का था, जो इन क्षेत्रों में कई विध्वंसक गतिविधियों और पुलिस कर्मियों/अन्य सुरक्षा बल कर्मियों की हत्या के लिए जिम्मेदार था। वह दक्षिण/मध्य कश्मीर में हथियार लूटने की घटनाओं/बैंक डकैतियों में भी शामिल था। उसे उसके सीमापार के कमांडरों ने पुलिस के सहयोगियों/राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धमकी देकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने, अतिरिक्त क्षति के लिए हैंड ग्रेनेड फेंकने और शांतिप्रिय लोगों के बीच दहशत और आतंक पैदा करने के लिए निर्देशित किया था।

संदर्भाधीन ऑपरेशन में ऑपरेशनल पार्टियों विशेषकर पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल और सहायक उप-निरीक्षक तारिक अहमद लालू की भूमिका अनुकरणीय थी। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर समापन तक पुलिस और घाटी क्यूएटी सीआरपीएफ के संयुक्त ऑपरेशनल दलों के बीच समन्वय करने में भी असाधारण भूमिका निभाई। वे ऑपरेशनल रणनीति के माध्यम से उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे, जैसे कि आस-पास के सिविलियनों को सुरक्षित बाहर निकालना, यथासंभव सर्वोत्तम ऑपरेशनल योजना तैयार करना, ऑपरेशनल दलों के कार्मिकों के जीवन को प्राथमिकता देना और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों पर हमला करना।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक और तारिक अहमद लालू, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (पीएमजी), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/42/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 48-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जावीद अहमद लोन	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	इलियास अहमद खटाना	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	योगेश सिंह	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	मोहम्मद सलीम डार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.10.2021 को, गांव तुलरान-इमामसाहिब, शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट खुफिया सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां की कड़ी निगरानी में 34 आरआर/178 बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से शोपियां पुलिस द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। सर्व ऑपरेशन के दौरान, यह पता चला कि आतंकी तुलरान में छिपे हुए हैं। परिस्थितिजन्य परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, अतिरिक्त क्षति को रोकने के लिए लक्ष्य से सटे खेतों में कृषि कार्य में व्यस्त नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ पीसी के नेतृत्व में पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया था। पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व वाली एक अन्य टीम द्वारा दिए गए कवर फायर के कारण कुछ प्रयासों में यह टीम सभी नागरिकों को पूरी तरह से निकालने में सफल रही। उपर्युक्त नागरिकों को बाहर निकाले जाने के बाद, लक्ष्य के घेरे को और मजबूत किया गया तथा वहां छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने घेराबंदी करने वाले दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ पीसी इमामसाहिब और उनकी टीम बाल-बाल बची। एडवांस ऑपरेशन टीम ने गोलीबारी का जवाब प्रभावी ढंग से दिया, जिससे आमने-सामने की गोलीबारी शुरू हो गई।

छिपे हुए आतंकवादियों से लड़ते हुए पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की संयुक्त टीम सबसे आगे रही। अपने जीवन के खतरे का एहसास होने पर, छिपे हुए आतंकवादी ठिकाने से बाहर आए और ऑपरेशनल पार्टियों पर गोलियों की बौछार कर दी। तथापि उप-निरीक्षक जावीद अहमद लोन, एस.जी.सीटी इलियास अहमद खटाना, एस.जी.सीटी योगेश सिंह, सिपाही मोहम्मद सलीम डार और अन्य के साथ पुलिस उपाधीक्षक शीजान भट्ट के नेतृत्व वाले संयुक्त दल ने असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन किया तथा अडिग रहे और आमने-सामने की गोलीबारी में आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की एवं तीन स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में यावर हसन नायक पुत्र गुलाम हसन नायक निवासी पहलिपोरा शोपियां, दानिश हुसैन डार पुत्र मोहम्मद हुसैन डार निवासी रे कापरान शोपियां और मुख्तार अहमद शाह पुत्र सिराजुद्दीन शाह निवासी सिंदबल गांदरबल के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 68/2021 दर्ज है।

उप-निरीक्षक जाविद अहमद लोन, एस.जी.सीटी इलियास अहमद खटाना, एस.जी.सीटी योगेश सिंह और सिपाही मोहम्मद सलीम डार ने उत्कृष्ट साहस के साथ कार्यकुशलता का प्रदर्शन किया और अपने जीवन को गंभीर खतरे में डालकर आतंकवादियों के खिलाफ दक्षतापूर्वक तथा बुद्धिमानी से लड़ाई लड़ी, जो उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत शत्रुतापूर्ण स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास पूर्णतः शौर्यपूर्ण था। यद्यपि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने का भरसक प्रयास किया, जिसमें ये सभी सुरक्षा अधिकारी/कार्मिक बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता और बुद्धिमता को खोए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उनके नापाक इरादों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जावीद अहमद लोन, उप-निरीक्षक, इलियास अहमद खटाना, एस.जी.सीटी, योगेश सिंह, एस.जी.सीटी और मोहम्मद सलीम डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/45/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 49-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	आकिब बशीर डार	सिपाही	वीरता पदक
2.	इरफ़ान मजीद नाइक	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.04.2020 को, रंगडोरी गोगलदारा जुमगुंड गांव से सटे जंगल के एक भाग के अंदर आतंकवादियों के एक समूह के छिपे होने के संबंध में कुपवाड़ा पुलिस से प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा की कड़ी निगरानी में 08 जाट आर्मी और कुपवाड़ा पुलिस के सैन्य दस्ते द्वारा संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया था। संदिग्ध क्षेत्रों की घेराबंदी करने और उसे मजबूत करने के बाद, कुपवाड़ा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घने जंगलों में आतंकवादियों की तलाश शुरू की गई, जिसमें 08 जाट आर्मी ने सहायता की थी तथा सिपाही आकिब बशीर डार और सिपाही इरफ़ान मजीद नाइक शामिल थे। घने और ऊंचे जंगलों के कारण यह क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील था, तथापि, कुपवाड़ा पुलिस और सेना के संयुक्त बलों द्वारा प्रभावी ढंग से सर्व ऑपरेशन शुरू किया गया।

खुफिया सूचना के अनुसार हाल ही में कुपवाड़ा जिले में घुसपैठ करने वाले आतंकवादी घने जंगलों में छिपे हुए थे और संयुक्त दल के लिए उनका पता लगा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। तलाशी अभियान विभिन्न क्षेत्रों में चलाया गया और पूरे दिन की तलाशी के दौरान आतंकवादियों का पता नहीं चल सका तथा सूर्यास्त के बाद अंधेरा होने पर इन घने जंगलों में, संयुक्त बलों और पुलिस कर्मियों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अपने प्रयास जारी रखे। अगले दिन, पुलिस एवं सेना की 02 विशेष ऑपरेशनल पार्टियाँ गठित की गईं। एक का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक राशिद युनिस ने कांस्टेबल आकिब बशीर डार तथा सिपाही इरफ़ान मजीद नाइक की मदद से किया था और दूसरी पार्टी में सेना के अन्य कार्मिक शामिल थे, जो अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना आगे बढ़े और इन आतंकवादियों की गतिविधि को देखा। आतंकवादियों ने पुलिस दल और सेना को देखकर अपने स्वचालित हथियारों से संयुक्त बलों पर गोलीबारी की, जिससे पांच सैनिक गोली लगने से घायल हो गए।

कुपवाड़ा पुलिस/सेना के हमला दल ने कवर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना तथा अपना साहस खोए बिना सामने से बहादुरी से लड़ाई लड़ी तथा सबसे आगे डटे रहकर सेना के जवानों की जान बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित रहे। सेना/पुलिस दल और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 04 अज्ञात आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ के दौरान सेना के कई जवान घायल हुए, जिनमें से सूबेदार संजय कुकर, हेड कांस्टेबल दर्विंद सिंह, पीटीआर बालकृष्ण, पीटीआर अमित कुमार और 4 पीएआरए के पीटीआर छेत्रपाल सिंह को शहादत मिली। बाद में एक (01) और आतंकवादी को उस क्षेत्र के में छिपा हुआ पाया गया, जो घटनास्थल से भाग निकला। उसने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, लेकिन उस समय सिपाही आकिब बशीर डार और सिपाही इरफ़ान मजीद नाइक सबसे आगे आए और इस आतंकी से लड़ाई शुरू हो गई। सिपाही आकिब बशीर डार और सिपाही इरफ़ान मजीद नाइक इस आतंकवादी से लड़ते हुए बाल-बाल बचे, परंतु साहसिक प्रयास से उन्होंने शेष (01) आतंकवादी को भी मार गिराया और इस प्रकार उस क्षेत्र में सुरक्षा बलों को भारी क्षति से बचा लिया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किए गए। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन त्रेहगाम में आईपीसी की धारा 307, 302 भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 15/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आकिब बशीर डार, सिपाही और इरफ़ान मजीद नाइक, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (पीएमजी), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/100/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 50-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	फ़ैजान अली	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	आफताब अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	मुदासिर अहमद मलिक	सिपाही	वीरता पदक
4.	सज्जाद अहमद भट्ट	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दर्दगुंड, चंदाजी बांदीपोरा में सशस्त्र आतंकवादियों की उपस्थिति के संबंध में दिनांक 03.08.2021 को मानव/तकनीकी संसाधनों से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जो दर्दगुंड, चंदाजी के एक आवासीय घर में छिपे हुए थे। जानकारी को सेना की 26 असम राइफल्स/सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन के साथ साझा किया गया। तदनुसार, सावधानीपूर्वक योजना बनाने के बाद, एसएसपी बांदीपोरा मोहम्मद जैद की समग्र देखरेख में सेना की 26 असम राइफल्स/सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन एवं बांदीपोरा पुलिस द्वारा संयुक्त घेराबंदी की गई और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

मौके पर पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान, थाना बांदीपोरा के नेतृत्व में, स्थानीय पुलिस की एक टीम गठित की गई और एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट ने सेना/सीआरपीएफ घटकों सहित स्वेच्छा से काम किया तथा रेंगते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े और रणकौशल का प्रयोग कर दीवारों एवं अन्य वस्तुओं को ढाल के रूप में इस्तेमाल करते हुए संदिग्ध क्षेत्र के करीब पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी की। घेराबंदी के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया। सभी ऑपरेशनल पार्टी को सतर्क कर दिया गया तथा बाहर निकलने के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया ताकि आतंकवादी वहीं फंसे रहें।

घेराबंदी करने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान अली के नियंत्रण में एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट की हमलावर टीम ने अपनी जान की परवाह किये बिना आस-पास के घरों से नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया। महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों सहित 18 नागरिकों को निकालने के बाद, हमलावर टीम ने, फिर से रेंगते हुए, रणकौशल का इस्तेमाल कर आगे बढ़ना शुरू कर दिया और घर के संदिग्ध स्थान के करीब पहुंच गई। घेराबंदी स्थल को सुरक्षित करने के बाद आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए बार-बार घोषणा की गई। लेकिन आतंकवादी ने आत्मसमर्पण करने के बजाय आंतरिक घेरे में तैनात ऑपरेशनल पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशनल पार्टी ने न्यूनतम संपार्श्विक क्षति के लिए उचित सावधानी बरतते हुए जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादी की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी क्योंकि वह अच्छी पोজীशन में था और घर में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा था। हालाँकि, पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान अली, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट प्रतिबद्ध रहे और जवाबी कार्रवाई करते रहे जिससे आतंकवादी अपने नापाक इरादों को अंजाम देने में नाकाम रहे।

चूंकि आतंकवादी एक घर में छिपा हुआ था, ऐसे में घर में घुसना अनिवार्य हो गया था। तदनुसार, पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान अली, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट ने लक्षित घर के मुख्य दरवाजे से घर में घुसना शुरू कर दिया और घर की तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान, उन्हें रसोई के सामने एक कमरे में आतंकवादी की मौजूदगी का एहसास हुआ, तुरंत पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान अली, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट ने उस कमरे एवं लॉबी में अपनी पोজীशन ली जहां आतंकवादी छिपा हुआ था। इस पर एस.जी.सीटी आफताब अहमद और सिपाही मुदासिर अहमद मलिक ने अपना रणकौशल दिखाते हुए, तेजी से दरवाजे पर लात मारी और पुलिस उपाधीक्षक फ़ैजान अली और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट ने आतंकवादी पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया, जिसकी पहचान बाद में, अबू जरार उर्फ बाबर (कमांडर लश्कर) निवासी पीओके के रूप में हुई, जो लश्कर संगठन का "ए+" श्रेणी का आतंकवादी था और जो बांदीपोरा जिले में आतंक कायम करने के लिए युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करता था और कई आतंकी मामलों में भी शामिल था। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस स्टेशन पेथकूट में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 36/2021 दर्ज है।

पुलिस अधीक्षक फ़ैजान अली, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, सिपाही मुदासिर अहमद मलिक और सिपाही सज्जाद अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट साहस के साथ पेशेवराना अंदाज उल्लेखनीय था, जिन्होंने खुद को बड़े जोखिम में डालते हुए कुशलतापूर्वक और चतुराई से आतंकवादियों से लड़ाई की। हालाँकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके बल को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें ये सभी अधिकारी/कार्मिक बाल-बाल बच गये। हालाँकि, इन अधिकारियों/कार्मिकों ने अपनी एकाग्रता खोए बिना और दिमाग के सही प्रयोग से बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक इरादों को विफल कर दिया। इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता थी कि बिना किसी बड़ी क्षति के ऑपरेशन स्थल पर मिशन को सुरक्षित तरीके से पूरा कर दिया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री फैजान अली, पुलिस उपाधीक्षक, आफताब अहमद, एस.जी.सीटी, मुदासिर अहमद मलिक, सिपाही और सज्जाद अहमद भट्ट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03/08/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/108/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 51-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राकेश कुमार सिंह	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	इरफ़ान अहमद भट्ट	सिपाही	वीरता पदक
3.	आफताब अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	दिलावर हसन माग्रे	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
5.	शब्बीर अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
6.	मंसूर अहमद शेख	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.09.2021 को, ग्राम वात्रिना, बांदीपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में स्रोतों से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। बांदीपोरा पुलिस, सेना 14 आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन द्वारा संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सावधानीपूर्वक योजना बनाने के बाद, पुलिस, सेना तथा सीआरपीएफ की संयुक्त टीम का गठन किया गया और ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशनल टीम ने सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्रे, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद और सिपाही मंसूर अहमद शेख की सहायता से सेना/सीआरपीएफ घटकों के साथ स्वेच्छा से काम किया और संदिग्ध क्षेत्र के करीब पहुंच गए। सर्च ऑपरेशन के दौरान सर्च पार्टी को एक घर में आतंकियों की मौजूदगी का एहसास हुआ। तदनुसार, मौके पर सूझबूझ से रणनीति बनाई गई। आतंकवादियों के स्थान की पहचान की गई और संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर सख्त घेराबंदी की गई।

घेराबंदी के बाद, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्रे, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद और सिपाही मंसूर अहमद शेख की हमलावर टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना आस-पास के घरों से नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया। महिलाओं, बच्चों और बूढ़े व्यक्तियों सहित 42 लोगों को बाहर निकालने के बाद, हमलावर टीम फिर से रेंगते हुए आगे बढ़ी और रणकौशल का प्रदर्शन करते हुए, दीवारों एवं अन्य वस्तुओं को ढाल के रूप में इस्तेमाल किया और घर के संदिग्ध स्थल के करीब पहुंच गई। छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और घेराबंदी तोड़ने के लिए हमलावर टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी की। आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और सर्च पार्टी पर हथगोले फेंके; हालाँकि, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार, सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्रे, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद और सिपाही मंसूर अहमद शेख आंतरिक घेरेबंदी के सपोर्ट से प्रतिबद्ध रहे और जवाबी कार्रवाई की जिससे आतंकवादी अपने नापाक इरादों को अंजाम देने में नाकाम रहे। चूंकि आतंकवादी एक पक्के घर में छुपे हुए थे, ऐसे में घर में घुसना जरूरी हो गया था। तदनुसार, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्रे, एस.जी.सीटी आफताब अहमद 540/बीपीआर और एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद को घर के दाईं ओर जाने और सुरक्षित पोजीशन लेने के साथ-साथ फंसे हुए आतंकवादियों की गतिविधियों पर बारीक नजर रखने का निर्देश दिया। इसके बाद, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार, सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट और सिपाही मंसूर अहमद शेख सामने की तरफ से घर में दाखिल हुए और कमरे-दर-कमरे की तलाशी शुरू की।

तलाशी के दौरान, उन्हें घर के पीछे स्थित एक कमरे में आतंकवादियों की मौजूदगी का एहसास हुआ, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने दरवाजे पर अपनी पोजीशन ले ली और उनके सहयोगी सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट और सिपाही मंसूर अहमद शेख ने रसोई में पोजीशन ले ली, जो कमरे के सामने थी, जहां आतंकवादी छुपे हुए थे। सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट और सिपाही मंसूर अहमद शेख ने अपना रणकौशल

दिखाते हुए, तेजी से दरवाजे को लात मारी और पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया गया, जबकि दूसरा आतंकवादी पीछे की खिड़की से बाहर कूद गया और मौके से भागने की कोशिश की। भागते समय उक्त आतंकवादी ने हथगोला फेंका और लगातार गोलीबारी की, लेकिन घर के पीछे की ओर तैनात एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्ने, एस.जी.सीटी आफताब अहमद और एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद ने हार नहीं मानी और अपनी जान की परवाह किए बिना प्रतिबद्ध रहे, आतंकवादी पर गोलीबारी करते रहे और उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, आबिद रशीद डार उर्फ हकानी (कमांडर लश्कर) पुत्र अब रशीद डार निवासी पापचान बीपीआर "ए+" श्रेणी के आतंकवादी और आजाद अहमद शाह उर्फ हुफैजा (एरिया कमांडर) पुत्र मोहम्मद यूसुफ शाह निवासी बाग बांदीपुरा, लश्कर संगठन के "बी" श्रेणी के आतंकवादी के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया।

आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन बांदीपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 23 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 166/2021 दर्ज कर दी गई है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त आतंकवादी मुख्य रूप से निशाने पर थे, क्योंकि वे जिला बांदीपोरा में आतंक का राज कायम करने के लिए युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में शामिल थे तथा 03 भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या सहित कई आतंकी मामलों में भी शामिल थे।

ऑपरेशन का क्षेत्र घनी आबादी वाला था, जो आतंकवादियों की आवाजाही/मौजूदगी का केंद्र बना हुआ था और सुरक्षा बलों के लिए ऐसे समस्याग्रस्त क्षेत्र में बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन पुलिस उप-निरीक्षक राकेश कुमार, सिपाही इरफ़ान अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी दिलावर हसन माग्ने, एस.जी.सीटी आफताब अहमद, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद और सिपाही मंसूर अहमद शेख, ने इस जानलेवा कृत्य के लिए स्वेच्छा से अपनी जान की बाजी लगा दी और छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा और उनके इनकार करने पर, बहादुरी से लड़े तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के इन आतंकवादियों को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री राकेश कुमार सिंह, पुलिस उप-निरीक्षक, इरफ़ान अहमद भट्ट, सिपाही, आफताब अहमद, एस.जी.सीटी, दिलावर हसन माग्ने, एस.जी.सीटी, शब्बीर अहमद, एस.जी.सीटी और मंसूर अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26/09/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/106/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 52-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	यासिर रशीद भट्ट	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मुश्ताक अहमद वानी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.01.2022 को ग्राम तिलसरा चरार-ए-शरीफ में लश्कर के आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, स्थानीय पुलिस ने 53 आरआर, सीआरपीएफ की 181वीं बटालियन के साथ जमीनी स्तर पर स्थिति के सभी पहलुओं का विश्लेषण करने के बाद तिलसरा चरार-ए-शरीफ गांव के इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

लगभग 22:30 बजे घेराबंदी/तलाशी दल के रूप में जिसमें एस.डी.पी.ओ. चरार-ए-शरीफ, पुलिस उपाधीक्षक सलीम जहांगीर, निरीक्षक यासिर रशीद भट्ट, एवं अन्य तलाशी कर रहे थे। छिपे हुए आतंकवादी ने अंधेरे का फायदा उठाकर घिरे हुए इलाके से भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी मजबूत होने के कारण वह भागने में नाकाम रहा।

भागने की किसी भी संभावना को विफल करने के लिए, अपर एसपी बडगाम गौहर अहमद के नेतृत्व में सिपाही मुश्ताक अहमद वानी एवं अन्य की सहायता से अतिरिक्त दलों को तैनात करके घेराबंदी वाले क्षेत्र को और मजबूत किया गया। छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिसे उसने नकार दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम, एसडीपीओ चरार-ए-शरीफ, थाना प्रभारी पुलिस स्टेशन चरार-ए-शरीफ, सिपाही मुश्ताक अहमद वानी एवं अन्य की संयुक्त खोज टीम द्वारा किसी भी नतीजे की परवाह किए बिना, खुद को आसन्न खतरे में डालते हुए, लक्षित क्षेत्र के आसपास के घरों के सभी निवासियों को बाहर निकाला गया। जैसे ही तलाशी आगे बढ़ी, एक शेड में छिपे आतंकवादी ने सर्च पार्टी पर गोलीबारी की, जिसका पुलिस उपाधीक्षक सलीम जहांगीर, निरीक्षक यासिर रशीद भट्ट, एस.जी.सीटी तारिक अहमद और सीटी मुश्ताक अहमद वानी ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 30.01.2022 को आतंकवादी मारा गया, जिसकी पहचान बाद में, लश्कर आतंकी संगठन के बिलाल अहमद खान पुत्र मोहम्मद अमीन खान निवासी ब्रास खानसाहिब, जिला बडगाम के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस स्टेशन चरार-ए-शरीफ में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 03/2022 दर्ज है।

आतंकी का खात्मा लश्कर संगठन के लिए एक बड़ा झटका है। पुलिस एवं एसएफ, विशेष रूप से निरीक्षक यासिर रशीद भट्ट और सिपाही मुश्ताक अहमद वानी, द्वारा प्रदर्शित त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने किसी भी संभावित आतंकवादी कृत्य को टाल दिया, जो आतंकवादी द्वारा किया जा सकता था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वोच्च यासिर रशीद भट्ट, निरीक्षक और मुश्ताक अहमद वानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/112/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 53-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अब्दुल रहमान खान	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	फारूक अहमद अवान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.10.2021 को, पुलिस अवन्तीपोरा को पंपोर के द्रंगबल में आवासीय घर में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना मिली। सूचना को 50 आरआर/सीआरपीएफ 110 बटालियन के साथ साझा किया गया था और उसके बाद श्री मोहम्मद यूसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा, सीओ 50 आरआर और 110/185 बटालियन सीआरपीएफ के सीओ ने सभी संभावित शत्रुता को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई योग्य योजना बनाई।

तैयार की गई रणनीति के अनुसार, रात 12 बजे के बाद, सीओ 50 आरआर के नेतृत्व में सेना 50 आरआर, उनके सीओ के नेतृत्व में, सीआरपीएफ 110/185 बटालियन और श्री मोहम्मद यूसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा के नेतृत्व में, पुलिस अवन्तीपोरा की संयुक्त पार्टियां लक्षित घर के पास पहुंचीं। पूर्ण अंतराल मुक्त घेरा स्थापित होने तक, आश्चर्य के उच्चतम स्तर को बनाए रखते हुए अपरंपरागत विश्वासघाती मार्गों को अपनाया। संपूर्ण तैनाती को तीन भागों में विभाजित किया गया था।

तैनाती के एक भाग को विशेष रूप से कानून और व्यवस्था प्रबंधन का काम सौंपा गया था और शेष दो को बाहरी और आंतरिक घेरे का काम सौंपा गया था। घेराबंदी तोड़कर आतंकवादियों के भागने को रोकने के लिए सभी संभावित भागने के मार्गों को सामरिक और गुप्त तरीके से

बंद कर दिया गया था। लक्षित घर के आसपास भीड़भाड़ के कारण वहां पहुंचने के दौरान स्थिति प्रतिकूल और बदतर हो गई। छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चुनौती दी गई, लेकिन यह महसूस करते हुए कि उन्हें घेर लिया गया है, आतंकवादियों ने घेरा तोड़ने और भागने का मौका तलाशने के लिए घेरा दल पर गोलीबारी कर दी और हैंड ग्रेनेड भी फेंके। लेकिन घेराबंदी करने वाले दलों के बीच उत्कृष्ट समन्वय के कारण, आसन्न खतरे के बावजूद, विशेष रूप से आंतरिक घेराबंदी करने वाले दल ने अपना जुनून बनाए रखा और प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया।

पूरी रात और अगले दिन के दौरान, जब तक दोनों खूंखार आतंकवादी मारे नहीं गए, तब तक उन्होंने कई बार घेरा तोड़ने और भागने का प्रयास किया है। रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी के बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सेना/सीआरपीएफ के समकक्षों के साथ संयुक्त कार्रवाई दल का यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कार्य था कि लक्षित घर और आसपास के घरों में फंसे नागरिकों को अपनी जान जोखिम में डालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, क्योंकि इस बात की पूरी आशंका थी कि छिपे हुए आतंकवादी नागरिकों और वहां से निकल रही पुलिस पार्टी पर गोलीबारी करके पुलिस पार्टी को निशाना बना सकते हैं। चूंकि लक्षित घर भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित था और इसमें कानून एवं व्यवस्था बिगड़ने की पूरी आशंका थी, जिससे तलाशी/घेराबंदी की प्रक्रिया बाधित हो सकती थी। इस प्रकार, लक्षित क्षेत्र के आसपास के स्थानों पर रणनीतिक रूप से सीआरपीएफ और पुलिस दलों की पर्याप्त तैनाती की गई थी, ताकि उस क्षेत्र को किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया जा सके। इस तैनाती दल का काम केवल किसी भी कानून-व्यवस्था की समस्या से निपटना था। सफलतापूर्वक घेराबंदी करने और नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के बाद, अगला कदम आतंकवादियों के छिपे हुए स्थान का पता लगाना और उन्हें मार गिराना था। पहले से तैयार योजना के अनुसार गठित संयुक्त खोजी दलों ने क्राइ-कॉप्टर द्वारा निरंतर हवाई निगरानी की सहायता से आसपास के घरों की खोज शुरू की।

सेना 50 आरआर, पुलिस दल पंपोर और सीआरपीएफ 110/185 बटालियन की संयुक्त खोजी टीमों ने लक्षित घर का सटीक स्थान तीन मंजिला कंक्रीट घर के रूप में खोजा। जैसे ही लक्षित घर का पूरी तरह से पता चला, वैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के नेतृत्व में कार्रवाई दल (पुलिस + सेना) के एक संयुक्त दल ने लक्षित घर के सबसे भीतरी पूर्वी हिस्से को कड़ा कर दिया, जबकि इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान खान के नेतृत्व में दूसरे कार्रवाई दल (पुलिस + सीआरपीएफ) ने सबसे भीतरी घेरा बना दिया। इसके पश्चिमी किनारे पर लक्षित घर के आसपास एक टीम थी, जिसमें हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान भी शामिल थे। इसके बाद छिपे हुए आतंकवादियों को हथियार डालने और आत्मसमर्पण के लिए लक्षित घर से बाहर आने के लिए बार-बार कहा गया, हालांकि, उन्होंने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। पूरी तरह से उजागर होने पर, छिपे हुए आतंकवादियों ने हमला दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और हैंड ग्रेनेड फेंके, जिसका उद्देश्य लोगों को हताहत करना और घेरा तोड़कर भाग जाना था। आतंकवादियों की गोलीबारी ने पुलिस और सेना के बीपी वाहनों को निशाना बनाया, जिन्हें अंतिम हमले के लिए सेवा में लगाया गया था। अचानक आग लग गई, जिसे तुरंत दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाकर बुझाया गया। लेकिन सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की सदैव दृढ़ संयुक्त पार्टियों ने समन्वित तरीके से आतंकवादियों के हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और उन्हें भागने की कोई गुंजाइश नहीं दी। विभिन्न कार्रवाई दलों के साथ उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करके, समग्र आक्रमण दल ने खुद को सामरिक रूप से व्यवहार्य स्थिति में स्थापित किया और करीबी गोलीबारी शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान बाद में उमर मुश्ताक खांडे पुत्र मुश्ताक अहमद खांडे, निवासी तुलबाग पंपोर और शाहिद खुर्शीद डार पुत्र खुर्शीद अहमद डार निवासी मेथन चानपोरा श्रीनगर के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादी खूंखार थे और कई आतंकी अपराधों में शामिल थे, विशेष रूप से, वे बघाट श्रीनगर में दो पुलिस कर्मियों की हत्या में भी शामिल थे। दोनों आतंकियों के मारे जाने से कश्मीर घाटी में लश्कर की कमर टूट गई; उक्त आतंकवादियों ने बेकसूर नागरिकों की हत्याएं की और निर्दोष युवाओं की भर्ती को समाप्त किया। ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ। अग्रिम टीम, विशेष रूप से निरीक्षक द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट साहस के साथ कार्यकुशलता अब्दुल रहमान खान और हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान, जो अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़े, उल्लेखनीय था क्योंकि बेहद प्रतिकूल स्थिति में लक्षित तक पहुंचने का प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। वे आसन्न खतरे से बेखबर थे, लेकिन उन्होंने बहादुरी, साहस, दुर्लभ सामरिक कौशल और अनुकरणीय संयुक्त एकता की विशिष्ट भूमिका निभाई, जिसके कारण बिना किसी अतिरिक्त क्षति के दो खूंखार आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री अब्दुल रहमान खान, निरीक्षक और फारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/27/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 54-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुमताज अली	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	फारूक अहमद अवान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	मोहम्मद अयाज़	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	ऐजाज़ अहमद शेख	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.03.2022 को, अवन्तीपोरा पुलिस ने एक सूचना जुटाई कि गांव कटिपोरा चेरसो अवन्तीपोरा में एक आवासीय घर में एक आतंकवादी मौजूद है, जो क्षेत्र में कुछ आतंकवादी कृत्य के लिए आपराधिक साजिश रच रहा है। सूचना की जांच/पुष्टि की गई और इसे तुरंत ही सीओ 42 आरआर और सीओ सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के साथ साझा किया गया। सूचना की पुष्टि होने पर, घेराबंदी और तलाशी के लिए 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के साथ मिलकर अभियान की योजना बनाई गई और समन्वय किया गया।

तैयार की गई रणनीति के अनुसार, अवन्तीपोरा पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन का संयुक्त दल, चूक रहित घेराबंदी कर लिए जाने तक सर्वोच्च स्तर का आश्चर्य बनाए रखने के लिए गैर-परंपरागत दुर्गम मार्गों से होकर लक्षित घर की ओर बढ़ा। घेराबंदी करने और उसे मजबूत बनाने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा के नेतृत्व में अवन्तीपोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने सेना की 42 आरआर, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की सहायता से लक्षित घर में आतंकवादी की तलाश के लिए कार्रवाई की। जैसे ही घेराबंदी की गई, लक्षित घर में छिपे आतंकवादी ने तलाशी/घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उन पर हैंड ग्रेनेड भी फेंके ताकि वे घेराबंदी तोड़ सके और घेराबंदी वाले इलाके से भाग सके। लेकिन, लक्षित घर में तलाशी ले रहे तलाशी दल ने सूझबूझ के साथ, तुरंत पोजीशन ली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की तथा छिपे हुए आतंकवादी के घेराबंदी वाले इलाके से भागने के प्रयास को विफल कर दिया। जब आतंकवादी की मौजूदगी और उसकी सही स्थिति की पुष्टि हो गई; तो घेराबंदी तेज कर दी गई और संयुक्त टीम द्वारा मजबूती के साथ जवाबी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवन्तीपोरा के मार्गदर्शन में, लक्षित घर के निकट पोजीशन लेने के लिए पुलिस की 02 टीमें गठित की गईं, जिसमें से एक का नेतृत्व स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा ने किया, जिसमें उनके साथ हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान और सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के समकक्षों का दल शामिल था, जिन्होंने पश्चिम की ओर पोजीशन ली तथा दूसरी टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक जावीद अहमद ने किया, जिसमें सेना की 42 आरआर, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के समकक्षों का दल शामिल था, जिन्होंने उत्तर की ओर तरफ पोजीशन ली। चूंकि लक्षित घर बसावट वाले इलाके में स्थित था और कानून एवं व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की पूरी आशंका थी, इसलिए, ऐसे किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए, पुलिस उपाधीक्षक मुमताज अली की कमान में अवन्तीपोरा पुलिस और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की तैनाती लक्षित घर के आसपास के स्थानों पर रणनीतिक रूप से की गई ताकि लक्षित घर/इलाके को ऐसे किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया जा सके जो अन्यथा आतंकवाद विरोधी अभियान को सफलतापूर्वक चलाने में बाधा उत्पन्न कर सकता था।

चूंकि स्थानीय आतंकवादी के छिपे होने की सूचना मिली थी और आतंकवाद रोधी अभियान दिन के उजाले में चल रहा था, इसलिए, यह चुनौतियों से भरा था; वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा ने वास्तविक स्थिति के अनुसार कार्रवाई की, रणनीति की समीक्षा की और श्री जावीद अहमद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी अवन्तीपोरा को सलाह दी कि वे लक्षित घर और उसके आसपास के घरों से सिविलियनों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दो अलग-अलग दिशाओं से अपनी टीम को आगे बढ़ाएं। लक्षित घर और आसपास के घरों में फंसे सिविलियनों को निकालने के ऑपरेशन का यह संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण था, क्योंकि घिरे हुए आतंकवादी की ओर से हमले की पूरी आशंका थी। आतंकियों की ओर से की जा रही गोलियों की बौछार के बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा ने पुलिस उपाधीक्षक मुमताज अली, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अयाज़, सिपाही ऐजाज़ अहमद शेख और अन्य कार्मिकों के साथ मिलकर इस साहसिक कार्य को अंजाम दिया। पुलिस दल अवन्तीपोरा और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की मदद से नागरिकों की निकासी संभव हो सकी। इसके बाद, इलाके के सम्मानजनक व्यक्तियों के माध्यम से छिपे हुए आतंकवादी को अपने हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया, जिसे उसने नजरअंदाज कर दिया और बदले में तलाशी/हमला दल पर गोलियों की बौछार कर दी और गोलीबारी के साथ-साथ हैंड ग्रेनेड भी फेंके और फिर छिपा हुआ आतंकवादी घर से बाहर निकला और लक्षित घर के आंगन की दीवार पर चढ़ गया और उसने घेराबंदी को तोड़कर भागने की कोशिश की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा के नेतृत्व में अवन्तीपोरा पुलिस, 42 आरआर, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के संयुक्त हमला दल ने कवर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी के साथ मुकाबला किया और दीवार पर चढ़ते हुए उक्त आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में ओवैस रजा डार (श्रेणी-सी) पुत्र मोहम्मद रमजान डार निवासी सुभानपोरा कुलगाम के रूप में हुई, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध था। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से

हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 23, 38 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 39/2022 दर्ज है और जांच शुरू कर दी गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मुमताज अली, पुलिस उपाधीक्षक, फारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल, मोहम्मद अयाज़, हेड कांस्टेबल और ऐजाज़ अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15/03/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/114/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 55-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार और वीरता पदक (जीएम) का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुमित कुमार शर्मा	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	अमित रैना	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	फारूक अहमद अवान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक का द्वितीय बार
4.	ऐजाज़ अहमद खान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	वसीम सुलेमान यातू	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.03.2022 को, पुलिस घटक श्रीनगर के फार्मेशन ने जिला पुलिस, अवंतीपोरा के सहयोग से बडगाम राजस्व जिले और नौगाम पुलिस स्टेशन, श्रीनगर के पुलिस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले वानाबल क्षेत्र के शंकरपोरा में अवैध हथियार/गोला-बारूद से लैस अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक पुख्ता सूचना जुटाई। यह भी पता चला कि इन आतंकवादियों की इलाके में कुछ सनसनीखेज आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना है। गुप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, छिपे हुए आतंकवादियों की पहचान करने और उनका पता लगाने तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के उनका खात्मा करने के लिए जिला पुलिस श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर और पीडी अवंतीपोरा के पुलिस दल तथा वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और सेना (50 आरआर) की संयुक्त पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने उक्त क्षेत्र में तलाशी तेज कर दी, जिसके दौरान वे लक्षित स्थान (बशीर अहमद भट्ट पुत्र मोहम्मद सुल्तान भट्ट निवासी शंकरपोरा वानाबल नौगाम का घर) को चिन्हित करने में सफल रहे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। अचानक से इलाके में बलों की मौजूदगी देखकर आतंकवादियों ने जान से मारने और इलाके से भागने के इरादे से बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और इसी दौरान हैंड ग्रेनेड भी फेंके।

तुरंत ही, उप महानिरीक्षक सीकेआर-श्रीनगर द्वारा पुलिस दल तथा वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के पर्याप्त नफरी के साथ एक ऑपरेशन योजना तैयार की गई। तदनुसार, नफरी को अलग-अलग दलों में बांटा गया – वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और सेना (50 आरआर) की पर्याप्त नफरी के साथ एक दल को लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी का कार्य सौंपा गया और पश्चिमी जोन सहित पीसी श्रीनगर, जिला पुलिस श्रीनगर और पीडी अवंतीपोरा के कार्मिकों तथा वैली सीआरपीएफ के पर्याप्त नफरी वाले दूसरे दल को लक्षित स्थान की आंतरिक घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

उपर्युक्त विशेष टीम को आगे 03 ग्रुपों में बांटा गया और उचित कार्रवाई करने और आवश्यक होने पर छिपे हुए आतंकवादी पर अंतिम हमला करने के लिए सभी तरफ से लक्षित स्थान की ओर जाने/आगे बढ़ने का कार्य सौंपा गया। ऑपरेशनल योजना के अनुसार, ऑपरेशनल समूह 'ग्रुप-ए' में पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल ऐजाज़ अहमद खान, एस.जी.सीटी वसीम सुलेमान यातू, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल, एस.जी.सीटी इरशाद अहमद शामिल थे, 'ग्रुप-बी' में उप महानिरीक्षक सीकेआर-श्रीनगर की

कमान के तहत पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल, उप निरीक्षक फारूक अहमद, हेड कांस्टेबल यश पॉल, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान, एस.जी.सीटी तनवीर अहमद शामिल थे तथा 'ग्रुप-सी' में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल, पुलिस अधीक्षक सैयद अल-ताहिर गिलानी, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, सहायक उप निरीक्षक अमित रैना, हेड कांस्टेबल परवेज अहमद शामिल थे। इस प्रकार गठित विशेष टीम ने सभी सावधानियां बरतते हुए और एक-दूसरे के साथ अत्यंत समन्वय के साथ लक्षित स्थान को घेर लिया और ऑपरेशनल कौशल के साथ आगे बढ़ने की कार्रवाई शुरू की तथा बहादुरी से आसपास के घरों के निवासियों को बाहर निकाला और पास के सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई अतिरिक्त क्षति न हो।

पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब के नेतृत्व में 'ग्रुप-ए', जिसमें पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल ऐजाज़ अहमद खान, एस.जी.सीटी वसीम सुलेमान यातू, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल और एस.जी.सीटी इरशाद अहमद शामिल थे, ने एक आतंकवादी को मार गिराया और बाकी आतंकवादियों को लक्षित स्थान के अंदर वापस धकेल दिया। उप महानिरीक्षक सीकेआर-श्रीनगर के नेतृत्व में 'ग्रुप-बी', जिसमें पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल, उप निरीक्षक फारूक अहमद, हेड कांस्टेबल यश पॉल, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान, एस.जी.सीटी तनवीर अहमद शामिल थे, रेंगते हुए लक्षित स्थान के करीब पहुंचे, जहां से आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दल पर गोलीबारी की थी और उन्होंने छुपे हुए आतंकवादियों की गोलीबारी के सामने से व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस के साथ गोलीबारी का जवाब दिया तथा फौलादी हिम्मत और उच्चतम स्तर की वीरता का प्रदर्शन करते हुए आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में एक और आतंकवादी को ढेर कर दिया, जबकि दूसरा आतंकवादी मौके से भागने के लिए लक्षित घर के पीछे छिप गया और अंधाधुंध गोलीबारी करता रहा। आखिरी जिंदा बचे आतंकवादी की स्थिति को भांपते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल के नेतृत्व में 'ग्रुप-सी', जिसमें पुलिस अधीक्षक सैयद अल-ताहिर गिलानी, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, सहायक उप निरीक्षक अमित रैना, हेड कांस्टेबल परवेज अहमद शामिल थे, ने दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में प्रभावी ढंग से और बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और तीसरे आतंकवादी को मार गिराया गया।

पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा ने अपने ग्रुप के साथियों के साथ न केवल आतंकवादियों के खात्मे में मोर्चा संभाला, बल्कि राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने में ऑपरेशन की योजना को उसके अंजाम तक पहुंचाने में उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और भूमिका तथा अद्भुत धैर्य, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय वीरता के चलते उनकी पेशेवर रणनीति से ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के 03 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

इस बीच, मुठभेड़ स्थल से 03 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ संगठन के 'ख'-श्रेणी के आतंकवादी, आदिल अहमद तेली उर्फ आदिल नबी तेली उर्फ अबू जरार पुत्र गुलाम नबी निवासी गलचिबल चंदर पंपोर, पुलवामा, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के ग-श्रेणी के आतंकवादी यासिर अहमद वाके पुत्र अब्दुल रहमान वागे निवासी कुजर फ़िसल यारीपोरा, कुलगाम और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के ग-श्रेणी के आतंकवादी शाकिर अहमद तात्रे पुत्र गुलाम मोहम्मद तात्रे निवासी रानीपोरा शोपियां, शोपियां के रूप में हुई, जो घाटी में कई विध्वंसक गतिविधियों में जिम्मेदार/शामिल थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन नौगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 45/2022 दर्ज है।

तत्काल ऑपरेशन में सामान्य रूप से ऑपरेशन पार्टी के प्रयास और समर्पण तथा पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा, सहायक उप निरीक्षक अमित रैना, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल ऐजाज़ अहमद खान और एस.जी.सीटी वसीम सुलेमान यातू का महत्वपूर्ण और बहुत ज्यादा योगदान रहा। यह उनके द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय वीरतापूर्ण कृत्य था, जिन्होंने न केवल आतंकवादियों के खात्मे में मोर्चा संभाला, बल्कि राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने में ऑपरेशन की योजना को उसके अंजाम तक पहुंचाया। उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और भूमिका तथा अद्भुत धैर्य, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय वीरता के चलते उनकी पेशेवर रणनीति की वजह से बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री सुमित कुमार शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, अमित रैना, सहायक उप-निरीक्षक, फारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल, ऐजाज़ अहमद खान, हेड कांस्टेबल और वसीम सुलेमान यातू, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16/03/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/115/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 56-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ओमर हुसैन वाडा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	गुलाम नबी भट्ट	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.06.2022 को लगभग 14:30 बजे, बोमई सोपोर के पन्नीपोरा वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी और आवाजाही के बारे में एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस द्वारा 09 पैरा/22-आरआर और सीआरपीएफ की 179वीं बटालियन के सहयोग से इलाके में संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। चूंकि, अभियान का इलाका चारों तरफ से वनों से घिरा हुआ था और इसके अलावा यह पूरी तरह से लहरदार (अनड्यूलेटेड) था तथा अभियान दिन के उजाले में शुरू किया गया था, इसलिए, बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादी का खात्मा करना बहुत मुश्किल था। लेकिन सुरक्षा बलों ने अच्छी रणनीति अपनाई और सबसे पहले, जो लोग पास के वन क्षेत्र में काम कर रहे थे, उन्हें निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया और निकासी की प्रक्रिया के दौरान, सुरक्षा बलों ने अपनी जान को अत्यंत जोखिम में डालकर सर्वोच्च स्तर की पेशेवरता और दृढ़ता का परिचय दिया। जब नागरिकों की निकासी प्रक्रिया पूरी हो गई, तो प्रवेश और निकासी के सभी स्थानों को सील करके घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया तथा तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की ओर से प्रतिक्रिया पाने के लिए हवा में कुछ गोलियां चलाई गईं, लेकिन शुरुआत में कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

तदनुसार, सुनियोजित रणनीति के अनुसार और सेना तथा सीआरपीएफ के समस्तरीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा और परामर्श के बाद, दो संयुक्त टीमों तैयार की गईं, जो अंतिम और निर्णायक हमले के लिए संदिग्ध स्थान की ओर आगे बढ़ने के लिए स्वेच्छा से आगे आईं। पुलिस/सेना की पहली संयुक्त टीम को एडवांस टीम के रूप में गठित किया गया, जिसने दूसरे संयुक्त दल की बैकअप/कवर गोलीबारी की आड़ में अपनी कार्रवाई की।

टीम ने रेंगते हुए संदिग्ध क्षेत्र की ओर बढ़ना शुरू किया और जब संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान के करीब पहुंचने वाली थी, तो छुपे हुए आतंकवादी ने खड़े होकर अपने अत्याधुनिक हथियारों से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन संयुक्त टीमों, विशेष रूप से पहली टीम के हेड कांस्टेबल ओमर हुसैन वाडा और सिपाही गुलाम नबी भट्ट, चट्टान की तरह दृढ़ और मजबूती के साथ डटी रहीं तथा आमने-सामने की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और इसके बाद हुई बंदूक की लड़ाई में एक आतंकवादी मारा गया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कासिम उर्फ रेहान उर्फ हंजल्ला निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मारा गया आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन का 'क+' श्रेणी का आतंकवादी था। मारे गए आतंकवादी से लड़ते समय, संयुक्त टीमों, विशेष रूप से पहली टीम के हेड कांस्टेबल ओमर हुसैन वाडा और सिपाही गुलाम नबी भट्ट, ने देश की सुरक्षा और संप्रभुता/अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी जान अत्यंत जोखिम में डाली और उनकी सच्ची वीरता तथा दृढ़ता और गुणवत्तापूर्ण नेतृत्व तथा पेशेवरता के चलते, एक अत्यंत ही कठिन और असमान स्थिति में एक खूंखार आतंकवादी के खात्मे के साथ ऑपरेशन पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन बोमई में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 23 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 28/2022 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ओमर हुसैन वाडा, हेड कांस्टेबल और गुलाम नबी भट्ट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 06/06/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/124/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 57-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद मकसूद लोन	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	आज़ाद अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.04.2022 को, कुलगाम पुलिस को विश्वसनीय स्रोत के माध्यम से मंज़गाम-अहरबल रास्ते पर एक वाहन में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई। इस पर, तुरंत ही, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम ने आतंकवादियों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर औचक नाके लगा दिए। कुलगाम पुलिस ने 9 आरआर और 34 आरआर के सैनिकों के साथ बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को पकड़ने के लिए रणनीतिक योजना बनाई। रणनीतिक योजना के अनुसार, संदिग्ध आतंकवादियों का पीछा किया गया और कोरल मुख्य मार्ग पर उन्हें चुनौती दी गई। लेकिन, वाहन में सवार आतंकवादी बाहर कूद गए और सुरक्षा बलों की हत्या करने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया जिससे मुठभेड़ हो गई।

जब आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच ऑपरेशन शुरू हुआ, तो कुछ नागरिक मुठभेड़ स्थल पर फंस गए। तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम ने वहां फंसे नागरिकों को वहां से युद्धस्तर पर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने को विशेष प्राथमिकता दी। आतंकवादियों को तीन तरफ से घेर लिया गया, ताकि उन्हें मौके पर से भागने का कोई अवसर न मिले। आतंकवादी लगातार अपनी पोजीशन बदल रहे थे और सुरक्षा बलों को आगे नहीं बढ़ने दे रहे थे। इसी बीच, हेड कांस्टेबल मोहम्मद मकसूद लोन और एस.जी.सीटी आज़ाद अहमद भट्ट ने आतंकवादियों की स्थिति को भांप लिया और अपने कीमती जीवन की परवाह किए बिना उन्हें खुले में चुनौती दी। मुठभेड़ के दौरान दोनों बहादुर अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए तुरंत 92 बेस अस्पताल श्रीनगर ले जाया गया। तथापि, जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और 34 आरआर की संयुक्त टीमों ने कार्यकुशलता, वीरता, समर्पण और कर्तव्य का परिचय दिया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों को खुले में चुनौती दी। पुलिस/सुरक्षा बल के बहादुर अधिकारियों/कार्मिकों ने मौके पर ही 02 आतंकवादियों को मार गिराया और इस तरह राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए एक बड़े खतरे को टाल दिया।

पुलिस दल द्वारा विशेष रूप से हेड कांस्टेबल मोहम्मद मकसूद लोन और एस.जी.सीटी आज़ाद अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित सूझ-बूझ ने उनके द्वारा अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा की परवाह किए बिना जैश-ए-मोहम्मद संगठन के 02 आतंकवादियों नामतः जमील पाशा उर्फ उस्मान चाचू (श्रेणी "क"), निवासी पाकिस्तान और समीर सोफी (हाइब्रिड आतंकवादी) पुत्र फारूक अहमद सोफी, निवासी अमशीपोरा जिला शोपियां का खात्मा करने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। इसके अलावा, उन्होंने सूझबूझ का परिचय दिया और किसी अतिरिक्त क्षति के बिना आतंकवादियों को मौके पर ही ढेर करने में रणनीतिक कौशल का कारगर उपयोग किया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन मंजगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 38 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 09/2022 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद मकसूद लोन, हेड कांस्टेबल और आज़ाद अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/129/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 58-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जफर महदी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोहम्मद अशरफ शेख	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.05.2022 को, बांदीपोरा पुलिस को विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से एक सूचना मिली कि भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियारों से लैस आतंकवादी सिरंदर सुमलर बांदीपोरा के वन क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपोरा/पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बांदीपोरा की देखरेख में पुलिस उपाधीक्षक जफर महदी के नेतृत्व में पीसी बांदीपोरा से पुलिस दल आतंकवादियों के छिपने के स्थान की ओर बढ़ा और 14 आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन की सहायता से एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इलाके की भौगोलिक स्थिति के संबंध में, सेना के साथ संक्षिप्त चर्चा के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान की कार्रवाई शुरू की गई। बनाई गई योजना के अनुसार, शुरुआती घेराबंदी दल जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक जफर महदी कर रहे थे, जिसमें उनका सहयोग एस.जी.सीटी मोहम्मद अशरफ शेख तथा सेना और सीआरपीएफ के घटक कर रहे थे, स्वेच्छा से तलाशी में भाग लेने के लिए आगे आए। मौके पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी लेते समय अचानक ही घनी झाड़ियों में छुपे आतंकवादियों ने तलाशी दल पर भारी गोलीबारी की। तलाशी दल काफी सतर्क था और हमले के दौरान उसे कोई नुकसान नहीं हुआ तथा ऑपरेशनल अधिकारियों ने सावधानीपूर्वक एक रणनीति बनाई और आतंकवादी की स्थिति को चिन्हित/निर्धारित कर लिया गया। इसके बाद, मौके पर एक योजना तैयार की गई, जिसमें सेना और पुलिस के संयुक्त दलों को लक्षित क्षेत्र के अत्यंत नजदीक तैनात किया गया। इसके बाद, एस.जी.सीटी मोहम्मद अशरफ शेख के साथ पुलिस उपाधीक्षक जफर महदी ने अत्यंत वीरतापूर्ण कदम उठाया और वे कंटली झाड़ियों के बीच से रेंगते हुए लक्षित स्थल तक पहुंचे और एक जगह के पीछे घनी झाड़ियों में छिपे आतंकवादी पर निशाना साधा। घेराबंदी स्थल को सुरक्षित करने के बाद बार-बार घोषणा की गई, जिसके माध्यम से आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। लेकिन आतंकवादी ने आत्मसमर्पण करने के बजाय, आंतरिक घेरे में तैनात संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त दलों ने समुचित सावधानी बरतते हुए जवाबी कार्रवाई की ताकि कम से कम अतिरिक्त क्षति हो। आतंकवादी की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि वह बेहतर पोजीशन में था और घने वन में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा था। तथापि, पुलिस उपाधीक्षक जफर महदी और एस.जी.सीटी मोहम्मद अशरफ शेख डटे रहे और उन्होंने गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आतंकवादी अपने नापाक इरादे को अंजाम नहीं दे सका।

टीम लीडर के निदेश पर, आतंकवादी पर गोलियों की बौछार की गई। आतंकवादी ने हमला दल पर गोलीबारी की, लेकिन हमला दल ने हार नहीं मानी और डटी रहा तथा आतंकवादी और हमला दल के बीच करीब से बंदूक की लड़ाई तब तक चलती रही, जब तक कि आतंकवादी का खात्मा नहीं हो गया, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के "ख" श्रेणी के आतंकवादी गुलजार अहमद गनी उर्फ फैजान पुत्र बशीर अहमद गनी, निवासी वुसुन पट्टन के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन बांदीपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 85/2022 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जफर महदी, पुलिस उपाधीक्षक और मोहम्मद अशरफ शेख, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11/05/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/29/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 59-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद यूसुफ	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	परमीत सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	इश्ताक अहमद भट्ट	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.04.2022 को, कुछ ओजीडब्ल्यू को पकड़ने की कार्रवाई के दौरान, अवंतीपोरा पुलिस को एक ओजीडब्ल्यू से मिली सूचना के आधार पर, अवंतीपोरा पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन द्वारा गांव अरिगाम त्राल में संयुक्त छापेमारी/घेराबंदी की गई।

बनाई गई रणनीति के अनुसार, अवंतीपोरा पुलिस, 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की संयुक्त टुकड़ियों ने 0550 बजे दो पहुंच मार्गों अर्थात् शेराबाद-अरिगाम और शरियाफाबाद-अरिगाम से गांव अरिगाम त्राल में घेराबंदी शुरू कर दी। जब घेराबंदी की कार्रवाई चल रही थी, शेराबाद-अरिगाम पहुंच मार्ग की संयुक्त टुकड़ियों ने सरसों के खेत/घनी वनस्पति में 02 संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि देखी। संबंधित कमांडरों द्वारा तुरंत अपने दलों को सतर्क कर दिया गया। संयुक्त टुकड़ियों ने उन्हें रुकने के लिए कहा, लेकिन रुकने के बजाय, संदिग्ध व्यक्ति घनी वनस्पति और नाले का फायदा उठाकर कोंसरबल/ईदगाह के निकट अवंतीपोरा-त्राल रोड की ओर भागने लगे। जब तक भागते हुए संदिग्ध व्यक्ति सड़क के किनारे तक पहुंच पाए, कोंसरबल/ईदगाह के पास त्राल की ओर जा रहे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के नेतृत्व में पुलिस ने उनकी संदिग्ध गतिविधि को देख लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के पुलिस दल ने फिर से संदिग्धों को रुकने के लिए कहा। संदिग्धों को लगा कि वे सैनिकों द्वारा घेर लिए गए हैं, तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और ग्रेनेड भी फेंका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ के नेतृत्व में पुलिस दल जिसमें सहायक उप-निरीक्षक परमीत सिंह, सिपाही इश्ताक अहमद भट्ट और अन्य कार्मिक शामिल थे, ने तुरंत कवर ले लिया और आत्मरक्षा में प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद, दोनों ओर से हुई गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। लेकिन, दूसरा आतंकवादी घनी वनस्पति की आड़ लेकर अरिगाम गांव की ओर भागने में सफल रहा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा ने सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन के अपने समकक्षों के साथ मिलकर रणनीति की समीक्षा की और दूसरे आतंकवादी की तलाश शुरू करने के लिए स्थिति का जायजा लिया, जो घनी वनस्पतियों का फायदा उठाते हुए भागकर पास के इलाके में छिपने में कामयाब रहा था। घेराबंदी को मजबूत किया गया और अवंतीपोरा पुलिस, 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की संयुक्त टुकड़ियों को पूरे अरिगाम गांव की घेराबंदी करने के लिए तैनात किया गया। आतंकवादी की स्थिति का पता लगाने के लिए खोजी श्वान (ट्रैकर डॉग्स) और ड्रोन सेवा को भी कार्रवाई में शामिल किया गया। संदेह था कि आतंकवादी घनी वनस्पतियों के पीछे खुले मैदान में छिपा हुआ था/कवर लिए हुए था तथा तलाशी ले रहे सैनिकों को समुचित कवर के अभाव में आतंकवादी की गोलीबारी से गंभीर खतरा था। तलाशी की कार्रवाई में खतरा था, क्योंकि छुपे हुए आतंकवादी को इस बात का फायदा था कि वह संयुक्त सैनिकों को कार्रवाई करते हुए देख सकता था। इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि संबंधित कमांडरों के नेतृत्व में छोटी टीमों द्वारा तलाशी ली जाएगी। सरसों के खेत/मिश्रित वनस्पति की तलाशी के दौरान, तलाशी दल को ताजा खून के धब्बे दिखे जो घायल आतंकवादी का संकेत था। खोजी श्वान ने अरिगाम गांव के बाहरी इलाके में एक गौशाला/घर की ओर संकेत दिया। इसे देखते हुए, संदिग्ध गौशाला और आसपास के वाहन पार्किंग क्षेत्र की तलाशी शुरू करने का निर्णय लिया गया। जब तलाशी दल सामरिक तरीके से घास के ढेर की ओर आगे बढ़ा, तो वहां छिपे हुए आतंकवादी ने खतरे को भांप लिया और वह अचानक ही घास के ढेर से बाहर आ गया और खड़ी गाड़ियों के पीछे छिप गया और उसने हताहत करने और घेराबंदी वाले इलाके से भागने के इरादे से संयुक्त तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर अवंतीपोरा पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन के संयुक्त तलाशी दल ने जवाबी कार्रवाई की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा, सेना और सीआरपीएफ के समकक्षों के साथ आतंकवादी के ठिकाने की ओर बढ़े और सामरिक तरीके से भागने के मार्गों को बंद कर दिया और इस प्रकार छिपे हुए दूसरे आतंकवादी के चारों ओर एक मजबूत घेरा बना दिया, जो कि इन घेराबंदी डाले हुए सैनिकों पर लगातार गोलीबारी कर रहा था और जिसने एक ग्रेनेड भी फेंका था। सुरक्षा अभ्यास का उपयोग करते हुए, संयुक्त सैनिक आतंकवादी की पोजीशन की ओर आगे बढ़े। श्री मोहम्मद यूसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के नेतृत्व में पुलिस, सेना, सीआरपीएफ के संयुक्त हमला दल और सेना/सीआरपीएफ के उनके समकक्षों तथा उनके साथियों सहायक उप-निरीक्षक परमीत सिंह, सिपाही इश्ताक अहमद भट्ट और अन्य कार्मिकों ने असाधारण साहस, अत्यंत अनुशासन, दृढ़ संकल्प और वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया और इस कार्रवाई में, संयुक्त सैनिकों ने आतंकवादी की पोजीशन पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की और करीबी लड़ाई में उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों के व्यक्तिगत परिधान की जेब से बरामद पहचान पत्र और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा की गई पुष्टि के माध्यम से इन मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में उमर नबी तेली (लश्कर-ए-तैयबा) पुत्र स्वर्गीय गुलाम नबी तेली निवासी कुमार मोहल्ला लाधू और शफत मुजफ्फर सोफी (एजीयूएच) पुत्र मुजफ्फर अहमद सोफी निवासी बटागुंड त्राल के रूप में की गई तथा मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद

बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन त्राल में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 37/2022 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहम्मद यूसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, परमीत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक और इश्ताक अहमद भट्ट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 06/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/117/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 60-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	निसार अहमद दर्जी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	अजीम इकबाल	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	दानिश अल्लाही राथर	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.03.2022 को नैना बटपोरा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना पर, पुलवामा पुलिस, 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं बटालियन ने नैना लिटर गांव में लक्षित क्षेत्र की संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया। सभी भीतरी सड़कों, गलियों और रास्तों को मजबूती से बंद करने के बाद, दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया, जिनमें से एक टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक निसार अहमद दर्जी कर रहे थे, जिसमें हेड कांस्टेबल मुश्ताक अहमद, एस.जी.सीटी दानिश अल्लाही राथर उनकी सहायता कर रहे थे तथा इसमें 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं बटालियन के घटक भी शामिल थे तथा इस टीम को संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी लेने का कार्य सौंपा गया तथा निरीक्षक अजीम इकबाल की कमान में दूसरी टीम को प्रारंभिक तलाशी दल की तत्काल सहायता के लिए भीतरी घेरे में तैनात किया गया। तलाशी की कार्रवाई के दौरान, एक स्थानीय मस्जिद की मीनार में छिपे हुए आतंकवादियों ने बलों को नुकसान पहुंचाने और भागने का रास्ता बनाने के उद्देश्य से तलाशी दल पर ग्रेनेड से हमला किया और उसके बाद भारी मात्रा में अंधाधुंध गोलीबारी की। शुरुआती गोलीबारी में 55 आरआर के 03 जवान घायल हो गए, जिन्हें तुरंत वहां से निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। सैनिकों ने अपना ध्यान गंवाए बिना तुरंत कवर ले लिया, समर्पण के साथ गोलीबारी का जवाब दिया और आतंकवादियों को रक्षात्मक होने के लिए मजबूर कर दिया। नागरिक हताहत न हों, इसके लिए घेराबंदी वाले इलाके में फंसे लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों, को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई।

धार्मिक स्थल (मस्जिद) की पवित्रता बनाए रखने और इसे नुकसान से बचाने के लिए आतंकवादियों से बार-बार आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, जिसे उन्होंने पूरी तरह से नकार दिया और सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। आतंकवादियों की योजना को कारगर ढंग से नाकाम करने के लिए, पुलिस उपाधीक्षक निसार अहमद दर्जी के नेतृत्व में प्रारंभिक तलाशी दल को खतरे के क्षेत्र से बाहर आने और आबादी वाले क्षेत्र की ओर जाने वाली एक गली में पोजीशन लेने के लिए कहा गया तथा निरीक्षक अजीम इकबाल के नेतृत्व में दूसरे दल को लक्षित क्षेत्र (मस्जिद) के सामने एक ढांचे में पुनः तैनात किया गया और आतंकवादियों को मस्जिद से बाहर आने के लिए बाध्य करने और धार्मिक (मस्जिद) को नुकसान से बचाने के लिए मीनार की ओर आंसू गैस के गोले दागने के लिए कहा गया, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे। जैसे ही मस्जिद क्षेत्र में आंसू गैस का धुआं फैला, बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आतंकवादी मस्जिद से बाहर आ गए और उन्होंने दो अलग-अलग तरफ से भागने की कोशिश की। तथापि, उपर्युक्त पुलिस/सुरक्षा बल दल और अन्य तैनात कर्मी तुरंत हरकत में आ गए और अपने कीमती जीवन की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी के साथ जवाबी कार्रवाई की और लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ संगठन के 'ग'-श्रेणी के दो (02) खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में शाहिद हुसैन खान पुत्र गुलाम मोहि-उद-दीन खान, निवासी बाटपोरा-नैना पुलवामा और फैयाज अहमद शेख पुत्र गुलाम रसूल शेख निवासी शाहपोरा गांदरबल के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया

गया। इस घटना के संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन लिटर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 18/2022 दर्ज है।

उक्त नामित कट्टर आतंकवादियों का सफाया आतंकवादी कैडरों, विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा संगठन, के लिए एक बड़ा झटका है और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा, ये आतंकवादी विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री निसार अहमद दर्जी, पुलिस उपाधीक्षक, अजीम इकबाल, निरीक्षक और दानिश अल्लाही राथर, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10/03/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/113/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 61-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	आफाक अली दीवानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	राजन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	सज्जाद अहमद ताली	सिपाही	वीरता पदक
4.	मोहम्मद शफी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.04.2022 को लगभग 0514 बजे, श्री गुलाम जिलानी वानी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को गांव पाहू, पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो सुरक्षा बलों और उनके प्रतिष्ठानों पर कोई विध्वंशकारी कार्रवाई करने को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। तदनुसार, यह सूचना सेना की 50 आरआर के साथ साझा की गई और लक्षित स्थान पर संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन शुरू करने के लिए एसएसपी पुलवामा एसओजी सैन्य बल के साथ शीघ्र मौके पर पहुंचे। लक्षित स्थान पर पहुंचकर, संदिग्ध क्षेत्र की सघन/कड़ी घेराबंदी की गई और लक्षित क्षेत्र जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, में तलाशी करने के लिए हेड कांस्टेबल राजन कुमार, हेड कांस्टेबल आफाक अली दीवानी, सिपाही सज्जाद अहमद ताली, सिपाही मोहम्मद शफी और सेना की 50 आरआर की एक टुकड़ी सहित एसओजी पार्टी के साथ श्री गुलाम जिलानी वानी, एसएसपी के नेतृत्व में एक समर्पित टीम गठित की गई।

तत्पश्चात, एसएसपी पुलवामा ने नेतृत्व करते हुए अपनी टीम के सदस्यों के साथ लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। तलाशी प्रक्रिया के दौरान, रिहायशी क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रही पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, यदि बुलेटप्रूफ वेस्ट नहीं पहनी होती, तो इसमें बड़ी हानि हो सकती थी। तथापि, एसएसपी पुलवामा, श्री गुलाम जिलानी वानी ने अपने सैन्य दल पर नियंत्रण बनाए रखते हुए टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित किया और समर्पण के साथ जवाबी गोलीबारी की तथा आतंकवादियों को शरण लेने पर विवश कर दिया। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, एसएसपी पुलवामा ने अपने सैन्य दल को रणनीतिक ढंग में लक्षित घर से बाहर निकलने और भीतरी घेराबंदी में पोजीशन लेकर पुलिस/सुरक्षाबल पार्टी को सशक्त करने के लिए कहा, ताकि आतंकवादियों के साथ दृढ़ता से लड़ा जा सके। इसी बीच, सीआरपीएफ 182/183 बटालियन की टुकड़ी भी मौके पर पहुंची और इस ऑपरेशन में शामिल हो गई। इसी दौरान, यह देखा गया कि बहुत से आम नागरिक घेराबंदी वाले क्षेत्र में स्थित अपने आवासीय घरों में फंस गए हैं और उनको बचाना पुलिस का महत्वपूर्ण एवं प्रमुख कर्तव्य है।

इन आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए, एसएसपी गुलाम जिलानी वानी ने अपने पर्यवेक्षण में एक संयुक्त टीम गठित की। यद्यपि एसएसपी पुलवामा के नेतृत्व वाली बचाव टीम आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के सामने आ गई थी, तथापि, इस टीम ने अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना किसी भी अतिरिक्त क्षति के बगैर सफलतापूर्वक बचाव प्रक्रिया को पूरा किया और इस प्रकार एक बड़ी दुर्घटना टल गई। लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी के बाद, एसएसपी पुलवामा (ऑपरेशनल कमांडर) ने पुनः छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की पेशकश की, जिसके लिए उन्होंने इनकार कर दिया और वे सैन्य दस्तों पर लगातार गोलीबारी करने लगे

और वहां से बच निकलने का प्रयास किया, परन्तु उनको बच निकलने का कोई मौका नहीं मिल पाया, जिससे वे आवासीय क्षेत्र के निकट झाड़ियों के पीछे शरण लेने पर विवश हो गए। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (एसएसपी पुलवामा) ने आतंकवादियों की गोलीबारी के विरुद्ध दृढ़ता/प्रभावकारी ढंग में जवाबी कार्रवाई करने और छिपे हुए आतंकवादियों का किसी भी अतिरिक्त क्षति के बगैर सफाया करने के लिए पुलिस/सुरक्षा बलों की दो समर्पित संयुक्त टीमों गठित की। एसएसपी पुलवामा ने स्वयं प्रथम टीम जिसमें हेड कांस्टेबल राजन कुमार, हेड कांस्टेबल आफाक अली दीवानी, सिपाही सज्जाद अहमद ताली, सिपाही मोहम्मद शफी और 50 आरआर एवं 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की टुकड़ियां शामिल थी, का नेतृत्व किया और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पोजीशन ले ली तथा उप- निरीक्षक जगदीश सिंह और 50 आरआर एवं 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी के नेतृत्व में दूसरी टीम को दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में पोजीशन लेने के लिए कहा गया। ऑपरेशनल कमांडर एसएसपी पुलवामा से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त करने के बाद, सभी गठित संयुक्त टीमों ने निर्देश/योजना के अनुसार पोजीशन ले ली।

इसी बीच, छिपे हुए आतंकवादियों ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी की ओर ग्रेनेड से हमला किया और उसके बाद भारी गोलीबारी की, जिसमें एसएसपी पुलवामा और उनकी टीम बाल-बाल बच गई। तथापि, एसएसपी पुलवामा और उनकी टीम अपनी एकाग्रता गंवाए बगैर तत्काल सक्रिय हो गई और वे अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी के साथ लड़े तथा उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि तीसरा आतंकवादी पीछे हट गया और उसने दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल पार्टियों को क्षति पहुंचाने तथा घेराबंदी वाले क्षेत्र से बच निकलने के इरादे से उन पर गोलीबारी की। तथापि, उप-निरीक्षक जगदीश सिंह के नेतृत्व में संयुक्त पार्टी ने तत्काल कवर लेते हुए इस दिशा में पोजीशन ले ली और साहस/समर्पण के साथ जवाबी गोलीबारी की तथा आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया। उसके बाद, लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ के मृत आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में, अबू वहाब उर्फ अबू हुजैफा उर्फ छोटू निवासी पाकिस्तान, आरिफ अहमद हजार उर्फ रेहान पुत्र फारूख अहमद फ्लाजर, निवासी वागाम पुलवामा और नतीश शकील वानी उर्फ हैदर पुत्र शकील अहमद वानी निवासी बबदेम्ब खान्यार श्रीनगर के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन काकापोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 31/2022 दर्ज कर दी गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आफाक अली दीवानी, हेड कांस्टेबल, राजन कुमार, हेड कांस्टेबल, सज्जाद अहमद ताली, सिपाही और मोहम्मद शफी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/120/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 62-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ओम प्रकाश तिवारी	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
2.	दिग्विजय सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रौशन कुमार सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	अनुप लकड़ा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

खूंटी और चाईबासा जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में पीएलएफआई सुप्रिमो दिनेश गोपे, शनिचर शोरेन (जोनल कमांडर), मार्टिन केरकेटा (जोनल कमांडर) और पीएलएफआई के अन्य सदस्यों के बारे में पुलिस अधीक्षक खूंटी से प्राप्त अत्यधिक विश्वसनीय सूचना के आधार पर चाईबासा पुलिस के परामर्श से खूंटी पुलिस द्वारा ऑपरेशन की योजना तैयार की गई। सैन्य दस्तों का नेतृत्व करने की समग्र जिम्मेदारी श्री ओम प्रकाश तिवारी, एसडीपीओ, टोरपा, खूंटी को दी गई। ऑपरेशनल पार्टी लक्षित क्षेत्र में गुप्त रूप से आगे बढ़ी। उक्त क्षेत्र में पहुंचने पर इस पार्टी पर पीएलएफआई विद्रोहियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की गई। श्री ओम प्रकाश तिवारी के नेतृत्व वाली इस पार्टी ने तत्काल पोजीशन ले ली और उन्होंने उग्रवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पीएलएफआई विद्रोहियों ने बार-बार दी गई चेतावनियों को अनदेखा करके पुलिस

पार्टी पर गोलियों की बौछार तेज कर दी। श्री ओम प्रकाश तिवारी ने तुरंत श्री दिग्विजय सिंह, सर्कल निरीक्षक, टोरपा, खूँटी, उप-निरीक्षक रौशन कुमार सिंह, ओसी रानिया पुलिस स्टेशन खूँटी को बाईं दिशा की ओर से क्षेत्र को कवर करने का आदेश दिया और वे स्वयं सिपाही अनुप लकड़ा के साथ अपनी निजी सुरक्षा को अनदेखा करते हुए दाईं दिशा की ओर से आगे बढ़े और अपने कार्मिकों की जान एवं माल के प्रति संभावित खतरों को विफल कर दिया। वे, श्री दिग्विजय सिंह, सर्कल निरीक्षक, टोरपा, खूँटी, उप-निरीक्षक रौशन कुमार सिंह, ओसी रानिया पुलिस स्टेशन, खूँटी, सिपाही अनुप लकड़ा के साथ गोलियों की बौछारों के बीच रेंगकर विद्रोहियों की ओर आगे बढ़े और विद्रोहियों पर गोलीबारी की। अपने उत्कृष्ट समन्वय एवं प्रभावकारी गोलीबारी की सहायता से श्री ओम प्रकाश तिवारी, एसडीपीओ, टोरपा, खूँटी, श्री दिग्विजय सिंह, सर्कल निरीक्षक, टोरपा, खूँटी, उप-निरीक्षक रौशन कुमार सिंह, ओसी रानिया पुलिस स्टेशन, खूँटी और सिपाही अनुप लकड़ा अदम्य साहस और अत्यधिक पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करते हुए विद्रोहियों के ठिकाने के निकट पहुंचे और इन चारों अधिकारियों ने अत्यधिक समन्वित ढंग से अपनी सटीक गोलीबारी के साथ विद्रोहियों पर निकट से धावा बोल दिया और उन्होंने एक खूंखार पीएलएफआई उग्रवादी नामतः शनिचर शोरेन पुत्र चरका शोरेन, गांव-सरीला, पुलिस स्टेशन-कामदारा, जिला-गुमला, झारखंड (जिस पर झारखंड सरकार द्वारा 10 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी और जो खूँटी, चाईबासा और गुमला जिलों के 84 मामलों में वांछित था) का सफाया कर दिया। यह निकट दूरी वाली लड़ाई विशेष तौर पर खूँटी जिला पुलिस के कार्मिकों द्वारा लड़ी गई थी, जिनकी संख्या केवल 20 थी और जो न ही विशिष्ट सैन्य बल थे, न ही उनके पास कोई क्षेत्रीय या विशिष्ट श्रेणी के हथियार थे, जबकि वहां पर मौजूद पीएलएफआई गुट सभी अनुभवी कमांडरों सहित पूरी संख्या बल के साथ था, परन्तु उन्होंने निडरतापूर्वक किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचते हुए इन विद्रोहियों पर एक सुसमन्वित ढंग से हमला किया। वहां से 9 एमएम की 01 पिस्तौल, 7.65 एमएम की 01 पिस्तौल, 19 जिंदा कारतूस और अन्य वस्तुएं भी बरामद हुईं।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री ओम प्रकाश तिवारी, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, दिग्विजय सिंह, निरीक्षक, रौशन कुमार सिंह, उप-निरीक्षक और अनुप लकड़ा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/53/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 63-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजीव कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	कृष्णा उराँव	सिपाही	वीरता पदक
3.	विनय टेटे	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.12.2020 को सायं 1712 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रांची द्वारा वायरलेस के माध्यम से एक मैसेज भेजा गया कि कर्मा-लोधमा के जंगल में हथियारों के साथ 4-5 व्यक्ति किसी अपराध को अंजाम देने के उद्देश्य से घूम रहे हैं और इस संबंध में, पूरे शहर को हाई अलर्ट पर रखा गया तथा रैपिड चैकिंग और अलर्ट का निदेश भी दिया गया। क्यूआरटी टीम के साथ प्रभारी अधिकारी, धूर्वा पुलिस स्टेशन राजीव कुमार ने अपने नेतृत्व में क्यूआरटी टीम, सिपाही कृष्णा उराँव और सिपाही विनय टेटे तथा साथ ही उप-निरीक्षक विवेक कुमार और अंगरक्षक पुलिस मनीष कुमार और इसके साथ-साथ प्रदीप कुजुर की एक टीम गठित की गई और वह लोधमा-कर्मा रोड ओवरब्रिज के निकट पहुंचकर क्यूआरटी टीम से मिली तथा पीएलएफआई के कार्यकर्ताओं से संबंधित उपर्युक्त सूचना के आधार पर, उक्त टीम को यह पता चला कि पुलिस स्टेशन नगरी के अंतर्गत सिंहपुर, नगरी टोला में पश्चिमी जंगल की पहाड़ी पर हथियारों के साथ पीएलएफआई के कार्यकर्ता इकट्ठे हुए हैं।

नगरी पुलिस स्टेशन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित करने के बाद, उक्त सूचना की पुष्टि करने के लिए राजीव कुमार, निरीक्षक-सह-प्रभारी, धूर्वा पुलिस स्टेशन के नेतृत्व में उपर्युक्त टीम और क्यूआरटी टीम अपने सरकारी वाहनों द्वारा लगभग 1800 बजे कटारी टोला पहुंची। जब यह टीम वाहनों के बगैर जंगल की ओर आगे बढ़ी, इसी बीच पुलिस टीम को लक्ष्य बनाकर उन पर लगातार गोलीबारी होने लगी और उपर्युक्त पुलिस टीम ने अपनी सुरक्षा में पोजीशन ले ली तथा राजीव कुमार ने जोर से चिल्लाकर उनसे कहा कि हम पुलिसकर्मी हैं और उनको आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु बार-बार चेतावनी देने बाद भी जंगल में पीएलएफआई कार्यकर्ताओं की ओर से अंधाधुंध गोलीबारी होती रही। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि पीएलएफआई के कार्यकर्ता जंगल और पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी कर रहे थे और पुलिस पार्टी खुले स्थान (रोड)

पर थी और अत्यधिक असुरक्षित थी तथा कई बार पुलिस पार्टी ने यह महसूस किया की गोलीबारी के छर्रे उनके शरीर के पार हो रहे हैं और राजीव कुमार द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, माओवादी उक्त टीम पर भयंकर गोलीबारी कर रहे थे तथा कोई विकल्प नहीं देखकर, पुलिस पार्टी ने भी अपनी जान की बाजी लगाकर आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी और माओवादियों की ओर से भी गोलीबारी होती रही तथा आधे घंटे के बाद, गोलीबारी बंद हो गई। कुछ देर बाद, जब कोई गोलीबारी नहीं हुई, तो उपर्युक्त टीम उस क्षेत्र की ओर आगे बढ़ी, जहां से माओवादियों द्वारा गोलीबारी की गई थी और टॉर्च की रोशनी में तथा त्वरित तलाशी के बाद यह पाया गया कि पहाड़ी की चोटी पर एक व्यक्ति मारा गया है और उसके पीछे काफी खून जमा हुआ है। वहां पर 9 एमएम की एक पिस्तौल और कारतूसों के कुछ खाली खोखे भी पड़े हैं और इसी बीच, दूसरी पुलिस पार्टी भी सहायता के लिए वहां पहुंची और तलाशी के बाद, यह भी पता चला कि एक कार्बाइन और कुछ खाली खोखे भी मौजूद हैं और इस मामले की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई तथा आगे यह भी पता चला कि उपर्युक्त मुठभेड़ में माओवादियों ने 30-35 राउंड गोलियां चलाई थी और सुबह स्थानीय पुलिस ने मृत पीएलएफआई कार्यकर्ता की पहचान पुनीत उराँव उर्फ पुनाई उराँव पुत्र धरचू उराँव, निवासी गरगांव, पुलिस स्टेशन इटकी, जिला-रांची के रूप में की गई। वह पीएलएफआई का एक खूंखार ईनामी कार्यकर्ता था और तदनुसार उपर्युक्त टीम ने घटनास्थल से 1. 4 जिन्दा कारतूसों के साथ .9 एमएम पिस्तौल और इसकी मैगजीन, 2. 10 खोखे 3. एक कार्बाइन, 4. 5 जिन्दा कारतूस भी जब्त किए हैं और पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में चलाई गई अपनी गोलियों का ब्यौरा भी प्रस्तुत कर दिया है।

यद्यपि, माओवादी हथियारों से सुसज्जित थे, फिर भी राजीव कुमार निरीक्षक-सह-प्रभारी अधिकारी, धुर्वा पुलिस स्टेशन ने अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से अपनी टीम का नेतृत्व किया और क्यूआरटी टीम, सिपाही कृष्णा उराँव और सिपाही विनय टेटे के साथ स्वयं सामने से पोजीशन संभाली और उन्होंने मिलकर माओवादियों को भारी क्षति पहुंचाई।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री राजीव कुमार, निरीक्षक, कृष्णा उराँव, सिपाही और विनय टेटे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/54/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 64-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विक्रान्त कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	फबियानुस तिकी	हवलदार	वीरता पदक
3.	नारायण मांझी	हवलदार	वीरता पदक
4.	अमित कुमार	हवलदार	वीरता पदक
5.	अनिल उराँव	सिपाही	वीरता पदक
6.	बाबुराम बास्की	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

झारखंड राज्य, सीपीआई (माओवादी) और पीएलएफआई (पीपल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) जैसे अन्य स्पिलिंगर समूहों, जिन्हें विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित किया गया है, के लिए रणनीतिक महत्व का एक प्रमुख स्थान रहा है। खूंटी, झारखंड के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में से एक है। यह उन जिलों से भी घिरा हुआ है, जो समान रूप से नक्सलवादी हिंसा द्वारा प्रभावित हैं। पहाड़ी क्षेत्र, ऊंची-नीची ढलानों, खड़ी चट्टानें, अलग-थलग भू-भाग सहित घने पेड़-पौधे और यहां के निवासी जिन्हें या तो नक्सलवादियों की सहायता के लिए बाध्य किया जा रहा है अथवा जो नक्सलवादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, इस क्षेत्र में संचालित पुलिस और सुरक्षा बलों के काम को कठिन और चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इन क्षेत्रों में, ये समूह बैठकें आयोजित करते हैं, भर्तियां करते हैं, अपने सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देते हैं, जिससे विकास कार्य बाधित होते हैं तथा सरकारी स्कीमों और परियोजनाओं के विपरीत माहौल उत्पन्न होता है। पीपल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के पास अपना बड़ा नेटवर्क है और जिले में इसके अनेक सक्रिय कैडर हैं। पीएलएफआई के कैडरों द्वारा खूंटी और इसके निकटवर्ती क्षेत्रों में कई जघन्य और हिंसक गतिविधियां की गई हैं।

मुहूर्त पुलिस स्टेशन के कोला गांव के निकट पीएलएफआई सब-जोनल कमांडर लाका पहान उर्फ विशाल जी और पीएलएफआई के अन्य सदस्यों की मौजूदगी के बारे में पुलिस अधीक्षक खूंटी से प्राप्त अत्यधिक विश्वसनीय सूचना के आधार पर, खूंटी पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई। सैन्य दस्तों का नेतृत्व करने का समग्र उत्तरदायित्व उप-निरीक्षक विक्रान्त कुमार, ओसी मुहूर्त पुलिस स्टेशन, खूंटी को दिया गया। कार्रवाई दल गुप्त रूप से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा। विशिष्ट स्थान पर पहुंचने के बाद, इस दल ने उक्त स्थान के निकट छाऊ मेले की भीड़ देखी। इस क्षेत्र की गुप्त ढंग से जांच करते समय उक्त दल ने एक छोटी पहाड़ी की तलहटी के पास 5/6 संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। चेतावनी दिए जाने पर, उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस दल पर भारी गोलीबारी की। उप-निरीक्षक विक्रान्त कुमार, ओसी मुहूर्त पुलिस स्टेशन के नेतृत्व वाले दल ने तत्काल पोजीशन ले ली और उग्रवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पीएलएफआई उग्रवादियों ने बार-बार दी गई चेतावनियों को अनदेखा किया और पुलिस पार्टियों को लक्ष्य बनाकर गोलियों की बौछार तेज कर दी। उप निरीक्षक विक्रान्त कुमार, ओसी मुहूर्त पुलिस स्टेशन ने तत्काल हवलदार फबियानुस तिकी, सिपाही अनिल उराँव और सिपाही बाबूराम बास्की को उस क्षेत्र के बायीं दिशा से कवर करने का आदेश दिया और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना हवलदार नारायण मांझी और हवलदार अमित कुमार के साथ स्वयं बायीं दिशा से आगे बढ़े तथा अपने कार्मिकों की जान और माल के प्रति संभावित खतरों को टाल दिया। हवलदार फबियानुस तिकी, सिपाही अनिल उराँव, सिपाही बाबूराम बास्की, हवलदार नारायण मांझी और हवलदार अमित कुमार के साथ बरसती हुई गोलियों के बीच रेंगकर विद्रोहियों की ओर आगे बढ़े तथा विद्रोहियों पर गोलीबारी की। सर्वोत्तम समन्वय एवं प्रभावकारी गोलीबारी के साथ उप-निरीक्षक विक्रान्त कुमार, ओसी मुहूर्त पुलिस स्टेशन, हवलदार फबियानुस तिकी, सिपाही अनिल उराँव, सिपाही बाबूराम बास्की, हवलदार नारायण मांझी और हवलदार अमित कुमार ने अदम्य साहस और उत्तम पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करते हुए उग्रवादियों के ठिकाने के निकट पहुंचे, उन अधिकारियों और कार्मिकों में से छह ने अत्यधिक समन्वित ढंग से अपनी सटीक गोलीबारी से उग्रवादियों पर निकट दूरी से हमला किया और उन्होंने एक खूंखार पीएलएफआई उग्रवादी नामतः लाका पहान उर्फ विशाल जी पुत्र आई. एपे पहान, गांव- पत्राटोली, पुलिस स्टेशन- मरानगढ़ा, जिला-खूंटी, झारखंड (जिस पर 05 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी) का सफाया कर दिया। यह निकट की लड़ाई विशेष तौर पर खूंटी जिला पुलिस की एक बहुत छोटी सी टीम के द्वारा लड़ी गई थी, जिनकी संख्या केवल 06 थी और जो न ही विशिष्ट सैन्य बल थे, न ही उनके पास कोई क्षेत्रीय या विशिष्ट श्रेणी के हथियार थे, जबकि वहां पर मौजूद पीएलएफआई गुट पूरी संख्या बल के साथ था, परन्तु उन्होंने निडरतापूर्वक किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचते हुए इन विद्रोहियों पर एक सुसमन्वित ढंग से हमला किया। वहां से 9 एमएम की 01 पिस्तौल, 04 जिंदा कारतूस, 02 मिसफायर गोलाबारूद, 39 कारतूस और अन्य वस्तुएं भी बरामद हुईं।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री विक्रान्त कुमार, उप-निरीक्षक, फबियानुस तिकी, हवलदार, नारायण मांझी, हवलदार, अमित कुमार, हवलदार, अनिल उराँव, सिपाही और बाबूराम बास्की, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04/05/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/102/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 65-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अनुराग राज	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	ऋषव कुमार झा, भापुसे	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
3.	दीपक कुमार	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
4.	सदानंद सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	याकुब सुरीन	सिपाही	वीरता पदक
6.	अशोक कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.02.2019 को लगभग 1800 बजे, पुलिस अधीक्षक, गुमला को गांव-तुरंडू, पुलिस स्टेशन-कामदारा, जिला-गुमला के निकटवर्ती वन्य क्षेत्र में घातक हथियारों के साथ पीएलएफआई नक्सलवादी गुज्जू गोपे और उसके सहयोगियों की मौजूदगी के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई, जो कई विध्वंसकारी एवं हिंसक गतिविधियों की योजना बना रहे थे। इस संबंध में, पुलिस अधीक्षक गुमला ने पुलिस अधीक्षक खूंटी के साथ परामर्श एवं विचार-विमर्श किया। पुलिस अधीक्षक खूंटी ने भी उपर्युक्त सूचना के सही होने की पुष्टि की। तदनुसार, सदानंद सिंह, उप-निरीक्षक, सिपाही याकूब सुरीन और सिपाही अशोक कुमार को शामिल करके गुमला पुलिस की एक टीम गठित की गई, जिसमें जांच और अपेक्षित कार्रवाई के लिए खूंटी पुलिस की टीम और कोबरा 209 बटालियन की टीम भी शामिल हो गई। इसके साथ-साथ, एसडीपीओ बसिया दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) खूंटी, अनुराग राज और एसडीपीओ तोरपा ऋषव कुमार झा के संयुक्त नेतृत्व में एक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई, क्योंकि इन अधिकारियों ने विशेष तौर पर उस क्षेत्र में पहले भी काम किया था और उनको उक्त क्षेत्र का भलीभांति ज्ञान था। गुमला पुलिस और खूंटी पुलिस के साथ-साथ उपर्युक्त ऑपरेशन में 209 कोबरा बटालियन की टीम भी शामिल हो गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सिविलियन क्षेत्रों के आस-पास नक्सलवादियों की गतिविधि और तलाशी के संबंध में कोई चूक नहीं करना था। इस ऑपरेशन में शामिल सभी कार्मिकों को इन मुद्दों के संबंध में उपयुक्त ढंग में सूचना प्रदान की गई थी।

सभी टीमों दिनांक 24.02.2019 को लगभग 0100 बजे कामदारा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुडा गांव में पहुंची और तुरंडू गांव के लिए पैदल आगे बढ़ी। सभी टीमों मुख्य सड़कों, गांव और बस्तियों से बचते हुए जंगलों और पहाड़ियों के रास्ते से आगे बढ़ी। योजना के अनुसार, सभी टीमों तुरंडू गांव के निकटवर्ती क्षेत्रों में तलाशी ऑपरेशन चलाने के लिए अलग-अलग दिशाओं से आगे बढ़ी। लगभग 0600 बजे, जब तलाशी ऑपरेशन चल रहा था, दीपक कुमार एसडीपीओ, बसिया, गुमला के नेतृत्व वाली टीम, जिसमें 209 कोबरा बटालियन के सहायक कमाण्डेंट विनीत मेशराम शामिल थे और अनुराग राज, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) खूंटी और ऋषव कुमार झा, ईपीएस, एसडीपीओ तोरपा के नेतृत्व वाली टीम, जिसमें 209 कोबरा बटालियन के सहायक कमाण्डेंट संजीव कुमार शामिल थे, पर अचानक गोलीबारी की गई। पुलिस पार्टी ने चिल्लाते हुए यह कहना शुरू कर दिया कि वे पुलिसकर्मी हैं और नक्सलवादियों को गोलीबारी बंद करके आत्मसमर्पण कर देना चाहिए, परन्तु नक्सलवादी पुलिस दल को लक्ष्य बनाकर कई दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। बार-बार चेतावनी देने के बाद भी, जब नक्सलवादियों की ओर से गोलीबारी बंद नहीं हुई तो पुलिस दल को आत्मरक्षा में और हथियार एवं गोलाबारूद की सुरक्षा करने के लिए नियंत्रित और सटीक जवाबी गोलीबारी शुरू करने का आदेश दिया गया। उपर्युक्त टीमों पर नक्सलवादी जिनकी संख्या 05-06 थी, की ओर से लक्षित गोलीबारी की जा रही थी। चूंकि, पुलिस दल में कम कार्मिक थे, इसलिए सुरक्षा संबंधी रणनीतियों और आक्रामक कार्रवाई के बीच संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था। इन अधिकारियों ने अत्यधिक साहस, संवेदनशीलता और बुद्धिमानी का प्रदर्शन किया तथा अपनी टीमों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया, क्योंकि नक्सलवादियों की ओर से ज्यादातर गोलीबारी स्वचालित हथियारों से विध्वंसकारी ढंग में की जा रही थी। गोलियों की बौछार से संभलने के बाद, दीपक कुमार, एसडीपीओ, बसिया, गुमला ने सामने से नेतृत्व किया और अपने कार्मिकों, सदानंद सिंह, उप-निरीक्षक, सिपाही याकूब सुरीन और सिपाही अशोक कुमार के साथ रेंगकर प्राकृतिक कवर लेते हुए आगे बढ़े। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) अनुराग राज उपलब्ध प्राकृतिक कवर का उपयोग करते हुए गोलीबारी करते रहे और नक्सलवादियों की गोलीबारी के विरुद्ध बड़ी बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। एसडीपीओ तोरपा ऋषव कुमार झा ने अपने कार्मिकों को प्रोत्साहित करना जारी रखा और वे गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ते रहे तथा नक्सलवादियों ने पीछे हटना शुरू कर दिया। इस समय, एक नक्सलवादी, जो गंजा था, ने गोली लगने के बाद घायल अवस्था में पहाड़ी से नीचे उतरना शुरू कर दिया। उपर्युक्त टीम के द्वारा उसका पीछा किया गया, परन्तु वह कवर लेते हुए चकमा देने में सफल हो गया। इस समय, ये अधिकारी नक्सलवादियों की गोलीबारी की सीध में थे। उन्होंने गोलीबारी के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई जारी रखी और नक्सलवादियों को पीछे हटने पर विवश कर दिया। इन अधिकारियों ने अन्य पुलिस कार्मिकों की पोजीशन को ध्यान में रखते हुए अपनी एके47 सर्विस राइफल से अनेक बार सटीक गोलीबारी की। नक्सलवादियों की ओर से कई दिशाओं से गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि उन्होंने लगभग दो दिशाओं से पुलिस टीम को घेर लिया था और उन्हें पहाड़ी की चोटी पर होने का थोड़ा लाभ प्राप्त था। ऐसी परिस्थितियों में, हालात पर काबू पाने के लिए जंगल युद्धकला के रणनीतिक कौशल और अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करने की आवश्यकता थी। इन अधिकारियों ने कड़ी परीक्षा की घड़ी में भी कभी इन गुणों का त्याग नहीं किया था। लगभग चालीस (40) मिनट के बाद, दूसरी ओर से गोलीबारी बंद हो जाने पर, पुलिस टीम ने तत्काल गोलीबारी रोकने का आदेश दिया। रणनीतिक ढंग में प्रतीक्षा के बाद, पुलिस पार्टी ने सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना शुरू कर दिया और सामरिक एवं चौकसीपूर्ण ढंग में सम्पूर्ण क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। गुमला पुलिस और 209 कोबरा की टीमों द्वारा तलाशी के दौरान पहाड़ी के नीचे गोली से घायल एक व्यक्ति पड़ा हुआ मिला। पुलिस टीम ने उसे प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने का प्रयास किया, परन्तु सभी प्रयासों के बाद यह पता चला कि वह मर चुका है। इसके साथ-साथ, खूंटी पुलिस और 209 कोबरा टीमों के द्वारा तलाशी ऑपरेशन के दौरान पहाड़ी के नीचे दो व्यक्ति गोली से घायल पड़े हुए मिले, तत्काल उनका प्राथमिक उपचार किया गया, परन्तु वे पहले ही मर चुके थे। एक पीएलएफआई कार्यकर्ता, जो मुठभेड़ में घायल हो गया था और बच निकला था, को रांची से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान पीएलएफआई जोनल कमांडर संतोष यादव पुत्र स्व. शंभू यादव, गांव-चानी, पुलिस स्टेशन-लावालोंग और जिला-चतरा के रूप में की गई। संतोष यादव पर 01 मिलियन रुपये का इनाम था। मुठभेड़ स्थल की गहन तलाशी के बाद तीन (03) शव प्राप्त हुए, जिनकी पहचान बाद में, परिवार के सदस्यों द्वारा गुज्जू गोपे पुत्र स्व. फुच्चू गोपे, गांव-कोटांगा, पुलिस स्टेशन-रानिया, जिला-खूंटी, झारखंड, (01 मिलियन रुपये का इनामी), विष्णु सिंह पुत्र स्व. गोवर्धन सिंह, गांव-खिजरी, पुलिस स्टेशन-कुरकुरा, जिला-गुमला, झारखंड और समीर कंडुलना पुत्र अजीत कंडुलना, गांव-गतिबंधु, पुलिस स्टेशन-महाबुआंग, जिला-सिमडेगा, झारखंड के रूप में की गई। हथियार, गोलाबारूद और अन्य उपयोगी सामग्रियों अर्थात् 02 एकेएम/एके-47 राइफल, 05 एके 47 मैगजीन, मैगजीन के साथ

02 .315 राइफल, मैगजीन के साथ 01 स्विस् पिस्तौल (एसआईजी सौअर पी320एसपी), मैगजीन के साथ 01 9 एमएम स्वचालित पिस्तौल और अन्य वस्तुओं का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री अनुराग राज, अपर पुलिस अधीक्षक, ऋषभ कुमार झा, भापुसे, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, दीपक कुमार, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, सदानंद सिंह, उप-निरीक्षक, याकुब सुरीन, सिपाही और अशोक कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/103/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 66-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बृजेन्द्र कुमार मिश्रा	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	रंजीत कुमार	सिपाही	वीरता पदक
3.	मो. असगर अली	सिपाही	वीरता पदक
4.	शेख सिकन्दर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

देश के माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में, गुमला जिले के अंतर्गत झारखंड का बिष्णुपुर संभाग माओवादी गतिविधियों से अत्यधिक प्रभावित रहता है। उक्त क्षेत्र ऐसे इलाके से घिरा हुआ है जहां प्रतिबंधित गुट का सेंट्रल कमान प्रायः बैठकें आयोजित करता है, प्रशिक्षण शिविर लगाता है, नई भर्तियां आयोजित करता है और इन सबसे सरकारी अवसंरचना और सुरक्षा बलों पर हमले को अंजाम देता है। सूचना के अनुसार, विस्तार की दृष्टि से उपर्युक्त क्षेत्र माओवादियों के सबसे बड़े सब जोन के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में संचालित वरिष्ठ माओवादी नेता आरसीएम (बीआरसी) रविन्द्र गंडू और दस्ता की गतिविधि के तौर-तरीकों का अनुसरण करते हुए, पुलिस अधीक्षक गुमला को आरसीएम रविन्द्र गंडू और सशस्त्र कैडरों समेत बीआरसी के सीपीआई (माओवादी) नेताओं की गतिविधि के बारे में यह महत्वपूर्ण आसूचना प्राप्त हुई कि वे दिनांक 31.03.2020 को पुलिस स्टेशन बिष्णुपुर, जिला-गुमला के अंतर्गत गांव-जुर्वानी के निकटवर्ती वन्य क्षेत्र में किसी गुप्त इरादे के साथ शिविर लगा रहे हैं। यहां यह उल्लेख करना भी आवश्यक है कि कुछ समय पहले, आरसीएम रविन्द्र गंडू और दस्ता ने इस क्षेत्र में आईईडी लगाकर न केवल आम लोगों को अपितु पुलिस बलों को भी क्षति पहुंचाई थी। उन्होंने पुलिस का मुखबिर होने के नाम पर आम नागरिकों को भी मारा है।

सैन्य दस्तों को अपने प्रवेश के बाद तय की जाने वाली दूरी, माओवादियों द्वारा बीच में स्थापित की गई पूर्व चेतावनी प्रणालियों से बचने, भारी माइन वाले संपर्क मार्गों से गुजरने और घने जंगल के साथ पहाड़ी व ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र में जांच पड़ताल की जटिलता के अलावा रणनीतिक ढंग में तैनात संतरियों को चकमा देने आदि को ध्यान में रखते हुए, माओवादी गुट पर उनके अड्डे पर हमला करना सदैव चुनौतीपूर्ण रहा है। इस साहसिक और चुनौतीपूर्ण काम की गति, विस्मय और गोपनीयता बनाए रखने तथा सर्जिकल ऑपरेशन को अंजाम देने की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला बृजेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस अधीक्षक गुमला को सौंपी गई, जिसमें गुमला जिला एसएटी-11, 12, 13 और एफ/158 सीआरपीएफ भी शामिल थी। इस पर, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने सीपीआई (माओवादी) गुट पर जोरदार हमला करने के लिए, एक त्वरित योजना बनाई गई। उन्होंने सभी सदस्यों को निर्धारित क्षेत्र की जांच और तलाशी के दौरान, प्रत्येक सदस्य की भूमिका के बारे में जानकारी दी। सौंपे गए काम को पूरा करने के लिए, एसएटी-12, 13, 11 और एफ/158 सीआरपीएफ के साथ बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला बस से बनावलात/घाघरा के नजदीक पहुंचे। बस से उतरने के बाद, सैन्य दस्ते पूर्व चेतावनी प्रणालियों और लगाई गई आईईडी के जाल से बचने के लिए बस्तियों से दूरी बनाते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े।

बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), गुमला के नेतृत्व में तलाशी टीम दिनांक 31.03.2020 को लगभग 1200 बजे, योजना के अनुसार निर्धारित क्षेत्र की तलाशी और छानबीन करने के लिए रणनीतिक ढंग में आगे बढ़ी। जब वे काठाकुआ वन्य क्षेत्र के निकट पहुंचे, तो उन पर अचानक एक प्रभुत्व एवं किलेबंद ऊंचाई से गोलियों की भारी बौछार की गई। यह गोलीबारी अंधाधुंध और लक्षित ढंग में की गई। इस पर, पुलिस पार्टी ने ऊंची आवाज में यह चिल्लाना शुरू कर दिया कि वे पुलिस कार्मिक हैं और माओवादियों को गोलीबारी बंद करके आत्मसमर्पण

कर देना चाहिए। इस अचानक हमले ने पूरी टीम का ध्यान उनकी दिशा में खींच लिया। सर्वप्रथम, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला द्वारा सैन्य दस्तों को सतर्क किया गया, फिर उन्होंने चिल्लाते हुए स्काउट ग्रुप को झुक जाने और वहां उपलब्ध पेड़ों का कवर ले लेने का आदेश दिया। स्काउट ग्रुप ने तत्काल उपलब्ध कवर लेकर अपनी-अपनी पोजीशन ले ली। इसी बीच, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला बृजेन्द्र कुमार मिश्रा को माओवादियों का पता चल गया और माओवादियों की ओर से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने सशस्त्र माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु माओवादियों द्वारा उनकी पुकार का जवाब सैन्य दस्तों को भारी तुकसान पहुंचाने और उनके हथियार छीनने के इरादे से गोलियों की बौछार के साथ दिया गया। इस पर, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने अपनी ऑपरेशनल दक्षता का उपयोग करते हुए, योजना में सुधार किया और समस्त पुलिस पार्टी को दो भागों में बांट दिया। पहली पुलिस पार्टी का नेतृत्व बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला द्वारा किया गया, जिसमें जिला-गुमला एसएटी 11, 12 और 13 शामिल थी तथा दूसरी पुलिस पार्टी में एफ/158 सीआरपीएफ शामिल थी। उन्होंने दूसरी पुलिस पार्टी को माओवादियों को दोनों दिशाओं से घेरने के लिए चेक वायरलेस सेट के माध्यम से व्यक्तिगत तौर पर आदेश दिया तथा उन्हें दायीं एवं बायीं दिशाओं से आगे बढ़ने को कहा गया। इसी बीच, स्काउट ग्रुप माओवादियों की गोलियों की भारी बौछार के कारण दबाव की स्थिति में था और उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता थी। स्काउट ग्रुप की सहायता करने की अनिवार्यता को समझते हुए, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने मोर्चा संभाला और चुनिंदा कमांडो की सहायता से सामने से हमला किया, जिनमें उनके सहयोगी मो. असगर अली, सिपाही और रंजीत कुमार, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही शामिल थे। उन्होंने मो. असगर अली, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही को अपनी पोजीशन से ही माओवादी को उलझाए रखने तथा बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला एवं उनके सहयोगी को कवर गोलीबारी प्रदान करने का निदेश दिया।

खुले में और पर्याप्त कवर उपलब्ध न होने के बावजूद तथा यह जानते हुए कि वे माओवादियों द्वारा लगाई गई घात में फंस गए हैं, इस पर बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने स्वयं सामने पोजीशन ले ली। उन्होंने मो. असगर अली, सिपाही, रंजीत कुमार, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाते हुए अपने लाभ हेतु ग्राउंड का सर्वोत्तम उपयोग करते और युद्ध भूमि संबंधी कौशल पद्धति का पालन करते हुए जवाबी कार्रवाई की। बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला और उनके सहयोगियों ने रेंगकर आगे बढ़ना शुरू कर दिया ताकि वे माओवादियों के और निकट पहुंच सकें। उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना माओवादी की ओर रेंगकर आगे बढ़ना जारी रखा ताकि उन्हें घेरकर उन पर काबू किया जा सके। सैन्य कर्मियों को अपने नजदीक आता हुआ देखकर माओवादियों ने बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला और उनके सहयोगियों पर भारी गोलीबारी की ताकत के साथ सामने से पुरजोर हमला शुरू कर दिया और उन्हें मारने तथा अपने प्रभुत्व एवं किलेबंद ठिकाने की सुरक्षा करने का प्रयास किया। इस पर, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने माओवादियों को उनके प्रभुत्व वाले ठिकानों से विचलित करने के लिए भारी गोलीबारी की ताकत के साथ सामने से पुरजोर जवाबी हमला करने का मन बनाया। उन्होंने सभी कमांडो/सैन्य कर्मियों को यह आदेश दिया कि जब वे माओवादियों की गोलीबारी की दिशा में दौड़ना शुरू करें, और सभी कार्मिक स्वयं को विस्तृत संरचना में पंक्तिबद्ध करके उनका अनुसरण करें तथा माओवादियों पर लक्षित/सटीक गोलीबारी की ताकत का उपयोग करते हुए माओवादियों की गोलीबारी की दिशा में दौड़ें।

उक्त निर्णय लेने के पीछे यह तर्क था कि चूंकि उनके सभी सैन्य कर्मी खुले में थे और उनके पास पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं थी इसलिए माओवादियों की ओर से हो रही गोलियों की बौछार से घायल होने की अत्यधिक संभावना थी, जो तुलनात्मक रूप से प्रभुत्व वाली एवं सुरक्षित पोजीशन में तैनात थे। जबकि तत्काल पुरजोर आक्रामक जवाबी हमला करना सबसे अच्छा विकल्प था। जैसे ही, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने खड़े होकर जोखिम की स्थिति में भागना शुरू किया, उनके सभी सहयोगियों और सैन्य-कर्मियों ने स्पष्ट रूप से जीवन के प्रति चुनौतीपूर्ण स्थिति में, उपयुक्त ढंग से उनका अनुसरण किया, आगे बढ़ रहे सैन्य कर्मियों ने विभिन्न दिशाओं से शत्रु की भारी गोलीबारी के बावजूद गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति का पालन किया। बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला, मो. असगर अली, सिपाही, रंजीत कुमार, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही वाला छोटा सैन्य दस्ता विचलित नहीं हुआ और वे अपनी जान को खतरे में डालकर निडरतापूर्वक आगे बढ़े तथा मोर्चाबंद शत्रु पर जवाबी हमला किया। दुष्ट माओवादियों का सामना करने में साहसिक निर्णय लेने, अतुलनीय वीरतापूर्ण निःस्वार्थ नेतृत्व और टीम भावना वाले लोगों से हुआ था। बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला के नेतृत्व में मो. असगर अली, सिपाही, रंजीत कुमार, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही वाला छोटा सैन्य दल अपनी जान की परवाह किए बिना और भलीभांति यह जानते हुए कि प्रत्येक कदम खतरनाक हो सकता है, एक-दूसरे की सुरक्षा करने के लिए अपनी जान को गोलीबारी की सीध में रखकर लड़ा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, सैन्य कर्मियों ने पोजीशन ले ली और मजबूती के साथ अपना मोर्चा संभाल लिया। बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला रेंगकर आगे बढ़े और उन्होंने सैन्य कर्मियों को गोलीबारी करने और आगे बढ़ने की कार्रवाई का उपयोग करते हुए किलेबंद शत्रु पर एक जवाबी हमला करने की जानकारी प्रदान की, ताकि वे भारी गोलीबारी करने वाले माओवादियों के सुदृढ़ ठिकाने के नजदीक पहुंच सकें। उनको माओवादियों के इस प्रकार चिल्लाने की आवाज सुनाई दी, जैसे कि वे उनकी जवाबी कार्रवाई में घायल हो गए हैं। शीघ्र ही, किलेबंद माओवादी बाहर निकल आए।

यह गहन और भीषण गोलीबारी लगभग 40 मिनट तक जारी रही, जिसमें सैन्य दस्तों ने लगभग 300 मीटर का क्षेत्र कवर करते हुए बहादुरी से गोलियों का सामना किया और हर कदम पर प्रत्येक कमांडो के जीवन पर संभावित खतरा बना हुआ था। अब सैन्य दलों ने माओवादियों के ठिकाने पर कब्जा कर लिया। यहां बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने सभी सैन्य दलों को पुनः समूह में विभाजित होने और भाग रहे माओवादियों का जंगल के भीतर पीछा करने के लिए आगे बढ़ने का आदेश दिया। सैन्य दलों ने गोलीबारी और आगे बढ़ने की रणनीतियों के साथ कूटनीतिक ढंग में भीतर प्रवेश किया। सैन्य दलों ने भाग रहे माओवादियों का जंगल के भीतर 500 मीटर तक पीछा किया।

लगभग 80 मिनट तक रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही। अंत में, सैन्य दलों की अत्यधिक आक्रामकता और उनके जवाबी हमले को देखते हुए माओवादी घने जंगल का सहारा लेते हुए भाग गए और उन्होंने पीछे विस्फोटक/हथियार एवं गोलाबारूद तथा अपनी जरूरी वस्तुओं का एक बड़ा जखीरा छोड़ दिया। उपर्युक्त क्षेत्र की गहन तलाशी में यूनिफार्म समेत एक शव बरामद हुआ जिसकी पहचान बाद में रविन्द्र गंजू (आरसीएम) दस्ता के 2 लाख के इनामी सीपीआई माओवादी एरिया कमांडर दीनू उराँव के रूप में की गई और आईईडी बनाने की सामग्री तथा माओवादियों से संबंधित वस्तुओं के साथ-साथ काफी मात्रा में विभिन्न प्रकार का गोलाबारूद बरामद हुआ। तलाशी के दौरान, माओवादियों के बच निकलने के मार्ग पर खून के धब्बे और निशान भी मिले, जिनसे माओवादियों के मारे जाने और कुछ अन्य माओवादियों के घायल होने का पता चलता था, जिसकी बाद में विश्वसनीय सूत्रों से पुष्टि हुई। सम्पूर्ण बरामदगियों के संकेतों और प्राप्त सामग्रियों से यह पता चला कि माओवादियों की कुल संख्या लगभग 20 से 25 थी।

स्वचालित हथियारों से सुसज्जित माओवादियों से संख्या में कम होने के बावजूद, बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गुमला ने अपनी जान की परवाह किए बिना सैन्य दलों का सामने से नेतृत्व किया। उन्होंने मो. असगर अली, सिपाही, रंजीत कुमार, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही के साथ स्वयं सामने से पोजीशन संभाली। उन्होंने संयुक्त रूप से माओवादियों को भारी क्षति पहुंचाई। उनके कार्मिकों ने अपने अदम्य साहस और अतुलनीय बहादुरी के साथ शत्रु को अपने से दूर रखा। सभी दिशाओं से गोलीबारी होने के बावजूद उन्होंने माओवादियों को उनकी किलेबंद/प्रभुत्व वाली पोजीशन से बाहर निकाला। शत्रु के सामने उनकी उच्चकोटि की बहादुरी ने टीम के अन्य साथियों को प्रेरित किया और उन्होंने भी पूरी ताकत के साथ जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने अपनी गोलीबारी की ताकत का प्रभावकारी उपयोग किया। उन्होंने माओवादियों द्वारा भीषण आक्रमण का सामना होने पर विपरीत परिस्थिति में अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और एक जवाबी हमला करके, साहस एवं दुर्लभ निडरता के साथ अत्यधिक विलक्षण बहादुरी, महत्वपूर्ण और अग्रणी भूमिका तथा सुदृढ़ शत्रु का सामना होने में उच्चकोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन किया तथा उपर्युक्त क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों के सशक्त गुट को क्षति पहुंचाई।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री बृजेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक, रंजीत कुमार, सिपाही, मो. असगर अली, सिपाही और शेख सिकन्दर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 31/03/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1216/12/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 67-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अंशुमान सिंह चौहान	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अतुल कुमार शुक्ला	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	मनोज कुमार कापसे	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मध्य-नवम्बर, 2022 से, जिला-बालाघाट के सुपखार वन क्षेत्र में भारी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में लगातार आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हो रही थी। आसूचना संबंधी इन जानकारियों की पुष्टि करने के लिए 30 नवम्बर को लगभग 00.30 बजे निरीक्षक अंशुमान सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) मोतीनाला को सुपखार वन क्षेत्र में भेजा गया। 30 नवम्बर की सुबह, एसओजी मोतीनाला को माओवादियों के जमसेहरा फॉरेस्ट कैंप में आने और मुखबिर होने के संदेह पर वन कार्मिकों को मारने की योजना के संबंध में विश्वसनीय आसूचना संबंधी जानकारी प्राप्त हुई। अंशुमान सिंह द्वारा तत्काल यह जानकारी पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक फोर्स और पुलिस अधीक्षक मंडला के साथ साझा की गई।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने विभिन्न सूत्रों से उपर्युक्त आसूचना संबंधी जानकारियों को क्रॉस चेक किया और सुपखार के वन क्षेत्र में माओवादियों के संभावित आश्रय स्थलों का पता लगाया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक, पुलिस अधीक्षक मंडला और एसओजी मोतीनाला ने जमसेहरा फॉरेस्ट कैंप के निकट एक कॉमन मीटिंग प्वाइंट पर एकत्र होने की सहमति जताई। पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने सैन्य बल को चार टीमों में बांटा और उन्हें जानकारी प्रदान की। जानकारी प्रदान करने के बाद,

पुलिस टीम ने माओवादियों के संभावित आश्रयों का पता लगाने के लिए जमसेहरा फॉरेस्ट कैम्प के आस-पास के वन क्षेत्रों में गहन तलाशी ऑपरेशन शुरू किया।

दिनांक 30.11.2022 को लगभग 10:30 बजे, जब पुलिस टीम दोनों दिशाओं से जमसेहरा कैम्प की ओर आगे बढ़ रही थी, तो पहले से घात लगाकर बैठे माओवादियों द्वारा उन पर अचानक भंयकर गोलीबारी की गई। पुलिस टीमों ने तत्काल उनके पास उपलब्ध कवर ले लिया और माओवादियों को तेज आवाज में चेतावनी दी कि उनको पुलिस ने चारों ओर से घेर लिया है और उन्हें अपने हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना चाहिए। परन्तु माओवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा और अपने हमले का सीधा निशाना चेतावनी की दिशा में कर दिया।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और दोनों दिशाओं से माओवादियों की ओर आगे बढ़ने के लिए घात-रोधी कौशल अपनाने का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक, पुलिस अधीक्षक मंडला और एसओजी मोतीनाला प्रभारी के साथ-साथ उनके सहयोगी हेड कांस्टेबल अतुल कुमार शुक्ला और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार कापसे ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा अपनी निजी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह नहीं की और अपने कवर से बाहर निकलकर बरसती हुई गोलियों की दिशा में रेंगकर आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उपर्युक्त अधिकारी कुछ गोलियों से बाल-बाल बच गए, परन्तु इन अधिकारियों ने अपनी जान को खतरे में डाल दिया और जवाबी गोलीबारी करने के लिए और आगे बढ़े तथा विलक्षण युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया। उनकी साहसिक रणनीति के परिणामस्वरूप आपसी गोलीबारी में दो खूंखार माओवादी मारे गए।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में (1) गणेश मडावी (डीवीसीएम), निवासी जिला-गढ़चिरौली (महाराष्ट्र), जिसके पास एक एके47 राइफल थी और जो सम्पूर्ण एमएमसी जोन की समन्वय समिति का मुखिया था तथा जिस पर कुल 29 लाख रु. का नकद इनाम था और (2) राजेश वंजम, कमांडर, निवासी जिला-सुकमा (छत्तीसगढ़), जिसके पास एक .315 राइफल थी तथा जो एक सक्रिय खूंखार माओवादी कमांडर था और जिस पर कुल 20 लाख रुपये का नकद इनाम था, के रूप में की गई।

निःसंदेह, खूंखार माओवादियों के इस गुट ने उपर्युक्त ऑपरेशन में शामिल पुलिस कर्मियों के जीवन को एक बड़ा आघात पहुंचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। उपर्युक्त अधिकारियों के पूर्ण धैर्य और साहस से ही ऐसा हुआ कि पुलिस टीम माओवादी दलम के विरुद्ध प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई करने और उन्हें खदेड़ने में सक्षम हुई।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्वश्री अंशुमान सिंह चौहान, निरीक्षक, अतुल कुमार शुक्ला, हेड कांस्टेबल और मनोज कुमार कापसे, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30/11/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/84/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 68-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कर्मियों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संकेत सतीश गोसावी	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
2.	कमलेश निखेल नैताम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	शंकर पोचम बाचलवार	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	मुन्शी मासा मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	सुरज देविदास चुधरी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.04.2021 को, एओपी गट्टा (जे.ए.) के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत गोरगुट्टा के जंगल में सशस्त्र नक्सलवादियों के शिविर लगाने के बारे में एक आसूचना प्राप्त हुई। यह आसूचना केवल उस सामान्य क्षेत्र के बारे में थी, जिसमें नक्सलवादी शिविर लगा रहे थे। श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ, हेद्री द्वारा जमीनी स्तर पर मौजूद मानव आसूचना के माध्यम से इस जानकारी की पुनः पुष्टि की गई और इसे परिष्कृत

किया गया तथा इसे पुलिस अधीक्षक गडचिरोली को भेजा गया। इसलिए पुलिस अधीक्षक, गडचिरोली की ओर से श्री सौम्य मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी द्वारा एक नक्सल-रोधी ऑपरेशन की योजना तैयार की गई।

तदनुसार, गोरगुट्टा के जंगल में नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने के लिए तीन पुलिस अधिकारियों और 77 पुलिस कार्मिकों की एक पुलिस टीम गठित की गई। नक्सल-रोधी ऑपरेशन का नेतृत्व श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ, हेद्री द्वारा किया गया। दिनांक 27.04.2021 को शाम के दौरान, पुलिस कार्मिक एओपी गट्टा (जे.ए.) के लिए निकले और उन्होंने रात्रि में येरदलामी के जंगल में विश्राम किया। दिनांक 28.04.2021 को, गोरगुट्टा जंगल में पहुंचने के बाद, पुलिस कार्मिकों ने ऑपरेशनल आवश्यकता के अनुरूप स्वयं को दो समूहों में बांट लिया। प्रथम समूह का नेतृत्व श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ, हेद्री द्वारा किया गया और इसमें पुलिस उप-निरीक्षक नागेश टेकम ग्रुप और संजय वाचामी ग्रुप शामिल था तथा दूसरे समूह का नेतृत्व पुलिस उप-निरीक्षक भास्कर कांबली द्वारा किया गया और इसमें सागर मुल्लेवार ग्रुप और सुभाष वधायी ग्रुप शामिल था। यह सामरिक युद्धकौशल, श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ, हेद्री द्वारा गोरगुट्टा वन क्षेत्र में नक्सल शरणगाहों, संभावित मार्गों, घात लगाने के स्थानों के बारे में किए गए विस्तृत अध्ययन पर आधारित था। पुलिस सैन्य दलों द्वारा इस प्रकार कूटनीतिज्ञ ढंग में विभिन्न दिशाओं से आगे बढ़ने की योजना श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ द्वारा तैयार की गई थी, ताकि पुलिस सैन्य दलों द्वारा सभी संभावित नक्सल आश्रयों की जांच की जा सके और पुलिस सैन्य दलों को इस ढंग में तैनात किया जा सके कि वे नक्सलवादियों द्वारा हमले के मामले में कम समय में ही एक-दूसरे की सहायता के लिए पहुंच सकें।

दिनांक 28.04.2021 को, गोरगुट्टा के जंगल में तलाशी करते समय वे एक पहाड़ी के पास पहुंचे। लगभग 0630 बजे से 0700 बजे के दौरान जब पुलिस सैन्य दल पहाड़ी पर चढ़ रहे थे, तो हरी-काली यूनिफार्म पहने 40-50 सशस्त्र नक्सलवादियों ने अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और बम से हमला किया। पुलिस सैन्य दलों ने उपलब्ध पेड़ों और चट्टानों का कवर ले लिया। फिर उन्होंने चिल्लाकर नक्सलवादियों से गोलीबारी बंद करके आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु, की गई अपील को नजरअंदाज करते हुए नक्सलवादियों ने पुलिस सैन्य दलों पर गोलीबारी करना जारी रखा। इसलिए, पुलिस कमांडो को आत्मरक्षा में नक्सलवादियों पर जवाबी गोलीबारी करके कार्रवाई करनी पड़ी। श्री संकेत सतीश गोसावी लगातार सभी पुलिस कमांडो को सावधानी के साथ नक्सलवादियों की ओर आगे बढ़ने का निर्देश दे रहे थे। उस समय 20-30 सशस्त्र नक्सलवादियों ने श्री संकेत सतीश गोसावी के नेतृत्व वाले समूह को घेर लिया और उन पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सलवादियों के हमले की गंभीरता को समझते हुए, श्री संकेत सतीश गोसावी ने तत्काल पुलिस उप-निरीक्षक भास्कर कांबली के नेतृत्व वाले दूसरे समूह तक सूचना पहुंचाई और उन्हें सहायता के लिए पुकारा। दूसरा समूह तत्काल दो छोटे समूह में बंट गया। उस समय, श्री शंकर पोचम बाचलवार, नायक पुलिस कांस्टेबल और श्री कमलेश निखेल नैताम, नायक पुलिस कांस्टेबल अपने संबंधित छोटे समूहों का नेतृत्व करते हुए एक समन्वित ढंग में आक्रामकता के साथ नक्सलवादियों की दिशा में आगे बढ़े, ताकि नक्सलवादियों को उनके ठिकाने से बाहर निकाला जा सके। फिर, फंसे हुए पुलिस कर्मियों को बचाने के लिए श्री शंकर पोचम बाचलवार और श्री कमलेश निखेल नैताम के साथ-साथ दूसरे समूह के अन्य पुलिस कमांडो ने विलक्षण रणनीति का प्रयोग करते हुए उक्त क्षेत्र में फंसे पुलिस कर्मियों को कुशलतापूर्वक कवर गोलीबारी प्रदान की। उपर्युक्त कमांडो द्वारा प्रदर्शित त्वरित कार्रवाई और साहसिक दृष्टिकोण ने फंसे हुए पुलिस कर्मियों को बचाने में सहायता प्रदान की। उपर्युक्त समूह द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई ने नक्सलवादियों को उनके ठिकानों से खदेड़ दिया और इस प्रकार, फंसे हुए कमांडो का बहुमूल्य जीवन बचाया जा सका।

इसी बीच, एक कमांडो नामतः साधू टिम्मा नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के सामने आ गए और एक खुले स्थान में फंस गए। यह देखते हुए नक्सलवादियों ने उन पर भीषण तेज गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय श्री संकेत सतीश गोसावी ने पुलिस कांस्टेबल सुरज देविदास चुधरी और पुलिस कांस्टेबल मुन्शी मासा मडावी और कुछ पुलिस कर्मियों के साथ युद्ध कला संबंधी रणनीतियों का प्रयोग करते हुए कुशलतापूर्वक उपर्युक्त फंसे हुए कमांडो की ओर दौड़े। उपर्युक्त कमांडो द्वारा प्रदर्शित त्वरित कार्रवाई और प्रदान की गई आक्रामक कवर गोलीबारी के कारण फंसे हुए कमांडो को सुरक्षित बचाया जा सका। फिर पुलिस कर्मियों द्वारा की गई संयुक्त जवाबी कार्रवाई ने नक्सलवादियों को उनकी लाभपूर्ण पोजीशन से बाहर निकलने और जान बचाने के लिए वापस गहरे जंगल की ओर भागने पर विवश कर दिया।

पुलिस कार्मिकों की इस रणनीतिक और समन्वित गतिविधि, विलक्षण योजना और वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप भामरागड क्षेत्र के एक एरिया कमेटी मेंबर नामतः सुरज नरोटे और भामरागड एलओएस के एक सदस्य नामतः विनय नरोटे समेत दो खूंखार नक्सलवादियों का सफाया हो गया। पुलिस द्वारा घटनास्थल से एक 9एमएम पिस्तौल, एक भारमार गन, 800 ग्राम विस्फोटक, गोलाबारूद और भारी मात्रा में नक्सल सामग्री जब्त की गई। इन नक्सलवादियों के सिर पर सरकार द्वारा घोषित कुल इनाम 08 लाख रुपये था।

सर्व/श्री संकेत सतीश गोसावी, एसडीपीओ, कमलेश निखेल नैताम, नायक पुलिस कांस्टेबल, शंकर पोचम बाचलवार, नायक पुलिस कांस्टेबल, मुन्शी मासा मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल और सुरज देविदास चुधरी, पुलिस कांस्टेबल ने असाधारण साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नक्सलवादियों का सफलतापूर्वक सामना किया गया। इन कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित ऑपरेशनल दक्षता और रणनीतिक गतिविधि असाधारण थी। इन कार्मिकों के नेतृत्व वाले पुलिस दल के छोटे समूहों ने गहन समन्वय बनाए रखा। रणक्षेत्र में उनके द्वारा समय पर की गई कार्रवाई ने उनके साथी कमांडो की जान बचाई। इस सफल ऑपरेशन ने जिले में नक्सलवादी संगठनों को एक गंभीर आघात पहुंचाया। उपर्युक्त ऑपरेशन में, नक्सलवादी हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारी संख्या में एकत्र हुए थे। परन्तु अधोलिखित कार्मिकों द्वारा किए गए असाधारण प्रदर्शन के कारण नक्सलवादियों की एक बड़ी विध्वंसकारी कार्रवाई को टाल दिया गया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री संकेत सतीश गोसावी, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कमलेश निखेल नैताम, नायक पुलिस कांस्टेबल, शंकर पोचम बाचलवार, नायक पुलिस कांस्टेबल, मुन्शी मासा मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल और सुरज देविदास चुधरी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1195/16/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 69-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सोमय विनायक मुंडे, भापुसे	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोहन लच्छु उसेंडी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	संजय वत्ते वाचामी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	विनोद मोतीराम मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	गुरुदेव महारुराम धुर्वे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	दुर्गेश देविदास मेश्राम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
8.	हिराजी पितांबर नेवारे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
9.	ज्योतीराम बापु वेलादी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.03.2021 को सूचना मिली कि एओपी कोठी की सीमा के अंतर्गत कोपरशी के जंगल में सोनू उर्फ भूपति (सीसीएम) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में हथियारबंद नक्सली एकत्र हुए हैं। ये नक्सली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) (माओवादी) समूह के थे और वे लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को पद से हटाने और इस तरह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की आपराधिक साजिश रच रहे थे। विशेष रूप से, वे गश्त कर रहे पुलिस दलों पर घात लगाकर हमला करने की योजना बना रहे थे।

इसलिए, श्री अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक गढ़चिरौली के आदेश पर एक नक्सल विरोधी अभियान चलाने की योजना बनाई गई। श्री मनीष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और श्री सोमय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी ने टीम बनाकर उक्त इलाकों में नक्सल विरोधी ऑपरेशन चलाने की योजना बनाई। योजना के अनुसार, श्री सोमाय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व में, गढ़चिरौली और प्राणहिता के विशेष ऑपरेशन दस्ते ऑपरेशन का संचालन करेंगे।

तदनुसार, दिनांक 02.03.2021 को, दो टीमों का गठन किया गया, जिनमें से एक में 3 विशेष ऑपरेशन दस्ते और दूसरे में 5 विशेष ऑपरेशन दस्ते शामिल थे। पहली टीम में श्री सोमय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व में 3 दस्ते शामिल थे। बाद में उन्होंने हिक्कर वन क्षेत्र में 21 किलोमीटर तक ट्रैकिंग की। लगातार दो दिनों की अवधि अर्थात् दिनांक 02.03.2021 से 03.03.2021 तक, कमांडो ने नक्सल सर्च ऑपरेशन चलाया और फिर एक पूर्व-निर्धारित स्थान पर रात्रि विश्राम किया, जो श्री सोमय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले सैन्य दस्ते से लगभग 10 किलोमीटर दूर था।

अगले दिन दिनांक 04.03.2021 को, श्री सोमय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व वाला एक पुलिस दस्ता, जब लगभग 1500 बजे जंगल में तलाशी कर रहा था, उन्होंने हरे रंग की वर्दी पहने लगभग 70 से 80 सशस्त्र नक्सलियों को देखा। इस पर, पुलिस दलों ने तुरंत खुद को तीन छोटे समूहों में विभाजित कर लिया और नक्सलियों का पीछा किया। इस स्थान पर मामूली गोलीबारी हुई। इसके बाद, पुलिस पार्टियों ने करीब 5 से 6 किलोमीटर तक जंगल के रास्ते नक्सलियों का पीछा किया। पीछा करने के दौरान, पुलिस दल महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़

सीमा पार कर नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र (नक्सल गढ़) में प्रवेश कर गया। लगभग 1600 बजे, जैसे ही वे पहाड़ी पर चढ़ने लगे, पहाड़ी की चोटी पर घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक किए गए इस हमले से घबराए बिना, पुलिस कर्मियों ने पेड़ों और बड़े पत्थरों के पीछे छिपने की जगह ढूंढकर जमीन पर मोर्चा संभाल लिया। श्री सोमय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी ने माओवादियों से गोलीबारी बंद कर आत्मसमर्पण करने की अपील की। अपील को नजरअंदाज करते हुए, माओवादियों ने पुलिस जवानों पर गोलीबारी जारी रखी। इसलिए, पुलिस दलों ने आत्मरक्षा में नक्सलियों की दिशा में नियंत्रित गोलीबारी की और साथ ही उनकी ओर आगे भी बढ़े।

इसी बीच, एक पुलिस दस्ते के सदस्य भारी स्वचालित गोलीबारी की चपेट में आ गए और उन्हें कवर नहीं मिल सका। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, हेड कांस्टेबल मोहन लच्छू उसेंडी ने चट्टानों के पीछे के अपने उचित कवर छोड़कर अपनी जान जोखिम में डाल दी और नक्सलियों की ओर आगे बढ़ते हुए उन पर आक्रामक गोलीबारी की। सटीक गोलीबारी से यह सुनिश्चित हो गया कि नक्सलियों को उनकी गोलीबारी का जवाब देना होगा और उस हिस्से से उन्हें ध्यान हटाना होगा, जहां सैनिक फंसे हुए थे। इस प्रकार, सैनिकों को नक्सलियों द्वारा बिछाए गए घात से खुद को बाहर निकालने का अवसर मिला। जवाबी कार्रवाई के दौरान, आक्रामक कार्रवाई करने के लिए अपना कवर छोड़ने के कारण, हेड कांस्टेबल मोहन लच्छू उसेंडी को पैर में गोली लगी। फिर भी, उन्होंने गोलीबारी जारी रखी और सैनिकों को बचा लिया। हेड कांस्टेबल मोहन लच्छू उसेंडी की सहायता की पुकार सुनकर, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी अन्य सैनिकों के साथ उनकी सहायता के लिए पहुंचे और नक्सलियों पर भीषण गोलीबारी की। इसके बाद, पुलिस का दबाव बढ़ने पर नक्सली भाग गए और गंभीर रूप से घायल हेड कांस्टेबल मोहन लच्छू उसेंडी को बचाया जा सका। दोनों ओर से गोलीबारी बंद होने के बाद, श्री सोमय मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी और उनके सहयोगी पुलिसकर्मियों ने उचित सावधानी बरतते हुए इलाके की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पता चला कि यह नक्सली शिविर उनकी हथियार निर्माण इकाई का स्थल था।

यह महसूस किया गया कि इसमें लगभग 100-150 नक्सली डेरा डाले हुए थे, इसलिए जितना संभव हो सके, शिविर को नष्ट करने के बाद आगे बढ़ना महत्वपूर्ण था। इसलिए हथियार निर्माण इकाई, तैयार-अधूरे हथियार, बीजीएल राउंड, आईईडी के साथ पूरे शिविर को नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा, साक्ष्य के तौर पर .303 राइफल, भरमार (पुरानी और नई बनी) 1 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, डेटोनेटर, 1 बीजीएल, मैगजीन, जिंदा कारतूस और अन्य नक्सली सामग्री समेत 10 बंदूकें जब्त की गईं।

तभी बायीं ओर मौजूद पुलिस कांस्टेबल साधु अत्राम नक्सलियों द्वारा लगाये गये घात में फंस गये। घात को विफल करने और फंसे लोगों को बचाने के लिए, नायक पुलिस कांस्टेबल विनोद मोतीराम मडावी, जिन्होंने फंसे हुए पुलिस दस्ते के बीच में पोजीशन संभाली थी, ने नक्सलियों की ओर यूबीजीएल फायर करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर अपना कवर छोड़ दिया। जब वह खड़े होकर अपना यूबीजीएल फायर कर रहे थे, तो उन पर गोलियों की बौछार की गई। ऐसी ही एक गोली उनके मैगजीन पाउच में लगी और उनका मैगजीन पाउच फट गया। इस प्रकार, उनके पेट पर स्प्लिंटर से गंभीर चोटें आईं। इसके बावजूद, उन्होंने गोलीबारी जारी रखी। उसी समय, यूबीजीएल सेल के विस्फोट की चपेट में आने से एक नक्सली जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस की सूझबूझ और आक्रामक जवाबी कार्रवाई ने नक्सलियों को भागने पर मजबूर कर दिया।

इसी बीच, चार नक्सली पश्चिम दिशा से पुलिस दलों की ओर पगडंडी के साथ-साथ बढ़े और हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग के लिए बनाए गए पुलिस के घेरे को तोड़ने की कोशिश की। लेकिन, पुलिस कांस्टेबल ज्योतिराम बापू वेलाडी ने खुद को गंभीर खतरे में डाला और अकेले होते हुए भी 4 नक्सलियों से मुकाबला किया। उसने उन पर गोलियां चलाई और एक नक्सली को गोली मारी, जो जमीन पर गिर गया। तभी, उसका एक सहयोगी नक्सली उसे खींचकर ले गया। नक्सलियों की ओर से भारी गोलाबारी के बावजूद, वह अपनी पोजीशन से एक इंच भी पीछे नहीं हटे और उन्होंने नक्सलियों पर आक्रामक तरीके से जवाबी हमला किया। इन प्रयासों के बावजूद, नक्सलियों की बढ़ती मारक क्षमता के कारण, हेलीकॉप्टर का उस स्थल पर उतरना असुरक्षित माना गया। इसलिए हेलीकॉप्टर द्वारा घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्णय रद्द किया गया।

तदनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार दिनांक 05.03.2021 को, उपरोक्त पांच पुलिस दस्ते परलाकोटा नदी पार कर कोपरशी के जंगल में पहुंचे। फिर, उन्होंने खुद को दो समूहों में विभाजित किया। पहले समूह में 3 पुलिस दस्ते शामिल थे। पहले समूह और दूसरे समूह को समानांतर चोटियों की पहाड़ी पर चढ़ने और घात की स्थिति में एक-दूसरे की सहायता करने का काम सौंपा गया था। इसी बीच, पिछले 26 घंटों से वहां फंसी हुई तीन पुलिस टीमों नक्सली हमलों और नक्सलियों द्वारा लगाए गए घात का जवाब दे रही थी। अतिरिक्त सहायता बलों के आने की खबर से वहां फंसी तीन पुलिस टीमों का मनोबल बढ़ गया।

उस समय सबसे महत्वपूर्ण कार्य वहां फंसे हुए दलों के चारों ओर बनाए गए खतरनाक घेरे को तोड़ना था, ताकि घायल लोगों को निकाला जा सके और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके। तब, घात को तोड़ने और पहाड़ी की चोटी से नीचे की ओर उतरना शुरू करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी ने एक बॉक्स फॉर्मेशन बनाया, जिसमें घायलों को बॉक्स के बीच में रखा गया और पहाड़ी से नीचे उतरने और अतिरिक्त सहायता दलों की ओर बढ़ने के लिए भारी गोलाबारी के साथ हमला किया। अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी नियमित रूप से अतिरिक्त सहायता दलों के साथ वॉकी-टॉकी सेट पर संवाद करते रहे। फिर, वहां फंसी हुई तीन टीमों आगे बढ़ने लगीं। नीचे की ओर जाते समय, बीच से चल रहे एक पुलिस दस्ते ने दो घायल पुलिसकर्मियों को अपने साथ लिया। घायल जवानों को ले जाते देख नक्सलियों ने अंधाधुंध स्वचालित गोलीबारी और बीजीएल गोलाबारी कर भीषण हमला बोल दिया। अतः यह समूह वहीं फंस गया और नक्सलियों की भारी गोलाबारी की चपेट

में आ गया। यद्यपि, दो पुलिसकर्मी घायल थे, तथापि यह समूह नक्सली हमले का जवाब देने में असमर्थ था। इसलिए, उन्होंने वाँकी-टॉकी सेट के माध्यम से सहायता मांगी। तदनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी ने सहायता की मांग पर कार्रवाई की और तुरंत दूसरे समूह के 6 पुलिस कार्मिक अपने साथ लिए अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी ने 6 जवानों के साथ पेड़ों के पीछे का अपना सुरक्षित पोजीशन छोड़ दिया और हमला करने वाले नक्सलियों के बाईं ओर आगे बढ़े। तीव्र और सटीक गोलीबारी ने सुनिश्चित किया कि नक्सलियों का ध्यान उस हिस्से से हट जाए जहां सैनिक फंसे हुए थे। खुद को बचाने के लिए उन्हें अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व वाले पुलिस दस्ते पर जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस प्रकार, घायल पुलिस कार्मिकों के साथ फंसे हुए पुलिस दस्ते को छिपने और जवाबी कार्रवाई करने का समय मिल गया। इस जोखिम भरी कार्रवाई में निजी जीवन को गंभीर रखता था, जिनसे घायल पुलिस कार्मिकों को घातक चोट से बचाया जा सका। श्री सोमाय विनायक मुंडे और उनके समूह द्वारा की गई आक्रामक जवाबी कार्रवाई ने नक्सलियों को अपनी पोजीशन से पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इसलिए नक्सलियों के घेरे को सफलतापूर्वक तोड़ा जा सका। इससे घायल पुलिसकर्मीयों की जान बच गई और आगे बढ़ना संभव हो सका। इसके बावजूद, नक्सलियों की ओर से रुक-रुक कर हो रही भारी गोलीबारी और गोलाबारी के कारण आगे बढ़ने में लगातार बाधा आ रही थी। आखिरकार, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व में पुलिस दस्ते को लगातार गोलीबारी करनी पड़ी और हमला करना पड़ा। कुछ समय बाद, नीचे की ओर जा रहे 3 पुलिस दस्ते अतिरिक्त सहायता के लिए ऊपर की ओर जा रहे 5 पुलिस दस्तों से मिले। इसके बाद, सभी पुलिस दल एकत्रित हो गये और सावधानी पूर्वक पहाड़ी से नीचे उतरने लगे। पीएसआई नामाडे और उनके दल को पीछे की ओर की गतिविधियों पर ध्यान देने और साथ ही उनके द्वारा ले जाए जा रहे जब्त हथियारों की देखभाल करने का काम सौंपा गया था। जैसे ही पुलिस दल पहाड़ी से 400 मीटर नीचे उतरा, अचानक, नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलीबारी और जीबीएल फेंककर पीछे वाले समूह पर हमला किया। सभी पुलिस दल, खुद को बचाने में कामयाब रहे। उस समय, पीएसआई नामाडे और पुलिस कांस्टेबल तुलसीराम गेदाम नाम के पुलिसकर्मी ने नक्सलियों पर आक्रामक गोलीबारी की। गोलीबारी करते समय पुलिस कांस्टेबल तुलसीराम गेदाम ने अपना संतुलन खो दिया और उनकी राइफल कुछ दूर जा गिरी। पुलिस की इस चूक को देखते हुए, नक्सलियों ने पुलिस कांस्टेबल तुलसीराम गेदाम की ओर उन्हें मारने और फिर उनका हथियार छीनने की नियत से उन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इसकी भनक लगते ही, नायक पुलिस कांस्टेबल देवेन्द्र पुरुषोत्तम अत्राम और नायक पुलिस कांस्टेबल संजय वाटे पीसी तुलसीराम वाचामी गेदाम की ओर बढ़े और भारी गोलीबारी कर नक्सलियों पर जवाबी कार्रवाई की। दोनों पुलिसकर्मीयों की इस आक्रामक कार्रवाई के कारण पीसी गेदाम पर चलाई जा रही गोलियों को रोका जा सका और उनकी जान बच गई। उपरोक्त पुलिस कर्मियों द्वारा की गई अचानक और मजबूत जवाबी कार्रवाई के कारण पुलिसकर्मीयों की हत्या करने और फिर हथियार छीनने की नक्सलियों की नापाक मंशा विफल हो गई।

जैसे ही, पुलिसकर्मी वापस जा रहे थे, नक्सलियों ने नदी के ऊपरी किनारे से उन पर एक बार फिर गोलियां बरसाकर हमला किया। फिर पीछे की ओर तैनात कमांडो के एक दस्ते ने नक्सलियों को चुनौती दी जिसके परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई, जो लगभग 15 मिनट तक जारी रही। पुलिसकर्मीयों, नामतः नायक पुलिस कांस्टेबल गुरुदेव महारुराम धुर्वे, नायक पुलिस कांस्टेबल दुर्गेश देवीदास मेश्राम और पुलिस कांस्टेबल हिराजी पीतांबर नेवारे ने मुठभेड़ स्थल पर असाधारण साहस और रणनीति का परिचय दिया। साथी पुलिसकर्मीयों की जान बचाने के लिए उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर बहती धारा को पार किया। पुलिस कर्मियों द्वारा की गई साहसिक पहल और नक्सलियों से लड़ने के प्रति उनके दृढ़ समर्पण ने वास्तव में नक्सलियों को उनकी पोजीशन से उखाड़ फेंका और उन्हें जान बचाकर भागने के लिए मजबूर किया।

अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी के नेतृत्व में तीन पुलिस दस्तों और पांच अतिरिक्त सहायता दल ने 26 घंटे तक लगातार गोलीबारी के साथ छापा मारकर, नक्सलियों के अबूझमाड़ क्षेत्र में हथियार निर्माण इकाई शिविर को ध्वस्त करने में असाधारण साहस दिखाया गया। इसके अलावा, पुलिस को भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद के साथ-साथ नक्सली सामान भी बरामद करने में सफलता मिली। इसके अतिरिक्त, दिनांक 02.04.2021 को राज्य खुफिया विभाग द्वारा तैयार की गई एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, विजय और संगीता नाम के दो नक्सली इन मुठभेड़ों में मारे गए और एक अन्य नक्सली गंभीर रूप से घायल हो गया।

श्री सोमाय विनायक मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी ने गोलीबारी के दौरान कुशल नेतृत्व, साहस और युद्ध रणनीति की गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। उनके कुशल नेतृत्व में ही कमांडो ने नक्सलियों को उनके ही गढ़ में सफलतापूर्वक मार गिराया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्वश्री सोमाय विनायक मुंडे, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, मोहन लच्छु उसेंडी, हेड कांस्टेबल, देवेन्द्र पुरुषोत्तम अत्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल, संजय वत्ते वाचामी, नायक पुलिस कांस्टेबल, विनोद मोतीराम मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, गुरुदेव महारुराम धुर्वे, नायक पुलिस कांस्टेबल, दुर्गेश देविदास मेश्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल, हिराजी पीतांबर नेवारे, पुलिस कांस्टेबल और ज्योतीराम बापु वेलादी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05/03/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1197/16/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 70-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	माधव कोरके मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	जीवन बुधाजी नरोटे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	विजय बाबुराव वड्डेवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	कैलास श्रावण गेडाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.08.2020 को पुलिस स्टेशन जरावंडी क्षेत्र के अंतर्गत दोलांडा के जंगल में हरे-काले रंगों के कपड़े पहने हथियारबंद नक्सलियों के एकत्र होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसलिए, गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश बलकवडे के आदेश पर, श्री मनीष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और श्री भाऊसाहेब ढोले, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) द्वारा संयुक्त रूप से एक नक्सल विरोधी अभियान की योजना तैयार की गई थी।

इसलिए, दिनांक 26.08.2020 को लगभग 1145 बजे 46 पुलिसकर्मियों की एक पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी अभियान चलाने के लिए गढ़चिरौली से डोलांडा के जंगल के लिए निकली। वहां पहुंचकर, उन्होंने खुद को तीन समूहों में बांट लिया और नक्सल विरोधी अभियान चलाना शुरू किया। जब वे पुलिस स्टेशन जरावंडी की सीमा के अंतर्गत डोलांडा के जंगल में तलाशी ले रहे थे, लगभग 1430 बजे, हरे-काले रंगों के कपड़े पहने 35-40 सशस्त्र नक्सलियों ने पुलिस दल को घेर लिया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। परंतु, उनके कमांडो ने जमीन पर तुरंत पोजीशन ले ली और नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील जोर-जोर से की। लेकिन, अपील को अनसुना करते हुए, नक्सलियों ने पुलिस कर्मियों पर गोलीबारी जारी रखी।

तब, नक्सलियों के बीच फंसे हुए पुलिस दल के पुलिसकर्मी, नायक पुलिस कांस्टेबल देवेंद्र अत्राम के साथ-साथ पुलिस कांस्टेबल धनराज गौरकर, पुलिस कांस्टेबल मंगेश सोनुले, हेड कांस्टेबल प्रदीप गेडाम, नायक पुलिस कांस्टेबल जीवन बुधाजी नरोटे और नायक पुलिस कांस्टेबल शंकर पोटावी ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। उस समय, नायक पुलिस कांस्टेबल जीवन बुधाजी नरोटे ने असाधारण साहस दिखाया और अपनी जान जोखिम में डालकर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। उनके आक्रामक जवाबी कार्रवाई ने नक्सलियों को उन तक सहायता पहुंचने तक वहीं रोके रखा। साथ ही, उन्होंने वॉकी-टॉकी सेट पर अन्य दलों को सूचित किया कि नक्सलियों ने उन्हें घेर लिया था और उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की तथा उन्हें सहायता के लिए बुलाया।

इसके तुरंत बाद, दूसरा पुलिस दल दाहिनी ओर से आया, जिसमें नायक पुलिस कांस्टेबल नंगासु उसेंडी, पुलिस कांस्टेबल कैलास श्रावण गेडाम, नायक पुलिस कांस्टेबल धनंजय सुरपम, पुलिस कांस्टेबल रोशन शेनमारे, पुलिस कांस्टेबल दिनकर मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल गणेश उडके और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे तथा तीसरे पुलिस दल में पुलिसकर्मी नायक पुलिस कांस्टेबल रमेश अत्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल माधव कोरके मडावी, पुलिस कांस्टेबल विजय बाबूराव वड्डेवार, पुलिस कांस्टेबल विशाल निकुरे, पुलिस कांस्टेबल निखिल दुर्गे, हेड कांस्टेबल राजेंद्र मडावी और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे, जिन्होंने बायीं ओर से नक्सलियों की तरफ बढ़ना शुरू किया और नक्सलियों की ओर गोलीबारी शुरू की। कमांडो की त्वरित कार्रवाई और साहस से पुलिसकर्मियों को नक्सलियों के बीच फंसे पुलिस दल को बचाने में मदद मिली। उसी समय, नायक पुलिस कांस्टेबल माधव कोरके मडावी, पुलिस कांस्टेबल विजय बाबूराव वड्डेवार और पुलिस कांस्टेबल कैलास श्रावण गेडाम नामक पुलिसकर्मियों ने उच्चतम स्तर का साहस और रणनीति का प्रदर्शन किया तथा नक्सलियों पर आक्रामक तरीके से हमला किया एवं नक्सलियों के घेरे को तोड़ा। उसी समय, अन्य पुलिसकर्मी सहायता के लिए वहां पहुंचे। उन्होंने पूर्व की ओर से नक्सलियों पर हमला किया और नक्सलियों पर दबाव बनाया। इसके बाद, पुलिस के बढ़ते दबाव को भांपते हुए, नक्सली घने जंगल की आड़ लेकर जंगल में भाग गये। दोनों ओर से गोलीबारी 1430 बजे से 1500 बजे (लगभग) के बीच जारी रही।

इस घटना में पुलिस पार्टी द्वारा एक महिला नक्सली को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। साथ ही, 12 बोर बंदूक के छह जिंदा कारतूस, 8 एमएम राइफल का एक कारतूस, एक कैमरा फ्लैश, तीन नक्सली हैवरसैक (पिटटू), एक मैगजीन पाउच, एक कमांडो कैप, एल्यूमीनियम के दो बर्तन, एक छाता, तीन स्टील प्लेट, चार प्लास्टिक तिरपाल, दो स्टील मग, स्टील का एक गहरा छिद्रित चम्मच, स्टील का एक चम्मच, प्लास्टिक के दो डिब्बे, एक मच्छरदानी, साबुन के तीन डिब्बे, प्लास्टिक के दो जोड़ी जूते, नक्सली किताबें, सिविल कपड़े आदि बरामद किए गए।

साथ ही, गोलीबारी के दौरान पुलिस पार्टी ने एके-47 राइफल के 167 राउंड, एसएलआर के आठ राउंड, एसजी राइफल के 19 राउंड, 9एमएम पिस्तौल के चार राउंड और दो यूबीजीएल सेल गोलाबारूद का उपयोग किया।

गोलीबारी के दौरान, नायक पुलिस कांस्टेबल माधव कोरके मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल जीवन बुधाजी नरोटे, पुलिस कांस्टेबल विजय बाबूराव वड्डेवार और पुलिस कांस्टेबल कैलास श्रावण गेडाम ने इस मुठभेड़ में अपनी जान जोखिम में डालकर असाधारण बहादुरी और गुरिल्ला युद्ध रणनीति का प्रदर्शन किया। इन पुलिसकर्मियों की आक्रामक जवाबी कार्रवाई के कारण, पुलिस दल एक कट्टर महिला नक्सली को

मार गिराने में सफल रहा। साथ ही, इन पुलिसकर्मियों की आक्रामक जवाबी कार्रवाई से नक्सलियों के बीच फंसे हुए पुलिसकर्मियों की बहुमूल्य जान बचाने में काफी मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्वश्री माधव कोरके मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, जीवन बुधाजी नरोटे, नायक पुलिस कांस्टेबल, विजय बाबुराव वडेटवार, पुलिस कांस्टेबल और कैलास श्रावण गेडाम, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/86/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 71-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अरुण कुमार भुए	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मोतीराम साहू	हवलदार	वीरता पदक
3.	प्रकाश मांझी	कमाण्डो	वीरता पदक
4.	निरंजन साहू	कमाण्डो	वीरता पदक
5.	जदुमणि भुए	कमाण्डो	वीरता पदक
6.	उमेश सेठ	कमाण्डो	वीरता पदक
7.	बुबुन कुंभार	कमाण्डो	वीरता पदक
8.	संजय कुमार गुरू	कमाण्डो	वीरता पदक
9.	विश्वजीत दास	कमाण्डो	वीरता पदक
10.	लक्ष्मण नायक	सिपाही	वीरता पदक
11.	सत्या ओडी	सिपाही	वीरता पदक
12.	काना बेटि	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह ऑपरेशन मलकानगिरी जिले के मथिली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के महपदार ओपी के अंतर्गत जजभाटा (जीपी-तेमुरपल्ली) के पास आरक्षित वन में वरिष्ठ लीडर सहित सशस्त्र माओवादी कैडरों के एक समूह की उपस्थिति के संबंध में दिनांक 10.10.2021 को पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी द्वारा विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त होने के बाद शुरू किया गया था। इस सूचना से पता चला कि वे शासन के विरुद्ध सशस्त्र युद्ध छेड़ने की माओवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी संपत्ति, सुरक्षा बलों और स्थानीय आबादी के खिलाफ अपराध करने की योजना बना रहे थे। इस जानकारी को भरोसेमंद और विश्वसनीय स्थानीय सूत्रों से आईआईसी, मथिली पुलिस स्टेशन और डीआईओसी, मलकानगिरी द्वारा पुष्ट किया गया था।

खुफिया सूचना के बारे में काफी हद तक संतुष्ट होने और माओवादियों द्वारा बिछाए गए किसी भी जाल के लिए फर्जी सूचना देने की संभावना को निरस्त करने के बाद, पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में डीआईओसी, मलकानगिरी में एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। आगे यह निर्णय लिया गया कि शाम के समय इन पार्टियों को एक रणनीतिक अग्रिम स्थान पर छोड़ने का उचित जोखिम उठाया जाए। महानिरीक्षक, पुलिस (ऑपरेशन), ओडिशा, भुवनेश्वर और उपमहानिरीक्षक पुलिस, एसडब्ल्यूआर, कोरापुट से चर्चा के बाद ऑपरेशन प्लान को अंतिम रूप दिया गया। उनके द्वारा सुझाए गए बहुमूल्य सुझावों को अंतिम योजना में शामिल किया गया था और उनसे उचित मंजूरी मिलने के बाद, दिनांक 10.10.2021 को अपराह्न में लगभग 02.50 बजे एसओपी के अनुपालन के संबंध में विस्तृत जानकारी देने के बाद डीवीएफ और एसओजी की समग्र टीमों को शामिल करते हुए एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

दिनांक 12.10.2021 की सुबह लगभग 05.50 बजे, जब ऑपरेशन चल रहा था, ऑपरेशनल पार्टी ने टेमुरपल्ली जीपी के अंतर्गत जजभाटा के पास आरक्षित वन क्षेत्र में सशस्त्र कैडरों के एक समूह के कुछ शिविर देखे और उनकी गतिविधि देखी। माओवादियों ने अपनी सुरक्षा के लिए संतरी भी तैनात किए थे और वे ऑलिव हरे रंग की वर्दी में तथा स्वचालित हथियार से लैस थे। जब पुलिस टीम सीपीआई (माओवादी) के कैडरों द्वारा की जा रही विध्वंसक गतिविधियों को देखने के लिए उस समूह के करीब पहुंची तो संतरियों ने पुलिस टीम को देख लिया और स्वचालित हथियारों से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस दल ने तुरंत मोर्चा संभाला और माओवादी विद्रोहियों से हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन फिर भी, सशस्त्र माओवादियों ने अपील को अनसुना कर दिया और स्वचालित हथियारों से अकारण गोलीबारी जारी रखी तथा यहां तक कि पुलिस टीम पर अलग-अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी कर घातक हमला भी किया। उन्होंने ग्रेनेड भी फेंके जिससे ऑपरेशनल पार्टी के कई कमांडो घायल हो गए।

हालांकि, संख्या में काफी हद तक कम होने और नक्सलियों की ओर से हो रही भारी गोलीबारी के बावजूद, पुलिस टीम के लीडर उप-निरीक्षक संतोष कुमार नायक और उप-निरीक्षक अरुण कुमार भुए ने ऑपरेशनल टीम को चतुराई से 06 कट-ऑफ टीमों के साथ 01 मुख्य असॉल्ट टीम जैसी छोटी-छोटी टीमों में विभाजित किया और विद्रोहियों पर कई दिशाओं से जवाबी कार्रवाई की। तदनुसार, लेफ्ट फ्लैंक कट-ऑफ टीम-4 में उप-निरीक्षक अरुण कुमार भुए, सिपाही काना बेटि, कमांडो प्रकाश माझी, कमांडो जदुमनी भुए, कट-ऑफ टीम -5 में सिपाही सत्या ओडी, कमांडो उमेश सेठ, कमांडो बुबुन कुंभार, कमांडो निरंजन साहू, कट-ऑफ टीम-6 में हवलदार मोतीराम साहू, सिपाही लक्ष्मण नायक, कमांडो संजय कुमार गुरु, कमांडो विश्वजीत दास और राइट फ्लैंक की 03 कट-ऑफ टीमें शामिल थीं, जो क्रमशः बाईं और दाईं ओर से माओवादियों की गोलीबारी का जवाब देने के लिए आगे बढ़ीं। उप-निरीक्षक संतोष कुमार नायक ने सामने से मिल रही चुनौती का सामना करने के लिए ओएपीएफ/209 कुतिबास भूमिया, ओएपीएफ/172 सुभाष चंद्र किरसानी और अन्य 05 कमांडो के साथ मुख्य असॉल्ट टीम का नेतृत्व किया। ऑपरेशनल पार्टी की इस छोटी सी टीम ने संख्या में कम होने और दुर्गम भू-भाग संबंधी बाध्यताओं के बावजूद अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, अपने जीवन को दांव पर लगाकर आत्मरक्षा में नक्सली हमले का बहादुरी से जवाब दिया। इस टीम ने लगभग 70 मिनट तक बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जिसके दौरान माओवादी विद्रोहियों ने सभी छोटी टीमों (अर्थात् राइट फ्लैंक कट-ऑफ, लेफ्ट फ्लैंक कट-ऑफ और मुख्य असॉल्ट टीम) पर भारी गोलीबारी की, साथ ही मुख्य असॉल्ट टीम पर ग्रेनेड भी फेंके।

उनकी बहादुरी भरी लड़ाई के परिणामस्वरूप, बंदूक की गोली से घायल दो पुरुष और एक महिला अज्ञात माओवादियों के शव बरामद किए गए। 03 शवों में से 01 महिला का शव कट-ऑफ टीम संख्या-4 के सामने पड़ा हुआ मिला, 01 पुरुष का शव कट-ऑफ टीम संख्या-5 के पास मिला और अन्य 01 पुरुष का शव कट-ऑफ टीम संख्या-6 के सामने पड़ा हुआ मिला। इन तीनों शवों के साथ-साथ आगे के सर्च ऑपरेशन के दौरान कई अन्य सामान भी बरामद किए गए, जिनमें एक इंसास राइफल, एक एसएलआर राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार, एक इंसास मैगजीन, दो इंसास मैगजीन (क्षतिग्रस्त), एक एसएलआर मैगजीन, एक एके-47 मैगजीन, 20 राउंड 5.56 एमएम कारतूस (लाइव), 04 राउंड 7.62 एमएम एसएलआर कारतूस (लाइव), एक राइफल स्लिंग किट, 10 डेटोनेटर, 03 किट बैग, एक आईईडी तंत्र, आईईडी के लिए दो रिमोट कंट्रोल, 11 पेंसिल बैटरी, माओवादी साहित्य, दवाएं, 04 टीशर्ट, 02 लुंगी, 03 शॉल, 02 जैकेट, 02 नायलॉन बेल्ट, 05 पाउच, 03 जोड़ी बूट, 02 रेडियो, 02 टॉर्च, 02 गॉगल्स, 01 सोनी बाॅयस रिकॉर्डर और अन्य माओवादी सामान शामिल थे।

इस घटना के संबंध में, मथिली पुलिस स्टेशन में दिनांक 13.10.2021 को आईपीसी की धारा 120-बी/121/121-ए/124/124-ए/307/147/148/149, आयुध अधिनियम की धारा 25/27, 17 दंड विधि संशोधन अधिनियम/विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16(1)(बी)/18/20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 155 दर्ज की गई है। तब से, दो पुरुष माओवादियों की पहचान एक खूंखार माओवादी के रूप में की गई है, जिनके नाम हैं (1) अनिल उर्फ किशोर उर्फ मुका सोदी (एम) (एसीएस) पुत्र-सोमा सोदी, ग्राम-सुधाकोंडा पुलिस स्टेशन-कलीमेला, जिला-मलकानगिरी (ओडिशा), जो अपनी मृत्यु से पहले एओबीएसजेडसी के तहत गुम्मा एसी के सचिव के रूप में कार्यरत था और ओडिशा सरकार ने जिस पर 5,00,000/- रुपये (केवल पांच लाख रुपये) का नकद इनाम घोषित किया था और अन्य पड़ोसी राज्यों ने भी जिस पर बड़ा इनाम रखा था तथा (2) चिन्ना राव (पुरुष), पेदाबेलु एसी में पीएम के रूप में कार्यरत पुत्र- मरी सुब्बा राव, ग्राम-वीरावरम, पुलिस स्टेशन जी.के. विधि, जिला-विशाखापत्तनम (एपी), जो अपनी मृत्यु से पहले अरुणा (एसजेडसीएम) के अंगरक्षक के रूप में अराना सुरक्षा दल में काम कर रहा था और जिस पर 2,00,000/- रुपये (दो लाख रुपये) का नकद इनाम घोषित था। महिला माओवादी कैडर की पहचान (3) सोनी उर्फ पारो वेक्को (एफ), पुत्री इतवारी वेक्को, ग्राम-केशकुतुल, पुलिस स्टेशन-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर, (सीजी) के रूप में की गई है, जो अपनी मृत्यु से पहले एओबीएसजेडसी के तहत उदय (सीसीएम) सुरक्षा दल की एसीएम के रूप में काम कर रही थी और जिस पर 4,00,000/- रुपये (चार लाख रुपये) का नकद इनाम था। ये माओवादी कैडर ओडिशा राज्य के मलकानगिरी, कोरापुट जिले और आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पड़ोसी जिलों के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज हत्या और आगजनी के कई मामलों में शामिल थे।

यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि, इस ऑपरेशन के दौरान डीवीएफ, मलकानगिरी और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीमों द्वारा अनुकरणीय समन्वित टीम वर्क के उच्चतम मानक स्थापित किए गए थे। संपूर्ण ऑपरेशन के दौरान विभिन्न कार्य जैसे कि आसूचना संकलित करना, योजना बनाना, ड्रॉपिंग, क्रियान्वयन, निगरानी करना, पर्यवेक्षण करना, सभी एसओपी का पालन करते हुए टीम को वापस बुलाना, टीम वर्क का निरंतर प्रयास आदि सराहनीय रहा। टीम के प्रत्येक सदस्य के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता या एक-दूसरे के योगदान से तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि उनमें से प्रत्येक ने राष्ट्र की सेवा में, इस ऑपरेशन के दौरान, अपने-अपने क्षेत्र में शत-प्रतिशत धैर्य, उत्साह और दृढ़ संकल्प दिखाया है।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्व/श्री अरुण कुमार भुए, उप-निरीक्षक, मोतीराम साहू, हवलदार, प्रकाश मांझी, कमाण्डो, निरंजन साहू, कमाण्डो, जदुमणि भुए, कमाण्डो, उमेश सेठ, कमाण्डो, बुबुन कुंभार, कमाण्डो, संजय कुमार गुरु, कमाण्डो, विश्वजीत दास, कमाण्डो, लक्ष्मण नायक, सिपाही, सत्या ओडी, सिपाही और काना बेटि, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/2243/21/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 72-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रमाकांत साहू	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सत्यवादी भुई	सिपाही	वीरता पदक
3.	सूरज कुमार साहू	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.11.2021 को शाम 4.40 बजे, ग्राम जूनानीबहाल के पास गंधारमंदन आरक्षित वन क्षेत्र में बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीजन के प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादियों) के 8-10 की संख्या में सशस्त्र कैडरों की गतिविधि और सभा करने के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद, खपराखोल पी.एस. पुलिस अधीक्षक, बलांगीर द्वारा बलांगीर जिले के जिला स्वैच्छिक बल (डीवीएफ) के साथ उप-निरीक्षक रमाकांत साहू, कार्यालय प्रभारी, खपराखोल पुलिस स्टेशन के नेतृत्व में एक गहन तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया था। शाम करीब सात बजे, उप-निरीक्षक रमाकांत साहू के नेतृत्व में पुलिस दल ग्राम जूनानीबहाल के पास पहुंचा। शाम करीब साढ़े सात बजे, जब पुलिस पार्टी तलाशी ऑपरेशन चला रही थी, तभी 8-10 की संख्या में हथियारबंद माओवादियों ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने रणनीतिक रूप से कवर लिया। माओवादियों की गोलीबारी से जान-माल बचाने के दौरान, वे सिपाही सत्यवादी भुई और सिपाही सूरज कुमार साहू के साथ घायल हो गये। कोई रास्ता न मिलने पर, पुलिस टीम ने आगे की स्थिति संभाली और आत्मरक्षा में नियंत्रित और प्रतिबंधित गोलीबारी शुरू कर दी। लीडर और टीम के सदस्यों ने उस अवसर पर काम किया, जब इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी और विपरीत परिस्थितियों में भी इतनी पूर्णता और सामरिक कौशल से काम किया कि न केवल दुश्मन को पीछे हटना पड़ा, बल्कि पुलिस टीम को मामूली क्षति के साथ उनको भारी नुकसान पहुंचाया। सफल ऑपरेशन में सीपीआई (माओवादी) के बीबीएम डिवीजन के लगभग 31 वर्षीय पुरुष माओवादी कैडर शंकर (एसीएम) की मौत हो गई, जिस पर ओडिशा सरकार ने 4,00,000/ रु. का इनाम घोषित किया था।

टीम लीडर उप-निरीक्षक रमाकांत साहू के साथ-साथ सिपाही सत्यवादी भुई और सिपाही सूरज कुमार साहू ने दुश्मन के सामने बहुत साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया और झूटी के दौरान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की। इस प्रक्रिया के दौरान, उन्होंने कई बार दुश्मन की गोलीबारी का सामना करना पड़ा, फिर भी इससे उन्हें अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में कोई भय नहीं लगा। उनकी निडर कार्रवाई ने न केवल दुश्मन के अचानक हमले से पुलिस टीम की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि ऑपरेशन की सफलता की भी पुष्टि की।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्व/श्री रमाकांत साहू, उप-निरीक्षक, सत्यवादी भुई, सिपाही और सूरज कुमार साहू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3235/21/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 73-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री दलबीर सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन सिटी नवांशहर, जिला एसबीएस नगर में आईपीसी की धारा 307, 506, 148, 149, आयुध अधिनियम की धारा 25/54/59 के तहत दिनांक 17.02.2020 को एक मामलागत एफआईआर सं. 35 की जांच का कार्य एसएसपी/एस.बी.एस. नगर द्वारा निरीक्षक दलबीर सिंह, प्रभारी, सी.आई.ए. स्टाफ, एसबीएस, नगर को सौंपा गया। इस मामले में मनदीप सिंह उर्फ मन्ना पुत्र जोगिंदर सिंह, निवासी गांव उप्पल जागीर, पुलिस स्टेशन नूरमहल और उसके साथी बांछित थे। दिनांक 07.03.2020 को निरीक्षक दलबीर सिंह को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी ग्राम वीरमपुर, गढ़शंकर, जिला, होशियारपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में किसी ट्यूबवेल के कमरे के पास छिपे हुए हैं। जब पुलिस ने उक्त स्थान पर छापेमारी की तो वे मौके से भागने में सफल रहे। बाद में, दिनांक 08.03.2020 को सूचना मिली कि आरोपी एफ.सी.आई. गोदाम, माहिलपुर, जिला होशियारपुर के पीछे एक परित्यक्त मकान में छिपे हुए हैं। इसकी सूचना मिलते ही निरीक्षक दलबीर सिंह सर्विस पिस्टल 9एमएम और पुलिस के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। रात करीब साढ़े आठ बजे, मुखबिर द्वारा बताए गए संदिग्ध स्थान की घेराबंदी की गई और एसएचओ पुलिस स्टेशन माहिलपुर को भी अधिक पुलिस बल लाने के लिए सूचित किया गया। इसी बीच, 3 युवकों ने मौके से भागने के लिए कोठी की दीवार फांदते हुए पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर उन्हें मारने का प्रयास किया। उनमें से एक युवक ने तमंचे से फायर कर निरीक्षक दलबीर सिंह को जान से मारने की कोशिश की। इस पर, निरीक्षक दलबीर सिंह ने खुद को बचाने के लिए आरोपी पर गोली चला दी, जिससे आरोपी की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य युवक को मौके पर ही पकड़ लिया गया तथा दूसरा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करते हुए अंधेरा होने के कारण भागने में सफल रहा। पकड़े गए युवक ने अपना नाम गुरजंत सिंह उर्फ जनता पुत्र लखविंदर सिंह, निवासी गांव गोबिंदपुर लोहगढ़, पुलिस स्टेशन मैहतपुर, जिला जालंधर बताया और जो भाग गया है, उसकी पहचान मनदीप सिंह उर्फ मन्ना पुत्र जोगिंदर सिंह, निवासी गांव उप्पल जागीर, पुलिस स्टेशन नूरमहल के रूप में हुई है और जो मारा गया है उसकी पहचान वरिंदर सिंह उर्फ शूटर उर्फ काका पुत्र राम लाई, निवासी गांव नंदोकी, पुलिस स्टेशन सदर कपूरथला के रूप में हुई है।

इस घटना में, निरीक्षक दलबीर सिंह ने इलाके की घेराबंदी कर दी और उस स्थान पर मोर्चा संभाला जहां से अपराधी पुलिस दल पर गोलीबारी करके भागना चाहते थे। निरीक्षक दलबीर सिंह गोलियों की परवाह किए बिना बहादुरी से आगे बढ़े और उन पर आरोपी वरिंदर सिंह उर्फ शूटर ने अपनी देशी .32 बोर पिस्तौल से गोली चला दी। निरीक्षक दलबीर सिंह ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपनी आत्मरक्षा में अपनी सर्विस पिस्तौल से आरोपी पर गोली चलाई। यह उनके द्वारा प्रदर्शित कर्तव्यों के पालन में अत्यधिक समर्पण और समर्पण के साथ-साथ असाधारण साहस और बहादुरी का एक उदाहरण है। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना भी शानदार साहस, बहादुरी और पेशेवर क्षमता का परिचय दिया है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन माहिलपुर, जिला होशियारपुर में दिनांक 09.03.2020 को आईपीसी की धारा 307, 353, 186, 34, आयुध अधिनियम की धारा 25/54/59 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 30 दर्ज है और साथ ही एक मोटर साइकिल, 1 पिस्तौल .32 बोर के साथ 03 जिंदा, एक खाली कारतूस .32 बोर और मोबाइल बरामद किए गए हैं।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के श्री दलबीर सिंह, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 08/03/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1202/22/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 74-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मलकीत सिंह	सहायक उप-निरीक्षक (एलआर)	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.08.2020 को, सहायक उप-निरीक्षक (एलआर) मलकीत सिंह के साथ पीएचजी रणजीत सिंह, पुलिस स्टेशन भिखीविंड, गांव पुहला में एक शिकायत के निपटारे के लिए गए थे। जब वे पुहला गांव से लौट रहे थे, उन्होंने उसी गांव में बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो

संदिग्ध व्यक्तियों को देखा और जब संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस दल को देखा तो उन्होंने मौके से भागने का प्रयास किया। उनमें से एक अज्ञात था और दूसरे की पहचान रघुपाल सिंह उर्फ दौला पुत्र जोगिंदर सिंह, जाति जाट, निवासी भूचर कलां के रूप में हुई। रघुपाल सिंह उर्फ दौला ने अपनी स्वचालित पिस्तौल से एएसआई/एलआर मलकीत सिंह पर अंधाधुंध गोलीबारी की और पांच राउंड फायर किए, जो उनके दाहिने पैर में लगे और आर-पार हो गए। सहायक उप-निरीक्षक/एलआर मलकीत सिंह ने पैर पर जख्म होने के बावजूद, पीएचजी रणजीत सिंह की मदद से रघुपाल सिंह उर्फ दौला को पकड़ लिया और उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद, सहायक उप-निरीक्षक मलकीत सिंह को भिखीविंद के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रघुपाल सिंह उर्फ दौला एक कुख्यात तस्कर और गैंगस्टर है, जिसके आतंकवादियों से संबंध हैं और वह पाक स्थित कई तस्करों के संपर्क में भी था। वह जिला अमृतसर, तरनतारन और एस.ए.एस. नगर में एनडीपीएस और आयुध अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत उसके खिलाफ दर्ज कम से कम 08 एफआईआर में वांछित था। उक्त रघुपाल सिंह के पास से पहले भी कई हथियार और अत्यधिक (व्यापार योग्य) मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया था। सहायक उप-निरीक्षक (एलआर) मलकीत सिंह ने जान की परवाह किए बिना बहादुरी से रघुपाल सिंह को काबू में कर लिया। मौके से एक पिस्टल 7.62 एम.एम. (इटली में निर्मित), 02 मैगजीन, 06 जिंदा कारतूस, 03 खाली कारतूस, एक रायफल डीबीबीएल 12 बोर, 19 जिंदा कारतूस 12 बोर, बुलेट मोटर साइकिल नंबर पीबी-10-जीजेड-6673, एक मोबाइल, एक वाई-फाई बरामद किया गया है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन भिखीविंद में दिनांक 24.08.2020 को आईपीसी की धारा 307, 353, 332, 333, 186, 34, आयुध अधिनियम की धारा 25, 27, 54, 59 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 159 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के श्री मलकीत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक (एलआर) ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/11/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 75-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री मनदीप सिंह	वरिष्ठ सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.07.1990 को ग्राम कोटली गजरान, तहसील शाहकोट, जिला जालंधर में एक सम्मानित परिवार में जन्मे और दिनांक 01.11.2013 को पंजाब पुलिस में कांस्टेबल के रूप में भर्ती हुए, श्री मनदीप सिंह, वरिष्ठ कांस्टेबल, अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा समर्पित रहे और इसे निभाने के क्रम में, असामाजिक तत्वों से लड़ते हुए उन्होंने अपनी जान दे दी।

कपड़ा व्यापारी भूपिंदर सिंह उर्फ टिम्मी चावला पुत्र हरमिंदर सिंह, निवासी आदर्श कॉलोनी, नकोदर ने पुलिस प्रशासन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें गैंगस्टरों से धमकी भरे फोन आ रहे हैं कि अगर मांगी गई राशि नहीं दी, तो उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए मनदीप सिंह नाम के एक वरिष्ठ कांस्टेबल को शिकायतकर्ता के साथ गनमैन के रूप में रखा गया।

दिनांक 07.12.2022 को रात 8:15 बजे, जब शिकायतकर्ता अपना व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद करने के बाद अपनी कार में बैठ रहा था, तब 2/3 अज्ञात व्यक्तियों ने उस पर गोलियां चलाते हुए हमला किया। वरिष्ठ कांस्टेबल मनदीप सिंह तुरंत हरकत में आए और जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाई। वे शिकायतकर्ता की रक्षा करने और उसकी जान बचाने के लिए उसे शारीरिक ढाल प्रदान करने के उद्देश्य से उसके सामने भी आए। दुर्भाग्यवश, शिकायतकर्ता की रक्षा करते समय उन्हें गोलियां लग गईं और वे बेहोश हो गए।

उनकी बेहोशी का फायदा उठाकर हमलावर ने शिकायतकर्ता को कई गोलियां मारीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तथापि, वरिष्ठ कांस्टेबल मनदीप सिंह को कैपिटल अस्पताल, जालंधर ले जाया गया, जहां दिनांक 08.12.2022 की सुबह गोली लगने की वजह से उनकी मौत हो गई। अभियुक्तों/असामाजिक तत्वों के खिलाफ दिनांक 08.12.2022 को पुलिस स्टेशन, सिटी नकोदर में आईपीसी की धारा 302, 307, 34 और आयुध अधिनियम की धारा 25, 54, 59 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 144 दर्ज की गई है। पूरे प्रकरण में, वरिष्ठ कांस्टेबल मनदीप सिंह ने उच्च कोटि का अनुकरणीय साहस और बहादुरी दिखाई तथा राष्ट्र विरोधी असामाजिक तत्वों से लड़ते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के स्व. श्री मनदीप सिंह, वरिष्ठ सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07/12/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/12/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 76-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बिक्रमजीत सिंह बराड़	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	जगजीत सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	बलजिंदर सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	राहुल शर्मा	सहायक उप-निरीक्षक (एलआर)	वीरता पदक
5.	सुरिंदरपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गुप्त सूचना के अनुसार, पंजाबी गायक श्री शुभदीप सिंह उर्फ सिद्धू मूसेवाला की सनसनीखेज हत्या में शामिल लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गिरोह के 2 शूटर जगरूप सिंह उर्फ रूपा और मनप्रीत सिंह उर्फ मनु कुसा भकना खुर्द गांव, पुलिस स्टेशन घरिंडा (अमृतसर-आर) में एक एकांत फार्महाउस में छिपे हुए थे और वे अत्याधुनिक/स्वचालित हथियारों से लैस थे। पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने पुलिस कार्मिकों के साथ मिलकर इन गैंगस्टरों को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन चलाया। जब पुलिस टीमें भकना खुर्द गांव, पुलिस स्टेशन घरिंडा में फार्महाउस (ठिकाने) के आसपास पहुंचीं, तो अंदर मौजूद जगरूप सिंह उर्फ रूपा और मनप्रीत सिंह उर्फ मनु ने अपने अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने गैंगस्टरों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। कई बार चेतावनी देने के बावजूद, उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया। नतीजतन, पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ के नेतृत्व में पुलिस सहायक उप-निरीक्षक जगजीत सिंह और अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ पुलिस बल अपनी जान की परवाह किए बिना रेंगते हुए और बहादुरी से उस एकांत फार्महाउस की ओर बढ़ा, जहां से आरोपी लगातार गोलीबारी कर रहे थे, जिसमें तीन पुलिस कर्मी यथा सहायक उप-निरीक्षक बलजिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक/एलआर राहुल शर्मा और हेड कांस्टेबल सुरिंदरपाल सिंह घायल हो गए तथा एक अन्य पुलिस अधिकारी सहायक उप-निरीक्षक/एलआर सुखदेव सिंह भी घायल हो गए, जिन्हें बाहरी घेरे में तैनात किया गया था। सभी आरोपी, पुलिस पर 5 घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर गोलीबारी करते रहे, जिसका इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने सीधा प्रसारण किया। इस गोलीबारी में, एबीपी सांझा न्यूज चैनल के कैमरामैन सिकंदर सिंह भी घायल हो गए। आत्मरक्षा में और आरोपियों की गिरफ्तारी को प्रभावित करने के लिए पुलिस दलों ने जवाबी गोलीबारी की। दोनों ओर से हुई गोलीबारी के दौरान, छत पर खड़े होकर पुलिस दलों की ओर गोलीबारी कर रहे एक आरोपी को गोली लगी और वह नीचे गिर गया। एक अन्य आरोपी से आत्मसमर्पण करने की अपील फिर से की गई लेकिन उसने गोलीबारी जारी रखी। इसके बाद, सभी विकल्पों का उपयोग करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ के नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक जगजीत सिंह के साथ पुलिस टीमें बहादुरी और समझदारी से गंभीर जोखिम उठाकर और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना दूसरे आरोपी की ओर एक निर्मित ढांचे के अंदर रेंगकर गई। पुलिस को देखते ही, दूसरे आरोपी ने गोली चला दी और पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। दोनों ओर से हुई इस गोलीबारी में दूसरे आरोपी को भी गोली लगी। वहां पहुंचकर, वास्तविक निरीक्षण करने के बाद, यह पाया गया कि दोनों आरोपियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, और उनके शव छत और सीढ़ियों के कोने में पड़े थे, जिनकी पहचान क्रमशः जगरूप सिंह उर्फ रूपा और मनप्रीत सिंह उर्फ मनु के रूप में हुई। उनके पास से एक एके 47 राइफल, 2 पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस कार्रवाई में, पुलिस उपाधीक्षक श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़, सहायक उप-निरीक्षक जगजीत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक/एलआर राहुल शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक बलजिंदर सिंह और हेड कांस्टेबल सुरिंदरपाल सिंह ने असाधारण साहस, दिलेरी और बुद्धिमता का परिचय दिया तथा कर्तव्यपरायणता और आम नागरिकों की सुरक्षा के दौरान बहादुरी से काम किया।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के सर्व/श्री विक्रमजीत सिंह बराड़, पुलिस उपाधीक्षक, जगजीत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, बलजिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, राहुल शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक (एलआर) और सुरिंदरपाल सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20/07/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/166/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 77-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	वाडिचाला श्रीनिवास	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	नलिवेनी हरीश	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	गद्दीपोगुला अंजैया	सहायक असॉल्ट कमाण्डर/आरक्षित उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	बूरका सुनीलकुमार	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विशेष जानकारी के आधार पर कि प्रतिबंधित सशस्त्र सीपीआई/माओवादी (द्वितीय सीआरसी के सदस्य) बीजापुर-जिले (छत्तीसगढ़) में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने तथा जन प्रतिनिधियों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं, ग्रेहाउंड्स ने छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर-जिले की एल्मिडी-पीएस सीमा के अंतर्गत बेचिरकु मडुगु के पास एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई।

योजना के तहत दिनांक 23.10.2021 को ग्रेहाउंड्स यूनिट्स (6) शाम 6.00 बजे वारंगल बेस पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सभी एहतियाती कदम उठाते हुए यूनिट्स विधिवत तरीके से आगे बढ़ीं। टीमें दिनांक 24.10.2021 की रात तक लोकेशन/बेचिराकु मडुगु पहुंच गईं। दिनांक 25.10.2021 को सुबह-सुबह, यूनिट कार्मिकों ने मानवीय आवाजें सुनी और दुश्मनों को पहाड़ी से नीचे उतरते देखा। चूंकि वहां अंधेरा था और दुश्मन ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था, पार्टियों के बीच क्रॉस फायरिंग से बचने के लिए पार्टी ने कुछ समय तक इंतजार किया। बाद में, सभी सदस्यों ने बैग छोड़ दिए और जैसे ही उन्होंने दक्षिण-पश्चिम दिशा में विस्तारित लाइन में पोजीशन ली, उन्होंने सिविल ड्रेस में 1-संतरी को एक पेड़ की ओर जाते हुए देखा। कमाण्डो तुरंत आगे बढ़े और देखा कि संतरी बिना हथियार के है लेकिन एक अन्य व्यक्ति (ऑलीव ग्रीन पोशाक) हथियार से फायरिंग करते हुए भाग रहा है। फिर, ग्रेहाउंड्स पार्टी ने आत्मसमर्पण करने को कहा जिसे उन्होंने अनसुना कर दिया। इस बीच, एन हरीश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एवं अन्य ने एक महिला सहित 3 दुश्मनों को देखा और दुश्मनों ने भी उन्हें देख लिया और उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में एन हरीश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एवं अन्य ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की तथा गोलीबारी की, जिसमें 1- माओवादी (पुरुष) मारा गया।

जब अन्य यूनिट की टीम के सदस्य दिनांक 25.10.2021 को सुबह लगभग 5.50 बजे उसी क्षेत्र में आगे बढ़ रहे थे, बी सुनील कुमार, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल ने अन्य लोगों के साथ एसएलआर दुश्मन का पीछा किया और उसे मार गिराया क्योंकि उसने बलों की आत्मसमर्पण की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया था। इसके अलावा, जी अंजैया, सहायक असॉल्ट कमाण्डर/आरक्षित उप-निरीक्षक और बी सुनील कुमार, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल ने 3-सशस्त्र व्यक्तियों को देखा और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने अत्याधुनिक हथियारों से उन पर गोलीबारी जारी रखी। जी अंजैया, सहायक असॉल्ट कमाण्डर/आरक्षित उप-निरीक्षक, बी सुनील कुमार, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एवं अन्य आगे बढ़े और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए संयुक्त गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 1- माओवादी (पुरुष) मारा गया।

इस प्रकार, दिनांक 25.10.2021 को 3-माओवादी (अर्थात्, दूसरी सीआरसी कंपनी के सदस्य नरोती दामल उर्फ कामा, दूसरी सीआरसी में एसीएम, पुनेम बधरू उर्फ कलिन, दूसरी सीआरसी में पार्टी के सदस्य और सोडी रामल उर्फ संतोष, दूसरी सीआरसी में सदस्य) को जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया और घटनास्थल से 1 एसएलआर एलएमजी राइफल, 1 एके-47 राइफल, 1 एसएलआर राइफल, 1 एयर गन,

2 एसएलआर मैगजीन तथा 24 जिंदा कारतूस, 3 एसएलआर एलएमजी मैगजीन एवं ईओएफ के 50 एसएलआर एलएमजी के जिंदा कारतूस, 3 एके-47 मैगजीन, 18 एके-47 के जिंदा कारतूस आदि बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के सर्व/श्री वाडिचाला श्रीनिवास, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल, नलिवेनी हरीश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल, गद्दीपोगुला अंजैया, सहायक असॉल्ट कमाण्डर/आरक्षित उप-निरीक्षक और बूरका सुनीलकुमार, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3281/54/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 78-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	एमडी. अय्यूब	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	पी. सतीश	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय जानकारी के आधार पर कि मनुगुरु क्षेत्र समिति के सदस्य तेलंगाना राज्य के मुलुगु जिले के मंगपेटा पीएस सीमा के तहत कोप्पुगुट्टा के पास जनापेटा आरक्षित वन के क्षेत्र में घूम रहे हैं, मुलुगु जिला पुलिस की एक विशेष पार्टी ने ग्रेहाउंड बलों के साथ मुसलमनागुट्टा वन क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। दिनांक 18.10.2020 को सुबह, जब ग्रेहाउंड बल क्षेत्र में एकीकृत हो रहे थे, माओवादियों ने उन्हें देख लिया और उन्हें मारने के इरादे से स्वचालित हथियारों का उपयोग कर, उन पर सटीक गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, गोलियों की तेज बौछार से घबराए बिना, नामितों ने साथी कमांडो के साथ स्थिति को नियंत्रित किया और माओवादियों को जिंदा पकड़ने के इरादे से उन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा। माओवादियों ने ऊंचे स्थान पर होने का फायदा उठाया तथा आत्मसमर्पण की बात को अनसुना कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एमडी. अय्यूब और जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल पी. सतीश अपनी जान जोखिम में डालकर साहसपूर्वक आगे बढ़े और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण माओवादी मौके से भाग गए। जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एमडी. अय्यूब और जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल पी. सतीश की जवाबी कार्रवाई से अन्य कमांडो की जान बचाई गई। बाद में, जब हमलावर यूनिट ने क्षेत्र की जाँच की, तो उन्हें 2-कट्टर पुरुष माओवादियों के शव मिले तथा घटनास्थल से 1 एसएलआर हथियार, एक 8एमएम, 1 एसबीबीएल, 2 एके मैगजीन, 44 एके राउंड्स, 2 एसएलआर मैगजीन, 16 एसएलआर राउंड, .303 की 1 मैगजीन, .303 के 6 राउंड, 12 बोर के 10 कैट्रिज और 8 एमएम के 13 राउंड बरामद किए गए।

जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल एमडी. अय्यूब ने दिनांक 31.07.2019 को तेलंगाना राज्य के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के गुंडाला पीएस सीमा के अंतर्गत, रोलागड्डा-गांव के पास, दमारतोगु आरक्षित-वन के क्षेत्र में हुई एक और मुठभेड़ में भी साहसी भूमिका निभाई, जिसमें 1-पुरुष कट्टर माओवादी को मार गिराया गया। घटनास्थल से 1 एसएलआर-वेपन, 1 एसएलआर-मैगजीन, 1 कार्बन-मैगजीन, 81 एसएलआर राउंड्स, 8 कार्बन राउंड्स बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के सर्व/श्री एमडी. अय्यूब, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल और पी. सतीश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र सं. 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3269/54/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 79-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री प्रशान्त कुमार, भापुसे	अपर महानिदेशक	वीरता पदक
2.	सुश्री मंजिल सैनी, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.07.2017 को, श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक, मेरठ जोन, सुश्री मंजिल सैनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ के साथ 'पवित्र श्रावण कांवड़ समागम एवं यात्रा' के दौरान पुलिस की तैनाती का निरीक्षण करने, प्रभावी कानून व्यवस्था तथा सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए मेरठ शहरी क्षेत्र में एन.एच.58 पर गश्त कर रहे थे, तभी परतापुर के एसएचओ द्वारा परतापुर क्षेत्र में दिल्ली से अपहृत डॉक्टर को बंधक बनाने तथा दिल्ली पुलिस के पहुंचने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर वे तुरंत हरकत में आये और शीघ्र ही पुलिस स्टेशन परतापुर पहुंच गए।

दिनांक 06.07.2018 को मेट्रो हॉस्पिटल दिल्ली के डॉ. श्रीकांत गौड़ के अपहरण के बारे में श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक एवं सुश्री मंजिल सैनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्परता से दिल्ली पुलिस टीम से जानकारी प्राप्त की गयी तथा उसी क्षण मुखबिर से शताब्दीनगर के एक घर में उनके बंधक बनाये जाने की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। बिना समय बर्बाद किए, वे एसएचओ परतापार और दिल्ली पुलिस की टीमों के साथ अपने संबंधित वाहनों में शताब्दीनगर की ओर बढ़े।

जानकारी के मुताबिक, श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक और सुश्री मंजिल सैनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम शताब्दीनगर के सेक्टर-4बी में पहुंची। उन्होंने खतरनाक अपहरणकर्ताओं को घेरने और बंधक डॉक्टर को सुरक्षित छुड़ाने की रणनीति पर चर्चा की। वहां पुलिस टीमों को संगठित करते हुए, उन्होंने उन्हें गलियों की नाकाबंदी करने और घेराबंदी करने का निर्देश दिया और स्वयं श्री प्रशान्त कुमार, सुश्री मंजिल सैनी, डीसीपी-ईस्ट तथा थाना प्रभारी परतापार सहित, अपनी टीमों के साथ, रणनीतिक रूप से पैदल ही मकान नंबर 112 की ओर आगे बढ़े, और वहां, श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक ने टीम के साथियों को बंद दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया और जैसे ही दरवाजा खटखटाया गया, अंदर से 'कौन है' की आवाज आई, जिसके जवाब में पुलिस टीम ने अपनी मौजूदगी के बारे में बताया और ये सुनते ही अंदर डरावना सन्नाटा छा गया।

श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक ने पुलिस अधिकारियों को दरवाजा तोड़ने का निर्देश दिया और जैसे ही दरवाजे के पैनल को धक्का देकर, जबरन खोला गया, 01 खूंखार अपहरणकर्ता चलाया, "पुलिस आ गई है", जान से मार दो' और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें, अपर महानिदेशक और पुलिस टीम, निकटता से भाग निकले तथा शेष 03 मूक-बधिर अपहरणकर्ताओं ने, बंधक पीड़ित को पकड़कर वहां से भागने की कोशिश की।

इस स्थिति में, अपहरणकर्ताओं द्वारा की गई गोलीबारी में श्री प्रशान्त कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और टीम के अन्य साथियों सहित सामने से हुए गोलीबारी में बच गए और उन्होंने उन्हें जिंदा गिरफ्तार करने का दृढ़ संकल्प किया, क्योंकि वे बेखौफ आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे, क्रूर अपराधी ने दिल्ली पुलिस की टीम की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई का जवाब देते हुए फिर से पुलिस पार्टी की ओर गोली चलाई। फिर भी, अविचलित श्री प्रशान्त कुमार, अपर महानिदेशक स्वयं पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे थे और उनके साथ चल रहे प्रेरक दल, एवं सुश्री मंजिल सैनी, अपनी जान की परवाह किए बिना तथा अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के साथ साहसपूर्वक उन्हें पकड़ने के लिए आगे बढ़े। उनकी कमान के तहत टीम के साथियों ने लगभग 1845 बजे 04 अपहरणकर्ताओं प्रमोद, अमित, नेपाल और सोहनवीर को अवैध आग्नेयास्त्रों के साथ गिरफ्तार कर लिया और अपहृत डॉक्टर को सफलतापूर्वक बचा लिया गया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के श्री प्रशान्त कुमार, भापुसे, अपर महानिदेशक और सुश्री मंजिल सैनी, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19/07/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/49/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 80-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विनय कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	एलयास अहमद	सिपाही	वीरता पदक
3.	विकाश यादव	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 दिसंबर 21 को, श्रीनगर के दरवाग (मुफ्तीबाग) के अंदर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एसओजी, जेकेपी से प्राप्त खुफिया इनपुट के आधार पर, वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ और एसओजी, जेकेपी द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। तदनुसार, वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ के 3 एचआईटी, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, 54 सीआरपीएफ, श्री सतेंद्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट 21 सीआरपीएफ तथा श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट, 44 सीआरपीएफ की कमान में और श्री ओ पी तिवारी, 2 आईसी 54 सीआरपीएफ के समग्र पर्यवेक्षण में, कार्रवाई दलों का गठन किया गया।

योजना के अनुसार, टीमें पीपी नेहरू पार्क (आरवी प्वाइंट) पहुंचीं और आगे गोपनीयता बनाए रखने के लिए तथा प्रारंभिक घेराबंदी करने हेतु सैन्य दल हल्के वाहनों में आगे बढ़े। शुरूआत में, भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए संदिग्ध घरों के चारों ओर घेराबंदी की गई। कुछ समय बाद, एचआईटी लक्षित क्षेत्र में पहुंच गए और सैन्य दलों द्वारा पहले से की गई घेराबंदी को मजबूत करना शुरू कर दिया। लक्षित क्षेत्र में तलाशी के बाद, दो घरों की पहचान की गई तथा आत्मसमर्पण के लिए कहा गया, लेकिन यह व्यर्थ था।

विधिवत विचार-विमर्श करने के बाद, घर में घुसने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, दो एचआईटी, जिसमें पहली टीम में श्री सतेंद्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट तथा श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट, अपने साथियों के साथ शामिल थे और दूसरी टीम में श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, उप-निरीक्षक/जीडी विकाश कुमार, सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार शामिल थे, को घर में घुसने के लिए गठित किया गया। पहली टीम सभी बैलिस्टिक एवं सुरक्षा उपकरणों के साथ चतुराई से घर में दाखिल हुई और टीम ने घर के सभी कोनों एवं कमरों की तलाशी शुरू की, लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

इसके बाद, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में उप-निरीक्षक/जीडी विकास कुमार, सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार, दूसरी टीम ने उचित सुरक्षा एवं बैलिस्टिक उपकरणों के साथ मुख्य लक्षित घर में प्रवेश किया। जैसे ही, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, अंधकारमय कमरे में दाखिल हुए, छिपे हुए आतंकवादी ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए उनकी ओर एक हैंड ग्रेनेड फेंका और अंधाधुंध गोलीबारी की। श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, ने तुरंत आतंकवादी की हरकत को भांप लिया और बचने के लिए कवर ले लिया। जैसे ही दूसरी टीम ने कवर फायर देना शुरू किया, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, भारी गोलीबारी के बीच तुरंत आगे बढ़े और आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की। दोनों तरफ से गोलीबारी के दौरान, सहायक कमाण्डेंट श्री विनय कुमार ने आतंकवादी को घायल कर दिया लेकिन आतंकवादी निकटवर्ती कमरे में छिप गया। इस बीच, सिपाही/जीडी अलयास अहमद कवर फायर के लिए घर के पीछे की ओर चले गए। घर में घुसने वाली टीम, जिसमें उप-निरीक्षक/जीडी विकास कुमार के साथ सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार शामिल थे, जैसे ही कमरे में प्रवेश करने लगे, छिपे हुए आतंकवादी द्वारा उन पर गोलीबारी कर दी। आतंकवादी ने एचआईटी पर एक हैंड ग्रेनेड भी फेंका। सामरिक कौशल और साहस का परिचय देते हुए, उप-निरीक्षक/जीडी विकास यादव और सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार ने कवर लिया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। फिर, उप-निरीक्षक/जीडी विकास यादव ने आतंकवादी पर भीषण गोलीबारी की और सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार रेंगते हुए उस आतंकवादी के करीब पहुंचे जो अंधेरे कमरे के अंदर मौजूद था। आतंकवादी के करीब पहुंचने पर, सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार ने आतंकवादी की राइफल की बैरल को पकड़ लिया और उसे ऊपर की ओर मोड़ दिया, ताकि वह साथी सैनिकों पर गोलीबारी न कर सके। यह देखकर, उप-निरीक्षक/जीडी विकास यादव भी सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार का साथ देने के लिए आतंकवादी की पोजीशन की ओर दौड़ पड़े और उनके बीच हाथापाई शुरू हो गई।

इस निकट के संघर्ष के दौरान, अच्छी तरह से प्रशिक्षित आतंकवादी ने उन दोनों को मारने के इरादे से फर्श पर एक हैंड ग्रेनेड गिरा दिया। हालाँकि, दोनों ने एक पल भी गंवाए बिना त्वरित प्रतिक्रिया दिखाई और ग्रेनेड के प्रभाव से बचने के लिए, बैलिस्टिक शील्ड की आड़ लेकर खुद को नीचे रखने के लिए, कुछ कदम दूर चले गए। दूसरी ओर, अपने आखिरी हताश प्रयास में, आतंकवादी खिड़की से घर के बाहर कूद गया।

श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, उप-निरीक्षक/जीडी विकास यादव और सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार ने आतंकवादी की इस हरकत को देख लिया और उसका पीछा करने के लिए, वे सभी उसी खिड़की से कूद गए, और भाग रहे आतंकवादी की ओर फायरिंग की। सिपाही/जीडी अलयास अहमद, जिन्हें लक्षित घर के पीछे की ओर रखा गया था, ने आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे घायल कर दिया। अपनी जान बचाने के लिए आतंकवादी गौशाला के पीछे छिप गया और यहीं से टीम के साथ मुठभेड़ जारी रखी। आतंकवादी द्वारा चलाई गई गोलियों की बौछार के बीच, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, उप-निरीक्षक/जीडी विकास यादव और सिपाही/जीडी गामित मुकेश कुमार

ने अदम्य साहस दिखाया और भीषण गोलीबारी में आतंकवादी को चुनौती देकर अपनी जान जोखिम में डालकर। एक वास्तविक गोलीबारी में उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद, तलाशी के दौरान 01 आतंकवादी का शव, 01 एके 56 राइफल, 03 एके 56 मैगजीन, 27 जिन्दा कारतूस और 01 चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, सैफुल्ला उर्फ अबू खालिद उर्फ शवाज, श्रेणी ए++, कमांडर, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, एलयास अहमद, सिपाही और विकास यादव, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19/12/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/03/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 81-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ईमित्योसी जमीर	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	तुलसी दास	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	पुरन्द्र सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	राणा पॉल	सिपाही	वीरता पदक
5.	चप्पा अप्पलास्वामी	सिपाही	वीरता पदक
6.	गोविन्द कुमार प्रजापति	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10 मार्च 22 को, गांव नैना-बटपोरा, पुलिस स्टेशन लिटर, जिला पुलवामा, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में 55 आरआर और एसओजी लस्सीपोरा से प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर 182 सीआरपीएफ, 55 आरआर और एसओजी, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन किया गया। योजना के अनुसार, संयुक्त सैनिक दल नैना-बटपोरा गांव पहुंचा और गांव में संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी कर दी।

लगभग 0605 बजे, जब घेराबंदी का काम चल रहा था, आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़कर भागने के इरादे से सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और आतंकवादियों को भागने से रोक दिया गया। संयुक्त सैनिक दल ने तेजी से इलाके को घेर लिया। श्री दीपक ढौंडियाल, कमांडेंट, 182 सीआरपीएफ, 182 के क्यूएटी के साथ श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में अपनी टीमों के साथ नैना-बटपोरा गांव पहुंचे। ऑपरेशन की निगरानी के लिए एक कमांड पोस्ट स्थापित किया गया।

चूँकि गाँव में आतंकवादियों की सटीक पोजीशन स्पष्ट नहीं थी, इसलिए क्षेत्र की गहन तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। मस्जिद के पास खुले क्षेत्र की ओर बढ़ रहे सैनिकों को मीनार के दरवाजे के पास 02 जीवित राउंड (9 एमएम और एके के प्रत्येक राउंड) मिले। मीनार मस्जिद से सटी हुई थी और तीन मंजिला बेलनाकार संरचना थी जिसके हर तरफ खिड़कियाँ थीं। मीनार में आतंकवादियों के छिपे होने की संभावना की पुष्टि की गई और मस्जिद परिसर के चारों ओर तुरंत आंतरिक घेरा बंदी कर दी गई।

योजना के अनुसार, श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 182 सीआरपीएफ की क्यूएटी ने मस्जिद परिसर के साथ सड़क पर रखे गए बंकर के पीछे पूर्वी हिस्से में पोजीशन ले ली। 55 आरआर के सैनिकों ने उत्तरी और दक्षिणी किनारों को कवर किया। श्री तुलसी दास, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 182 सीआरपीएफ की ई-कंपनी की एक टीम ने 183 सीआरपीएफ की क्यूएटी और एसओजी, जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ दक्षिणी हिस्से को कवर किया। किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए 182 सीआरपीएफ की ई-कंपनी की शेष

टुकड़ियों को बाहरी घेरे में दक्षिणी तरफ रखा गया। चूंकि, यह सुनिश्चित किया गया कि आतंकवादी मस्जिद परिसर की मीनार में छिपे हुए हैं, इसलिए संयुक्त सैनिकों को अत्यधिक संयम दिखाने और अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए निर्देशित किया गया।

आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। फिर, मस्जिद के मौलवी द्वारा आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। आतंकवादियों ने मीनार की सबसे ऊपरी मंजिल से आंतरिक घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सैनिकों द्वारा नियंत्रित तरीके से जवाब दिया गया। आतंकवादियों ने मीनार की अलग-अलग मंजिलों पर पोजीशन ले ली थी और पोजीशन बदल-बदल कर चारों तरफ से फायरिंग कर रहे थे।

आतंकवादी हर तरफ से काफी ऊंचाई से गोलीबारी कर रहे थे। कमाण्डेंट, 182 सीआरपीएफ ने श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट को दूसरी मंजिल पर छिपे आतंकवादी को उलझाए रखने के लिए और श्री तुलसी दास, सहायक कमाण्डेंट को मीनार के शीर्ष मंजिल पर छिपे एक अन्य आतंकवादी को उलझाए रखने के लिए निर्देशित किया। रूक-रूक कर गोलीबारी जारी रही। इस बीच, आतंकवादियों ने ग्रेनेड भी फेंका जो बंकर के पास फट गया और परिणामस्वरूप आरआर के तीन जवान घायल हो गए। श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट, अपने सहयोगी सिपाही/जीडी राणा पॉल और सिपाही/जीडी चप्पा अप्पलास्वामी के साथ, जो बंकर के पीछे दूसरी तरफ तैनात थे, ने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करते हुए उन्हें उलझाए रखा। इस बीच, सहायक कमाण्डेंट श्री तुलसी दास ने अपने सहयोगी हेड कांस्टेबल/जीडी पुरंद सिंह और सिपाही/जीडी गोविंद कुमार प्रजापति के साथ शीर्ष मंजिल पर आतंकवादी की गतिविधि देखी और उन्होंने आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की, जिसमें आतंकवादी घायल हो गया। घायल आतंकवादी अपनी पोजीशन बदल-बदल कर अंधाधुंध फायरिंग करता रहा। तीनों ने अदम्य साहस दिखाया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और एक आतंकवादी को मार गिराया।

दूसरा आतंकवादी अभी भी मीनार की निचली मंजिल में छिपा हुआ था और अपनी पोजीशन बदल-बदल कर रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहा था। श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट, और उनके सहयोगी सिपाही/जीडी राणा पॉल और सिपाही/जीडी चप्पा अप्पलास्वामी, जो आरआर जवानों के साथ एमपीवी के पीछे सड़क के किनारे बंकर के पास तैनात थे, ने साहस दिखाया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, मीनार की खिड़कियों पर एक साथ प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी और दूसरे आतंकवादी को मार गिराया।

लगभग 1430 बजे, मीनार से गोलीबारी बंद हो गई और मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान दो आतंकवादियों के शव के साथ 1 एके56 राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल, 2 एके मैगजीन, 1 पिस्तौल मैगजीन, 25 एके राउंड, 9 एमएम की 10 पिस्तौल राउंड, 8 चीनी हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के शाहिद हुसैन खान, श्रेणी- "सी" और फैयाज अहमद शेख, श्रेणी- "सी" के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री ईमित्योसी जमीर, सहायक कमाण्डेंट, तुलसी दास, सहायक कमाण्डेंट, पुरन्द सिंह, हेड कांस्टेबल, राणा पॉल, सिपाही, चप्पा अप्पलास्वामी, सिपाही और गोविन्द कुमार प्रजापति, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10/03/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/148/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 82-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रदीप सिंह राठी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	बंजारी सुजित भास्करराव	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	मो0 हनीफ	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	मुदास्सिर युसुफ भट	सिपाही	वीरता पदक
5.	सुखलाल सिंह	सिपाही	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
6.	मालोथू रमेश	सिपाही	वीरता पदक
7.	कन्हैया लाल	सिपाही	वीरता पदक
8.	गोविन्द कुमार प्रजापति	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11 मार्च 22 को लगभग 2045 बजे, जम्मू-कश्मीर पुलिस पुलवामा से प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर, पुलिस स्टेशन और जिला पुलवामा, जम्मू-कश्मीर के अंतर्गत ग्राम चिवा कलां में 02 आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला, जिसके आधार पर, 182/183 सीआरपीएफ, जेकेपी/एसओजी और 50 आरआर द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया गया।

योजना के अनुसार, श्री वंजारी सुजीत भास्करराव, सहायक कमाण्डेंट की कमान में सीटीटी/182 सीआरपीएफ की टुकड़ियां और श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट की कमान में सीटीटी/183 सीआरपीएफ की टुकड़ियां, एसओजी जेकेपी एवं 50 आरआर सहित लगभग 21:15 बजे गांव चिवा कलां पहुंची। संयुक्त सैनिक बलों द्वारा संदिग्ध घर के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई, जो एक स्थानीय दरसगाह (दारुल-आलूम) था।

घरे गए क्षेत्र के सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालाँकि, निकासी प्रक्रिया के दौरान, लक्षित घर के भीतर छिपे आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिक बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें जहूर अहमद शेरजोगरी नाम का एक नागरिक घायल हो गया। घायल व्यक्ति को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ; क्योंकि उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और संयुक्त सैनिक बलों पर गोलीबारी करते रहे। फिर भी, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। श्री वंजारी सुजीत भास्करराव, सहायक कमाण्डेंट और श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट ने आतंकवादियों की भीषण गोलीबारी के बीच अपने सहयोगी सैनिकों को रणनीतिक रूप से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ाया। श्री वंजारी सुजीत भास्करराव, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम, जिसमें सिपाही/जीडी मलोथु रमेश, सिपाही/जीडी कन्हैया लाल और सिपाही/जीडी गोविंद कुमार प्रजापति शामिल थे, ने चतुराईपूर्वक लक्षित घर के बाईं ओर (पश्चिम दिशा) में दीवार के सामने पोजीशन ले ली। इसी प्रकार, श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम, जिसमें हेड कांस्टेबल/जीडी मोहम्मद हनीफ, सिपाही/जीडी मुदस्सिर यूसुफ भट, और सिपाही/जीडी सुखलाल सिंह शामिल थे, ने रणनीतिक रूप से लक्षित घर के दाईं ओर (पूर्व दिशा) स्थित दीवार के सामने पोजीशन ले ली।

चूँकि आतंकवादी एक पक्के कंक्रीट के घर (मदरसा) में छिपे हुए थे जिसमें 4 से 5 कमरे और 3-4 बाथरूम थे और यह पहाड़ी से सटा हुआ था, इसलिए उनकी सटीक पोजीशन का पता लगाना चुनौतीपूर्ण था। आतंकवादियों ने लक्षित घर से बार-बार अपनी पोजीशन बदली और संयुक्त सैनिक बलों पर गोलीबारी की। आतंकवादियों का पता लगाने के प्रयास में, एक क्वाडकॉप्टर तैनात किया गया और संदिग्ध स्थान पर एमजीएल से गोलीबारी की गई। एक सीजीआरएल को लक्षित घर पर दागा गया, जिससे आतंकवादी घबरा गए और उनमें से एक ने संयुक्त सैनिक बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए मदरसा और पहाड़ी के बीच संकीर्ण मार्ग की ओर भागने की कोशिश की। श्री वंजारी सुजीत भास्करराव, सहायक कमाण्डेंट की कमान के तहत सीटीटी/182 सीआरपीएफ के जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को भागने का कोई मौका नहीं दिया। भारी गोलीबारी के कारण, आतंकवादी को अपना स्थान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा और उसने सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। जैसे ही आतंकवादी ने मदरसा और पहाड़ी के बीच की गली में प्रवेश किया, श्री वंजारी सुजीत भास्करराव और उनकी टीम ने असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया और निडर होकर आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की तथा उसे पहाड़ी एवं मदरसा के बीच के संकीर्ण रास्ते में मार गिराया।

दूसरा आतंकवादी जो लक्षित घर के भीतर छिपा हुआ था, उसने खिड़कियों से सैनिकों पर रुक-रुक कर गोलीबारी शुरू कर दी। हालाँकि आतंकवादी की स्थिति का पता लगाने के लिए एक बार फिर क्वाडकॉप्टर का उपयोग किया गया, लेकिन दूसरे आतंकवादी ने गोलीबारी की और क्वाडकॉप्टर को क्षतिग्रस्त कर दिया। फिर एक दूसरा क्वाडकॉप्टर तैनात किया गया और दूसरे आतंकवादी के सटीक स्थान को इंगित करने के लिए रोशनी का इस्तेमाल किया गया। श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट ने सिपाही/जीडी सुखलाल सिंह की सहायता से पहली खिड़की पर निशाना साधा, जबकि हेड कांस्टेबल/जीडी मोहम्मद हनीफ और सिपाही/जीडी मुदस्सिर यूसुफ भट ने लक्षित घर की दूसरी खिड़की पर निशाना साधा। थोड़ी देर के बाद, दूसरा आतंकवादी खिड़की से बाहर आया और सैनिक बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट और उनकी पार्टी, जो पहले से ही पोजीशन में थे और खिड़कियों को कवर कर रहे थे, ने बहादुरी का प्रदर्शन किया और दूसरे आतंकवादी पर गोलीबारी की, जिससे वह तुरंत मारा गया।

लगभग 0600 बजे, संयुक्त सैनिक बलों ने पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी ली। मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में कमाल भाई उर्फ जट्ट, कमांडर, श्रेणी ए और आकिब मुश टैग भट उर्फ जुल्करनियन, श्रेणी बी, दोनों जैश-ए-मोहम्मद संगठन के रूप में की गई। इसके अलावा, सैनिकों ने उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और दस्तावेज जब्त किए, जिनमें 2 एके 56 राइफलें, 7 एके 56 मैगजीन, एके 56 के 32 राउंड और 2 पाउच शामिल हैं।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री प्रदीप सिंह राठी, सहायक कमाण्डेंट, वंजारी सुजित भास्करराव, सहायक कमाण्डेंट, मो0 हनीफ, हेड कांस्टेबल, मुदास्सिर युसुफ, भट, सिपाही, सुखलाल सिंह, सिपाही, मालोथू रमेश, सिपाही, कन्हैया लाल, सिपाही और गोविन्द कुमार प्रजापति. सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11/03/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/51/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 83-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राम गोपाल	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	चन्द्र शेखर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02 फरवरी, 2022 को, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव नदीगाम-नोवपोरा के बागान क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त पुख्ता सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 34 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया। 178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट के निदेशानुसार, श्री राम गोपाल, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की 'जी' कंपनी के सैनिकों की संयुक्त टीमों, 34 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी), इमामसाहिब के साथ गांव नदीगाम-नोवपोरा (बागान क्षेत्र) पहुंची और संदिग्ध क्षेत्र की चारों तरफ से घेराबंदी कर ली।

चूंकि, बागान एक बड़े इलाके में फैला हुआ था और पूरी तरह से बर्फ से ढका हुआ था, इसलिए संदिग्ध आतंकवादियों की सटीक स्थिति का पता लगाना एक चुनौती थी। इस प्रयास में सहायता के लिए, निगरानी हेतु एक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। परिणामस्वरूप, बागान क्षेत्र में एक संदिग्ध ठिकाना देखा गया, जहां एक स्पष्ट गड्ढा था, जिसे लोहे के गेट से छुपाया गया था। एहतियाती उपाय के रूप में, सभी सैनिकों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और तेजी से इलाके को सुरक्षित कर लिया गया।

178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट के निदेशानुसार, श्री अजय सिंह परमार, सेकण्ड इन कमांड, यूनिट सीटीटी के साथ, स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी को मजबूत किया। इसके बाद, 178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री सुरजीत कुमार भी अपनी सुरक्षा और मेडिकल टीम तथा डॉ. पंकज कश्यप, एमओ के साथ नदीगाम-नोवपोरा गांव पहुंच गए। 178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट ने स्थिति का आकलन किया और आरआर एवं जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऑपरेशन की योजना पर चर्चा की। रणनीति के अनुसार, संयुक्त सैनिक संदिग्ध आतंकवादी ठिकाने की ओर आगे बढ़े। सैनिकों की गतिविधि का पता चलने पर, आतंकवादी ने दूर से संयुक्त घेराबंदी टीमों की ओर गोलीबारी शुरू कर दी और निकटवर्ती गांव नदीगाम की ओर बढ़ने का प्रयास किया। आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और इसके बजाय उसने घेराबंदी से भागने के लिए आगे बढ़ रही टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

दोनों तरफ से गोलीबारी के दौरान, आतंकवादी की गोलियों की बौछार सहायक कमाण्डेंट श्री राम गोपाल और उनके साथी सिपाही/जीडी चंद्र शेखर के सामने जमीन पर आकर लगी। इसके बावजूद, दोनों ने कुशलतापूर्वक गोलियों से बचाव किया और वे एक-दूसरे का कवर बनाए रखते हुए लगातार आगे बढ़ते रहे। संयुक्त सैनिक चतुराईपूर्वक आतंकवादी की ओर आगे बढ़े और अंततः उसे घेर लिया। सैनिकों द्वारा घेर लिए जाने के जवाब में, संदिग्ध आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर दी, इस पर संयुक्त सैनिकों ने भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की।

श्री राम गोपाल, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी 178 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी चंद्र शेखर, भाग रहे आतंकवादी के सबसे करीब थे और तदनुसार, उन्होंने तेजी से आतंकवादी का पीछा करना शुरू कर दिया। अचानक ही, भागते हुए आतंकवादी ने दिशा बदल दी और वह उनकी ओर बढ़ने लगा। खतरनाक स्थिति से घबराए बिना, श्री राम गोपाल, सहायक कमाण्डेंट और 178 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी चंद्र शेखर ने उल्लेखनीय वीरता का प्रदर्शन किया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, दोनों ने निडर होकर भाग रहे आतंकवादी पर एक साथ गोलीबारी की और उसे मौके पर ही मार गिराया।

गोलीबारी रुकने के बाद, संयुक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। मुठभेड़ के बाद, तलाशी के दौरान 01 एके 56 राइफल, 04 एके 56 मैगजीन, एके 56 के 40 कारतूस, 01 चीनी ग्रेनेड और अन्य सामान के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के जिला कमांडर, उमर इश्फाक मलिक, श्रेणी "ए" के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री राम गोपाल, सहायक कमाण्डेंट और चन्द्र शेखर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02/02/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/81/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 84-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय सिंह परमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	ज्योति दास	सिपाही	वीरता पदक
3.	अपुर्व गगौई	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 अप्रैल 22 को लगभग 1245 बजे, पुलिस स्टेशन जैनपुरा, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव बडीगाम के इलाके में 4-5 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त एक पुख्ता सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर और एसओजी/जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 178 सीआरपीएफ की सीटीटी के सैनिकों की संयुक्त टीम, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के एसओजी और 44 आरआर के साथ गांव बडीगाम पहुंची और 15 संदिग्ध घरों के आसपास घेराबंदी की तथा भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया।

इसी बीच, श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी, 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी के साथ गांव बादीगाम पहुंचे और आंतरिक घेरे को सुदृढ़ किया। वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श करने के बाद, श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी और 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी ने पश्चिम की ओर से लक्षित क्षेत्र को कवर किया, जबकि 178 सीआरपीएफ टीम की क्यूएटी के शेष सैनिकों ने उत्तर-पश्चिम की ओर से कवर प्रदान किया। श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 44 आरआर, एसओजी और 178 सीआरपीएफ की सीटीटी की एक टीम को दक्षिण की ओर तैनात किया गया। इसके अलावा, 44 आरआर, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) की एसओजी की एक और टीम को दक्षिण-पश्चिम दिशा में विशेष रूप से आंतरिक घेरे के भीतर एक मस्जिद के पास तैनात किया गया।

आंतरिक घेरे के भीतर, 178 सीआरपीएफ की सीटीटी के सिपाही/जीडी अपुर्व गगौई और उनके साथी ने उत्तर की ओर से कवर प्रदान किया। श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी को मस्जिद से सटी दो गलियों को बंद करने के लिए तैनात किया गया, जिसमें से एक पश्चिम की ओर और दूसरी उत्तर की ओर थी। श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी अपने साथी सिपाही/जीडी ज्योति दास के साथ खुद मस्जिद के किनारे पोजीशन लिए हुए थे तथा बीपी शील्ड की सहायता से सटी हुई गली को कवर कर रहे थे और अन्य कार्मिकों को दक्षिण दिशा से आ रही दूसरी गली को कवर करने के लिए मस्जिद के किनारे पर तैनात किया गया था।

जब आंतरिक घेरा रणनीतिक रूप से सुदृढ़ हो गया, जिससे भागने के सभी संभावित मार्ग प्रभावी ढंग से बंद हो गए, तो घेराबंदी और आस-पास के इलाकों में मौजूद सभी नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अभियान के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए, 178 सीआरपीएफ की ई कंपनी की एक टीम को बादीगाम-नागबल पहुंच मार्ग पर तैनात किया गया। इसके अलावा, नागरिकों को अभियान स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए, आंतरिक घेरे से सीटीटी/178 सीआरपीएफ के बाकी सैनिकों को बादीगाम-कनिगाम पहुंच मार्ग पर तैनात किया गया।

लगभग 1455 बजे, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट की कमान के तहत 44 आरआर, एसओजी और 178 सीआरपीएफ की सीटीटी की संयुक्त टीमों पर आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी की गई। हमला मकान संख्या 59 और मकान संख्या 58 से सटी एक गौशाला के बीच स्थित एक संकरी गली से किया गया था। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ तेजी से जवाबी कार्रवाई की, जिससे उनकी गोलीबारी को प्रभावी ढंग से रोक दिया गया।

कुछ समय बाद, आतंकवादियों में से एक ने सुरक्षा बलों के नजदीक होने को भांपते हुए, अपनी एके राइफल से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए मस्जिद के पीछे से भागने का प्रयास किया। सैनिकों की पोजीशन को देखकर, आतंकवादी ने दिशा बदल दी और एक निर्माणाधीन घर में छिपने की तलाश में उत्तर की ओर चला गया। लेकिन, 178 सीआरपीएफ की सीटीटी के सिपाही/जीडी अपुर्व गगौई और उनके साथी, जो पहले से ही उत्तर में तैनात थे, ने असाधारण निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी को घायल कर दिया। घायल होने के बावजूद, आतंकवादी ने घेराबंदी पर हमला कर भागने का हताश प्रयास किया। 178 सीआरपीएफ की सीटीटी के सिपाही/जीडी अपुर्व गगौई ने अपने साथी के साथ अदम्य साहस का प्रदर्शन किया; और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए निडरता से आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे मौके पर ही ढेर कर दिया।

इस बीच, दो अन्य आतंकवादी, जिसमें से एक एके 47 से और दूसरा पिस्तौल से लैस था, मस्जिद के पीछे उसी गली से पश्चिम की ओर भाग गए, जहां श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी की कमान के तहत 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी पहले से ही तैनात थी। कुछ पल के लिए, आतंकवादियों ने खुद को श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी, और सिपाही/जीडी ज्योति दास के सामने पाया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, दोनों आतंकवादियों ने तुरंत ही अंधाधुंध गोलीबारी की और घेराबंदी से भागने का प्रयास किया। तथापि, श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी और उनके साथी सिपाही/जीडी ज्योति दास, जो पहले से ही वहां तैनात थे, ने अत्यधिक बहादुरी, अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की और उन दोनों को मौके पर ही मार गिराया।

इसके साथ ही, 12 बोर के हथियार से लैस चौथा आतंकवादी उसी गली से निकला और उत्तर की ओर भागा। आतंकवादी छिपने की तलाश में एक निर्माणाधीन घर की सीढ़ी में घुसने में कामयाब रहा। 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी के सिपाही/जीडी ज्योति दास ने अपने साथी के साथ तुरंत आतंकवादी पर गोलियां चला दीं, लेकिन फुर्तिले हमलावर ने तेजी से अपनी पोजीशन बदल ली और गोली लगने से बच गया।

उत्तरी घेराबंदी में तैनात 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी, एसओजी और 44 आरआर की संयुक्त टीमों ने छिपे हुए आतंकवादी से सक्रिय रूप से मुकाबला किया और दोनों ओर से गोलीबारी के दौरान, चौथे आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

जब गोलीबारी बंद हो गई, तो सैनिकों ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। मुठभेड़ के बाद, तलाशी के दौरान, 1 एके 47 राइफल, 1 एके 56 राइफल, 1 डबल बैरल 12 बोर की बंदूक, एके 47 के 8 कारतूस, 12 बोर की बंदूक का 1 कारतूस, 1 चीनी पिस्तौल, पिस्तौल के 2 कारतूस, एके 47 की 2 मैगजीन और पिस्तौल की 1 मैगजीन के साथ चार आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में शौकीन अहमद मीर, फारूक अहमद भट्ट, आकिब अहमद थोकर और बसीम अहमद थोकर, श्रेणी 'सी' के रूप में की गई तथा ये सभी लश्कर-ए-तैयबा संगठन के थे।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी, ज्योति दास, सिपाही और अपुर्व गगौई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/89/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 85-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रियाज अहमद कटारिया	सिपाही	वीरता पदक
2.	गोदराज सैनी	सिपाही	वीरता पदक
3.	सैलेन्द्र कुमार चौहान	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07 जून 22 को, लगभग 1500 बजे, गांव अलूरा, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के बागान क्षेत्र में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त एक पुख्ता सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 34 आरआर और एसओजी जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, 178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री सुरजीत कुमार अपने सुरक्षा दल, श्री अजय सिंह परमार, सेकंड इन कमाण्ड की कमान में 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी और श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 178 सीआरपीएफ के सीटीटी के साथ स्थल पर पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी कर ली। 34 आरआर और एसओजी जम्मू और कश्मीर पुलिस के सैनिक भी लक्षित स्थान की ओर आगे बढ़े और घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया। 178 सीआरपीएफ की एक टीम को डीके पोरा-अलूरा पहुंच मार्ग पर कट ऑफ के रूप में तैनात किया गया, जबकि एसओजी इमामसाहिब की एक अन्य टीम को सेहोपोरा/दैरपोरा-अलूरा पहुंच मार्ग पर कट ऑफ के रूप में तैनात किया गया, ताकि किसी भी आकस्मिक घटना की स्थिति में कानून और व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित किया जा सके।

उपलब्ध जानकारी के आधार पर, इस बात की संभावना सबसे अधिक थी कि आतंकवादियों ने अलूरा गांव के बागान क्षेत्र में शरण ली थी। नतीजतन, संयुक्त सैनिकों ने बागान क्षेत्र के एक बड़े हिस्से को घेर लिया और भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया। आंतरिक घेराबंदी मजबूत हो जाने के बाद, बागान क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान शुरू हो गया। श्री अजय सिंह परमार, सेकंड इन कमाण्ड के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी और श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 178 सीआरपीएफ के सीटीटी को आंतरिक घेरे के भीतर दक्षिण पश्चिम दिशा से तलाशी लेने का कार्य सौंपा गया। इसके साथ ही, एसओजी/जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और 34 आरआर की टीमों ने क्रमशः उत्तर और दक्षिण-पूर्व दिशाओं से तलाशी शुरू की।

तलाशी के दौरान, सीटीटी 178 सीआरपीएफ की टीम ने घने पेड़ों के बीच 3-4 लोगों को संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा। संयुक्त टीमों को सतर्क कर दिया गया और उन व्यक्तियों को अपनी पहचान उजागर करने के लिए कहा गया। तथापि, इस बात का पालन करने के बजाय, उन्होंने घेराबंदी तोड़ने और वहां से भागने के प्रयास में स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल करके तलाशी दल पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। क्यूएटी 178 और सीटीटी 178 सीआरपीएफ के सैनिकों ने आत्मरक्षा में प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकवादी पास के नाले में कूदकर पकड़े जाने से बचने में सफल रहे। कार्रवाई करते हुए घेराबंदी को तीव्रता से मजबूत किया गया, जिससे पूरे बागान क्षेत्र को घेर लिया गया और विशेष रूप से आतंकवादियों की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया। सैनिकों को रणनीतिक रूप से पोजीशन करने के बाद, संयुक्त तलाशी अभियान पुनः शुरू हुआ। जैसे ही सुरक्षा बल आगे बढ़े, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की गतिविधि को भांपते हुए संयुक्त सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में, संयुक्त सैनिकों ने तेजी से रक्षात्मक पोजीशन ले ली और किसी भी अतिरिक्त क्षति के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हुए प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की।

इसी बीच, आतंकवादियों की छिपी हुई पोजीशन अस्पष्ट रही और उन्होंने रुक-रुक कर सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। परिणामस्वरूप, उचित विचार-विमर्श के बाद, सिपाही/जीडी गोदराज सैनी, सिपाही/जीडी सैलेन्द्र कुमार चौहान, और सिपाही/जीडी रियाज अहमद कटारिया, 178 सीआरपीएफ के सैनिकों के साथ, सामरिक तरीके से नाले की ओर आगे बढ़े। वहां पहुंचकर, उन्होंने एक आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि की, जो नाले के किनारे छिपकर लगातार गोलीबारी से सुरक्षा बलों को उलझाए हुए था। संयुक्त टीमों ने तेजी से आतंकवादी को घेर लिया और उसे चुनौती दी तथा उससे गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन आतंकवादी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और सुरक्षा बलों पर गोलीबारी जारी रखी, जिस पर प्रभावी जवाबी कार्रवाई की गई।

दोनों तरफ से हो रही गोलीबारी के दौरान, छिपे हुए आतंकवादी को चोटें आईं और हताशा में, वह आतंकवादी अचानक खड़ा हो गया और उसने सैनिकों को अधिकतम नुकसान पहुंचाने की मंशा से सभी दिशाओं में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, इस दुष्ट हरकत ने आतंकवादी की स्थिति को उजागर कर दिया और अवसर का लाभ उठाते हुए, 178 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी गोदराज सैनी, सिपाही/जीडी सैलेन्द्र कुमार चौहान और सिपाही/जीडी रियाज अहमद कटारिया, जिन्होंने पहले से ही पोजीशन ले ली थी, ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, अदम्य साहस का परिचय दिया तथा तीनों ने आतंकवादी पर लगातार और प्रभावी ढंग से गोलीबारी की, और अंततः उसे नाले में ही ढेर कर दिया।

जब गोलीबारी बंद हो गई, तो संयुक्त सैनिकों ने पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी ली और 7.62 मिमी की 01 एसएलआर राइफल, 7.62 मिमी की 03 एसएलआर मैगजीन, 7.62 मिमी एसएलआर के 60 कारतूस, एक एके-56 राइफल, एके 56 की 05 मैगजीन, एके-56 के 120 कारतूस, 02 चीनी ग्रेनेड, 01 हैंड ग्रेनेड और 01 इंप्रोवाइज्ड आईईडी के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के श्रेणी 'बी' के राजा नदीम के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री रियाज अहमद कटारिया, सिपाही, गोदराज सैनी, सिपाही और सैलेन्द्र कुमार चौहान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07/06/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/95/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 86-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	चन्दन कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	अजय कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	अनिल कुमार चारक	सिपाही	वीरता पदक
4.	हईखाम प्रियोनन्दा सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11 जून, 2022 को लगभग 1820 बजे, गांव दूबगाम, पुलिस स्टेशन राजपोरा, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर के इलाके में तीन आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा से प्राप्त पुख्ता सूचना के आधार पर, 182, 183 सीआरपीएफ, 44 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट की कमान में एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस और 44 आरआर सहित 183 सीआरपीएफ की सीटीटी के सैनिकों की संयुक्त टीमों लगभग 1830 बजे लक्षित इलाके में पहुंची और संदिग्ध घरों के चारों ओर घेराबंदी कर ली तथा भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया।

योजना के अनुसार, श्री आर डी जीनी अनल, कमाण्डेंट 183 सीआरपीएफ और श्री निगम प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी, अपनी सुरक्षा टीमों के साथ, आंतरिक घेरे में तैनात किए गए। उन्होंने उत्तरी दिशा से लक्षित घर को कवर करने के लिए पोजीशन ले ली। इस बीच, श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 183 सीआरपीएफ की सीटीटी ने उत्तर-पश्चिम भाग को कवर किया और श्री ऋषिकेश मीना, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 182 सीआरपीएफ की क्यूएटी ने आंतरिक घेरे के भीतर पश्चिम ओर से कवर प्रदान किया।

44 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) की टीमों को क्रमशः पूर्व और दक्षिण की तरफ से कवर करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। किसी भी कानून और व्यवस्था संबंधी अथवा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए 182 सीआरपीएफ की सीटीटी और 183 सीआरपीएफ की क्यूएटी को जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और आरआर की शेष टुकड़ियों के साथ बाहरी घेरे में तैनात किया गया।

संदिग्ध घरों की चल रही तलाशी के दौरान, लक्षित घर के भीतर छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर अचानक और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, सैनिकों ने तेजी से प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादियों की पोजीशन का पता लगाया गया और उस विशिष्ट घर की पहचान की गई, जहां वे छिपे हुए थे। स्थिति की समीक्षा की गई और रणनीति के अनुसार, श्री आर डी जीनी अनल, कमाण्डेंट, सीआरपीएफ की समग्र निगरानी में 183 सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी, श्री निगम प्रसाद ने अपने सुरक्षा दल और 183 सीआरपीएफ की क्यूएटी के साथ तथा श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट की कमान में 183 सीआरपीएफ की सीटीटी ने लक्षित घर के समीप, आंतरिक घेरे के किनारे पेड़ों के पीछे पोजीशन ले ली। इसके अलावा, घेराबंदी वाले क्षेत्र के भीतर से और आस-पास के प्रभावित क्षेत्रों के सभी नागरिकों को तुरंत निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने इस अपील को अनसुना कर दिया और संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

भीषण गोलीबारी के चलते, एक आतंकवादी ने अंधेरे का फायदा उठाकर मुठभेड़ स्थल से बागान क्षेत्र की ओर भागने का प्रयास किया। एक हताश प्रयास में, आतंकवादी ने घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी भी की। लेकिन, 183 सीआरपीएफ के श्री निगम प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी, हेड कांस्टेबल/जीडी अजय कुमार और सिपाही/जीडी हईखाम प्रियोनन्दा सिंह, जो पहले से ही उस क्षेत्र में पोजीशन लिए हुए थे, ने असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपनी जान की परवाह न करते हुए, उन्होंने भागते आतंकवादी पर साहस के साथ प्रभावी गोलीबारी की और उसे मार गिराया।

लगभग 2015 बजे, जब ऑपरेशन अभी भी जारी था, एक अनियंत्रित भीड़ इकट्ठा हो गई और उसने अभियान को बाधित करने और आतंकवादियों को भागने में मदद करने का प्रयास करते हुए वहां तैनात सैनिकों पर पथराव शुरू कर दिया। सौभाग्य से, बाहरी घेरे में तैनात अतिरिक्त संयुक्त दलों ने तुरंत कार्रवाई की और स्थिति को कारगर ढंग से नियंत्रित किया। अभियान पूरी रात चलता रहा और इस दौरान दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।

चूंकि, आतंकवादियों की सटीक स्थिति स्पष्ट नहीं थी, इसलिए उनकी पोजीशन का पता लगाने के लिए क्वाड्रॉप्टर और थर्मल इमेजर्स का इस्तेमाल किया गया। यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवादी लक्षित घर की खिड़कियों के पास छिपे हुए थे। लक्षित घर में छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का एक और मौका दिया गया, लेकिन फिर से कोई फायदा नहीं हुआ और उन्होंने दुबारा से संयुक्त सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका संयुक्त सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिससे आतंकवादियों को अपना कवर छोड़कर बाहर आने के लिए मजबूर होना पड़ा।

लगभग 0445 बजे, दूसरा आतंकवादी कवर से बाहर निकला और उसने सीमा के पास पेड़ों के पीछे छिपकर, उत्तर-पूर्व दिशा में भागने का प्रयास किया। उसका उद्देश्य घेराबंदी को तोड़ना और सैनिकों को हताहत करना था। लेकिन, जैसे ही वह खुली जगह में पहुंचा, संयुक्त दल, जो पहले से ही वहाँ तैनात थे, ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादी और सुरक्षा बलों के बीच एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी के दौरान दूसरा आतंकवादी भी मारा गया।

इसी बीच, तीसरा आतंकवादी, जो अभी भी लक्षित घर के अंदर छिपा हुआ था, ने अलग-अलग दिशाओं से छिटपुट गोलीबारी की। संयुक्त दलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। 183 सीआरपीएफ की सीटीटी के श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी सिपाही/जीडी अनिल कुमार चारक, अपनी टीम के साथ रणनीतिक तरीके से लक्षित घर की ओर बढ़े। उन्होंने उत्तर की ओर एक खिड़की के पास पोजीशन ली और लक्षित घर की खिड़की पर निशाना साधा। लगभग 0515 बजे, तीसरा आतंकवादी लक्षित घर की उत्तरी तरफ की खिड़की के पास आया और उसने संयुक्त सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। 183 सीआरपीएफ की सीटीटी के श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट और सिपाही/जीडी अनिल कुमार चारक ने वीरता का परिचय दिया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे मार गिराया। जैसे ही तीन आतंकवादियों के खात्मे की खबर फैली, आसपास के इलाके से अनियंत्रित भीड़ ने तैनात सुरक्षा बलों पर पथराव शुरू कर दिया। बाहरी घेरे के सैनिकों ने अत्यधिक संयम दिखाया और स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया।

संयुक्त सैनिकों ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। मुठभेड़ के बाद, तलाशी के दौरान दो एके 56 राइफल, एक स्टार पिस्तौल, 7.62 मिमी एके के 20 कारतूस, 7.63 मिमी स्टार पिस्तौल के पांच कारतूस, एके राइफल की आठ मैगजीन, पिस्तौल की एक मैगजीन, आठ चीनी हैंड ग्रेनेड और अन्य सामान के साथ तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में फैसल नजीर भट्ट, इरफान अहमद मलिक और जुनैद कादिर शीरगुजरी के रूप में हुई और ये सभी लश्कर-ए-तैयबा संगठन के थे।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री चन्दन कुमार, सहायक कमाण्डेंट, अजय कुमार, हेड कांस्टेबल, अनिल कुमार चारक, सिपाही और हईखाम प्रियोनन्दा सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11/06/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/96/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 87-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अखण्ड प्रताप सिंह	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	भजन लाल	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	सुभाष यादव	निरीक्षक	वीरता पदक
4.	रंजित किसान	सिपाही	वीरता पदक
5.	रानु प्रताप साहु	सिपाही	वीरता पदक
6.	पडगल मारिराजु	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 मई, 2022 को लगभग 1700 बजे, गांव चाक राजपोरा, पुलिस स्टेशन/पीडी अवंतीपोरा, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा से प्राप्त एक पुख्ता सूचना के आधार पर, 130, 180 सीआरपीएफ, 42 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस की एसओजी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री अखण्ड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 130 सीआरपीएफ की सीटीटी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी और 42 आरआर के साथ चाक राजपोरा गांव पहुंची और संदिग्ध क्षेत्र में घेराबंदी शुरू कर दी।

जब घेराबंदी की जा रही थी, तो घरों के पास छिपे आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर एक मजबूत घेराबंदी की गई, और भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया गया। इसके साथ ही, 130 सीआरपीएफ के अल्पसंख्यक पिकेट गार्ड, जिन्हें अल्पसंख्यकों, प्रवासियों और गैर-स्थानीय लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए लगाया गया था, को सतर्क कर दिया गया। नूरपोरा और दादसरा में प्लैश नाके/कट-ऑफ नाके भी लगाए गए। इस बीच, 130 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री हेलाल फिरोज, अपनी सुरक्षा टीम के साथ और 130 सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी, श्री अरुण कुमार, 130 सीआरपीएफ की क्यूएटी के साथ, चाक-राजपोरा गांव पहुंचे और आंतरिक घेराबंदी को सुदृढ़ किया।

श्री हर्षवर्धन, कमाण्डेंट, 180 सीआरपीएफ भी अपने सुरक्षा दल और 180 सीआरपीएफ के अन्य सैनिकों के साथ, चाक राजपोरा गांव पहुंचे और उन्हें घेराबंदी तथा कट-ऑफ किए गए क्षेत्र में तैनात किया गया। घेराबंदी के भीतर मौजूद नागरिकों को एक-एक करके निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। तथापि, इस कार्रवाई के दौरान, एक स्थानीय निवासी और उसका परिवार, घेराबंदी वाले क्षेत्र के भीतर स्थित अपने घर से बाहर नहीं आया। उनसे फोन के जरिए संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल का जवाब नहीं दिया। इसके बाद, घर के मालिक और उसके निवासियों को बुलाने के लिए दो नागरिकों को घर में भेजा गया। अंततः घर में रहने वाले लोग बाहर आए और उन्होंने खुलासा किया कि दो हथियारबंद आतंकवादी जबरन उनके घर में घुस आए थे और अभी भी अंदर छिपे हुए थे।

आतंकियों ने खुद को घेराबंदी में फंसा हुआ पाया। एक अपील की गई, जिसमें उनसे आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया गया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली और आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों की ओर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। स्थिति की समीक्षा की गई और लक्षित घर के पास तीन गोलीबारी मोर्चे लगाने का निर्णय लिया गया। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य छिपे हुए आतंकवादियों पर प्रभावी गोलाबारी करना और उनके खतरे को प्रभावी ढंग से खत्म करना था।

रणनीति के अनुसार, 130 सीआरपीएफ की सीटीटी के सहायक कमाण्डेंट श्री अखण्ड प्रताप सिंह और उनके साथी सिपाही/जीडी पडगल मारिराजू को गोलीबारी मोर्चा संख्या 1 तक पहुंचने का दायित्व सौंपा गया। 130 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी रंजित किसान और उनके साथी सिपाही/जीडी रानु प्रताप साहु को गोलीबारी मोर्चा संख्या 2 तक पहुंचने का दायित्व सौंपा गया। गोलीबारी मोर्चा संख्या 3 पर पहुंचने का दायित्व 180 सीआरपीएफ के एक दल को सौंपा गया। संयुक्त सैनिकों के लिए गोलीबारी मोर्चे तक पहुंचना और ऑपरेशन को अंजाम देना बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य था क्योंकि वे खुले क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे और लक्षित घर से देखे जा सकते थे। लक्षित घर और गोलीबारी मोर्चा संख्या 3 के बीच खुला इलाका होने के कारण वहां तक पहुंचना भी बहुत मुश्किल था, चूंकि आतंकवादी लक्षित घर से लगातार गोलीबार कर रहे थे। तथापि, 180 सीआरपीएफ के सहायक कमाण्डेंट श्री भजन लाल और उनके साथी निरीक्षक/जीडी सुभाष यादव ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, पूर्वी दिशा में स्थित गोलीबारी मोर्चा संख्या 3 पर पहुंचने की कार्रवाई को अंजाम दिया। एक बार जब तीनों गोलीबारी मोर्चे स्थापित हो गए, तो सैनिकों ने आतंकवादियों से सीधे मुकाबला किया। पास के गोलीबारी मोर्चे पर सुरक्षा बलों की गतिविधियों को देखने के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

अंधेरा होने के कारण, क्षेत्र में रोशनी करने के लिए लक्षित घर के चारों तरफ घेराबंदी रोशनी लगाई गई और आतंकवादियों की पोजीशन का पता लगाने के लिए ड्रोन भी लगाए गए। आतंकवादी लक्षित घर के भीतर अपनी पोजीशन को लगातार बदल रहे थे और सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे, जिसका गोलीबारी मोर्चे पर तैनात 130/180 सीआरपीएफ के सैनिकों ने प्रभावी जवाब दिया। तीन गोलाबारी मोर्चा दलों में से गोलीबारी मोर्चा संख्या 1 पर तैनात दल को अत्यधिक खतरे का सामना करना पड़ा, चूंकि वे लक्षित घर के सबसे नजदीक थे और गोलीबारी की सीधी दिशा में थे। ऐसी अत्यंत चुनौतीपूर्ण स्थिति में, श्री अखण्ड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट, और उनके साथी सिपाही/जीडी पडगल मारिराजू ने अचानक से घेराबंदी रोशनी से प्रकाशित लक्षित घर की खिड़की से कुछ गतिविधि देखी। तेजी से कार्रवाई करते हुए तथा अपनी खुद की सुरक्षा के बारे में कोई संकोच अथवा परवाह किए बिना अत्यंत वीरता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपनी पोजीशन बदली और आतंकवादी पर निर्णायक और सटीक गोलीबारी की तथा समीप से एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी में, एक आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया।

मोर्चा संख्या 2 और 3 पर मौजूद दल भी लक्षित घर के पास खुले क्षेत्र में पोजीशन लिए हुए थे और आतंकवादियों की गोलीबारी की सीधी दिशा में थे। तथापि, गोलीबारी मोर्चे पर संयुक्त सैनिकों की रणनीतिक पोजीशन के चलते, वे आतंकवादियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम थे। अचानक; लक्षित घर की खिड़की पर कुछ हलचल देखी गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए, गोलीबारी मोर्चा संख्या 2 पर तैनात 130 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी रंजित किसान और सिपाही/जीडी रानु प्रताप साहु और साथ ही गोलीबारी मोर्चा संख्या 3 पर तैनात 180 सीआरपीएफ के श्री भजन लाल, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी निरीक्षक/जीडी सुभाष यादव ने उल्लेखनीय वीरता का

प्रदर्शन किया। कोई क्षण गंवाए बिना और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता किए बिना, उन्होंने साहसपूर्वक प्रभावी गोलीबारी करके आतंकवादियों का मुकाबला किया। दोनों तरफ से हो रही इस भीषण गोलीबारी के दौरान, करीब की लड़ाई में दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया गया।

भारी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराने के बाद, संयुक्त सैनिकों ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान 01 एके 56 राइफल, 01 एके 47 राइफल, 05 मैगजीन और एके राइफल के 13 कारतूस के साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के श्रेणी 'सी' के उमर यूसुफ सेह और जैश-ए-मोहम्मद संगठन के श्रेणी 'सी' के शाहिद अहमद राथर के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री अखण्ड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट, भजन लाल, सहायक कमाण्डेंट, सुभाष यादव, निरीक्षक, रंजित किसान, सिपाही, रानु प्रताप साहु, सिपाही और पडगल मारिराजु, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30/05/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/105/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 88-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सत्येन्द्र सिंह	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	संदीप महता	सिपाही	वीरता पदक
3.	गोपीनाथ बार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03 जनवरी, 2022 को, लगभग 1630 बजे, गांव गोस्सु, पुलिस स्टेशन जकूरा, जिला-श्रीनगर क्षेत्र में सशस्त्र विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जम्मू और कश्मीर पुलिस से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, श्री ओपी तिवारी, द्वितीय कमान अधिकारी और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के नेतृत्व में वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन की योजना बनाई। चूंकि, लक्षित घर का पता नहीं था, अतः यह निर्णय लिया गया कि पहले वैली क्यूएटी की छोटी टीमें आगे बढ़ेंगी और गुप्त तरीके से प्रारंभिक घेराबंदी करेंगी तथा एक बार लक्षित घर का पता लगने के बाद, वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के शेष सैन्य दस्ते घेराबंदी को सुदृढ़ करेंगे।

योजना के अनुसार, वैली क्यूएटी की 04 एचआईटी (हाउस इंटरवेशन टीम) लगभग 1650 बजे गुस्सु गांव में पहुंची और उन्होंने लक्षित क्षेत्र की प्रारंभिक घेराबंदी प्रारंभ कर दी। उपर्युक्त क्षेत्र घनी आबादी वाला था और घर आपस में सटे हुए थे। बच निकलने के सभी संभावित मार्गों को कवर करने के बाद, वैली क्यूएटी की छोटी टीम ने लक्षित घर का पता लगाना शुरू कर दिया। इस प्रक्रिया के दौरान, एक विशेष घर की पहचान की गई और स्थानीय पुलिस ने यह पुष्टि कर दी कि इस घर के मालिक के पास कुछ दूरी पर ही एक दूसरा घर भी है और वह वहां पर मौजूद है। तदनुसार, कुछ सैन्य दस्ते तत्काल उसके दूसरे घर पर पहुंचे और औचक निरीक्षण के दौरान, उपर्युक्त मकान मालिक और उसके परिवार के सदस्यों ने घर में एक सशस्त्र आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में सूचना दी। तदनुसार, वैली क्यूएटी के सैन्य दस्तों द्वारा घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर दिया तथा निकटवर्ती ऊँचे घरों में फायरबेस स्थापित कर दिए।

लक्षित घर के पीछे घनी झाड़ियां और ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र होने की वजह से वहां पहुंचना मुश्किल हो रहा था, तथापि, चुनौती के बावजूद, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम ने इसे सामरिक ढंग में कवर कर लिया। जब उपर्युक्त टीम घेराबंदी कर रही थी तभी सैन्य दस्तों ने 01 आतंकवादी को घर से बाहर छलांग लगाते हुए देखा, तो आतंकवादी ने इस टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जब उन पर गोलीबारी होने लगी, तो टीम ने मौजूद कवर लेकर अपनी जान बचाई। कुछ देर तक, आतंकवादी एक दीवार और एक चिनार के पेड़ की कवर के पीछे से गोलीबारी करता रहा, परन्तु इस टीम की प्रबल जवाबी कार्रवाई के सामने लंबे समय तक नहीं टिक पाया और उसने सिविलियन क्षेत्र की ओर भागना शुरू कर दिया। घेराबंदी में तैनात सभी टीमों को आतंकवादी की इस विशिष्ट गतिविधि के बारे में तत्काल सूचना दी गई।

श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट तत्काल अपनी टीम के साथ दौड़कर पीछे वाली टीम की सहायता करने के लिए पहुंचे और अपने सहयोगियों के साथ आतंकवादी का उस दिशा में पीछा करने का निर्णय लिया, जिधर वह भाग गया था। आतंकवादी, श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट की पीछा करने वाली टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था, जिससे उसका पीछा करना जोखिमपूर्ण एवं मुश्किल हो रहा था। कुछ देर पीछा करने के बाद, श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट ने आतंकवादी को रुकने की चेतावनी दी, परन्तु इसके जवाब में आतंकवादी ने इस टीम पर गोलियों की बौछार कर दी। इसके बावजूद, यह टीम सामरिक ढंग में आगे बढ़ती रही। आतंकवादी ने श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट और उनके सहयोगियों पर एक ग्रेनेड से हमला किया, परन्तु वे तुरन्त नीचे झुक गए और उन्होंने स्वयं को बचा लिया। ग्रेनेड विस्फोट के प्रभाव के कारण सम्पूर्ण क्षेत्र धुएं और धूल से भर गया। धुएं और धूल का लाभ उठाते हुए आतंकवादी ने अपनी पोजीशन बदल ली और एक बड़े पेड़ के तने के पीछे कवर ले लिया। अब वह आतंकवादी एक लाभपूर्ण पोजीशन में था और उसने श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट और उनकी टीम पर पुनः गोलीबारी शुरू कर दी। श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट ने स्थिति को संभाला और दोनों दिशाओं से एक साथ किनारे से हमला करने की योजना बनाई। उन्होंने अपने सहयोगियों को सूचित किया और तदनुसार सिपाही/जीडी गोपीनाथ बार से कवर गोलीबारी प्रदान करने के लिए कहा गया। किनारे से हमला करने के तुरन्त बाद, आतंकवादी ने स्वयं को सभी दिशाओं से घिरा हुआ पाया और वह कवर को छोड़कर घरों की ओर भागने लगा, जिसकी सूचना सभी टीमों को दे दी गई।

उपर्युक्त टीम ने आतंकवादी की तलाश शुरू कर दी, जो कुछ देर के लिए बिल्कुल शांत हो गया था। अनिश्चितता और गंभीर खतरे की घड़ी में, उक्त टीम सामरिक ढंग में आगे बढ़ी तथा एक गड्ढे के नजदीक पहुंचने पर उनको कुछ संदेह हुआ। उन्होंने खुले मैदान में पोजीशन ले ली और अपने सहयोगियों की कवर गोलीबारी के अंतर्गत श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट आगे बढ़े। अचानक, आतंकवादी ने एक के बाद एक, दो ग्रेनेड फेंक कर उन पर हमला किया, परन्तु उक्त टीम ग्रेनेड विस्फोट के टुकड़ों से चमत्कारिक ढंग में बच गई, क्योंकि वे जमीन पर झुके रहे। इस ग्रेनेड हमले से आतंकवादी की पोजीशन का अंदाजा लग गया। एक निकट की लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराने के इरादे से श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट ने कवर से बाहर निकलने का एक साहसिक और सुनियोजित प्रयास किया। अपने सहयोगी सिपाही/जीडी संदीप महता और सिपाही/जीडी गोपीनाथ बार की प्रभावकारी कवर गोलीबारी के अंतर्गत वे सामरिक ढंग में आतंकवादी के ठिकाने की ओर आगे बढ़ते रहे। जब वे गड्ढे के निकट पहुंचे तो आतंकवादी बाहर निकल आया और उसने आगे बढ़ रही टीम को क्षति पहुंचाने के एक निराशाजनक और उन्मुक्त प्रयास में श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट और उनकी टीम के आगे बढ़ने की दिशा में तेज गोलीबारी शुरू कर दी। उक्त टीम ने प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी पर, जोरदार गोलियों की बौछार की। जीवन के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना होने पर, उक्त टीम ने आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया और एक अंतिम हमले में श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपने सहयोगियों के साथ आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की और उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी में, एक एके सीरीज राइफल, 3 एके मैगजीनों, 46 एके गोलियों और कुछ विभिन्न प्रकार की सामग्री के साथ-साथ एक आतंकवादी का शव बरामद हुआ। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, लश्कर-ए-तैयबा गुट के हाफिज उर्फ हमजा उर्फ अबू उकासा श्रेणी "ए" के रूप में की गई। उपर्युक्त खूंखार आतंकवादी दक्षिण/मध्य कश्मीर के क्षेत्रों में सक्रिय था और वह इन क्षेत्रों में विभिन्न विनाशकारी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार था। वह स्थानीय युवाओं को आतंकवादी के रूप में भर्ती करने के लिए प्रमुख योजनाकार और प्रेरक व्यक्ति था।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री सत्येन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट, संदीप महता, सिपाही और गोपीनाथ बार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/133/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 89-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तेजा राम चौधरी	सहायक कमांडेंट	वीरता पदक
2.	कुशल कुमार दास	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	उत्पल हाजंग	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 जून, 2022 को लगभग 2130 बजे, गांव कांजीउल्लार, पुलिस स्टेशन और जिला-शोपियां, जम्मू और कश्मीर में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 178 सीआरपीएफ, 34 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी के द्वारा एक घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट, 178 सीआरपीएफ अपने सुरक्षा दल के साथ, श्री अजय कुमार परमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में क्यूएटी/178 सीआरपीएफ और श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में सीटीटी/178 सीआरपीएफ के साथ लक्षित स्थान पर पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी शुरू कर दी। 34 आरआर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी के सैन्यकर्मियों भी शीघ्र लक्षित स्थान पर पहुंच गए और उन्होंने घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए 178 सीआरपीएफ की एक छोटी टीम गांव कांजीउल्लार- फेरीपोरा क्षेत्र में तैनात की गई और एसओजी इमाम साहिब की एक टीम गांव की ओर जाने वाली दूसरी सड़क पर तैनात की गई।

प्रारंभ में लगभग 10-12 संदिग्ध घरों की घेराबंदी की गई और बच निकलने के सभी संभावित मार्गों को सील कर दिया गया। श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में क्यूएटी/178 सीआरपीएफ को उत्तर दिशा की ओर तैनात किया गया। सैन्य दलों को रणनीतिक ढंग में तैनात करने के बाद, घेराबंदी क्षेत्र के भीतर मौजूद सभी आम नागरिकों को सुरक्षित बचाकर निकाला गया और तदुपरांत छिपे हुए आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान, एक स्थानीय व्यक्ति नामतः हिलाल अहमद माग्ने पुत्र मोहम्मद यूसुफ माग्ने और मकान संख्या 61ए के मालिक ने अपने घर में अत्याधुनिक हथियारों के साथ दो सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की।

लक्षित घर संख्या 61ए एक मंजिला भवन था, जो गांव के अंतिम छोर पर स्थित था, जिसके पीछे फलों का एक बगीचा था। यह चिंता व्यक्त कि गई की छिपे हुए आतंकवादी घर के पीछे स्थित फलों के बगीचे में से भागने का प्रयास कर सकते हैं। चूंकि, अंधेरा हो गया था, अतः घेराबंदी के दौरान उपयोग की जाने वाली लाइटों के द्वारा घेराबंदी क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था की गई और आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाने के लिए एक ड्रोन का उपयोग किया गया। जैसे ही, ड्रोन लक्षित घर संख्या 61ए की खिड़की के पास पहुंचा, तो छिपे हुए आतंकवादियों की पोजीशन का पता चल गया।

घर संख्या 61ए के भीतर दो आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हो जाने पर, दो घरों (घर संख्या 61 और 61ए) के चारों ओर सभी दिशाओं से घेराबंदी को और अधिक सुदृढ़ कर दिया गया। दक्षिण दिशा में स्थित एक दो मंजिला भवन, घर संख्या 27 में फायरबेस स्थापित किया गया, जो लक्षित घर संख्या 61ए से लगभग 50-60 फुट की दूरी पर स्थित था। श्री तेजाराम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में सीटीटी/178 सीआरपीएफ के साथ-साथ सिपाही/जीडी उत्पल हाजंग और अन्य कर्मियों को घर संख्या 27 में स्थित फायरबेस के प्रथम तल पर तैनात किया गया। इसी दौरान, श्री अजय सिंह परमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में क्यूएटी/178 सीआरपीएफ को लक्षित घर संख्या 61ए के पीछे स्थित फलों के बगीचे वाले क्षेत्र में घेराबंदी की उत्तरी दिशा में तैनात किया गया। इसके अतिरिक्त, फलों के बगीचे के शेष क्षेत्र को कवर करने के लिए एसओजी इमामसाहिब को तैनात किया गया।

श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट ने अपने सहयोगी सीटीटी/178 सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल/जीडी कुशल कुमार दास और सिपाही/जीडी उत्पल हाजंग के साथ सामने पोजीशन ले ली। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की एक अपील की गई, परन्तु बदले में आतंकवादियों ने लक्षित घर संख्या 61ए से सैन्य दस्तों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर सैन्य दस्तों ने प्रभावकारी ढंग में जवाबी कार्रवाई की। इस आपसी गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी को गंभीर चोटें आईं।

इसी बीच, दोनों आतंकवादी सुरक्षा बलों को मारने के इरादे से लक्षित घर संख्या 61ए की छत पर चढ़े और उन्होंने भीतरी घेराबंदी में ग्राउंड पर तैनात सैन्य दस्तों की ओर विभिन्न दिशाओं से 02 ग्रेनेडों से हमला किया तथा उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ग्राउंड पर रणनीतिक ढंग में तैनात क्यूएटी/178 सीआरपीएफ की टीमों ने विस्फोटों के प्रभाव से स्वयं को कुशलतापूर्वक बचाया।

इसी बीच, घर संख्या 27 (फायरबेस) से दोनों आतंकवादियों की पोजीशन पता चला, गोलीबारी की प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए एक एमजीएल का उपयोग भी किया गया। श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और उनके सीटीटी/178 सीआरपीएफ के सहयोगी हेड कांस्टेबल/जीडी कुशल कुमार दास और सिपाही/जीडी उत्पल हाजंग, जो पहले से ही फायरबेस (घर संख्या 27) में तैनात थे, ने आतंकवादियों को मार गिराने के लिए उन पर गोलीबारी की। अपने अंतिम संघर्ष और निराशा की भावना में, आतंकवादियों ने एक बार फिर से लक्षित घर संख्या 61ए की छत पर अपनी-अपनी पोजीशन ले ली और सैन्य दस्तों को मारने के इरादे से भीतरी घेराबंदी टीमों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जैसे ही, आतंकवादियों की पोजीशन का पता चला, सिपाही/जीडी उत्पल हाजंग, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और उनके सहयोगी 178 सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल/जीडी कुशल कुमार दास, जिन्होंने पहले से ही घर संख्या 27 (फायरबेस) में पोजीशन ले रखी थी, ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक साथ मिलकर आतंकवादियों पर प्रभावकारी सटीक गोलीबारी शुरू कर दी और इस भीषण बंदूक की लड़ाई के दौरान उन्हें मार गिराया।

सैन्य दस्तों द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र की गहन तलाशी की गई और मुठभेड़ के बाद की तलाशी में एक एके56 राइफल, 04 एके56 मैगजीन, 78 राउंड गोलियों, 08 राउंड एके-56 एपी 7.62 एमएम गोलियों, 01 पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल की 07 राउंड गोलियों और 03 चाइनीज ग्रेनेडों के साथ-साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा गुट के मोहम्मद लोन, श्रेणी-सी और तुफैल नाजीर (अहमद) गनी, श्रेणी-सी के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, कुशल कुमार दास, हेड कांस्टेबल और उत्पल हाजंग, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14/06/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/136/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 90-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बृज लाल	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	राजेश कुमार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	राहुल मेलकानी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04 जुलाई, 2020 को लगभग 1230 बजे, गांव अरेंह, पुलिस स्टेशन- कुलगाम, जिला- कुलगाम जम्मू और कश्मीर में अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम से प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, 18 सीआरपीएफ, 34 आरआर और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, 34 आरआर, जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी के साथ-साथ 18 सीआरपीएफ की क्यूएटी, सी कंपनी लगभग 1250 बजे लक्षित स्थान पर पहुंची।

अरेंह, मोहनपोरा के एक आवासीय घर में दो अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद, संयुक्त सैन्य दलों ने लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी शुरू कर दी। जब घेराबंदी की जा रही थी, उसी समय एक आतंकवादी लक्षित घर से बाहर निकला और उसने घेराबंदी करने वाले दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा ग्रेनेड से हमला किया। संयुक्त सैन्य दलों ने तत्काल रणनीतिक पोजीशन लेकर भीषण जवाबी कार्रवाई की। ग्रेनेड विस्फोट के परिणामस्वरूप, आरआर के तीन कार्मिकों को चोटें आईं। इसी बीच, पश्चिमी दिशा में तैनात 34 आरआर के कार्मिकों के साथ-साथ सहायक उप-निरीक्षक/जीडी बृज लाल तथा लक्षित घर की दक्षिण दिशा में तैनात जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सी/18 सीआरपीएफ की सीटीटी के सहायक उप-निरीक्षक/जीडी राजेश कुमार और सिपाही/जीडी राहुल मेलकानी ने विलक्षण साहस का प्रदर्शन किया और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना भाग रहे आतंकवादी पर प्रभावकारी गोलीबारी शुरू कर दी और एक भीषण बंदूक की लड़ाई के दौरान उसका सफाया कर दिया।

दूसरा आतंकवादी लक्षित घर के भीतर ही छिपा रहा और वहीं से संयुक्त सैन्य दलों पर गोलीबारी करता रहा, जिसके विरुद्ध सैन्य दलों ने प्रभावकारी ढंग में जवाबी कार्रवाई की। कुछ मिनटों तक यह आपसी गोलीबारी चलती रही। तत्पश्चात, संयुक्त सैन्य दलों ने लक्षित घर के भीतर आंसू गैस और स्मोक के गोले फेंके। परिणामस्वरूप, दूसरा आतंकवादी भी घेराबंदी पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बाहर आ गया। पहले से ही रणनीतिक पोजीशन लिए और अडिग साहस तथा हिम्मत का प्रदर्शन कर रहे संयुक्त सैन्य दलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई की और इस भीषण गोलीबारी के दौरान दूसरे आतंकवादी का भी सफलतापूर्वक सफाया कर दिया।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी में एके 56 राइफल - 1, एके 56 मैगजीन - 5, 7.62 एमएम गोलाबारूद- 25, 7.62 एमएम बाल राउंड - 97, काले रंग की 9 एमएम पिस्तौल- 1, 9 एमएम पिस्तौल की मैगजीन - 1, चाइनीज ग्रेनेड - 1, कॉम्बैट पाउच - 1, एमआई कंपनी का मोबाइल चार्जर - 1, पोन्चू ब्लैक - 1, चश्मे - 2 और पुल शू- 1 के साथ-साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन गुट के हिलाल अहमद मलिक और दूसरे की पहचान अज्ञात विदेशी आतंकवादी के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री बृज लाल, सहायक उप-निरीक्षक, राजेश कुमार, सहायक उप-निरीक्षक और राहुल मेलकानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/149/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 91-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेन्द्र यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	अमित कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	आदित्य कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	सरोज कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	किशुन पाल सिंह जादौन	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16 सितम्बर, 2020 को लगभग 2330 बजे, पुलिस स्टेशन बटमालू, श्रीनगर के अंतर्गत फिरदौसाबाद के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस से सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी की समग्र कमान में वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ की 4 हाउस इंटरवेंशन टीमों (एचआईटी) के साथ-साथ श्री राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और श्री लौकराकपम इबोम्बा सिंह, सहायक कमाण्डेंट को शामिल करके एक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई।

योजना के अनुसार, 17 सितम्बर, 2020 को 0300 बजे, संदिग्ध घर की घेराबंदी की गई। संदिग्ध घर के आस-पास के क्षेत्र को चार भागों में बांटा गया। श्री राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट के साथ उनकी टीम को पीछे की ओर से कवर करने का काम सौंपा गया, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट को उनकी टीम के साथ दायीं ओर से कवर करने का काम सौंपा गया, श्री लौकराकपम इबोम्बा सिंह, सहायक कमाण्डेंट को उनकी टीम के साथ बायीं ओर से कवर करने का काम सौंपा गया और श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी को उनकी टीम के साथ संदिग्ध घर को सामने से कवर करने का काम सौंपा गया। लक्षित घर के निकटवर्ती घरों की तलाशी ली गई और आस-पड़ोस के सामान्य नागरिकों से पूछताछ करने पर लक्षित घर में अज्ञात व्यक्तियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट, वैली क्यूएटी की टीम और एसओजी के साथ लक्षित घर के गेट के निकट पहुंचे। घर के मालिक को अपने घर के भीतर जाने और सभी लाइटें जलाकर सभी खिड़कियां एवं दरवाजे खोलने तथा पर्दे हटाने के लिए कहा गया। मकान मालिक घर के भीतर गया और वह निर्देशों का अनुपालन करने में सामान्य से अधिक समय लगा रहा था।

लगभग 0315 बजे, जब घर का मालिक और उसके परिवार के सदस्य घर के सामने के प्रवेश द्वार पर बातचीत कर रहे थे, तभी श्री राहुल माथुर, उप-कमाण्डेंट ने अपनी टीम के साथ रसोई घर के बगल के दरवाजे से घर में प्रवेश किया। जैसे ही, सैन्य दल ने घर में प्रवेश किया, तो घर के भीतर मौजूद आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें श्री राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट को चोटें आईं। चोटों के बावजूद, श्री राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट ने जवाबी कार्रवाई की और उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया। तथापि, चूंकि राहुल माथुर, उप कमाण्डेंट का बहुत ज्यादा खून बह रहा था, अतः वे रणनीतिक ढंग में घर से बाहर निकल आए और बेहोश होकर गिर गए। तत्पश्चात्, श्री राहुल माथुर, उप-कमाण्डेंट को 92 बेस अस्पताल ले जाया गया।

श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने एक बार फिर से घेराबंदी को सुदृढ़ किया और आस-पास के घरों से आम नागरिकों को सुरक्षित निकाला। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए प्रयास किया गया, परन्तु यह सफल नहीं हुआ। आतंकवादियों ने मेगाफोन का संचालन करने वाले सैन्य दलों की दिशा में गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे सैन्य दलों को घर के भीतर आतंकवादियों की पोजीशन पता करने में मदद मिली। काफी विचार-विमर्श के बाद, विभिन्न कमरों को लक्ष्य बनाकर अलग-अलग दिशाओं से एमजीएल द्वारा गोलीबारी की गई। आतंकवादियों ने श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट की टीम पर निशाना लगाया, परन्तु यह टीम चमत्कारी ढंग में बच गई। एमजीएल कई राउंड गोलीबारी के कारण रसोई घर में आग लग गई, जिसे वैली क्यूएटी की टीम द्वारा तत्काल बुझा दिया गया। तत्पश्चात्, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया और तदनुसार, 02 एचआईटी गठित की गई। दोनों टीमों ने स्वयं को सभी सुरक्षात्मक गियर एवं बैलिस्टिक शील्ड से सुसज्जित कर रखा था और उन्होंने घर में एक साथ प्रवेश किया।

श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में पहली टीम के साथ-साथ उनके सहयोगी सिपाही/जीडी सरोज कुमार ने सामने की दिशा से लक्षित घर में प्रवेश किया और अपने सहयोगी उप-निरीक्षक/जीडी आदित्य कुमार और सिपाही/जीडी किशुन पाल सिंह जादौन के साथ श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट वाली दूसरी टीम ने पीछे की दिशा से घर में प्रवेश किया। दोनों टीमों ने एक साथ घर में प्रवेश किया। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी और उनकी टीम पर गोलीबारी की गई, परन्तु यह टीम बाल-बाल बच गई। इस टीम ने आतंकवादी से आमने-सामने लड़ने का निश्चय लिया और घर की दायीं दिशा से कमरों की तलाशी शुरू कर दी। पहले कमरे की तलाशी करने के बाद, जैसे ही टीम दूसरे कमरे की ओर आगे बढ़ी, तो आतंकवादियों ने उन ग्रेनेड से हमला किया। उक्त टीम ने तुरंत दूसरे कमरे में कवर ले लिया और श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने अपने सहयोगी, सिपाही/जीडी सरोज कुमार को कमरे के प्रवेश द्वार पर कवर गोलीबारी करने का निर्देश दिया तथा कवर गोलीबारी की सहायता से उन्होंने दरवाजे के दूसरी ओर पोजीशन ले ली, जिसके परिणामस्वरूप, उक्त टीम अब कमरे को अच्छे ढंग से देख सकती थी और उसने कमरे में छिपे आतंकवादियों पर रणनीतिक ढंग में गोलीबारी की। इसके बाद, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने अंतिम हमला करने का निर्णय लिया और एक परिकलित जोखिम उठाया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना सिपाही/जीडी सरोज कुमार की सहायता से आतंकवादी पर गोलीबारी की जिसके फलस्वरूप, दूसरे आतंकवादी को मार भी गिराया।

इसी बीच, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट की दूसरी टीम ने पीछे की ओर से लक्षित घर के बरामदे में प्रवेश किया। जब श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम रसोईघर के जरिए घर के भीतर प्रवेश करने वाली थी, तो छिपे हुए आतंकवादी ने एक ग्रेनेड से हमला किया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यह ग्रेनेड रसोई घर के भीतर गिरा और फट गया। सतर्क टीम ग्रेनेड के छरों से बाल-बाल बच गई। यह टीम अडिग और प्रतिबद्ध रूप से डटी रही। गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति का पालन करते हुए, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने अपने सहयोगियों के साथ रसोईघर में प्रवेश किया और वहां तलाशी की गई। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने पुनः उप-निरीक्षक/जीडी आदित्य कुमार को बरामदे से रसोईघर को जोड़ने वाले रसोईघर के दरवाजे के निकट पहुंचने का निर्देश दिया। जैसे ही, उप-निरीक्षक/जीडी आदित्य कुमार दरवाजे के निकट कोने में पहुंचे और जब वे कवर लेने का प्रयास कर रहे थे, तो सीढ़ियों के पीछे छिपे आतंकवादी ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

सीढ़ियों के पीछे छिपे आतंकवादियों की गोलीबारी से बचने के लिए श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके सहयोगी ने उपयुक्त कवर के साथ आतंकवादी की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट अपने सहयोगियों के साथ रेंगकर उप-निरीक्षक/जीडी आदित्य कुमार के निकट पहुंचे, आतंकवादी का सफाया करने के इरादे से और निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने कवर से बाहर निकलने का सुनियोजित निर्णय लिया और बरसती गोलियों के बीच गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाई तथा आतंकवादी पर धावा बोल दिया। आतंकवादी ने अपने हथियार से उपर्युक्त टीम की ओर निशाना लगाया, परन्तु ट्रिगर दबाने से पहले ही श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने उप-निरीक्षक/जीडी आदित्य कुमार और सिपाही/जीडी किशुन पाल सिंह जादौन की सहायता से आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की और नजदीकी लड़ाई में तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद ली गई तलाशी के दौरान, 03 चीनी पिस्तौलें, 03 पिस्तौल मैगजीन और 01 पिस्तौल राउंड के साथ तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में उबैर मुश्तात भट्ट और जाकिर अहमद पॉल, दोनों हिजबुल मुजाहिदीन और आदिल हुसैन भट्ट, ए1 बद्र गुट के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्वश्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट, आदित्य कुमार, उप-निरीक्षक, सरोज कुमार, सिपाही और किशुन पाल सिंह जादौन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/06/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 92-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. धर्म देव कुमार	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. सखामुरी मुरलीकृष्णा	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3.	स्व. राउतु जगदीश	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
4.	स्व. समैया माडवी	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02 अप्रैल, 2021 को, पुलिस स्टेशन तर्मे, बीजापुर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत गांव - अलीगुडा और जोनागुडा के वन क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) के 35-40 कैडरों के साथ डीवीसीएम मद्दात्रा और तांती कमलेश उर्फ गांधी की मौजूदगी के संबंध में पुलिस अधीक्षक बीजापुर, छत्तीसगढ़ से प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर और इस तथ्य के बावजूद कि अवैध सीपीआई (माओवादी) अपना टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैपेन (टीसीओसी) चला रहे थे, जिसमें सुरक्षा बलों के विरुद्ध अधिकतम हमलों को अंजाम देते हैं, उप- महानिरीक्षक (डीआईजी) ऑप्स बीजापुर और पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा एक विशिष्ट संयुक्त ऑपरेशन की योजना तैयार की गई। इस इलाके को खूंखार माओवादी हिंदमा के नेतृत्व वाली पीएलजीए बटालियन के प्रमुख ऑपरेशनल क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है।

तदनुसार, योजना के तहत और आसूचना संबंधी जानकारी के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान करने के बाद, संयुक्त सैन्य दलों ने 02 अप्रैल, 2021 को लगभग 2330 बजे, ऑपरेशनल बेस तर्मे से प्रस्थान किया। उपर्युक्त सैन्य दलों को छह हमलावर समूहों में बांट दिया गया जिसमें कोबरा, सीआरपीएफ, डीआरजी और एसटीएफ शामिल थे और वे श्री संदीप द्विवेदी, 210 कोबरा के द्वितीय कमान अधिकारी के समग्र नेतृत्व में गांव जोनागुडा के लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। हमलावर समूहों को लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने के लिए घनी झाड़ियों और पहाड़ी क्षेत्रों को पार करते हुए ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र से होकर लगभग 15 किलोमीटर की दूरी तय करनी थी।

लगभग 0925 बजे, गांव टेकलगुडेम से हाइट 221 की ओर 40-50 सशस्त्र माओवादियों के पहुंचने के संबंध में हमलावर समूह 03 के माध्यम से एक रियल-टाइम सूचना प्राप्त हुई। हमलावर समूह 03 ने हाइट 221 से माओवादियों की गतिविधि की निगरानी की। लगभग 1030 बजे, अपडेट आसूचना के माध्यम से हाइट 317 पर पांडू मेटा की तलहटी के नजदीक 50-60 सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी का पता चला।

250-300 मीटर दूरी तय करने के बाद, शत्रुओं के बिल्कुल नजदीक अग्रिम पंक्ति में तैनात 241 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी समैया माडवी और 210 कोबरा के सिपाही/जीडी धर्म देव कुमार ने माओवादियों की हलचल देखी और तत्काल इसकी सूचना ऑपरेशनल कमांडर को दी। इसी बीच, माओवादियों ने हाइट 221 की उत्तरी दिशा से भीषण गोलियों की बौछार शुरू कर दी और विस्फोटकों से हमला किया तथा साथ ही, वे उत्तर और दक्षिण दिशा से देशी लॉन्चर की सहायता से बीजीएल से गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ते रहे। पीड़ादायक क्षति के बावजूद, माओवादियों की भीषण गोलीबारी का सामना करने के लिए सैन्य दस्तों ने गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाई।

अपने साथी सैन्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए सिपाही/जीडी धर्म देव कुमार हाइट 221 की उत्तर-पश्चिम दिशा में बहादुरी से लड़े और माओवादियों की चाल को विफल कर दिया। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना माओवादी पर भारी गोलीबारी की, परन्तु दुर्भाग्यवश उनके सिर में बीजीएल की एक गोली लगी, जिसके परिणामस्वरूप उनको गंभीर चोटें आईं। बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने के दौरान सिपाही/जीडी धर्म देव कुमार की दुखद मृत्यु हो गई और उन्होंने झूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। सशस्त्र माओवादियों की भीषण गोलीबारी के बीच माओवादियों की गोलीबारी के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई करने के लिए सिपाही/जीडी समैया माडवी ने स्वयं आगे बढ़कर पोजीशन संभाल ली। उन्होंने माओवादियों के हमले का प्रभावकारी ढंग में सामना किया और घिरी हुई प्लाटून को बहादुरी के साथ सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ने में सहायता की, परन्तु वे माओवादियों द्वारा की गई घातक गोलीबारी से बुरी तरह घायल हो गए। वे अपनी अंतिम सांस तक बहादुरीपूर्वक लड़े और झूटी के दौरान शहीद हो गए। सिपाही/जीडी समैया माडवी के पार्थिक शरीर को प्राप्त करने और 241 सीआरपीएफ के कर्मियों को बचाकर सुरक्षित निकालने के दौरान, सिपाही/जीडी सखा मुरलीकृष्णा, सिपाही/जीडी राउतु जगदीश और अन्य ने लगातार गोलीबारी की और माओवादियों को उलझाए रखा; उन्होंने एचई बम्ब और यूबीजीएल की सहायता से माओवादियों पर गोलीबारी की। उन्होंने अनुकरणीय बहादुरी, उच्चकोटि की पेशेवर कुशलता का प्रदर्शन किया और वे गोलीबारी करने एवं आगे बढ़ने की रणनीतियों का उपयोग करते हुए माओवादियों के निकट पहुंच गए। उन्होंने वहां पहुंचते ही माओवादियों पर भारी गोलीबारी की और वे सिपाही/जीडी समैया माडवी का पार्थिक शरीर प्राप्त करने तथा माओवादियों को आघात पहुंचाते हुए सभी फंसे हुए कर्मियों को सुरक्षित बचाकर निकालने में सफल हो गए।

गांव टेकलगुडेम, माओवाद से सर्वाधिक प्रभावित एक गांव है, जो माओवादी-सहयोगी गतिविधियों के लिए सुविख्यात है, की घेराबंदी की गई और इस गांव पर पूर्ण रणनीतिक प्रभुत्व भी सुनिश्चित किया। टेकलगुडेम गांव के भीतर और उसके आस-पास सैन्य दलों और माओवादियों के बीच भीषण गोलीबारी के कारण घायल हुए कर्मियों को बचाकर सुरक्षित निकालने के लिए चॉपर लैंड नहीं कर सका। इसलिए, घायल कर्मियों को एक अधिक सुरक्षित क्षेत्र से बचाकर निकालने का निर्णय लिया गया। हमलावर समूहों ने स्वयं को एक बॉक्स संरचना में संगठित किया, जिसमें टीम-1 और 2 को सामने, टीम-3 और 6 को पीछे तथा टीम-4 और 5 को बीच में रखा गया और उन्हें घायल तथा मृत कर्मियों को सुरक्षित निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई। माओवादियों द्वारा बीजीएल/आरपीजी और स्वचालित हथियारों का उपयोग करके निरंतर हमला किए जाने के बावजूद, सैन्य दल गोलीबारी करने और आगे बढ़ने की रणनीति का पालन करते हुए पूर्व और दक्षिण दिशा से आगे बढ़े। माओवादियों ने अपनी गोलीबारी को और तेज कर दिया, जिससे सैन्य दलों के लिए अपनी पीछे की पोजीशन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया। माओवादियों ने उन्हें

भयंकर गोलीबारी की ताकत से आक्रान्त किया और वे लगातार बीजीएल, आरपीजी और यूबीजीएल के द्वारा अपने हमले को बढ़ाते रहे। परिणामस्वरूप, सुरक्षित बचाकर निकालने की प्रक्रिया बाधित हो गई और टीम कमांडरों ने माओवादियों को उलझाए रखने का निर्णय लिया। माओवादियों को उलझाए रखने की प्रक्रिया के दौरान, सैन्य दस्तों ने 6 घंटे से अधिक समय तक एक भीषण मुठभेड़ में संघर्ष करते हुए, दृढ़ता और प्रभावकारी समन्वय का प्रदर्शन किया तथा माओवादियों को काफी क्षति पहुंचाई, जिससे शहीद और घायल कार्मिकों को सुरक्षित निकालना सुगम हो गया।

इस ऑपरेशन के दौरान सिपाही/जीडी धर्म देव कुमार ने अनुकरणीय बहादुरी, नेतृत्व और सहयोग का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल सर्वोच्च बलिदान दिया, बल्कि अनुकरणीय साहस और झूठी के प्रति समर्पण का प्रदर्शन भी किया, क्योंकि जब वे घायल सैन्य कर्मियों की जान बचाने के लिए तत्काल पहुंचकर पूर्ण समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे, तभी बीजीएल की गोली से उनके सिर में चोट लग गई, जिसके परिणामस्वरूप, वे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में गंभीर चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई। एक विवशतापूर्ण स्थिति के दौरान, जब माओवादी घायल कमांडो पर निर्दयतापूर्वक गोलीबारी कर रहे थे, तो सिपाही/जीडी समैया माडवी ने भली-भांति यह पता होने के बावजूद कि वे जानबूझकर अपनी जान को खतरे में डाल रहे हैं, उनके चारों ओर सुरक्षा सुदृढ़ करने में नेतृत्व किया। मौत के सामने उनके द्वारा प्रदर्शित रणनीतिक बुद्धिमानी और विलक्षण बहादुरी तथा गोलीबारी की ताकत के प्रभावकारी उपयोग से माओवादियों को पीछे हटने पर विवश किया। तथापि, वे माओवादियों की गोलियों से गंभीर रूप से घायल हो गए और अंततः चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई। सिपाही/जीडी सखामुरी मुरलीकृष्णा ने अपने कमांडर और अन्य दो कमांडो को घायल देखकर अपने विस्तृत अनुभव से आवश्यकता को समझा और घायल कार्मिकों के चारों ओर सुरक्षा घेरे को सुदृढ़ कर दिया। उन्होंने भारी ईओएफ के बीच अपनी जान के प्रति जोखिम के बारे में पूर्णतः पता होने के बावजूद, जिम्मेदारी को संभाला। इस प्रक्रिया में उनको माओवादियों की गोलीबारी से गंभीर चोटें आईं और वे शहीद हो गए। सिपाही/जीडी राउतु जगदीश ने भी मृत्यु के निश्चित परिदृश्य का पता होने के बावजूद, सहयोग की विलक्षण वीरगाथा का प्रदर्शन किया और वे तत्काल अपने घायल साथियों की सहायता के लिए पहुंचे। उन्होंने अपूर्व साहस के साथ माओवादियों की गोलीबारी के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई की, परन्तु इस घटनाक्रम के दौरान उनको गंभीर चोटें आईं और अंततः उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया।

उपर्युक्त सैन्य दलों के द्वारा की गई रणनीतिक और सुदृढ़ जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप न केवल अनेक माओवादियों का सफाया हुआ/उन्हें चोटें आईं बल्कि उनको पीछे हटने और ऊबड़-खाबड़ भूमि एवं घनी झाड़ियों का लाभ उठाकर उस क्षेत्र से बच निकलने के लिए भी विवश कर दिया। उपर्युक्त ऑपरेशन की समाप्ति के बाद, घटनास्थल की तलाशी करते समय 01 इंसास राइफल, 26 इंसास जिंदा कारतूसों और 03 मैगजीनों के साथ एक महिला माओवादी का शव बरामद हुआ।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री स्व. धर्म देव कुमार, सिपाही, स्व. सखामुरी मुरलीकृष्णा, सिपाही, स्व. राउतु जगदीश, सिपाही और स्व. समैया माडवी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03/04/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/135/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 93-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री जंगले सुनील नारायण	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बिश्नपुर क्षेत्र में नक्सली लीडर रवींद्र गंडू और उसके दस्ते की मौजूदगी के बारे में पुलिस अधीक्षक गुमला से प्राप्त सूचना के आधार पर, 158 सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस ने एक ऑपरेशन चलाया।

सैन्य दस्ता दिनांक 31 मार्च, 2020 को लगभग 1130 बजे बेस कैंप जोरी, गुमला से निकला और लक्ष्य क्षेत्र की ओर बढ़ा। सावधानी से आगे बढ़ते हुए, सैन्य दस्ते ने चतुराई से घाघरा और कटेलटार के क्षेत्र की तलाशी ली और कोथुक्काटोली गांव की ओर बढ़ गए। लगभग 1340 बजे, जब सैनिक कोथुक्काटोली गांव के पास वन क्षेत्र की तलाशी ले रहे थे, तब उन पर नक्सलियों द्वारा एक पहाड़ी से अंधाधुंध गोलीबारी की गई।

सैनिकों ने तुरंत पोजीशन संभाली और गोलीबारी की दिशा की ओर चतुराई से आगे बढ़ते हुए, नियंत्रित गोलीबारी कर हमले का जवाब दिया। फील्ड कमांडरों ने नक्सलियों को पकड़ने की योजना तुरंत बनाई। योजना के अनुसार, झारखंड पुलिस की टीम चतुराईपूर्वक नक्सलियों के बायीं ओर से आगे बढ़ी, जबकि 158 सीआरपीएफ के सैनिक दाहिनी ओर से आए।

फायर एंड मूव रणनीति का उपयोग करते हुए, 158 सीआरपीएफ के जवान नक्सलियों के पोजीशन के करीब पहुंचे, तब 158 सीआरपीएफ के सीटी/जीडी जंगले सुनील नारायण ने गिरे हुए सूखे हुए पत्तों पर दौड़ते हुए किसी के कदमों की आहट सुनी। जैसे ही उन्होंने उस दिशा में अपनी नजरें घुमाई, कुछ नक्सलियों को करीब आते हुए देखा। इससे पहले कि वह जवाब दे पाते, नक्सलियों ने उन पर गोलियां चला दीं। सीटी/जीडी जंगले सुनील नारायण ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल खुद को बचाया, बल्कि पोजीशन लेकर हमले का जवाब भी दिया। अपनी सटीक गोलीबारी से उन्होंने एक नक्सली को नजदीक से मार गिराया। सुरक्षा बल के साहसिक हमले से घबराए नक्सली अपने मृत कैडर और सामान को छोड़कर मुठभेड़ स्थल से भाग गए।

मुठभेड़ के बाद ली गई तलाशी के दौरान, वहां से एक वर्दीधारी नक्सली का शव, हथियार, गोला-बारूद और विविध आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री जंगले सुनील नारायण, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 31/03/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/76/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 94-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हर्षवर्धन	कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	रविन्द्र कुमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
3.	राम कुंवर जाट	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
4.	इमतियाज अहमद	सिपाही	वीरता पदक
5.	हरवीर सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06 अप्रैल, 2022 को, गांव अरिगाम, पुलिस स्टेशन त्राल, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर में 02 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर, 180 सीआरपीएफ, एसओजी त्राल, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और 42 आरआर द्वारा संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। श्री राम कुंवर जाट, सहायक कमाण्डेंट की कमान और श्री रविंदर कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी की समग्र कमान में लगभग 0550 बजे, संयुक्त सैन्य दस्ते ने दो तरफ से अर्थात् शेराबाद-अरिगाम और शरीफाबाद-अरिगाम से गांव अरिगाम के संदिग्ध क्षेत्र में और उसके आसपास घेरा डालना शुरू कर दिया।

जब घेराबंदी की जा रही थी, शेराबाद-अरिगाम की तरफ संयुक्त सैन्य दस्ते ने सरसों के खेत और घने पेड़ों के बीच में दो संदिग्ध लोगों की हरकत देखी। टीम ने तुरंत दोनों संदिग्धों को रुकने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं माने और घने जंगल और सरसों के खेतों की आड़ लेकर भागने लगे। श्री राम कुंवर जाट, सहायक कमाण्डेंट और उनके सहयोगी सीटी/जीडी हरवीर सिंह, अन्य सैनिकों के साथ, तेजी से संदिग्धों की ओर बढ़े और उन्हें रुकने के लिए एक बार फिर कहा। संदिग्धों को यह महसूस हुआ कि वे सुरक्षा बलों से घिरे हुए हैं, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। आतंकवादी कसुहरबल/ईदगाह के पास अवंतीपोरा-त्राल रोड की ओर भागे, जहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा और उनकी टीम मौजूद थी। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और सैनिकों पर गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंकना शुरू किया। आतंकवादियों और संयुक्त सैन्य दस्ते के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अन्य सैनिकों के साथ

श्री राम कुँवर जाट, सहायक कमाण्डेंट और उनके सहायक सीटी/जीडी हरवीर सिंह ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया और उन पर प्रभावी गोलीबारी की। श्री राम कुँवर जाट, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी रणकौशल और रणनीति का उपयोग करते हुए धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ आतंकवादियों की ओर बढ़े। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने आतंकवादियों के साथ हो रही नजदीकी लड़ाई में प्रभावी ढंग से मुकाबला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया।

दूसरा आतंकवादी घने जंगल/नाले की आड़ में मुठभेड़ स्थल से भागने में सफल रहा। श्री हर्षवर्धन, कमाण्डेंट और 180 सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी श्री रविंदर कुमार अपनी टीमों के साथ शरीफाबाद-अरिगाम की तरफ से मुठभेड़ स्थल पर पहुंचे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा, कमान अधिकारी 42 आरआर और कमाण्डेंट 180 सीआरपीएफ ने स्थिति की समीक्षा की और पास के क्षेत्र में छिपे दूसरे आतंकवादी की तलाश के लिए योजना बनाई। घेराबंदी को मजबूत किया गया और पूरे अरिगाम गांव को कवर करने के उद्देश्य से संयुक्त सैन्य दस्ते को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। तलाशी में सहायता के लिए ट्रैकर डॉग को तैनात किया गया।

संयुक्त सैन्य दस्ता आतंकवादी की स्थिति का पता लगाने के लिए ड्रोन का उपयोग करते हुए अरिगाम की ओर बढ़ा। संदेह था कि आतंकवादी घने जंगलों के पीछे खुले मैदान में कवर लेकर छिपा हुआ है। सैनिकों ने अपने-अपने कमाण्डों के नेतृत्व में छोटी-छोटी टीमों में सरसों के खेत और वन क्षेत्र में तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान, तलाशी दल को खेतों और कच्ची सड़क पर ताजा खून के धब्बे मिले, जो इस तरफ से घायल आतंकवादी के भागने का संकेत दे रहे थे। इसके बाद, अरिगाम गांव में नाले से सटे सरसों के खेत में तलाशी ली गई। ट्रैकर डॉग ने अरिगाम गांव के बाहरी भाग में अवस्थित एक गौशाला की ओर संकेत दिया। इसे देखते हुए, 180 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट ने संदिग्ध गौशाला और आसपास के इलाके की तलाशी लेने का निर्णय लिया।

180 बटालियन सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री हर्षवर्धन, श्री रविंदर कुमार की कमान में यह तलाशी दल द्वितीय कमान अधिकारी और उनके सहयोगी सीटी/जीडी इम्तियाज अहमद के साथ गौशाला के ढेर की ओर चतुराई से आगे बढ़ा। खतरे को भांपते हुए, छिपा हुआ दूसरा आतंकवादी घास के ढेर से अचानक बाहर आया, ग्रेनेड फेंका और सुरक्षा बलों को हताहत करने तथा भागने के इरादे से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दल ने हमले का जवाब दिया और प्रभावी जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप आतंकवादी तेजी से पीछे हट गया और एक पार्क की हुई गाड़ी तथा एक पेड़ के पीछे छुप गया। इस पोजीशन से, आतंकवादी ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी फिर से शुरू कर दी। 180 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री हर्षवर्धन की कमान में श्री रविंदर कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी अपने सहयोगी सीटी/जीडी इम्तियाज अहमद के साथ, आतंकवादी के ठिकाने की ओर तुरंत बढ़े। उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना उत्कृष्ट रणकौशल, साहस और रणनीति का प्रदर्शन किया तथा दूसरे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की एवं नजदीकी लड़ाई में उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, दो आतंकवादियों के शव, 02 पिस्तौल, 02 पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल के 13 राउंड, 01 हैंड ग्रेनेड (मौके पर नष्ट कर दिया गया) और 02 पहचान पत्र बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, हिजबुल मुजाहिदीन/एजीयूएच गुट के श्रेणी 'सी' के शफत मुजफ्फर सोफी और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के श्रेणी 'सी' के उमर नबी तीली के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री हर्षवर्धन, कमाण्डेंट, रविन्द्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, राम कुँवर जाट, सहायक कमाण्डेंट, इम्तियाज अहमद, सिपाही और हरवीर सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 06/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/78/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 95-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अभय कुमार सिंह	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	देवेन्द्र कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	दलवे प्रविण बंडूराव	सिपाही	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4.	माली अरुण श्रावण	सिपाही	वीरता पदक
5.	जितेन्द्र कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	सुकान्ता पाल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24 अप्रैल 2022 को लगभग 1400 बजे, गांव पाहू, पुलिस स्टेशन काकापोरा, जिला पुलवामा, जम्मू-कश्मीर में अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में खुफिया सूचना के आधार पर; 182/183 सीआरपीएफ, एसओजी, 50 आरआर एवं राज्य पुलिस द्वारा घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया।

योजना के अनुसार, श्री अभय कुमार सिंह, एसी की कमान के तहत क्यूएटी ई/183 सीआरपीएफ की टुकड़ियां, एसओजी काकापोरा एवं 50 आरआर के साथ, लगभग 1515 बजे गांव पाहू पहुंचीं और लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी करना शुरू कर दिया। लक्षित घर के अंदर छिपे आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करके भागने का प्रयास किया, जिस पर सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। तत्पश्चात् सैनिकों की कुशल जवाबी गोलीबारी के कारण आतंकवादियों को वापस लक्षित घर में घुसने पर मजबूर होना पड़ा।

श्री दीपक ढौंडियाल, कमांडेंट, 182 सीआरपीएफ, श्री हनुमान प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी, 183 सीआरपीएफ, अपनी सुरक्षा पार्टी, एसएसपी पुलवामा और 50 आरआर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, जल्द ही ऑपरेशन स्थल पर पहुंचे और ऑपरेशन में शामिल हो गए। सैनिकों ने लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी कर दी तथा आवाजाही को बाधित करने के लिए कंसर्टिना तार लगा दिए। श्री दीपक ढौंडियाल, कमांडेंट 182 सीआरपीएफ के साथ 50 आरआर की टुकड़ियों ने उत्तरी किनारे पर आंतरिक घेराबंदी में पोजीशन ली, जबकि श्री हनुमान प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी, 183 सीआरपीएफ के साथ एसओजी पुलवामा को पूर्वी हिस्से में आंतरिक घेराबंदी में रखा गया और श्री अभय कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेंट की कमान के तहत क्यूएटी ई/183 सीआरपीएफ के दस्ते एसओजी काकापोरा के साथ, लक्षित घर के दक्षिणी हिस्से से आंतरिक घेराबंदी में तैनात थे। शेष सैनिकों ने पश्चिमी ओर से लक्षित घर को कवर किया।

लगभग 1620 बजे, घेराबंदी और आस-पास के इलाकों से सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ और आतंकवादियों ने संयुक्त सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। ऑपरेशन की निगरानी के लिए लक्षित घर के पास एक कमांड पोस्ट भी स्थापित किया गया। लक्षित घर में छिपे आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का एक और मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और इसके बजाय फिर से सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी और उन पर ग्रेनेड भी फेंका। बाद में पता चला कि आतंकवादियों ने खुद को दो समूहों में बांट लिया है और दो तरफ से सैनिकों से लड़ रहे हैं। आतंकियों द्वारा लक्षित घर के अंदर से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही।

उन छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के प्रयास में सैनिकों ने क्राइकॉप्टर का उपयोग किया, जिनका सटीक ठिकाना सुनिश्चित नहीं था। इस युक्ति से उन्हें यह पता लगाने में मदद मिली कि आतंकवादियों ने निकटवर्ती घरों की दो दीवारों के बीच शरण ली हुई है और एक टिन-शेड के पीछे छिपे हुए हैं, जिससे छोटे हथियारों से सीधी गोलीबारी का कोई असर नहीं हो रहा रहा है। एक बार जब आतंकवादियों की पोजीशन का पता चल गया, तो आंतरिक घेराबंदी में मौजूद संयुक्त सैनिकों ने आतंकवादियों को अपनी पोजीशन को छोड़ने तथा खुद को बचाने के लिए खुले मैदान में भागने पर मजबूर करने के लिए उन पर गोलियों और हथगोले की बौछार कर दी।

लगभग 1705 बजे, पहला आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर निकला और उसने दीवारों, पेड़ों तथा टिन शीट से बनी निकटवर्ती सीमा के पीछे छिपकर घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया। एक खुली जगह में पहुंचने पर, हेड कांस्टेबल/जीडी सुकान्त पाल और हेड कांस्टेबल/आरओ जितेंद्र कुमार, जो पहले से ही उत्तर दिशा में तैनात थे, ने अत्यधिक साहस दिखाया और प्रभावी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप पहला आतंकवादी मारा गया।

कुछ समय के बाद, लगभग 1710 बजे, दूसरा आतंकवादी भी अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकला और घेराबंदी तोड़ने का प्रयास करते हुए पूर्वी दिशा (सड़क के किनारे) की ओर भागा। हालाँकि, उसे 183 सीआरपीएफ/एसओजी पुलवामा पार्टी से कुशल जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। सिपाही/जीडी माली अरुण श्रावण ने एसओजी पुलवामा के सैनिकों के साथ, जो पहले से ही उस क्षेत्र में तैनात थे, अदम्य वीरता का प्रदर्शन किया और दूसरे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे मार गिराया।

लक्षित घर के भीतर छिपे तीसरे आतंकवादी ने सभी कोणों से रुक-रुक कर गोलीबारी की, जिसका संयुक्त सैनिकों द्वारा तुरंत जवाब दिया गया। लगभग 1730 बजे, तीसरे आतंकवादी ने घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से गोलीबारी करते हुए एक पेड़ के तने की आड़ का उपयोग करते हुए, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से भागने का प्रयास किया, जो लक्षित घर के पूर्वी हिस्से में स्थित नाले तथा सड़क के किनारे से केवल 20 मीटर की दूरी पर था। श्री अभय कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेंट, जो अपने सहयोगियों हेड कांस्टेबल/जीडी देवेन्द्र कुमार सिंह और सिपाही/जीडी दलवे

प्रवीण बंदुराव के साथ, सड़क तथा नाले के किनारे तैनात थे, ने उल्लेखनीय साहस का परिचय देते हुए, आतंकवादी के खिलाफ कुशलतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की। इस भीषण गोलीबारी के दौरान तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया गया।

मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान तीन आतंकवादियों के शव के साथ 02 एके 74 राइफल, 01 पिस्तौल, 06 एके 74 मैगजीन, 02 पिस्तौल मैगजीन, एके 74 की 57 राउंड गोलियां, पिस्तौल की 08 राउंड गोलियां तथा अन्य सामान बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, आरिफ अहमद हजार उर्फ रेहान, श्रेणी ए, डिप्टी कमांडर, नतीश शकील वानी उर्फ हैदर श्रेणी सी और अबू हुजैफा उर्फ हक्कानी, श्रेणी ए+, सभी लश्कर-ए-तैयबा गुट के, के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्वश्री अभय कुमार सिंह, सहायक कमाण्डेंट, देवेन्द्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, दलवे प्रवीण बंदुराव, सिपाही, माली अरुण श्रावण, सिपाही, जितेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल और सुकान्ता पाल, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/09/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 96-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरपत सिंह	उप कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	कुमार ऋतुराज	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	प्रदीप कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	भीम सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	भागेन्द्र सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	मृत्युंजय कुमार राय	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	अर्जुन सिंह	सिपाही	वीरता पदक
8.	असिम टोप्पो	सिपाही	वीरता पदक
9.	गणेश सिंह राणा	सिपाही	वीरता पदक
10.	रोहित कुमार ठाकुर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री दीपक सिंह, कमाण्डेंट 32वीं बटालियन एसएसबी बेला, मुजफ्फरपुर, को प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया जानकारी में पता लगा कि मोस्ट वांटेड माओवादियों (पीएलजीए) राज एन उर्फ राम बाबू राम उर्फ प्रहार, एनबीडब्ल्यूजेडसी का सचिव और 10-15 अन्य सशस्त्र माओवादियों के नेतृत्व में बिहार के बगहा स्थित वाल्मिकी टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के घने जंगल में माओवादियों के शिविर मौजूद हैं। माओवादियों ने एसएसबी/पुलिस वाहनों को निशाना बनाने और उनसे हथियार छीनने तथा भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी वीओपी पर हमला करने की योजना बनाई थी।

दिनांक 10/07/2020 की सुबह में, एक अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ी के ऊपर दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ने के दौरान, श्री नरपत सिंह की कमान में टीम-ए अप्रत्याशित रूप से एक आईईडी विस्फोट का शिकार हो गई, जिसके बाद माओवादियों ने उन पर भीषण गोलीबारी भी की। त्वरित सूझबूझ और संयम का परिचय देते हुए, टीम-ए ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए माओवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी। आईईडी के विस्फोट ने उन्हें बहरा कर दिया और वहां रेत एवं छींटों के साथ काले धुएं का बादल सा बन गया। माओवादियों की भारी गोलाबारी का जवाब देने के लिए टीम-ए ने अत्यंत बहादुरी के साथ "फायर एंड एडवांस" रणनीति को अपनाया।

श्री नरपत सिंह, उप-कमाण्डेंट/जीडी, निरीक्षक/जीडी कुमार ऋतुराज, हेड कांस्टेबल/जीडी प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल/जीडी भागेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल/जीडी मृत्युंजय कुमार राय, हेड कांस्टेबल/जीडी भीम सिंह, सिपाही/जीडी गणेश सिंह राणा, सिपाही/जीडी रोहित कुमार ठाकुर, सिपाही/जीडी असीम टोप्पो और सिपाही/जीडी अर्जुन सिंह की साहसिक जवाबी कार्रवाई ने माओवादियों को मृत माओवादियों को हथियारों के साथ छोड़कर भागने पर मजबूर कर दिया जिनकी पहचान (1) विपुल उर्फ आलोक उर्फ आलोक रंजन-जेडसीएम (2) दीपक उर्फ राम उर्फ किरण, जेडसीएम (3) नकुल उर्फ अमरलाल देव उर्फ श्रीकांत - एसएसी (4) छोटू महतो उर्फ सोनू के रूप में की गई और उनके पास से एलजीएस के साथ 01 एके-56, 7.62 एमएम की 03 एसएलआर, 303 बोइट की 01 एक्शन राइफल, 911 गोलाबारूद, आईईडी विस्फोटक, डेटोनेटर, लैपटॉप, मोबाइल, वॉकी टॉकी, रेडियो और भारी मात्रा में दैनिक दिनचर्या की वस्तुएं बरामद की गई।

मुठभेड़ के दौरान, निरीक्षक/जीडी कुमार ऋतुराज को दाहिने हाथ में गोली लगी। अत्यधिक थक जाने के बावजूद, टीम शांत एवं आत्मविश्वास से भरी रही। जल्द ही, टीम ने इलाके की घेराबंदी की और तुरंत कुमार ऋतुराज को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

श्री नरपत सिंह, उप-कमाण्डेंट/जीडी, निरीक्षक (जीडी) कुमार ऋतुराज, हेड कांस्टेबल (जीडी) प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल (जीडी) भागेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी) मृत्युंजय कुमार राय, हेड कांस्टेबल (जीडी) भीम सिंह, कांस्टेबल (जीडी) असीम टोप्पो, कांस्टेबल (जीडी) गणेश सिंह राणा, कांस्टेबल (जीडी) रोहित कुमार ठाकुर और कांस्टेबल (जीडी) अर्जुन सिंह ने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए ऐसी अविश्वसनीय परिस्थिति में साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व गुणवत्ता, अदम्य भावना, अजेय धैर्य और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के सर्वश्री नरपत सिंह, उप कमाण्डेंट, कुमार ऋतुराज, निरीक्षक, प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल, भीम सिंह, हेड कांस्टेबल, भागेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, मृत्युंजय कुमार राय, हेड कांस्टेबल, अर्जुन सिंह, सिपाही, असीम टोप्पो, सिपाही, गणेश सिंह राणा, सिपाही और रोहित कुमार ठाकुर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1219/49/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 97-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कर्मियों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मनोरंजन कुमार पाण्डेय	कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	प्रदीप कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	असीम टोप्पो	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	गणेश सिंह राणा	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
5.	दीपक सिंह	कमाण्डेंट	वीरता पदक
6.	जसबीर सिंह तोमर	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
7.	कुमार ऋतुराज	निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
8.	मोहित कुमार	सिपाही	वीरता पदक
9.	नरपत सिंह	उप कमाण्डेंट	वीरता पदक का प्रथम बार
10.	शिवम कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.02.2022 को आसूचना ब्यूरो (आईबी) द्वारा खतरनाक सीपीआई माओवादी नेता पीबीपीजे-एसएसी सचिव, अनुज जिसे प्रवेश नाम से भी जाना जाता है (बिहार में पांच लाख का इनाम और झारखंड में पच्चीस लाख का इनाम) के निर्देश पर एक ठेकेदार को धमकी देकर उससे पैसे वसूलने और उसके अपहरण की योजना बनाने के संबंध में एक सूचना साझा की गई थी। अर्जुन कोडा (डिप्टी कमांडर, एसएसी

कंपनी, पीबीपीजेएसएसी, सीपीआई-माओवादी) वीरेंद्र कोड़ा, जगदीश कोड़ा, बालेश्वर कोड़ा, अरविंद यादव और 20 अन्य सशस्त्र माओवादियों के साथ ग्राम घोगी कोडासु पुलिस स्टेशन-पिन बाजार, जिला लखीसराय के घने पहाड़ी जंगल के पास वसूली की रकम वसूलने के लिए एकत्र हुए थे। इन खूंखार हथियारबंद माओवादियों का लंबा जघन्य आपराधिक रिकॉर्ड था।

उपरोक्त सूचना के आधार पर तथा माओवादियों के जघन्य आपराधिक रिकॉर्ड और दुर्गम इलाके को ध्यान में रखते हुए श्री दीपक सिंह, कमाण्डेंट 32 बटालियन, श्री मनोरंजन कुमार पाण्डेय, कमाण्डेंट 35 बटालियन एवं श्री सुशील कुमार एसपी, लखियाराय ने कड़ी चुनौती को स्वीकार किया और इन सशस्त्र माओवादियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन की योजना बनाई और ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए दो टीमों का गठन किया गया। टीम-1, श्री नरपत सिंह, उप कमाण्डेंट की कमान के तहत 35 कार्मिकों को घोगी कोडासी के पहाड़ी क्षेत्र से हदहादिया गांव की ओर एडीपी आयोजित करने का निर्देश दिया गया। टीम-2, श्री दीपक सिंह कमाण्डेंट के कमान के तहत एसपी लखीसराय और 15 कार्मिक, टीम-1 की सहायता के लिए तैनात रहे। दिनांक 01.02.2022 की शाम को, टीम-1 बेस कैप "एफ" कंपनी, 32 बीएन एसएसबी कजरा से रवाना हुई और लाठिया कोल तथा घोगी कोडासी की पहाड़ी की चोटी के बीच पोजीशन ले ली। दिनांक 02.02.2022 की सुबह, जबकि टीम-1 एक संकरी पगडंडी से होकर दो पहाड़ियों के बीच से गुजर रही थी, टीम-1 को अचानक भारी गोलियों की बौछार का सामना करना पड़ा। गोलीबारी अंधाधुंध थी और सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर की गई थी। शीघ्र ही, टीम-1 ने सामरिक पोजीशन ले ली। टीम-1 के कमांडर ने अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने तथा गोलीबारी रोकने को कहा, लेकिन दूसरी ओर से गोलीबारी बंद होने के बजाय टीम-1 पर गोलियों की बौछार और तेज हो गई। नक्सलियों ने ऊंचाई पर लाभप्रद पोजीशन ले ली थी और वे अंधाधुंध फायरिंग कर रहे थे। उनकी आवाज सुनकर यह स्पष्ट हो गया कि वे माओवादी थे क्योंकि वे अर्जुन दा, वीरेंद्र दा, जगदीश दा आदि के नाम चिल्लाकर ले रहे थे और एक-दूसरे को सुरक्षा बलों पर तब तक गोलीबारी करते रहने के लिए कह रहे थे जब तक वे मर न जाएं। अब टीम-1 के कमांडर के पास एक ही विकल्प था, या तो जवाबी कार्रवाई करें या स्वयं मारे जाएं।

टीम-1 के कमांडर ने फील्ड सिग्नल की मदद से अपनी टीम के साथ कम्यूनिकेट किया और सशस्त्र माओवादियों को पकड़ने के लिए जवाबी कार्रवाई करने का फैसला किया। उप कमाण्डेंट/जीडी नरपत सिंह, हेड कांस्टेबल/जीडी प्रदीप कुमार, सिपाही/जीडी असीम टोप्पो, सिपाही/जीडी गणेश सिंह राणा, सहायक कमाण्डेंट/जीडी शिवम कुमार और कांस्टेबल/जीडी मोहित कुमार अपनी जान की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़े। बाकी कार्मिकों ने सहायक कमाण्डेंट/जीडी जसवीर सिंह तोमर और निरीक्षक/जीडी कुमार ऋतुराज, पुलिस उप-निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार की कमान के तहत आगे बढ़ रहे सैनिकों को कवर फायर दिया। टीम-1 के इस साहसिक कार्य से माओवादी घबरा गए और वे सकते में आ गए। माओवादियों को अपने सामरिक मोर्चों से पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

इस खतरनाक परिस्थिति में भी टीम-1 शांत, आत्मविश्वासी और अक्षुण्ण रही। हालाँकि माओवादी अभी भी सामरिक रूप से लाभप्रद पोजीशन लिए हुए थे और ऊंचाई से गोलीबारी कर रहे थे, टीम-1 कमांडर ने टीम-2 के कमांडर श्री दीपक सिंह एवं एसपी लखीसराय श्री सुशील कुमार से बातचीत की और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए कहा। टीम-2 सहायता के लिए तेजी से टीम-1 की ओर बढ़ रही थी, इसी बीच माओवादियों के एक समूह ने ऊपर की ओर बढ़ रही टीम-1 को सहायता दे रहे सैनिकों को रोकने के इरादे से टीम-2 पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। यह दल गोलीबारी तथा आगे बढ़ने की रणनीति अपनाकर, जमीन से होते हुए ऊपर की ओर आगे बढ़ा। उनके आगे बढ़ने की गतिविधि के दौरान, कुछ नक्सलियों ने, जिन्होंने रक्षात्मक पोजीशन ली हुई थी, उन पर भारी गोलीबारी की। इसमें आगे बढ़ने में अत्यधिक जोखिम था लेकिन टीम-2 के कमांडर श्री दीपक सिंह कमाण्डेंट, श्री सुशील कुमार, एसपी लखीसराय एवं श्री एमके पाण्डेय, कमाण्डेंट ने माओवादियों के नापाक मंसूबों को भांप लिया और अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्हें कड़ा जवाब दिया और कम लाभप्रद पोजीशन जैसे कि अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर होने के बावजूद भी माओवादियों को आगे बढ़ने से रोक दिया और उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर किया। कुछ मिनटों के बाद, दोनों टीमों एकजुट हो गईं और माओवादियों को घेरने के लिए आगे बढ़ीं। चूंकि माओवादी बैकफुट पर थे, इसलिए जवाबी हमला करने का यह सही समय था। टीम-1 और टीम-2 ने एक साथ मिलकर भयावह गोलीबारी के सामने निडर बहादुरी दिखाई और अपनी जान की परवाह किए बिना, भाग रहे माओवादियों का पीछा किया। उन्होंने भारी गोलाबारी करते हुए और रणकौशल अपनाते हुए जंगल के अंदर सामरिक रूप से आगे बढ़े। अंततः, सैनिकों की अत्यधिक आक्रामकता और जवाबी कार्रवाई के रुख को भांपते हुए, माओवादी विस्फोटक हथियार और गोला-बारूद छोड़कर घने जंगल की आड़ में वहां से भाग गए। मुठभेड़ करीब 03 घंटे तक चली। संकट के समय अच्छी तरह से समन्वित योजना, सही निष्पादन और अनुकरणीय एकजुटता से टीम-1 और टीम-2 तथा उनकी टीम के वीरतापूर्ण और साहसी कार्य के कारण 2 खूंखार सीपीआई (माओवादी) वीरेंद्र कोड़ा पुत्र वासुदेव कोड़ा और जगदीश कोड़ा पुत्र मोगर कोड़ा मारे गए।

उपरोक्त के अलावा, एसएलआर, आईईडी जैसे अत्याधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किए गए। इन खूंखार उग्रवादियों ने लखीसराय, मुंगेर और जमुई जिले वाले भीमबांध इलाके में आतंक का माहौल बना दिया था और अपना दबदबा कायम कर रखा था। उनके मरने से भीमबांध क्षेत्र में शांति और अमन की स्थापना हुई और उस क्षेत्र में माओवादियों के समर्थन का आधार लगभग समाप्त हो गया।

टीम-1 और टीम-2 की वीरतापूर्ण जवाबी कार्रवाई और समय पर सहायता के कारण माओवादी अपनी नापाक योजना में सफल नहीं हुए। श्री सिंह कमाण्डेंट 52 बटालियन, श्री एमके पाण्डेय, कमाण्डेंट 35 बटालियन तथा टीम-2 के श्री सुशील कुमार, एसपी लखियाराय तथा टीम-1 के श्री नरपत सिंह, डिप्टी कमाण्डेंट, श्री शिवम कुमार, सहायक कमाण्डेंट, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार ने जान को जोखिम में डालने वाली

ऐसी खतरनाक परिस्थिति में भी आगे बढ़ने की जिम्मेदारी ली। श्री जसवीर सिंह तोमर, सहायक कमाण्डेंट, इंस्पेक्टर कुमार ऋतुराज, उप-निरीक्षक/पी अनिरुद्ध, कांस्टेबल असीम टोप्पो ने स्वेच्छा से भाग लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना जानलेवा स्थिति में आगे बढ़े।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के सर्व/श्री मनोरंजन कुमार पाण्डेय, कमाण्डेंट, प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल, असिम टोप्पो, सिपाही, गणेश सिंह राणा, सिपाही, दीपक सिंह, कमाण्डेंट, जसवीर सिंह तोमर, सहायक कमाण्डेंट, कुमार ऋतुराज, निरीक्षक, मोहित कुमार, सिपाही, नरपत सिंह, उप कमाण्डेंट और शिवम कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02/02/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/65/2023-पीएमए)

एस एम समी

अवर सचिव

सं. 98-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री विजय कुमार	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.08.2011 को, शहीद विजय कुमार पूर्व कांस्टेबल (एच) 15'एच बटालियन एसएसबी बोगाईगांव में कांस्टेबल (सीएम) के रूप में सशस्त्र सीमा बल में शामिल हुए। 24वीं बटालियन एसएसबी रंगिया से स्थानांतरित होने के बाद, उन्होंने दिनांक 26.05.2018 को 42वीं बटालियन एसएसबी बहराइच में कार्यभार ग्रहण किया। वे वर्ष 2018 में जम्मू-कश्मीर पंचायत चुनाव झूटी के लिए 42वीं बटालियन की 'डी' कंपनी के साथ तैनात थे और दिनांक 06.10.2018 से 180 बटालियन सीआरपीएफ मिदूरा, जिला-पुलवामा की 'ई' कंपनी के साथ तैनात थे।

दिनांक 21.10.2018 को 2020 बजे, उग्रवादी ने 180/ई सीआरपीएफ मिदूरा पीएस-अवंतीपोरा, (जम्मू-कश्मीर) के सुरक्षा परिसर पर हमला किया, जहां एसएसबी "डी" कंपनी की 42वीं बटालियन और तीसरी बटालियन कंपोजिट कंपनी को पंचायत चुनाव - 2018 के लिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने हेतु झूटी पर तैनात किया गया था। शहीद कांस्टेबल/जीडी विजय कुमार के साथ सिपाही/जीडी वीरेंद्र कुमार सिंह अपने निजी हथियारों के साथ मोर्चा नंबर 5 पर अपनी झूटी का निर्वहन कर रहे थे।

पूर्व सिपाही/जीडी शहीद विजय कुमार ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए जवाबी गोलीबारी की और उग्रवादियों को परिसर के अंदर घुसने से रोक दिया। मोर्चा संख्या 05 पर उग्रवादी द्वारा 02 राउंड फायरिंग की गयी। 01 गोली सिपाही/जीडी विजय कुमार के सिर पर लगी जिससे सिपाही/जीडी विजय कुमार के सिर में गंभीर चोट आयी।

इसके अतिरिक्त, कंपनी कमांडर ने परिसर में तैनात 180/ई कंपनी सीआरपीएफ के (बंकर) के माध्यम से घायल सिपाही/जीडी विजय कुमार को निकालने का आदेश दिया। बेहतर प्रबंधन के लिए ताल स्थल से डॉक्टर के साथ तुरंत एम्बुलेंस वहां पहुंची। रास्ते में सिपाही/जीडी विजय कुमार को डॉक्टर के साथ एम्बुलेंस में शिफ्ट किया गया और उन्हें 92 बेस अस्पताल, श्रीनगर ले जाया गया। 92 बेस अस्पताल पहुंचने पर, इलाज कर रहे डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के स्व. श्री विजय कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना सं. 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 21/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/138/2023-पीएमए)

एस एम समी

अवर सचिव

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
(कृषि एवं किसान कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 2024

सं. 8-135/2020-पीपी॥—भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग की समय-समय पर यथासंशोधित दिनांक 26.11.1993 की अधिसूचना संख्या 8-97/91-पीपी.॥ में आंशिक संशोधन करते हुए, यह सामान्य सूचना के लिए एतद द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संगत शीर्षों के तहत निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़कर करके शामिल की जाएंगी जिनमें उन अधिकारियों को पदनाम से विनिर्दिष्ट किया जाएगा, जो अन्य देशों जिन्हें ऐसे प्रमाण पत्र अपेक्षित हैं, को निर्यात के लिए वनस्पति और वनस्पति सामग्री के निरीक्षण, प्रधूमन या विसंक्रमित करने और पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए प्राधिकृत हैं:—

I. केंद्र सरकार:

ओडिशा

(Lxxiii) प्रभारी अधिकारी
केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र,
भुवनेश्वर, ओडिशा
{कोड संख्या 'सी' (पीपीक्यूएस)1(73)}

फ़ैज़ अहमद किदवई
अतिरिक्त सचिव

नोट: मूल अधिसूचना कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग की दिनांक 26.11.1993 की अधिसूचना सं.-8-97/91-पीपी-॥ द्वारा जारी की गई थी और तत्पश्चात दिनांक 25.11.97 की अधिसूचना सं.-8-97/91-पीपी-॥, दिनांक 30.09.1999 की अधिसूचना सं.-8-70/98-पीपी-॥, दिनांक 06.11.2001 की अधिसूचना सं.-8-86/2000-पीपी-॥, दिनांक 06.05.2002 की अधिसूचना सं.-8-86/2000-पीपी-॥, दिनांक 30.05.2002 की अधिसूचना सं.-8-86/2000-पीपी-॥, दिनांक 07.06.2004 की अधिसूचना सं.-8-33/2003-पीपी-॥, दिनांक 11.05.2005 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 20.06.2005 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 08.12.2005 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 09.01.2006 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 26.12.2011 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 30.01.2013 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 06.07.2015 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 21.06.2016 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट), दिनांक 12.01.2017 की अधिसूचना सं.-8-217/2004-पीपी-॥ (पार्ट) और दिनांक 13.04.2017 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥ और 11.08.2017 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥ और 14 मार्च, 2018 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥, दिनांक 10.04.2018 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥, दिनांक 10.5.2019 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥ और दिनांक 16.7.2019 की अधिसूचना सं.-8-65/2017-पीपी-॥, 10.12.2019 की अधिसूचना संख्या 8-65/2017-पीपी.॥ और दिनांक 21 फरवरी, 2020 की अधिसूचना संख्या 8-65/2017-पीपी.॥, दिनांक 13.8.2020 की अधिसूचना संख्या 8-135/2020-पीपी.॥ और दिनांक 3.2.2021 की अधिसूचना संख्या 8-135/2020-पीपी.॥, दिनांक 28.07.2023 की अधिसूचना संख्या 8-135/2020-पीपी.॥, दिनांक 13.09.2023 की अधिसूचना संख्या 8-135/2020-पीपी.॥ द्वारा संशोधित की गई थी।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2024

No. 23—Pres/2024—The President of India is pleased to award President's Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Late Sanwala Ram Vishnoi	Head Constable	PMG (Posthumously)
2.	Late Shishu Pal Singh	Head Constable	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

HC/GD Shishu Pal Singh of 97 Bn BSF and HC/GD Sanwala Ram Vishnoi of 65 Bn BSF were selected as member of the 15th Congo Contingent of BSF (INDFPU-2) in the prestigious task of peace keeping as part of the United Nations Organization Stabilization Mission in the Democratic Republic of Congo (MONUSCO). They were deployed as members of the 15th Congo Contingent of BSF at the Moroccan Rapid Deployment Battalion (MORRDB) Camp at Butembo DRC on 02.06.2022.

The demonstration turned violent in Butembo on 26.07.2022 and the MORRDB Camp, within which the BSF detachment of 15th Congo Contingent was stationed, was surrounded by violent protesters and armed rebels. In spite of verbal cautions issued and non-lethal munitions like tear gas shell and chilli canisters used by the detachment of 15th BSF Congo Contingent (INDFPU-2) in accordance with directions of the United Nations on use of Force, there was no reduction in the agitation and the violent demonstrations by the protestors and armed rebel groups advancing with more aggressiveness. The marauding mob of protestors and armed rebels further pressed forward with greater intensity forcing the troops of 15th BSF Congo Contingent (INDFPU-2) to fire warning shots. However, the onslaught by the mob continued and the mob supported by armed rebels attacked the MORRDB Camp and OP No. 2 of the Camp where (Late) HC/GD Shishu Pal Singh was deployed along with other members of the guard. Under the apprehension that the mob comprising of protestors and armed rebels would break into the camp for looting and arson as was done at another camp at Goma DRC, HC/GD Shishu Pal Singh led the guard at OP No. 2 to prevent the hostile crowd from breaking- in through the eastern approach in order to defend the camp. At about 1250 hrs, armed rebels forming the part of the hostile crowd started firing with automatic weapons through the gaps in the perimeter wall, resulting in fatal injuries to MORRDB troops. Despite coming under fire of automatic weapons being used by armed rebels, the troops of 15th Congo Contingent detachment of BSF led by HC/GD Shishu Pal Singh and HC/GD Sanwala Ram Vishnoi continued to defend the eastern approach to the camp. However, with the MORRDB soldiers in the neighboring defenses killed, the crowd of marauding protestors and armed rebels breached the defenses through the gap on the eastern wall and opened heavy volume of fire on the guard at OP No. 2, in which HC/GD Shishu Pal Singh and HC/GD Sanwala Ram Vishnoi were hit by several bullets.

However, in spite of being critically injured both the NCOs valiantly led the guard at OP No. 2 to defend their position and prevented the violent mob and armed rebels from overrunning the defenses. However, HC/GD Shishupal Singh and HC/GD Sanwala Ram Vishnoi succumbed to their fatal injuries at about 1320 hrs on 26.07.2022.

While commanding the guard manning the OP No.2 at the MORRDB Camp at Butembo DRC, HC(GD) Shishupal Singh, HC/GD Sanwala Ram Vishnoi and 15th Congo Contingent of BSF (INDFPU-2) exhibited raw courage, high level of professionalism and leadership as well as dedication and devotion towards his duty while leading the troops of 15th Congo Contingent of BSF in defending the camp and lives of his fellow soldiers as well as soldiers of MORRDB and unarmed members of MONUSCO stationed inside the Camp.

In this operation, S/Shri Late Sanwala Ram Vishnoi, Head Constable and Late Shishu Pal Singh, Head Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The President's Medal for Gallantry (PMG) is conferred under President's Secretariat Notification No. 84-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26/07/2022.

(File No.-11020/168/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 24—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Bihar Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Jyoti Kumar Singh	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Late WishwaUranw	Havildar	GM (Posthumously)
3.	Shambhu Mahato	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

At about 22:00 hrs. in the night of 11.09.2018, a police party of Town P.S. Kishanganj consisting of HavildarWishwaUranw, Constable Shambhu Mahato and others under the command of ASI Jyoti Kumar Singh was on night patrol. At about 1:45 hrs., as the patrolling police party approached the compound of Mr. Nand Kishore Agrawal's Jute Mill on M.G.M. Road, they heard some people yelling with fear and excitement inside the Jute godown. To satisfy his curiosity, ASI Jyoti Kumar Singh sounded out the people inside to respond. The burglars in the godown were behaving violently and threatening the employees with gun attempting to break into the rooms. They had severely injured stabbing the night guard, Mohan Basak. The sudden presence of police party outside the compound, drove them to distraction. Sensing that they might be cornered by the police party and there would not be much they could do, they tried to make their escape crossing high boundary of the godown. ASI Jyoti Kumar Singh suspecting something wrong inside the godown, was alert and keeping close eyes on situation. As he saw some young desperadoes attempting to cross the boundary wall, he warned them to stop and surrender. At this, they turned violent and started discharging volley of fire targeting the police party. The criminals were about 15-20 in numbers and were discharging shots defying repeated police warnings with the tactics of first pinning the police party down with heavy firing and then to disappear from the scene. Unfortunately, Havildar Wishwa Uranw, positioned himself near the police jeep, was hit with a bullet coming from the criminals. He was immediately sent to hospital by police jeep. The situation got compounded. It was a difficult and alarming situation for ASI Jyoti Kumar Singh to challenge a big number of armed criminals in the face of their desperate attacks with a small police party of three constable only. Despite all odds like unavailability of adequate armed police force, uncertainty of events and huge risk involved, he, under a conscious decision, took a bold move to intercept, engage and arrest them. He fired 3 (three) rounds from his service pistol and Constable Shambhu Mahto, following his Commander, fired one round from his Insas Rifle. This precise counterattack by the police party, pinned down the criminals for a moment. They got into a state of confusion and disarray and began to flee in a frenzy crossing the boundary wall. ASI Jyoti Kumar Singh, irrespective of consequences, ran after them with his men and took hold three of them after their strong resistance.

After interrogation by senior police officers, arrived on the scene after the incident, one of their accomplices, Md Ansoor was arrested from Gwalpokhar, West Bengal with looted wrist watch and Rs. 13000 in cash.

In the morning, after an intense search one criminal was found shot dead on western road outside the mill. A country made loaded KATTA, 2 (two) empty cartridges and three PITHU bags were recovered lying beside his dead body. The deceased was identified by the arrested criminals as MD Kabir, one of three accomplices. A bag consisting 06 (six) Country made bombs, was recovered from eastern side of Jute godown compound and two strong iron rods, chisel and PITHU bag were recovered from the west side. Hav. WishwaUranw died in hospital due to severe bullet injury.

In this challenging encounter ASI Jyoti Kumar Singh and his team displayed exemplary courage, absolute determination and fearlessness while facing extremely violent criminals and arresting 03 (three) of them after a hot chase with a big volume of arms and ammunitions and thus foiled a violent attempted robbery.

In this operation, S/ShriJyoti Kumar Singh, Assistant Sub Inspector, Late Wishwa Uranw, Havildar and Shambhu Mahato, Constable of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/09/2018.

(File No.-11020/52/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 25—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Bihar Police —

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Dharmendra Kumar Jha	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Dharmendra Paswan	Sub-Inspector	GM
3.	Bir Bahadur Roka	Junior Commando	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on a secret information received by Sh. Dharmendra Kumar Jha, Addl. SP(OPS), Bagaha from Commandant 32nd Battalion on 09.07.2020, a joint team of STF officers and SSB officers and their subordinates under the leadership of Addl. SP(OPS) Bagaha, was constituted to apprehend the Maoists and seize their camp they had established in thickly and widely forested area of Valmikinagar Tiger Reserve under Bagaha district and, under the command of most wanted Maoist, veteran strategist and organizer, Rambabu @Rajan, Secretary of North West Zonal Committee (CPI-Maoist), were actively involved in illegal activities like forcible recruitment of innocent villagers, extortion of levy from farmers and contractors etc. They had designed a nefarious plan to obstruct SSB/Police vehicles for snatching weapons. The might of this outfit is strengthened by due possession of latest firearms and large cadre strength. Their illegal activities stretched out along nearby districts Bettiah, Sheohar, Motihari etc. Intricacy of the thickly forested and mountainous terrain made the camp a safe hide out for them as well.

In night of 09.07.20 at about 22.45 hrs., STF team (B) along with SSB officers and men (Team A) and supporting team, approached Chauthapani APC, an important point of Valmikinagar Tiger Reserve (VTR). The expected location of Maoists as per intelligence input was about 4-5 KM North West from there at a height of 900 ft. (approx).

The entire area of VTR is grossly engulfed by thick forests, thorny bushes and shrubs, elevated ridges, sloppy high mountains, treacherous trenches, rivers and tortuous narrow trails. Continuous heavy thundery rainfall since last night had added challenge to break through the forest. Despite all adversities attacking teams A (SSB) and B (STF) covered a long and tough distance on foot in dark night penetrating heavy dense forests and crossing flooded rivers. Experiencing many a moment of panic and uncertainty, they reached near the zeroed in target at about 3.45 hrs in the morning of 10.7.20. Addl. SP (OPS) noticed torch light and sensed some movements of men at a distance of about 200 meters. Team A from left side and Team B from right side were directed to advance towards the target observing tactical movement. As the teams were about to reach closer, they met a sudden IED blast followed by indiscriminate firing by the Maoists who somehow sniffed of the presence of police troops. Evidently the STF/SSB teams were under their ambush, but they had a narrow escape from being hit. Sudden burst of gunshots on police established an encounter to follow.

By the time it was almost dawn, but the rain was going on. Both attacking teams, without getting bogged down by the Maoists' fire, advanced ahead challenging out the outlaws again and again to stop firing and surrender. Defying their warnings, they flooded heavy volley of fire dangerously with automatic weapons including AK-47 and SLR with intention to inflict the Police/SSB personnel with heavy loss. The teams were on dangerous ground under incessant and indiscriminate firing coming from the Maoists who were holding tactical advantageous position and were having advantage of firing from concealed, covered and dominating height. Conceiving the gravity of this reckless situation, under a prudent strategy, Addl. SP (OPS) decided and opted the tactic of "Fire and Advance and to retaliate the Maoists. Accordingly, Dy. Commandant SSB with his men retaliated showering volleys of bullets on Maoists from left side. Giving befitting response to Maoists, Addl. SP (OPS) Sh. Dharmendra Kr. Jha, and his men, SI Dharmendra Paswan and Junior Commando Bir Bahadur Roka discharged heavy volume precision fire with their arms and advanced towards their camp despite all odds and challenges Maoists were posing. In the meantime, Inspector Rituraj, SSB, received bullet injury in his right wrist. This made the situation tense. In the midst of heavy and focused firing by the Maoists, STF team, under the command of Addl. SP (OPS) Bagaha gave befitting reply by firing over them from right side with utmost courage and dogged determination in order to suppress their fire power and pin them down. The SSB team gave proper cover of fire from left flank. One Maoist, probably holding sentry position at the entrance of the camp on the ridge and another Maoist firing with automatic weapon (AK 56), were neutralized. The killing of two Maoists sent others in a tizzy and the rest including their commanders began to retreat towards North while some of cadres, holding position behind a thick tree, kept on firing ferociously. The dare devilry of Addl. SP (OPS) Sh. Dharmendra Kr. Jha, and his men, SI Dharmendra Paswan and Junior Commando Bir Bahadur Roka was displayed when they advanced ahead firing precisely, resulting in gunning down of two others, one with SLR and another with .303 weapon. The camp of Maoists was taken over by the police. Fleeing leaders and During search of the area, dead body of four Maoists namely Deepak Ram @Kiranjee, Amar Lai Deo @ Nakuljee, ChhotuMahto @ Sonu and Alok Ram @ Vipul were recovered along with (1). AK-56- One (2.) 7.62 MM - SLR- 03, (3) .303 bolt Action Rifle- One, Ammunitions- 911, IED explosives, detonators, laptop, uniforms, mobiles, walkie - talkie, radios and daily routine items in huge quantity. After proper verification, it was established that the recovered arms/ ammunitions had been looted in past from police personnel.

In this 45 minutes long deadly fire fight against the outlawed group of deadly Maoists, Sh. Dharmendra Kumar Jha, Addl. SP (Operations) Bagaha, gave a skilful commanding lead to both STF and SSB teams, displaying exemplary tactical expertise, indomitable courage, tremendous risk bearing capacity in an extremely terrible and challenging situation like unfamiliar, tough and intricate terrain, sudden IED blast followed by heavy fire attack by militant Maoists explosive fatal attack and terrific and excessive fire attack by militant Maoists. He with STF officers, Dharmendra Paswan, Sub Inspector and Junior Commando Bir Bahadur Roka, who were solidly behind him to meet any eventuality, played a crucial role in repulsing the Maoist attack and neutralizing 4(four) Maoists in the process and recovering huge quantity of Arms/Ammunitions and other objectionable items.

In this operation, S/Shri Dharmendra Kumar Jha, Additional Superintendent of Police, Dharmendra Paswan, Sub-Inspector and Bir Bahadur Roka, Junior Commando of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/07/2020.

(File No.-11020/59/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 26—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Hemant Kumar Patel	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the local intelligence of gathering of Naxalite members of Maoist organization banned by the government and occurrence of serious incidents in village Bhandarpadar forest area under the PS Bheji, an operation plan was chalked out. According to the ops plan dated 31.07.2022, at 17:30 hrs Deputy Superintendent of Police Naxal Ops Konta, GirijashankarSaav along with Head Constable 249 Kattam Vijay, DRG Group Bheji 01 along with Commander Sub Inspector Sandeep Madile's force of 36, DRG Group Bheji 02 along with Sub-inspector Hemant Kumar Patel's force of 29, joint force of Jumla 67 after necessary briefing with arms ammunition, communication equipment, research kit and necessary resources left from base camp police station Errabor to camp Kotacheru, from where Naxal patrol search operation.

After arriving in the village of Bhandarpadar, the two teams split up and searched the forest area of Bhandarpadar on 01.08.22. both the teams were returning while doing tactical movement that while crossing the drain near Bhandarpadar at around 05:15 am, the last 06-07 jawans were crossing the drain that in the meantime, about 40-45 unidentified uniformed Naxalites were sat in a preplanned ambush near the forest-drain, with the intention of killing the police party and looting weapons, hatched a criminal conspiracy. They started firing indiscriminately with automatic and indigenous weapons, on which police party commander Sub inspector Hemant Kumar Patel, Sub inspector Sandeep Madile and other jawans shouted loudly to the Naxalites who were firing, introducing themselves as police and asking the Naxalites to stop firing and They were asked to surrender, on which the Naxalites became very furious and started firing. Commander Sub inspector Hemant Kumar Patel of DRG Bheji-02 and 03 other jawans of his team bravely responded to the heavy firing by Naxalites despite being trapped in the drain, giving cover to the other jawans of the team trapped in the drain. The police team was saved from getting trapped in the ambush of Naxalites.

Along with DRG Bheji-02, other teams also started moving forward by firing on the Naxalites for counter ambush, due to which the Naxalites got scared and seeing themselves getting surrounded and weakened, the police are too much, we are surrounded by everywhere, shouting to run for their lives and ran away under the cover of jungle and bush. About 40 to 45 minutes which both sides exchanged gunfire.

After the firing carding the incident site, a dead body of an unknown male Maoist Naxalite, aged about 30-35 years, who was wearing a yellow half T-shirt and black lower, was found near the bushes near the tree and near the dead body 01 nos. 7.65 mm. Pistol with 01 live round, 02 magazines and on close inspection of the spot, 02 Nos. Bharmar Gun, 03 Nos. 7.65 M.M. pistol's Empty roundcase, 01 nos black colored backpack with 10 nos S.L.R. liv rounds, 09 Nos Electronic Detonator, 01 Feet Knotted Kodex Wire, 02 Nos Gelatin Rod, 05 Meter Electric Wire, 02 Nos Battery, 02 Nos Cracker Bomb, 01 Pair Black Uniform, Naxalite Literature, Naxalite Pamphlet, Polythene, Medicines, Utensils and articles of daily use were

recovered. On searching the place where Naxalites had fired, 29 empty round shells of AK-47 rifle, 17 empty round shells of INSAS rifle, 12 empty cartridges of SLR rifle were recovered. About 250-300 rounds and 30-40 BGL were fired by the Naxalites on the police party. Police party recovered 05 cells from UBGL, 262 rounds from AK-47 rifle, 58 rounds from INSAS rifle, S.L.R. 44 rounds from rifle, 10 rounds from 9 mm. pistol, total Jumla 374 rounds and 05 U.B.G.L. The cell was fired.

During the said encounter, Team Commander Sub-Inspector Hemant Kumar Patel and the jawans under his leadership showed indomitable courage and bravery by failing the ambush of Naxalites and saving the lives of other jawans of the team trapped in the drain. While counter ambushing, the Maoists were forced to retreat and run away.

The Naxalite was killed in the encounter has been identified as Hadma @ Sanku @ MadviHadma father Madvi Deva, resident of Regadgatta police station Bheji district Sukma, Chhattisgarh, and actively working on the Rank of DVCM in Naxalite organization. The said Naxalite was working in South Bastar Battalion No. 01, an active organization in District Sukma, then in District Kondagaon as Commander of Company No. 06 and as DVCM in Maad Division Committee of District Narayanpur, against which 14 in District Narayanpur Crime is registered. The said Naxalite has been involved in almost all major incidents in South Bastar Division (Sukma area) including several major Naxal incidents in all the three districts, which has also been confirmed by the surrendered Naxalites of the district.

In this operation, Shri Hemant Kumar Patel, Sub-Inspector of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01/08/2022.

(File No.-11020/143/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 27—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Malik Ram	Inspector	GM
2.	Sukku Ram Nag	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Santosh Chandan	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.04.2020 a joint force of DRG and CAF went to the village Kademetta of the Maad area for patrolling and search under leadership of Inspector Malik Ram in which Assistant Sub Inspector of the district police Sukku Ram Nag and Head Constable Santosh Chandan were also present. As per the operation plan on 29.04.2022, the team on the patrol and search operation reached the jungle on the hill near the Becha turn in between villages Kademetta and Burgum. At that point, uniformed Naxals of the CPI (Maoist) of Company no. 06 opened indiscriminate fire on the police party. The police asked the Naxals to surrender but the Naxals ignored the warning of the police and continued firing indiscriminately. The police acting in self-defense and bravely countered the Naxals. The encounter lasted for 01 hour. On sensing their loss in front of the police action; the Naxals taking cover of the jungles and hills ran away. After which, the Police searched the spot of the incident place where 01 female uniformed Naxal killed in encounter namely Ranay Gota, East Bastar Division Supply team Commander and 01 SLR rifle with telescope with magazine 15 rounds, 03 empty round of SLR, One 12 bore gun, 03 Nos. 12 bore cartridges, 04 empty 12 bore cartridge shell. One black pouch, 10 Nos. .303 round, One Motorola walkie-talkie, 08 Nos. battery cell, One electric wire bundle, 03 Nos. plastic water container, medicines and other items of daily use. Apart from the dead female Naxal, the Naxal pamphlet also confirmed death of 01 deputy commander SannuMandavi of platoon of company number 6 of CPI (Maoist).

Inspector Malik Ram, Assistant Sub Inspector Sukku Ram Nag and Head Constable Santosh Chandan showed exemplary courage, bravery and supreme devotion to duty while putting their life in danger during the indiscriminate firing by the Naxals.

In this operation, S/Shri Malik Ram, Inspector, Sukku Ram Nag, Assistant Sub-Inspector and Santosh Chandan, Head Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/04/2020.

(File No.-11020/157/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 28—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Saket Kumar Banjare	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19th January 2022, a precise human intelligence was received by SP Dantewada regarding presence of 20-25 armed Maoists of Katekalyan area committee Darbha Division of CPI (Maoists) which included dreaded Maoists Mangtu Modiyami (DVCN), Mahangu Markam (ACM) in the forest area of Pratapgir hill, Nande Dongri Marjum under jurisdiction of PS Katekalyan. Chikpala Marjum is one of the highly sensitive Naxal affected village and core area of banned CPI (Maoists) activities.

Accordingly, a detailed operational plan was made and team of five DRG parties (total Strength 174 forces) advanced at 17.30 under command of Sub Inspector Ramawtar Patel, Inspector Sanjay Potam, Sub Inspector Hajaree Lai Mourya, Asstt. Sub Inspector Rameshwar Chaturvedi, Sub Inspector Saket Kumar Banjare and Sub Inspector Chaitram Gurupanch respectively for DRG Group 01, DRG Group 02, DRG Group 03, DRG Group 04, DRG Group 05, DRG Group 06. As the police party reached in forest area of Marjum, Naxalites who laid down ambush suddenly opened fire indiscriminately on the DRG group 05 and DRG group 02 of police forces. DRG troops under command of Sub Inspector Saket Kumar Banjare, retaliated strongly. After sometime firing has stopped, a detailed search operation was conducted in the encounter area. During search operation, a deceased male body, One 7.65mm pistol with 03 live round, Tiffin bomb and other Naxal materials including 01 pair Naxal uniform, Naxal literature and objects of daily usage were recovered. The deceased body was positively identified later as Maoist Muiya alias MuyaMarkam, Katekalyan area committee member (ACM), Vill. Chikpal, PS Katekalyan, Distt. Dantewada.

The role of Sub Inspector Saket Kumar Banjare was crucial in security forces getting success. This operational success in den of Maoists gave Naxalites push back and helped police to gain strong foothold in the area. This action could not have been possible without Sub Inspector Saket Kumar Banjare. The exemplary courage, lion hearted effort and gallant action without caring for their life, in service of the nation brought laurels to the Chhattisgarh police.

In this operation, Shri Saket Kumar Banjare, Sub-Inspector of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/01/2022.

(File No.-11020/161/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 29—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Bhuwan Singh Bora	Platoon Commander	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.08.2020 under Naxal Operation Balsam 37, Kanker STF Hub (Bravo-08) Joint force of DRG-1 and DRG-2 with Shri Bhuwan Singh Bora, Platoon Commander was formed to search and patrol in the border area of Kondagaon. The party was progressing from village Matenga to the forest hilly area that it was received on the intelligence of the presence of Naxalites in the hilly forest hilly area between village Jeevalamari and Matenga. Platoon Commander Bhuwan Singh Bora

with a team of 10 soldiers from the left side of the hill forest, another group of 11 soldiers with Platoon Commander Hemendra Yadu from the middle of the hill forest and the third contingent of 11 soldiers with PR 422 Mahendra Kumar Nagesh from the right side of the hill forest they were coming down from the side. Around 17 hrs, around 15-20 number of armed Maoist organization male and female Naxalites in plain clothes, opened indiscriminate firing on the team of Platoon Commander Shri Bhuwan Singh Borawith the intention of killing the soldiers and looting weapons. Showing indomitable courage by Platoon Commander Bhuwan Singh Bora, the team continued to fight relentlessly. The encounter lasted for about half an hour. Seeing the police party being overwhelmed and being surrounded by them, Naxalites fled taking the eye of the dense forest hill. After searching the scene of the incident, 01 striped male Maoist's body, 01 No. 303 rifle with magazine, 17 nos. live cartridges, 01 No. 315 bore rifle, 06 nos. plastic tripod, 05 nos. GermanGunji, 05 nos. German plate small bus, 13 nos. plate, 03 nos. plastic bucket and other useful items were recovered.

In this operation, Shri Bhuwan Singh Bora, Platoon Commander of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/08/2020.

(File No.-11020/3296/05/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 30—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Sanjay Pal	Sub-Inspector	GM
2.	Dharam Singh Tulavi	Sub-Inspector	GM
3.	Virendra Kanwar	Sub-Inspector	GM
4.	Patiram Podiyami	Sub-Inspector	GM
5.	Dilip Kumar Wasnik	Platoon Commander	GM
6.	Late Ramesh Jurri	Head Constable	GM (Posthumously)
7.	Late Ramesh Korsa	Constable	GM (Posthumously)
8.	Late Subhash Nayak	Constable	GM (Posthumously)
9.	Late Ramdas Korram	Constable	GM (Posthumously)
10.	Late Jagatram Kanwar	Constable	GM (Posthumously)
11.	Late Sukh Singh	Constable	GM (Posthumously)
12.	Late Ramashankar Singh	Constable	GM (Posthumously)
13.	Late Shankar Nag	Constable	GM (Posthumously)
14.	Late Kishore Andrik	Assistant Constable	GM (Posthumously)
15.	Late Sankuram Sodhi	Assistant Constable	GM (Posthumously)
16.	Late Bosaram Kartami	Assistant Constable	GM (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.04.2021 under the guidance & directions of SP Bijapur and on intelligence input about the presence of the large number of armed Maoists in the axis of village Peddagelur, Tekulgudem, Jonaguda, Jeeram, Dist-Bijapur, a joint ops consisting of DRG, STF and 210 CoBRA, CRPF was planned and launched Ops from PS Tarrem.

On 03.04.2021 at 10:30 hrs after hitting the respective targets at Peddagelur and Tekulgudem, when police parties were moving towards their next point, Naxals who were waiting in ambush started heavy fire from automatic, semiautomatic, and country-made weapons on the Police party. In retaliation, Police party also fired and an exchange of fire took place. When the party was attacked by Naxals DRG Team No.01 Commander Sub Inspector Shri Sanjay Pal, Sub Inspector Shri Deepak Bhardwaj, DRG Team No.07 Commander Sub Inspector Shri Dharam Singh Tulavi, DRG Team No.04 Commander Sub

Inspector Shri Virendra Kanwar, DRG Team No.08 Commander Sub Inspector Shri PatiramPodiyami and other men showed a great presence of mind, extraordinary courage, bravery, and conspicuous gallant action. On receiving the information, STF PC Shri DilipWasnik and CoBRA 210 Commander Shri Sandeep Dwivedi & DC Shri Manish Kumar along with Police parties rushed to the spot with their teams and counter ambushed Maoists. Due to this immediate action and tactical retaliation, a lot of Maoists were killed/injured. Maoists poured volley of fire over the Police party and also used UBGL and other explosive projectiles due to which Sub Inspector Shri Deepak Bhardwaj, HC Ramesh Jurri, HC Sodhi Narayan, CT Ramesh Korsa, CT Subhash Nayak, Asst. CT BosaramKartami, Asst. CT Kishore Andrik, Asst. CT Sankuram Sodhi, STF HC Shrawan Kashyap, CT Ramdas Korram, CT Jagatram Kanwar, CT Sukh Singh, CT Ramashankar Singh, CT Shankar Nag, CoBRA 210 Inspector Dilip Kumar Das, Head Constable Rajkumar Yadav, Constable Dharmdev Kumar, Constable S.Murlikrishna, Constable Raut Jagdish, Constable Shambhu Rai, Constable Bablu Rabha & BastarBatalian Constable Samaiya Madwi valorously martyred on the spot and ASI Anant Kursam, ASI Prakash Chetty, ASI ManiramKunjam, CT Badru Punem, CT Laxman Hernia, Asst. CT Somaru Karma, Asst. CT Basant Jhadi, Asst. CT Dashru Hernia, STF APC Bhaskar Yadav, CT Dev Prakash, CT Sonu Mandawi, CT Anil Baghel, CT Ramaram Poyam, CoBRA 210 Commander Sandeep Dwivedi, DC Manish Kumar, SI Abhishek Pandey, SI Anand Patel, Head Constable Madan Pal, Head Constable Suryabhan Singh, Constable Thapas Pal, Constable Rajiv Sethiya, Constable Balvinder Singh, Constable Dinendra Das, Constable Amit Kumar, Constable Sunil Kumar, Constable Samesh, Constable Balram Singh, Constable Manish Kumar, Constable Lakesh Kumar, Constable Sita Ram, Constable Rajkumar, Constable N. K. Nandisha, Constable Deepak Sharma sustained bullet injury on different body parts. Reinforcement Party exhibited valour of the highest order and succeed in taking out injured men to a safer place in between exchange of firing and giving them first aid. After strong retaliation by the forces and seeing themselves being encircled by forces, Maoists stepped back and fled from the spot taking advantage of thick vegetation and uneven ground. Once the exchange of fire stopped, the incident site was thoroughly searched in which dead body of a female Naxal SodiDuley @ SodiSanni, Age-25 Yrs., village-Elmagunda, PS-Chintagufa, Distt.Sukma (Company No.01 Member c/o PLGA Batalian No.01) along with 01 No. INSAS Rifle, Pouch/Magazine (26 live rounds) were recovered.

SI Sanjay Pal, SI Dharam Singh Tulavi, SI Virendra Kanwar, SI PatiramPodiyami, STF Platoon Commander Dilip Kumar Wasnik, HC Ramesh Jurri, CT Ramesh Korsa, CT Subhash Nayak, Asst. CT BosaramKartami, Asst. CT Kishore Andrik, Asst. CT Sankuram Sodhi, STF CT Ramdas Korram, CT Jagatram Kanwar, CT Sukh Singh, CT Ramashankar Singh, CT Shankar Nag have displayed an extremely courageous act, not only they retaliated the volley of fire coming from Naxals but motivated other men to retaliate fiercely and advance towards Naxals positions without caring for their life resulting which they were able to successfully counter ambushed hardcore Naxals. The bravery exhibited by them is extraordinary and show that they have a great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant attitude. In the operation, they have shown that they have good leader as they led the troops from the front, motivated them during operation and also saved the life of their men. By the virtue of their excellent operational aptitude, they played a key role in leading counter ambush on Naxals which was very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain.

In this operation, S/ShriSanjay Pal, Sub-Inspector, Dharam Singh Tulavi, Sub-Inspector, Virendra Kanwar, Sub-Inspector, PatiramPodiyami, Sub-Inspector, Dilip Kumar Wasnik, Platoon Commander, Late Ramesh Jurri, Head Constable, Late Ramesh Korsa, Constable, Late Subhash Nayak, Constable, Late Ramdas Korram, Constable, Late Jagatram Kanwar, Constable, Late Sukh Singh, Constable, Late Ramashankar Singh, Constable, Late Shankar Nag, Constable, Late Kishore Andrik, Assistant Constable, Late Sankuram Sodhi, Assistant Constable and Late Bosaram Kartami, Assistant Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/04/2021.

(File No.-11020/1212/05/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 31—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Dharam Singh Tulavi	Sub-Inspector	1st BAR TO GM
2.	Shiv Kumar Ramteke	Head Constable	GM
3.	Chhanu Ram Poyam	Constable	GM
4.	Gautam Korsa	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.02.2022 based on a highly reliable and actionable intelligence generated by SSP Bijapur about the likely presence of 25-30(approx) armed Maoists in the general area of Village Gadamalli, Kader, Japeli, Durdha under PS Naimed, District Bijapur, Chhattisgarh, a joint operation was launched by DEF (DRG) and CRPF for searching and destroying the plan/operation of Maoists at 21:40 hrs under the command of Shri Deepak Kadwall, 2-IC, CRPF, Assistant Commandant Shri V. K. Reddy & DRG Sub Inspector Jitendra Soni, Sub Inspector Dharam Singh Tulavi. Strikes were moving towards their target as per route plan and maintained proper surprise and secrecy during movement.

Police Party divided themselves into two parts. Party No.01 commanded by Sub Inspector Jitendra Soni, Sub Inspector Dharam Singh Tulavi and Party No.02 commanded by Shri Deepak Kadwall, 2-IC, CRPF, Assistant Commandant Shri V. K. Reddy were moving tactically towards village Gadamalli. On 27.02.2022, Police party no. 01 was divided into two strikes. Strike 01 commanded by Sub Inspector Jitendra Soni was moving in the mountain forest of village Durdhametta from the right side and Strike 02 commanded by Sub Inspector Dharam Singh Tulavi from the left side of the hill. While searching in "Standard line" formation at around 06:30 hrs, armed Maoists laid down ambush on Strike No.01 and fired indiscriminately. Party commander Sub Inspector Jitendra Soni and other men fired on the Maoists while taking a self-defense tactical position, but when the Maoists did not stop firing, Sub Inspector Jitendra Soni immediately informed Strike No.02 commander Dharam Singh Tulavi through the men-pack set. In charge of Strike 02 Sub Inspector Dharam Singh Tulavi & other men, without caring for their lives, fought against the Maoists with fire & move tactics from the left side. As the police parties regrouped and retaliated commensurately, the Maoists lying in ambush and firing indiscriminately fled the scene taking advantage of their familiarity with the terrain and the cover of thick jungle. The encounter lasted for around 20-30 minutes and when firing subsided, troops searched the entire area and found 02 dead bodies of female Maoists who were later on identified as Kumari Rukhni Punem d/o Aitu Punem, Age-35 year, Village-Hiroli, PS-Gangaloor, Distt-Bijapur (C.G.) & Kumari Sukhmati d/o Padga, Age-30 year, Village-Mukkaveli, PS-Farsegarh, Distt-Bijapur (C.G.) and also one 9 mm Pistol, 02 Nos. Magazine, 07 Nos. live rounds, one 12 Bore Rifle, 06 Nos. live rounds, 16 Nos. Pitthu, 03 bundle electric wire, Naxal Uniforms, 300 gms Gun Powder, 10 Nos. Crackers, Medicines, Literatures etc were recovered.

Sub Inspector Dharam Singh Tulavi, HC Shiv Kumar Ramteke, CT Chhanu Ram Poyam, CT Gautam Korsia have displayed an extreme courageous act, not only they retaliated the volley of fire coming from Naxals but motivated other men to retaliate fiercely and advance towards Naxal positions without caring for their life resulting which they were able to successfully counter ambushed hardcore Naxal. The bravery exhibited by Sub Inspector Dharam Singh Tulavi, HC Shiv Kumar Ramteke, CT Chhanu Ram Poyam, CT Gautam Korsia are extra ordinary and showed that they have great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant attitude. By the virtue of their excellent operational aptitude, they played a key role in leading successful counter ambush on Naxals which is very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain and successfully foiled the Naxal attack.

In this operation, S/Shri Dharam Singh Tulavi, Sub-Inspector, Shiv Kumar Ramteke, Head Constable, Chhanu Ram Poyam, Constable and Gautam Korsia, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/02/2022.

(File No.-11020/158/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 32—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Vikram	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18/05/2022 at about 11 PM, the tedious efforts of SI Vikarm with his team brought fruitful result and as per technical analysis followed by specific input, the team totally zeroed in the location/movement; leading them to succeed to apprehend Pawan Shehrawat @ Pauna with his two other associates namely Ashu @ Paglate & Gaurav Tyagi at Outer Ring Road, near Wazirabad Fly over, towards Burari, Delhi. In the process of apprehension, despite been warned to surrender, Pawan Shehrawat @ Pauna and Ashu @ Paglate whipped out pistols, fired on the police party to make their way to flee away. After identification of suspects, SI Vikram challenged them to surrender. On the other hand, accused persons opened fire at the police team, wherein SI Vikram was got injured on his left leg. Despite this, SI Vikram showed bravery and exemplary

courage and in self-defense as well as for the protection of other team members, he with other team members fired four rounds upon the criminals while aiming towards their non-vital parts. In cross firing, Pawan Shehrawat @ Pauna and Ashu @ Paglate also sustained bullet injuries on their legs. The criminals fired 6/7 rounds. Accordingly, a case vide FIR No-123/2022 u/s 186/353/307/34 IPC & 25/27 Arms Act, PS-Special Cell, Delhi has been registered and investigation taken up.

Two Sophiscated Semi-Automatic Pistols, two Country Made Pistols/Deshi Katta of 315 bore, three Live Cartridges of 9 MM, 16 live cartridges of 315 bore, seven Fired Cartridge were recovered.

During the operation, the SI Vikram led the team very intelligently and conducted a successful operation and arrested three desperate sharp shooters of infamous interstate gang of TilluTajpuria-Parvesh Mann-Neeraj Bawania namely (1) Pawan Shehrawat @ Pauna (2) Ashu @ Paglet s/o Rajesh & (3) Gaurav Tyagi, after a brief encounter. At the time of apprehension of these desperate criminals, SI Vikram took first opportunity to contain the situation by fire one round from his service pistol to stop these criminals and also to save the life of his team members. He also got a bullet fired by these criminals on his left leg, while performing his duty and showing exemplary courage without carrying of his life. All these efforts show extra ordinary devotion of duty and brave act on the part of SI Vikram.

In this operation, Shri Vikram, Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18/05/2022.

(File No.-11020/83/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 33—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Delhi Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Late Shri Shambhu Dayal Meena	Assistant Sub-Inspector	GM (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.01.2023 at about 04:00 PM, at PS Mayapuri, a lady namely Vandana w/o Sh. Vinod r/o Jhuggi no. 137, Phase-I, Mayapuri reached police station in person and reported that a person robbed the mobile phone of his husband and threatened them. ASI Shambhu Dayal Meena was deputed on the said call. At that time, no other person was available at the police station being pre-occupied in other PCR calls/essential duties so ASI Shambhu Dayal Meena along with the complainant reached at the spot, where the complainant pointed out towards a person who had robbed the mobile phone. ASI Shambhu Dayal Meena immediately overpowered the said person, who was later identified as Anish s/o Prahlad Raj r/o Jhuggi no. 10C/187, Mayapuri Phase-II, age 24 yrs, with him and was going to Police Station Mayapuri, where near B-115, Phase-I, Mayapuri, the said accused person suddenly pulled out a knife hiding under his shirt and attacked ASI Shambhu Dayal Meena on multiple parts of his body viz. Neck, chest, stomach and backside. ASI Shambhu Dayal Meena, despite being of 57 years, and despite being empty handed, without caring for his life and showing utmost courage, bravely confronted the criminal despite receiving several injuries over his body, over powered & apprehended the desperate armed criminal and he didn't let the criminal escape till the necessary support team reached from the Police Station, on receipt of a PCR call made by public. Lot of other public was also standing there but none from the public helped ASI Shambhu Dayal Meena and acted as spectators. It was only the brave ASI Shambhu Dayal Meena, who despite being hit with knife on his vital parts, showed exemplary gallant act and continued to hold of the armed assailant robber. The act was widely appreciated by the public and media.

The police staff of PS Mayapuri immediately reached the spot and arrested the said person from the custody of ASI Shambhu Dayal Meena and recovered the knife (weapon of offence) from the possession of the said accused. During the further investigation, the robbed mobile phone had also been recovered from him. Injured ASI Shambhu Dayal Meena was admitted to DDU Hospital, Hari Nagar, Delhi for treatment but was referred to Higher Centre for further treatment. Injured ASI Shambhu Dayal Meena was taken to BL Kapoor Hospital. Despite all possible efforts made by the doctors at BLK Hospital, injured ASI Shambhu Dayal Meena succumbed to the injuries on 8 Jan. 2023.

A Case FIR No. 04/23 Dt. 04/01/2023 U/s 186/353/332/307IPC & 25/27/54/59 Arms Act was registered at PS Mayapuri on the statement of injured ASI Shambhu Dayal Meena and the investigation was taken up accordingly. The accused was found to be involved in several criminal cases of snatching, theft & Preventive Action etc.

In this operation, Late Shri Shambhu Dayal Meena, Assistant Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/01/2023.

(File No.-11020/88/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 34—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Manmeet Malik	Inspector	GM
2.	Rajeev Kumar	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In a major crackdown on the activities of Gogi Gang, its desperate shooter namely Kulwant Dalai 22 years, r/o Village Chhara, PS Asaudha. District Jhajjar, Haryana was arrested by ISC/Crime Branch after an exchange of fire in the area of PS Sector-23, Dwarka, Delhi. The shooter was wanted in an extortion-cum-firing case of PS Kanjhawala, Delhi, wherein the alleged Kulwant had fired multiple rounds at the main gate of the victim Rahul Dabas on 23.10.2023. 02 empty cartridges and 03 chits were found near the main gate of one victim's house, in which a demand of extortion money of Rs. 1 crore was made and threats were extended by members of Gogi Gang. It was written in the chits that if the demand is not fulfilled, next time, the bullet would be fired on the chest of someone in his family. In this regard, a case vide FIR No. 426/2023, u/s 336/387 I PC & 25/27 Arms Act was registered at PS Kanjhawala. Delhi.

The team of ISC/Crime Branch has been working on the gangs' related incidents in Delhi and immediately swung into action. Manual as well as technical surveillance was mounted on suspects. Thereafter, a secret input was received that a suspect involved in the firing-cum-extortion incident of PS Kanjhawala, Delhi would come near Sector-21 Metro Station, Dwarka, Delhi to meet his associates. It was also informed that he always carries fire arms/weapons and does not hesitate in opening fire upon police team. Accordingly, a team led by Inspector Manmeet Malik comprising ASIs Jai Kumar, Rajeev Kumar, Vikas Solanki, HCBijender Harender and Ct. Ashish Malik under the close supervision of ACT Ramesh Chander Lamba was constituted to nab the desperate criminal. The team was also briefed about the imminent danger of being fired upon by the suspect.

Acting upon the information, the team laid a trap at the place of information and on 27.10.2023 at about 02:00 AM, the wanted accused was spotted near railway underpass Sector-21, near Bharthal Road, Dwarka, Delhi on a motorcycle. The team signaled him to stop but instead of stopping his motorcycle, he tried to escape through service road. When the police party directed him to surrender, he opened fire on the police team, firing 3 rounds in which one of the bullets hit on the Bullet Proof Jacket of Inspector Manmeet Malik, who was leading the operation. The police party retaliated in self-defense and fired 04 rounds, in which the above accused was shot on his left leg below the knee and immediately overpowered by the raiding party. The accused was identified as Kulwant Dalai, a sharp shooter of infamous 'Gogi Gang'.

In this regard, a case FIR No. 257/2023, dated 27.10.2023. u/s 186/353/307 IPC & 25/27 Arms Act, was registered at PS Crime Branch, Delhi. The robbed motorcycle from the area of PS Begumpur, used in commission of crime was also recovered. 03 automatic pistols, one country made pistol and 24 live cartridges were also recovered from his possession.

During his sustained interrogation, he disclosed that he had received the instructions from his associates who are lodged in jail. Subsequently, on 31.10.2023. the accused persons (1) Deepak Dabas @ Titar s/o Rajbir Singh r/o H. No. 101. Village Majra Dabas, Delhi, Age: 30 years (2) Mohit Badhani @ Anuj u Mohit a Lamba @ Shoki Naga s/o Ashok r/o Village + PO Bhadhani Sadar, Distt. Jhajjar, Haryana, Age: 24 years (3) Dinesh Karala s/o Bijender Singh r/o H. No. CN 843. Pana Satgarh, Village Karala, Delhi, Age: 31 years were also arrested in the present case.

Further on 03.11.2023, one more accused namely Manjeet Manni s/o Ashok r/o Village+PO Bhadhani Sadar, Distt. Jhajjar, Haryana. Age: 21 years (brother of accused Mohit Bhadhani involved in conspiracy) was also arrested from his village Bhadhani Sadar, Jhajjar, Haryana and one pistol along with five live cartridges were recovered from him.

In this incident of shootout, Inspector Manmeet Malik and ASI Rajeev Kumar, displayed conspicuous gallantly-, courage and devotion to duty of the highest order despite being shot at by the accused in desperation. It was the acute presence of mind, sense of valour and firm determination that stood Inspector Manmeet Malik along with ASI Rajeev Kumar in good stead and they were able to retaliate in the face of such grave danger. This is undoubtedly, a gallant act under most difficult circumstance's worth emulation.

In this operation, S/Shri Manmeet Malik, Inspector and Rajeev Kumar, Assistant Sub-Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/10/2023.

(File No.-11020/167/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 35—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Vinay Pal	Inspector	GM
2.	Mohd. Akmal Khan	Sub-Inspector	GM
3.	Sikander Khan	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Credible inputs revealed that in order to carry out terror activities in India, while simultaneously trying to hide its role and to circumvent scrutiny by international agencies, Pak-ISI has created a facade of India focused ISIS by using PAK based and protected terrorists who are fugitive from India, namely Farahtullah Gauri and his son-in-law Shahid Faisal (both absconding accused involved in Akshardham Temple attack case and presently hiding in Pakistan while working for Pak-ISI).

While following leads, one such module was identified with footprints in UP, Uttarakhand, Jharkhand & Maharashtra. While developing the information, two ISIS operatives namely Imran Khan and Yunus Saaki were arrested in Pune, Maharashtra by Pune Police. However, one of the arrested persons namely Shahnawaz Alam @ Abdullah manage to escape from the police custody. The case was later transferred to NIA for further investigation, who later declared a reward of Rs. 3 lakhs on the arrest of absconding terrorist Shahnawaz Alam @ Abdullah @ Md. Ibrahim @ Prince and 3 other accused.

On 18/09/23, on further specific information that the accused Shahnawaz Alam r/o Hazaribagh, Jharkhand moving along with one Rizwan Ali r/o Delhi have been planning to carry out terrorist activities in Delhi and adjoining areas along with their other associates, they are in the advance stage of preparations and have procured Arms, Ammunition and Explosives for this purpose and have set up base in Delhi, a case FIR No. 243/23, u/s 120B IPC was registered in PS Special Cell.

On 30/09/23, source information was received that absconded accused Shahnawaz Alam and Rizwan could be arrested if timely raid on the contacts persons/sympathizers is conducted. Accordingly, on 01/10/23, on the basis of credible inputs, coordinated multiple raids were carried out in three states (Delhi, UP and Uttarakhand) with the assistance of Central Intelligence Agency and concerned state police.

During investigation, Md. Arshad Warsi and Mohammad Rizwan Ashraf were arrested in the present case. Md. Arshad Warsi disclosed that Shahnawaz Alam is known to him and he is an accomplice in the conspiracy to carry out terrorist activities in Delhi and adjoining areas along with Shahnawaz and others. He also revealed that Shahnawaz Alam has procured Arms, Ammunition and Explosives and taken a rented room in Delhi in furtherance of their criminal conspiracy.

Thereafter, a raiding team comprising of Insp. Vinay Pal, SI Mohd. Akmal Khan, HC Sikander Khan and others was formed. On 01/10/23 at about 09.30 PM, raiding team along with accused Md. Arshad Warsi, departed to Jaitpur, Delhi. Insp. Vinay Pal was wearing bullet proof jacket.

Accused Md. Arshad Warsi on his own will led the police team to 5th floor Nambardar apartment E-90, Jaitpur Part -II, Delhi. On the pointing out of accused Md. Arshad Warsi, Insp. Vinay Pal knocked the door of the flat situated on the left-hand side of the roof. Shahnawaj Alam opened the gate and on seeing the police team, he immediately ran inside the 2nd room of the flat. Insp. Vinay Pal, SI M. A. Khan and HC Sikander chased him inside the flat; immediately, he took his pistol from the beneath of his mattress lying on the floor of room and targeted the police team. Insp. Vinay Pal, SI M. A. Khan and HC Sikander showed tremendous presence of mind, exceptional courage and without caring for their lives, pounce on the Shahnawaj Alam. Shahnawaj Alam opened fire on them with the intention of killing them, but cartridge of pistol misfired. Without caring for one's life, Insp. Vinay Pal overpowered accused Shahnawaz Alam while SI Mohd. Akmal Khan and HC Sikander disarmed Shahnawaz Alam carefully after a brief scuffle with him. Md. Shahnawaz Alam @ Abdullah S/o Shafiuzzama Khan r/o opposite to Pelawal road, Hazaribagh, Jharkhand, Age - 31 yrs was apprehended by Insp. Vinay Pal, SI M. A. Khan and HC Sikander Khan.

Pistol recovered from the possession of accused Md. Shahnawaz Alam was having six live cartridges in its magazine and one live misfired cartridge in chamber of the pistol. Accused fired on police party with the intention to kill them and obstructed them from performing their lawful duty. Hence, a separate case vide FIR No. 255/2023 u/s 186/353/307 IPC & 25/27 Arms Act PS Special Cell, Delhi was got registered.

The brave action of Insp. Vinay Pal, SI Mohd. Akmal Khan and HC Sikander Khan won a great applause not only from the highest ranks of police and Media, but also from the public at large. Undeterred and unfazed, they put their life at risk and bravely confronted this desperate terrorist without caring for their personal lives despite having no cover while apprehending this dreaded terrorist as they were in direct line of fire and showed indomitable courage, dedication, presence of mind and a rare gallant act.

In this operation, S/Shri Vinay Pal, Inspector, Mohd. Akmal Khan, Sub-Inspector and Sikander Khan, Head Constable of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01/10/2023.

(File No.-11020/169/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 36—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Rahul Vikram	Assistant Commissioner of Police	GM
2.	Vikram	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Gangster Deepak @ Tinu, a close associate of Punjab-based jailed gangsters Lawrence Bishnoi & Jaggu Bhagwanpuria and has been involved in numerous gangs-related criminal activities in Haryana & Punjab including the sensational murder of popular Punjabi singer Sidhu Moosewala in Mansa, Punjab. On the intervening night of October 1st - 2nd, 2022, Deepak @ Tinu managed to escape from the custody of Punjab police.

CRIMINAL BACKGROUND OF GANGSTER DEEPAK @ TINU: Deepak @ Tinu, a local criminal of Bhiwani Haryana has been involved in numerous cases of attempted murder, robbery, car-jacking and extortion across Haryana. During his imprisonment, he developed a rivalry with Punjab-based gangster LaviDeora and the counter the threat, he formed alliances with Lawrence Bishnoi and Sampat Nehra's gang.

Later, he escaped from the custody of Haryana Police with the help of his group members and murdered his rivals LaviDeora and Daljeet Singh, carrying out murders in public view. Later, he murdered another rival Bunty @ Master in Bhiwani Haryana and gained notoriety. He was arrested and sent to jail. During jail terms, he along with gangster Lawrence Bishnoi and others, orchestrated murder of Punjabi singer Sidhu Moosewala. Deepak @ Tinu, is one of the 24 accused individuals charged in the murder case of Punjabi singer Sidhu Moosewala.

The escape of notorious gangster Deepak @ Tinu, from the custody of Punjab police raised concerns among Delhi Police investigators, as it was on record that he had previously fled from police custody and had subsequently committed several violent crimes, including murder, armed robbery, extortion, and firing for personal gain. Moreover, his motive for escaping was to lead the gang, as most of the other commanders had already been apprehended and incarcerated.

Taking note of the seriousness of the threat, ACP Rahul Vikram and Inspector Vikram took charge of the operation. From the very first day of his escape, the Counter Intelligence team began working to gather leads on the gangster by analyzing metadata, compiling dossiers and creating a database to filter out valuable information. The field team collected tower cell IDs and visited different toll plazas to obtain CCTV coverage of the possible routes taken by the escapee. This data was then analyzed in detail by the duo to extract relevant information.

All these efforts collectively pointed towards highly suspicious movements in Rajasthan. Sources were mobilized and teams were dispatched to maintain physical surveillance over the identified suspect. Further analysis of the connected data and physical surveillance by the field team resulted in the correct identification of the gangster in Ajmer, Rajasthan. ACP Rahul Vikram and Inspector Vikram, along with their support team, immediately rushed to the location to verify the suspect's identity and determine the next course of action.

On October 19th, 2022, the investigative team located the suspect in Village Baghera, P.S. Kekri, Ajmer, Rajasthan while conducting their investigation. After conducting thorough fieldwork, the team identified the suspect's hideout in a complex topography within the village. The team was divided into two groups, with ACP Rahul Vikram leading one group and Inspector Vikram leading the other, in order to cover the hideout thoroughly. The teams worked in coordination with each other and were able to strategically enter the suspect's house and challenge him to surrender.

Notwithstanding, the suspect, who was later identified as wanted gangster Deepak @ Tinu, did not adhere to the call to surrender and instead, he picked up a hand grenade from his bag and attempted to detonate it by pulling out the safety pin.

Recognizing the immediate threat, ACP Rahul Vikram and Inspector Vikram, who were at the forefront of the raiding team, quickly acted to neutralize the threat and overpower Deepak @ Tinu before he could detonate the grenades. After nabbing the accused, search of the premises was made and the accused was found in possession of war-store of total 05 high explosive live grenades and 02 semi-automatic Pistols with a significant number of live cartridges. Meanwhile, the individual who had provided shelter to the suspect rallied a significant number of locals to impede the operation and launched a backlash. However, ACP Rahul Vikram and Inspector Vikram showed remarkable presence of mind and dealt with the aggressive mob in a professional and tactful manner, ensuring the secure custody of the accused.

In this operation, S/Shri Rahul Vikram, Assistant Commissioner of Police and Vikram, Inspector of Delhi Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/10/2022.

(File No.-11020/170/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 37—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Haryana Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Pardeep Kumar	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

ATM cutting gangs had been operating rampantly in the areas of South Haryana (Districts Palwal, Nuh and Gurugram). Whenever they were intercepted by police parties, brutal attacks were made on police party, following which, the gangs used to shift their area of operations to other states viz., Uttar Pradesh, Rajasthan, West Bengal and Maharashtra. This was having a direct impact not only on Banks, but leading to erosion of faith of general public in local police, and affecting the police morale. One such gang was identified as led by Ikram Arshad, Yameen and Azad as members. Ikram was involved in as many as 24 cases, including assaults on police personnel, attempt to murder, escape from custody, arms act, rioting, dacoity, theft and dealing in stolen items. He was declared as aimed offender in Uttar Pradesh and provisions of Gangster Act were also invoked on him. A cash reward of Rs. 50,000/- was announced for his arrest and another Rs. 50,000/- was under process. Ikram's accomplice, Arshad, was involved in as many as 10 cases including assault on police party, attempt to murder, escape from custody, arms act, rioting, robbery, theft, dealing in stolen items, mischief and planning dacoity. Cash reward of Rs. 25,000/- was announced for his arrest. To bust the gang, Inspector Pardeep Kumar, posted as In-charge, CIA/Rewari was selected and directed accordingly. Inspector Pardeep Kumar activated his sources all over southern Haryana and was in constant touch with police officials in other States. One such informer gave a tip off about possible movement of Ikram's Gang. Unafraid of past activities of the gang (in attacking police parties brutally), Inspector Pardeep Kumar made a Police Party and proceeded to the spot. At the point, instead of surrendering peacefully, the gangsters chose to attack the police party. Without fearing for their life Inspector Pardeep Kumar, ASI Rakesh Kumar and Ct. Pawan Kumar overpowered these dreaded gangsters amidst exchange of bullets. Inspector Pardeep Kumar had fired two rounds to save the life of Constable Pawan Kumar and other members of police party headed by him. One round fired by Inspector Pardeep Kumar hit the head of Arshad who succumbed to the injuries. Inspector Pardeep Kumar showed exemplary courage in handling the situation on the spot, filing which, there may have been serious consequences for the police party. Constable Pawan Kumar was injured but was saved as he was wearing a bullet proof jacket. Interrogation of gang members also led to tracing of 07 cases of ATM breaking of West Bengal (Cash theft Rs. 95,66,800/-). After this action, other gangs shifted their area of operations and no such cases were reported in southern Haryana.

In this operation, Shri Pardeep Kumar, Inspector of Haryana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 21/02/2019.

(File No.-11020/171/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 38—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Mohd Rafee Rather	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Dr. Shammi Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Zakir Hussain	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.06.2019, specific information was received from reliable sources about the presence of terrorists in village MarhamaBijbehara. It was reliably learnt that the group had arrived in the area to carry out some subversive action. Accordingly, a joint cordon and search operation was launched by Police Anantnag alongwith 3rdRR & 90 Bn CRPF. During the search operation, terrorists opened indiscriminate fire upon the search/cordon party with the intention to inflict casualties, break the cordon and escape. The fire was retaliated effectively by the police party, 3rdRR and 90 Bn CRPF under the command of SSP Anantnag/SP Ops Anantnagan and the cordon was strengthened. In order to conclude the operation successfully, a team was prepared for entering the house in which the terrorists were hiding.

The terrorists were asked to surrender but there was no positive response from them and they fired indiscriminately upon the search party that included MohdRafee Rather, DySP, Dr. Shammi Kumar, DySP and SgCt. Zakir Hussain who had a very narrow escape. The second party headed by SP Mubbasher HussainYousuf retaliated bravely and the terrorists back-tracked. The terrorists equipped with sophisticated illegal arms/ammunition tried to break the cordon on other side and threw many grenades on search parties and fired indiscriminately on deployed forces. The search parties led by DySPMohd. Rafee Rather and DySPShammi Kumar without caring for their lives retaliated very effectively with the result two dreaded terrorists were eliminated on spot who were later on identified as Tawseef Ahmad Bhat category "C" s/o Mohammad Ashraf Bhat r/oMarhamaBijbehara and Sajad Ahmad Bhat category "C" s/o Mohammad Maqbool Bhat r/o BaghporaMarhama.

Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR NO. 81/2019 U/S 307 RPC, 7/27 I. A. Act stands registered In Police Station Bijbehara.

In this operation, S/ShriMohdRafee Rather, Deputy Superintendent of Police, Dr. Shammi Kumar, Deputy Superintendent of Policeand Zakir Hussain, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18/06/2019.

(File No.-11020/1140/11/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 39—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Ishfaq Ahmad	Inspector	GM
2.	Muzaffer Ahmad Bhat	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.06.2021 at about 2309 hours, based upon a specific intelligence regarding presence of terrorists in village Gund-Brath, Sopore, a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police, Army 22RR and 179/92 Bn CRPF. Since there were already credible/specific inputs that the terrorists were hiding in a residential house possessing sophisticated weapons and the cordon was launched in late night hours, all the civilians were in deep asleep in their residential houses and in such a hostile situation there was every apprehension of civilians' causality, if the search operation would had been intensified at the very movement. So, in order to ensure that the operation is a clean one, first and foremost priority was given to the civilian's evacuation with the consultation of Army/CRPF counterparts. All entry and exist points were plugged off and lights were installed so that the terrorists do not escape from the cordon by taking advantage of darkness. Accordingly as per well strategy, a joint team of Police/Army/CRPF including Inspector Ishfaq Ahmad, Head Constable Muzaffer Ahmad Bhat and others was constituted as an advance team to evacuate the trapped civilians first under the backup/ covering firing of 2nd joint party.

Accordingly, the 1st joint team put themselves into action and evacuated all trapped civilians and even during the course of evacuation, the terrorists fired intermittently on the joint party with the intention to halt the evacuation process and to make the civilians hostage and even some bullets hit the closest of the team members, but the team members did not lost their morale and evacuated all trapped civilians from the target house and its adjoining houses/area and as such they put their lives in a great risk for the sake and safety of civilians and to ensure conclusion of operation without any collateral damage.

Once the evacuation process of civilians was completed, the cordon was more tightened by sealing all entry and exist points and the search operation was intensified during which the holed-up terrorists fired indiscriminately on the advance search party which was retaliated by the joint parties leading to an encounter. Since the terrorists were hiding in a two storied concreted house who tactfully kept changing their positions in the house and engaged the security forces for a long time, besides the target house was located in a congested location and its back side was covered with orchards and in such a hostile situation the security forces could not easily approach the target house for a long time due to fear of collateral damage. Eventually, the 1st joint team volunteered themselves to approach the target house for last and final assault and the 2nd team consisting on CRPF and Police was kept on the back up of 1st team to provide backup/ covering fire and to engage the terrorists till the 1st team approaches the target house. Accordingly, 1st team started approaching towards the target house under the backup fire of 2nd party. As soon the advance team was about to reach the target house, the terrorists after sensing that the security forces are about to reach the target house, the terrorists three in number suddenly jumped out from the house through the main door while showering volume of bullets and tried to escape from the spot by taking advantage of orchards area, but before the terrorists escapes from the spot, the advance team especially Inspector Ishfaq Ahmad and Shri Muzaffer Ahmad Bhat remained determent like a rock and retaliated the fire effectively and in the ensuing face to face gunfight three dreaded terrorists belonging to proscribed Lashker-i-ToibaLeT terror outfit were neutralized and were later on identified as Mudasir Ahmad Pandith @ Mudu @ Abu MaazBhjjji S/O Mushtaq Ahmad R/O BunporaDangerpora terrorist of LeT outfit, Khursheed Ahmad Mir @ Hashim @ Ahmad S/O Ghulam Hassan Mir R/O Brath Kalan Sopore, terrorist of LeT outfit and Abdullah @ Asrar, R/O Pak terrorist of LeT outfit. Good amount of arms/ ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 162/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Sopore. The slain terrorist Mudasir Ahmad Pandith was a chief commander of LeT outfit and was involved in a number of subversive activities, civilian killings and attacks on Police/ Security force establishments.

In this operation, S/ShriIshfaq Ahmad, Inspector and Muzaffer Ahmad Bhat, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20/06/2021.

(File No.-11020/1158/11/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 40—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Sajad Ahmad Malik	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Sukh Dev	Sub-Inspector	GM
3.	Manzoor Hussain Peer	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.11.2021, Kulgam Police generated specific information regarding presence of terrorists in village Pombay D.H..Pora Kulgam. Instantly, Dr. G.V. Sundeep Chakravarthy, IPS SSP Kulgam constituted different teams of Police, 9 RR, Contingent of CRPF 18th Bn & QAT CRPF Anantnag to cordon off the area on war footing basis and to ensure that no chance shall be left for terrorists to flee from the spot. When all escape routes were plugged off, special focus was given to evacuate civilians from the spot to save their precious lives.

As the search party headed by SSP Kulgam proceeded towards the suspected cowshed, the hiding terrorists armed with illegal weapons indiscriminately fired upon the searching party with the intention to kill them. On this, SSP Kulgam alongwith his team retaliated & engaged in fierce combat with terrorists leading to an encounter. The target cowshed was enshrouded from all sides and the hiding terrorists were given an opportunity to surrender, which they refused. During gun battle, the brave officer with his QRTs along with 9 RR & CRPF 18th Bn./QAT CRPF Anantnag killed three hardcore categorized terrorists on spot without any collateral damage and putting their lives at risk in the interest of security of state and national integrity.

The coherence showed by the Police party especially Shri Sajad Ahmad Malik, DySP, SI Sukh Dev and HC Manzoor Hussain Peer have played an exemplary role in elimination of 03 dreaded terrorists without caring about safety of their personal lives. Besides, they showed presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorists on spot without any collateral damage. Such clean operations are need of the hour to eradicate the menace of terrorism and to ensure safety and security of peace-loving people of our country. The slain terrorists were later on identified as Shakir Ahmad Najar S/o Gulzar Ahmad R/o Panipora Kulgam, Mohammad Aslam Dar S/o Mohammad Rafiq Dar R/o Redwani Bala and Sumair Ahmad Najar S/o Abdul Hameed Najar R/o Kanipora, Shopian. Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 155/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16,18,19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S D.H. Pora for further investigation.

The neutralization of these terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of respective banned terror outfits. They were involved in cop & civilian killings, bank loots and attacks on police guards and establishments. These terrorists were also involved in motivating youth to join terror ranks. Thus, their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy. These three terrorists were involved in killing of innocent people and were instrumental in recruiting the gullible youth to join the terrorist outfits. Besides, the above dreaded terrorists were active in the several areas of district Kulgam. Such a swift and clean operation gave psychological blow to anti-national elements and their propaganda machinery and at the same time, provided motivation to security forces engaged in fighting terrorism in the area.

The professionalism coupled with outstanding courage exhibited by the officers/officials of Kulgam Police during the instant operation was remarkable. The command, control and operational skills in laying effective Naka in such circumstances were commendable. The overall action of security forces and Police in this particular operation was commendable which resulted into the accomplishment of the mission. The conduct of the successful operation, the valour exhibited by the officers/officials needs to be acknowledged.

In this operation, S/Shri Sajad Ahmad Malik, Deputy Superintendent of Police, Sukh Dev, Sub-Inspector and Manzoor Hussain Peer, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 17/11/2021.

(File No.-11020/1173/11/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 41—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Javaid Ahmad Chopan	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.11.2021, Police Kulgam generated a credible input about the presence of terrorists at village Mirpora Ashmuji. Instantly; a joint team consists of District Police Kulgam, 9RR and a contingent of CRPF (Range QAT/46 Bn and 163 Bn) under the command of SSP G.V. Sundeep Chakravarthy-IPS rushed towards village Mirpora Ashmuji and cordoned off the whole area to ensure that the terrorists will not get any chance to flee from the suspicious place.

As the village was cordoned off on war footing basis, SSP Kulgam gave special priority to save the lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places as the suspicious location was highly populated. He chalked out operational plan on spot in order to conduct the operation without any collateral damage. As per the operational plan chalked out by SSP Kulgam, two operational teams were constituted to neutralize the trapped terrorists as well as to evacuate the civilians from the cordoned area to ensure their safety and security first. One team consists of SSP Kulgam alongwith adequate nafri of District Police Kulgam, 9 RR and CRPF 18 Bn and 2nd team consists HC Javaid Ahmad Chopan alongwith adequate nafri of District Police Kulgam, 9 RR and CRPF 18 Bn. Both the operational teams as per the operational plan moved closer to the target area to caught hold upon terrorists, but in the meantime, the terrorists lobbed grenades towards them followed by heavy firing with their automatic illegal weapons and tried to escape from the spot by taking the advantage of dense population. However, both the operational teams followed the foot prints of terrorists and engaged them in a close pitched battle. The brave operational teams retaliated tactfully without caring for their lives, faced a volley of burst fires from terrorist and miraculously escaped from the bullets and grenades lobbed on them. The trapped terrorist tried every possible tactic to flee from the spot, but the operational plan worked out successfully resulted in neutralizing hardcore categorized terrorist on spot as the terrorist rushed out from the cordoned house. During the fierce gunfight, both the operational teams showed spirit of unity, close coordination, enthusiasm, team work as well as passion to neutralize the terrorist on spot by putting their lives and limb at-risk in the interest of security of state and national integrity.

The coherence showed by the Police party especially HC Javaid Ahmad Chopan has played an exemplary role in elimination of one dreaded terrorist without caring of their lives. The terrorist was identified as Mudasir Ahmad Wagay S/o Mohammad Jamal Wagay R/o Malwan Devser ("A+" of HM outfit). Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 242/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 13, 16, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam.

In this operation, Shri Javaid Ahmad Chopan, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20/11/2021.

(File No.-11020/22/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 42—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Azad Ahmad Bhat	SgCT	GM
2.	Farooq Ahmad Bhat	Follower	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.10.2021, after the elimination of top LeT Commander Gulzar Ahmad Reshi S/o Abdul Rehman Reshi R/o Gufbal Kulgam in an anti-militancy operation conducted by Kulgam Police at Sopat area of District Kulgam, LeT mentors across directed hardcore categorized terrorists namely Afaq Sikander lone and his associate Irfan Mushtaq Lone to shift their base from district Shopian to district Kulgam to strengthen LeT network in Kulgam and to carry out some sensational attacks which include killing of non-local labours/civilians to create panic among the peace loving people, attacks on security forces/establishments/civilians and to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

Accordingly, the field sources of this formation were alerted to generate an actionable input to neutralize these hardcore terrorists of banned LET outfit and as per reliable sources, it came to know that these terrorists are planning to carry out attacks on security forces, to hurdle grenades at public places, busy markets in district Kulgam with the intention to create panic among the peace loving people and to motivate local youth to join terrorist ranks in order to strengthen the LeT outfit in District Kulgam again. On 17.11.2021, Kulgam Police generated specific information regarding presence of terrorists in village Gopalpora D.H.Pora. Subsequently, operational strategy was chalked out by Dr. G.V. Sundeep Chakravarthy and constituted different teams of Police, 34 RR, and Contingent of CRPF 18th Bn & QAT CRPF Anantnag to cordon off the area on war foot basis and to ensure that no chance shall be left for terrorists to flee from the spot. As all escape routes were plugged, special focus was given to evacuate civilians from the spot to save their precious lives. Meanwhile, the apprehensions of L&O problems enhanced on spot, special L&O grid consists of contingents of Police Kulgam & CRPF was constituted on spot by

Dr. G.V. Sundeeep Chakravarthy to tackle the situation and to ensure that no miscreants shall reach near the suspected spot and to ensure to conduct the operation without any collateral damage.

Meanwhile, DIG SKR Abdul Jabbar along with his QRT's reached on the spot and personally supervises the operation & chalked out operational strategy in order to conduct the operation without any collateral damage & to ensure safety and security of civilians by evacuating them from the cordon area towards safer places. On behest of worthy DIG SKR Anantnag, search party headed by Dr. G.V. Sundeeep Chakravarthy proceeded towards the target house, the holed up terrorists armed with illegal weapons in indiscriminately fired upon the searching party with the intention to kill them. On this, SSP Kulgam along with his team retaliated & engaged in fierce combat with terrorists leading to an encounter. The target house was enshrouded from all sides and the holed-up terrorists were given opportunity to surrender, which they refused. During gun battle, the brave officers with his QRT's along with 34 RR & CRPF 18th Bn./QAT CRPF Anantnag killed two hardcore categorized terrorists on spot without any collateral damage by putting their life and limb at risk in the interest of security of state and national integrity.

The coherence showed by the Police party especially DIG Abdul Jabbar, Dr.G.V. Sundeeep Chakravarthy, Sgct. Azad Ahmad Bhat and follower Farooq Ahmad Bhat played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring about safety of their personal lives. Besides, the officers/officials showed presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorists on spot without any collateral damage. Such clean operations are need of hour to eradicate the menace of terrorism and to ensure safety and security of peace-loving people of our country. The slain terrorists were later on identified as Afaq Sikander Lone S/o Mohammad Sikander Lone R/o Raykapran and Irfan Mushtaq Lone S/o Mushtaq Ahmad Lone R/o Awnera. Large quantity of arms/ammunition was recovered 7 rom the possession of slain terrorists. Case FIR No. 154/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act 13,16,18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S D.H. Pora.

The death of these terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of respective banned terror outfits. They were involved in cop killings, bank loots and attacks on police guards and establishments. Thus, their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

In this operation, S/Shri Azad Ahmad Bhat, SgCT and Farooq Ahmad Bhat, Follower of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 17/11/2021.

(File No.-11020/25/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 43—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Qazi Shamas-UI-Muzaffar Amin	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Mohinder Singh	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Naseer Ahmad	SgCT	GM
4.	Mohd Altaf Baghat	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.07.2021, SSP Pulwama received a specific input from Srinagar Police, to the effect that a group of armed terrorists were hiding in New Colony, Pulwama who were planning to strike upon Security installations. Upon this, SSP Pulwama discussed the input in detail with SSP Srinagar and developed the input with his concerned officers and discussed the plan of execution taking into consideration the location and vulnerability of suspected area. Thereafter, the input plan was further developed with Army 55 RR and 182/183 Bns CRPF who were asked to depute their parties for launching the operation. Accordingly, Police parties of District Pulwama/Srinagar alongwith Army/CRPF components rushed towards the target location and cordoned off the target area strongly.

After plugging off all the interior roads, lanes and path ways tightly, one joint dedicated team headed by Dy SP Qazi Shamas Ul Muzaffar Amin and assisted by ASI Mohinder Singh, SgCt Naseer Ahmad, SgCt Mohd Altaf Baghat along with party of 55 RR and CRPF 182/183 Bn who were asked to conduct searches in the suspected area. After conducting thorough search in few houses in the target area, the search parties while heading towards a residential house, the terrorists hiding in it

on seeing the troops hurled grenades followed by indiscriminating firing in which the search party had a narrow escape. However, the search parties immediately took cover and retaliated bravely which has forced the terrorists to turn in defensive. Another Police/SF party led by DySP Saqib Ghani immediately came into action and took position in the inner cordon for assistance of initial search party. In order to avoid civilian casualties, a Police team under the supervision of Addl. SP Tanweer Ahmad has evacuated all the civilians including women and children trapped in the cordoned area to safer places successfully. After establishing the contact with the terrorists, Operational Commander SSP Pulwama has directed the initial search party to come out of the danger area and the 2nd party available in the inner cordon was directed to give them cover fire so that they could come out from the danger area safely.

After coming out of the target spot, In charge Initial search party was briefed to deploy his men in the inner cordon and monitor the movement of terrorists inside the target house and share the same with other officers. In order to neutralize the terrorists, the Operational Commander, SSP Pulwama and SP City South Srinagar constituted 02 dedicated teams to fight with the terrorists. One Police party including ASI Mohinder Singh, SgCt Naseer Ahmad, SgCt Mohd Altaf Baghat and others headed by DySP Qazi Shamas-UI-Muzaffar Amin were asked to take position in orchard side and 2nd Police party headed by Addl. SP Tanweer Ahmad took position on Nalla/inhabited area.

After taking stock of the deployment, SSP Pulwama made an announcement on PA system through which the holed-up terrorists were appealed to surrender but they totally refused and threw grenades followed by heavy firing upon the troops and tried to escape from this side. However, the joint Police/SF party headed by DySP Qazi Shamas-UI-Muzaffar Amin without losing their concentration took position swiftly and retaliated bravely from the front and gunned down 02 terrorists. Upon this, the 3rd terrorist jumped over perimeter wall of the target house and tried to escape through Nalla passing nearby. However, the alert joint Police/SF party led by Addl. SP Tanweer Ahmad positioned in Nalla/inhabited area came in front without caring for their precious lives and killed the said terrorist too. During search dead bodies of 03 terrorists and some arms/ammunitions were recovered from the site of encounter. The killed terrorists affiliated with LeT outfit were identified as Aijaz (FT) @ Abu Huraira (A++ Category) R/o Pakistan, Shahnawaz Nazir Ganai S/o Nazir Ahmad Ganai R/o Samboora Awantipora and Javid Ahmad Rather S/o Ab Gani Rather R/o Tahab Pulwama along with recovery of arms/ammunition. Case FIR No 203/2021 U/S 307 IPC/7/27 I.A. Act, 16, 19, 20 ULA (P) Act was registered in Police Station Pulwama and the investigation has been taken up. The neutralization of above-mentioned hardcore terrorists is a huge setback to the terrorists of LeT outfit and is a great relief for security forces and general public as these terrorists were involved in various terrorist related actions.

In this operation, S/Shri Qazi Shamas-UI-Muzaffar Amin, Deputy Superintendent of Police, Mohinder Singh, Assistant Sub-Inspector, Naseer Ahmad, SgCT and Mohd Altaf Baghat, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14/07/2021.

(File No.-11020/32/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 44—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Ms. Tanushree, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Muzaffar Ahmad	Head Constable	GM
3.	Mohmad Hussain Sofi	Constable	GM
4.	Mukesh Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.10.2021 on the basis of specific information regarding presence of terrorists in village Feeripora Shopian, Local Police Shopian in association with 34 RR, 14/178 BN CRPF & District Police Srinagar cordoned off the area under proper strategic plan to nab/eliminate the terrorists hiding in the village and start search operation. The biggest challenge with the party was to locate the hiding terrorists and identify the house in which terrorists were hiding and to dominate the said location from all sides so as to prevent the terrorists fleeing from the spot. It was decided to lay a joint cordon by Shopian Police,

34 RR, 14th / 178th BN CRPF & District Police Srinagar to cover the target area from different directions under the overall supervision of SSP Shopian. Thereafter, teams of Police which led by SSP Shopian along with 34 RR and 178 Bn CRPF were formed to start the search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams.

In the meantime, terrorists hiding in the target area sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon the search parties with their illegal automatic weapons with the intention to kill them. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and search parties. However, it was noticed that some civilians have got trapped in the cordoned area. The search parties took the responsibility of evacuation of trapped civilians. After multiple attempts, they managed to rescue civilians trapped and moved them to secure locations.

Afterwards, Police teams headed by SSP Shopian which included Ms Tanushree, SP, HC Muzaffar Ahmad, CT Mohmad Hussain Sofi and CT Mukesh Kumar and others were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender which they refused instead they opened heavy volume of fire and grenade lobbing towards security forces. In order to neutralize them, above teams, advanced towards the target under the command of SSP Shopian, QRTs of 34RR, 14th, 178th BN CRPF covered the target from all directions and by crawling/moving tactfully forward and retaliated effectively with courage without caring for their lives from the front. Terrorists tried to escape from North Eastern side during the ensuing face to face gunfight which lasted for some time and 02 dreaded terrorists were eliminated. The killed terrorists were later on identified as Ubaid Ahmad Dar S/o Ab Rashid Dar R/o Ray-Kapran, Shopian of LeT outfit and Khubaib Hamid Nengroo S/o Ab Hamid Nengroo R/o Braripora Shopian of HM outfit. The slain terrorists were involved in various terror related crimes and huge quantity of arms/ammunition was recovered from their possession. Case FIR 267/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A Act, 16, 18, 20 ULA (P) Act, stands registered in PIS Shopian for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Ms Tanushree, SP East Srinagar, HC Muzaffar Ahmad, CT Mohmad Hussain Sofi and CT Mukesh Kumar, who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, Ms. Tanushree, IPS, Superintendent of Police, S/Shri Muzaffar Ahmad, Head Constable, Mohmad Hussain Sofi, Constable and Mukesh Kumar, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/10/2021.

(File No.-11020/34/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 45—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Rohit Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	MohdAshrif	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Amit Raina	Assistant Sub-Inspector	GM
4.	Nazir Ahmad	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.12.2021, based upon specific intelligence input regarding presence of terrorists in Ganaie Mohalla of village Check-i-Cholen Shopian. On this, a joint operation was conducted at Check-i-Cholen by Police Shopian and Srinagar in collaboration with 34 RR and 178th BN CRPF under the close supervision of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian assisted by SP Iftikhar Talib PC Srinagar.

Keeping in view the circumstantial perspective, a joint team of Police/RR/CRPF led by SP Iftkhar Talib PC including ASI Amit Raina and others was constituted to evacuate the civilians busy infarming fields adjacent to target to safer places.

The team in few attempts under the cover fire provided by other team which was led by Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imam Sahib including HC Nazir Ahmed succeeded in complete evacuation of civilian. After evacuation, the target was further zeroed and terrorists hiding in the area were asked to surrender, but they fired indiscriminately upon the cordon parties in which DySP Mohd Ashrif and his team including HC Nazir Ahmad had a narrow escape. The advance operational team retaliated the fire effectively, which triggered a face-to-face fire-fight.

The joint team of Police/RR/CRPF remained on forefront while fighting with the holed-up terrorists sensing noose around their neck, holed up terrorists came out from the hides showing bullets. However, the joint team led by DySP Rohit Kumar exhibited extra ordinary courage amid face-to-face gun battle inflicted heavy fire on the terrorists and gunned down (03) terrorists of LeT terror outfit later-on identified as Amir Manzoor Ganie S/o Manzoor Ahmad Ganie R/o Check-i-Cholen Shopian, Rayees Ahmad Mir S/o Nazir Ahmad Mir R/o Kapran Shopian and HusaibYousf Dar S/o MohdYousf Dar R/o Khudwani Kulgam. Large amount of arms/ ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 295/2021 U/S307 IPC, 7127 I.A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by DySP Rohit Kumar, DySP Mohd Ashrif, ASI Amit Raina and HC Nazir Ahmad, who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives, was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Rohit Kumar, Deputy Superintendent of Police, Mohd Ashrif, Deputy Superintendent of Police, Amit Raina, Assistant Sub-Inspector and Nazir Ahmad, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 08/12/2021.

(File No.-11020/36/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 46—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Sudhanshu Verma, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Mudasir Bashir Sheergojreey	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.07.2020 at about 1930 hrs, ESU South Srinagar received information regarding the presence of terrorists in the Malbagh locality of Hazratbal Srinagar falling in the jurisdiction of Police Station, Nigeen Srinagar. Immediately after getting the information about the presence of terrorists in the said area, a police team was detailed to execute the operation in the said area without any collateral damage. The team so-constituted started searches in the area during which Police/SFs succeeded in zeroing the location where the terrorists were hidden. The identified location viz; a house was encircled by the cordoned parties. The 2nd party consisting of a team of Police Hazratbal Srinagar which was tasked to lay the cordon of the outer areas of the target house in which the terrorists were hiding.

On the same day at around 2230 hrs, all the parties positioned themselves accordingly to the plan and formed a small-teams of police and Valley QAT CRPF for evacuation of the inmates of adjoining houses, the area being congested. The teams very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining houses and shifted them to a safer place to avoid civilian casualties or any collateral damage and from them, it was confirmed that one armed terrorist was hiding in the house. In the first instance, the presence of terrorist confirmed in the target location which was already zeroed. The hidden terrorist was offered to surrender which he refused out-rightly and instead opened fire on the operation parties resulting into injuries to one CRPF personnel HC/GD Kuldeep Kumar. The operation party comprising SP Sudhanshu Verma, HC Mudasir Bashir Sheergojreey & others and also a team of Valley QAT CRPF having taken all precautions approached near the target house where terrorist was hiding and it came under heavy fire from the spotted terrorist who had taken position in the said under construction house. The holed-up terrorist amid firing also lobbed grenades towards the advancing party which; however, didn't affect the operational party owing to their tactical move and the operational party withdrew only to target the hide from other sides. In the meantime, the hidden terrorist shifted his location in the basement of the house with an attempt to escape from the spot but the operational party approached the terrorist from all sides besides plugging all the lanes. The Police/Security

force having taken all the precautions as per the operational SOPs neutralized 01 terrorist whose identification was later revealed as Zahid Ahmad Dass @ Zulqarnain @ Hussain Bai S/o Gh Mohammad Dass R/o Dasspora Waghama Bijbehara, District Anantnag, a terrorist of ISJK outfit. The injured CRPF Jawan was shifted to 92-Base Hospital Badami Bagh Srinagar for treatment where he later succumbed to his injuries and attained martyrdom.

The elimination of the above said terrorist, Zahid Ahmad Dass @ Zulqarnain @ Hussain Bai S/o Ghulam Mohammad Dass R/o Dasspora Waghama Bijbehara District Anantnag, who was top Commander of ISJK outfit for South/ Central Kashmir, was a big achievement for the Police and a jolt to ISJK outfit network Srinagar. The said terrorist was forming a network, planning subversive activities and trying to setup a network in the Srinagar city. He was wanted by law for his complicity in a series of terror crimes including killings of Police, SFs and civilian atrocities. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of killed terrorist. In this regard, Case FIR No. 114/2020 U/S 307,120-B IPC, 7/27 I.A. Act& 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Nigeen.

In the instant operation, the role of SP Sudhanshu Verma and HC Mudasir Bashir Sheergojreey remained exemplary from the stage of generation of information till the execution of operation. There were many moments where they had to take risks of their own lives, however, they exhibited exemplary courage and bravery in neutralizing the terrorist.

In this operation, S/Shri Sudhanshu Verma, IPS, Superintendent of Police and Mudasir Bashir Sheergojreey, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/07/2020.

(File No.-11020/41/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 47—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Mohan Lal	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Tariq Ahmad Laloo	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.06.2021 at 2330 hours, reliable information was received from human asset that some unknown terrorists are hiding in village Wagoora, Nowgam Budgam and P/S Nowgam, Srinagar. It was also learnt that the terrorists have intention to carry out some sensational attacks which include grenade hurling, Fidayeen attacks, IED blasts etc to create fear-psychosis among general masses. Acting on the tip-off, Police party of Police Component Srinagar/police party of South Zone Srinagar/police party of West Zone Srinagar/Valley QRT CRPF under the overall supervision of then SP PC Srinagar conducted searches in village Wagoora, Nowgam Srinagar during the course, the police/forces succeeded in zeroing the target location where the terrorists were hiding. In the meantime, the whole area was encircled by the cordoned parties and sensing presence of forces in the area, the terrorists in the orchard area of the village hurled grenades towards the forces amid indiscriminate firing prompting the cordon and search parties to take position for their safety.

Immediately, an operational plan was charted out by SP Sajjad Ahmad Shah PC Srinagar and SP Perbeet Singh West Zone Srinagar as per the operational SOPs and all the exit points approaching to the location was sealed. Besides, evacuation process of civilians of nearby houses was also started to avoid any collateral damage. A team was constituted by SP Sajjad Ahmad Shah and SP Perbeet Singh comprising of DySP Mohan Lal, ASI Tariq Ahmad Laloo and others and adequate nafri of Valley QRT CRPF who positioned themselves according to the plan. In the first instance, the holed-up terrorist was offered to surrender which he declined and instead opened fire on the operation parties. Immediately, the intervention of the orchard was planned. The intervention party having taken all precautions started the process of advancing. However, as the intervention party came under heavy fire from the terrorist, who had taken position inside the orchard. The holed-up terrorist lobbed grenades and fired towards the advancing party; however, the advancing party had a miraculous escape. The advancing parties retaliated the fire without losing their sense effectively and plugged all the areas/exit points approaching the said target location. During the heavy gun fight between the operational parties and terrorist, one terrorist was neutralized whose identification was revealed as "Uzair Ashraf Dar S/o Mohammad Ashraf Dar R/o Wandina Melhora Wachi Zainapora, District Shopian, a terrorist of LeT/TRF outfit who was active in South Central Kashmir areas since 02.01.2021. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 70/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 13, 18, 20 & 23 ULA(P) Act stands registered in Nowgam.

The operation was concluded without any collateral damage and the elimination of the said local terrorist was a big jolt to the LeT/TRF terrorist network in South/Central Kashmir Range. The above-named killed terrorist namely Uzair Ashraf Dar S/o Mohammad Ashraf Dar R/o Wandina Melhoora Wachi Zainapora, District Shopian of LeT/TRF outfit was responsible for several subversive activities in these areas and killing of police men/other security force personnel. He was also involved in weapon looting incidents/Bank robberies in South/Central Kashmir respectively. He was directed by his mentors across for carrying terrorist activities by threatening police friendly people/political activists, lobbing of grenades for collateral damage and to create panic and terror among the peace-loving people.

The role played by operational parties especially DySP Mohan Lal and ASI Tariq Ahmad Laloo in the instant operation was exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between joint operational parties of Police and Valley QAT CRPF from the beginning till the culmination of operation. They remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz; evacuation of nearby civilians, chalking out best possible operational plan, priority on the lives of operational parties and assaulting on terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Mohan Lal, Deputy Superintendent of Police and Tariq Ahmad Laloo, Assistant Sub-Inspector of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15/06/2021.

(File No.-11020/42/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 48—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Javid Ahmad Lone	Sub-Inspector	GM
2.	Elyas Ahmad Khatana	SgCT	GM
3.	Yogesh Singh	SgCT	GM
4.	Mohmad Saleem Dar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.10.2021, based upon a specific intelligence input regarding the presence of terrorists in village Tulran-Imamsahib, Shopian. Accordingly, a joint operation was conducted by Police Shopian in collaboration with 34RR /178 Bn CRPF under the close supervision of SSP, Shopian. During the search operation, it was ascertained that terrorists are hiding in Tulran. Keeping in view the circumstantial perspective, a joint team of Police/RR/CRPF led by DySP Mohd Ashrif PC was constituted to evacuate the civilians busy in farming in the fields adjacent to the target to the safer places to avert the collateral damage. The team in few attempts under the cover fire provided by other team which was led by DySP Riaz Ahmad succeeded in complete evacuation of civilians. After evacuation, the target was further zeroed and terrorists hiding in the area were asked to surrender, but they fired indiscriminately upon the cordon parties in which DySP Mohd Ashrif PC Imamsahib and his team had a narrow escape. The advance operation team retaliated the fire effectively, which triggered a face-to-face fire-fight.

The joint team of Police/RR/CRPF remained on forefront while fighting with the holed-up terrorists. Sensing noose around their neck, holed up terrorists came out from the hide and showering bullets on operational parties. However, the joint team led by DySP Sheezan Bhat including SI Javid Ahmad Lone, SgCTE Iyas Ahmad Khatana, SgCt Yogesh Singh, CT Mohmad Saleem Dar and others exhibiting extra ordinary courage and bravery remained determinant and face to face gun battle inflicted heavy fire on the terrorists and gunned down three local terrorists whose identity were later on identified as. Yawar Hassan Naikoo S/o Gh. Hassan Naikoo R/o Pehlipora Shopian, Danish Hussain Dar S/o Mohd Hussain Dar R/o Ray Kapran Shopian and Mukhtar Ahmad Shah S/o Sirajud din Shah R/o Sindabal Ganderbal. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 68/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SI Javid Ahmad Lone, SgCTE Iyas Ahmad Khatana, SgCt Yogesh Singh and CT Mohmad Saleem Dar, who fought with terrorists efficiently and intelligently put themselves in a great risk was remarkable as the endeavor to reach the target is an extremely hostile situation was truly gallant.

Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers/ officials had a narrow escape. However, they without losing their concentration and proper application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Javid Ahmad Lone, Sub-Inspector, Elyas Ahmad Khatana, SgCT, Yogesh Singh, SgCT and Mohmad Saleem Dar, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/10/2021.

(File No.-11020/45/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 49—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Aqib Bashir Dar	Constable	GM
2.	Irfan Majeed Naik	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01.04.2020, based on specific information generated by Police Kupwara regarding presence of a group of terrorists hiding inside the forest patch adjoining to village Rangdori Gogaldara Jungund, a joint operation was launched by troops of Army 08 JAT and Police Kupwara under the close supervision of SSP Kupwara. After laying & strengthening the cordon of the suspected areas, the steps for search of terrorists in dense forests was started by the joint team of Police Kupwara including Ct. Aqib Bashir Dar and Ct. Irfan Majeed Naik with the assistance of Army 08 JAT. Since the area being highly vulnerable in view of dense forests and upper reach, search operation by the joint forces of Police Kupwara and army was launched effectively.

The terrorists who were recently infiltrated into district Kupwara as per intelligence input were hiding in the dense forests and it was highly challenging for the joint party to locate them. The search operation was extended in various areas and during the whole day of search operation, the terrorists were not pin pointed and after sunset followed by darkness in these bushy forests, joint forces and Police personnel continued their efforts to trace out the terrorists. On the next day, 02 special operational parties of Police and Army were constituted. One headed by Dy SP Rashid Younis and Ct. Aqib Bashir Dar and Ct. Irfan Majeed Naik and other that of Army, on the directions of SSP Kupwara, who without caring for their personal comforts moved forward and noticed the movement of these terrorists. The terrorists on seeing the police party & army fired upon the joint forces with their automatic weapons resulted bullet injuries to five army personnel on spot.

The assault party of Police Kupwara/Army took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and losing courage remained at forefront and determined to rescue the injured army personnel. A heavy exchange of fire took place between Army/Police party and terrorists, resulting elimination of 04 unidentified terrorists. During the ensuing encounter many army personnel got injured, among whom Subedar Sanjay Kukar, HC Davinde Singh, PTR Balakrishnan, PTR Amit Kumar and PTR Chetrapal Singh of 4 PARA attained martyrdom. Later 01 more terrorist was found hiding in the area who escaped from the incident, opened fire upon the forces, but at that time Ct. Aqib Bashir Dar and Ct. Irfan Majeed Naik came into forefront and fight started with this terrorist. Ct. Aqib Bashir Dar and Ct. Irfan Majeed Naik, while fighting with this terrorist, have a narrow escape but showing daring efforts they also eliminated the remaining (01) terrorist, thus preventing a huge damage to the SFs in the area. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 15/2020 U/S 307, 302 IPC, 7/27 I.A.Act, 18 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Trehgam for further investigation.

In this operation, S/Shri Aqib Bashir Dar, Constable and Irfan Majeed Naik, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01/04/2020.

(File No.-11020/100/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 50—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Faizan Ali	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Aftab Ahmad	SgCT	GM
3.	Mudasir Ahmad Malik	Constable	GM
4.	Sajad Ahmad Bhat	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.08.2021, a credible input was generated from human/technical resources about the presence of armed terrorists in Dardgund, Chandaji Bandipora hiding in the residential house of Dardgund, Chandaji. The information was shared with Army 26 Assam Rifles/CRPF 3rd Bn. Accordingly after meticulous planning, a joint cordon and search operation was launched by Army 26 Assam Rifles/CRPF 3rd Bn and Bandipora Police under the overall supervision of SSP Bandipora Mohammad Zaid.

A team of local Police was constituted on spot under the command of Dy SP Faizan PC Bandipora and assisted by SgCt. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat along with Army/CRPF components volunteered for the job and moved towards the target area by crawling, adopting the field tactics using walls and other objects as shield and reached closer to the suspected area and laid initial cordon. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained. Thus, all operational party was alerted, cut-off points were tightened so that terrorists remain trapped inside it.

After lying of cordon, assault team under the command of Dy SP Faizan Ali and SgCt. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat started evacuating the civilians from the adjacent houses without caring for their own lives. After evacuating 18 civilians including women, children and old aged persons, the assault team again started advancing by crawling, adopting the field tactics and reached closer to the suspected site of the house. After securing the cordon site, the announcements were made repeatedly through which terrorist was asked to surrender. But instead of surrender the terrorist opened indiscriminate fire upon the operational party deployed in inner cordon. The operational party retaliated fire by taking due precaution to cause minimum collateral damage. There was continuous firing from terrorist side as he was well positioned and feeling himself secured in the house. However, of DySP Faizan Ali, Sg Ct. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat remained committed and retaliated the fire which did not allow the terrorists to execute their nefarious design.

Since the terrorist was hiding in a house as such house intervention became obligatory. Accordingly, Dy SP Faizan Ali, Sg Ct. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat started entering into the house from the main door of the target house and started search. During search, they sensed the presence of terrorist in a room opposite to kitchen, immediately Dy SP Faizan Ali, Sg Ct. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat took their positions in a room & lobby, opposite to room where terrorist was hiding. On this, SgCt. Aftab Ahmad and Ct. Mudasir Ahmad Malik showing their battle tactics, swiftly kicked the door and Dy SP Faizan Ali and Ct. Sajad Ahmad Bhat stormed the shower of fire towards the terrorist which resulted in the elimination of one terrorist, later on identified as AbuZarar @ Babar (Commander LeT) R/o PoK "A+" category terrorist of LeT outfit, who was involved in motivating the youth to join militant ranks in order to leash the reign of terror in district Bandipora and was also involved in number of terror cases. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 36/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act stands registered in P/S Pethkoot.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Dy SP Faizan Ali, Sg Ct. Aftab Ahmad, Ct. Mudasir Ahmad Malik and Ct. Sajad Ahmad Bhat, who fought terrorist efficiently and astutely put themselves in great risk was remarkable. Although the terrorist tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers/ officials had a very narrow escape. However, these officers/ officials without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled the nefarious designs, complete the mission in safe manner on the operation site without causing major collateral damage have remained the key feature of this operation.

In this operation, S/Shri Faizan Ali, Deputy Superintendent of Police, Aftab Ahmad, SgCT, Mudasir Ahmad Malik, Constable and Sajad Ahmad Bhat, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/08/2021.

(File No.-11020/108/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 51—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Rakesh Kumar Singh	Police Sub-Inspector	GM
2.	Irfan Ahmad Bhat	Constable	GM
3.	Aftab Ahmad	SgCT	1st BAR TO GM
4.	Dilawar Hassan Magray	SgCT	GM
5.	Shabir Ahmad	SgCT	GM
6.	Mansoor Ahmad Sheikh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.09.2021, a credible input was generated from sources about the presence of terrorists in Village Watrina, Bandipora. A joint cordon and search operation was launched by Police Bandipora, Army 14 RR and CRPF 3rd Bn. After meticulous planning, a joint team of Police, Army & CRPF was constituted and operation was launched. The operational team under the command of PSI Rakesh Kumar Singh and assisted by Ct Irfan Ahmad Bhat, Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad, SgCt. Shabir Ahmad and Ct. Mansoor Ahmad Sheikh along with Army/ CRPF Components volunteered and reached in close proximity of the suspected area. During search operation, searching party sensed the presence of terrorists in a house. Accordingly, a meticulous strategy was chalked out on spot. The location of the terrorists was identified and watertight cordon was laid around the suspected area.

After lying of cordon, assault team under the command of PSI Rakesh Kumar and Ct Irfan Ahmad Bhat, Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad, SgCt. Shabir Ahmad and Ct. Mansoor Ahmad Sheikh started evacuating the civilians from the adjacent houses without caring for their own lives. After evacuating 42 persons including women, children and old aged persons, the assault team again advanced by crawling, adopting the field tactics using walls and other objects as shield and reached closer to the suspected site of the house. The hiding terrorists were asked to surrender, which they declined and resorted to indiscriminate firing in order to break the cordon. The terrorists kept on firing indiscriminately & lobbed Grenades upon the searching party; however, PSI Rakesh Kumar, Ct Irfan Ahmad Bhat, Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad, SgCt. Shabir Ahmad and Ct. Mansoor Ahmad Sheikh with covering support of inner cordon remained committed and retaliated the fire which did not allow the terrorists to execute their nefarious design. Since the terrorists were hiding in a concrete house as such house intervention became imperative. Accordingly, PSI Rakesh Kumar Singh directed Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad 540/Bpr and SgCt Shabir Ahmad to approach right side of the house and take safer positions and also kept eagle eye on the movements of trapped terrorists. Thereafter, PSI Rakesh Kumar, Ct Irfan Ahmad Bhat and Ct Mansoor Ahmad Sheikh entered into the house from the front side and started room to room search.

During search, they sensed the presence of terrorists in a room situated back side of the house, PSI Rakesh Kumar Singh took his position at the door and his buddies Ct Irfan Ahmad Bhat and Ct Mansoor Ahmad Sheikh took position in kitchen which was opposite to room where militants were hiding. Ct Irfan Ahmad Bhat and Ct Mansoor Ahmad Sheikh showing their battle tactics, swiftly kicked the door and PSI Rakesh Kumar Singh stormed the volley of fire towards the terrorists which resulted in the elimination of one terrorist while as another terrorist jumped out from a window backside and tried to flee from the spot, while running off the said terrorist hurled hand grenade and fired constantly, however Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad and SgCt Shabir Ahmad who were positioned at the back side of the house did not give up and without caring for their own lives remained committed, fired upon the terrorist and gunned him down. The slain terrorists were later on identified as Abid Rashid Dar @ Hakani (Commander LeT) S/O Ab Rashid Dar R/O PapchanBpr "A+" category terrorist and Azad Ahmad Shah @ Hufaiza (Area commander) S/O Mohd Yousuf Shah R/O Bagh Bandipora "B" category terrorist of LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 166/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20, 23 UAP Act stands registered in P/S Bandipora for further investigation.

It is pertinent to mention here that the said terrorists were high value targets, because they were involved in motivating the youth to join terrorist ranks in order to leash the reign of terror in District Bandipora and were also involved in number of terror cases including killing of 03 BJP activists.

The area of operation was densely inhabited / which remained hotbed for the terrorist's movement/presence and it was a big challenge for the security forces to launch an anti-militancy operation in such a problematic area without any collateral damage but PSI Rakesh Kumar, Ct Irfan Ahmad Bhat, Sg Ct Dilawar Hassan Magray, SgCt Aftab Ahmad, SgCt. Shabir Ahmad and Ct. Mansoor Ahmad Sheikh who volunteered themselves for this life-threatening act and put their lives on stake, challenged the hiding terrorist to surrender and on their refusal, bravely fought and eliminated these terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Rakesh Kumar Singh, Police Sub-Inspector, Irfan Ahmad Bhat, Constable, Aftab Ahmad, SgCT, Dilawar Hassan Magray, SgCT, Shabir Ahmad, SgCT and Mansoor Ahmad Sheikh, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26/09/2021.

(File No.-11020/106/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 52—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Yasir Rashid Bhat	Inspector	GM
2.	Mushtaq Ahmad Wani	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.01.2022, information was received regarding presence of terrorist of LeT in village Tilsara Charar-i-sharief. Accordingly, local Police along with 53 RR, 181st Bn. CRPF launched search operation in the area of village Tilsara Charar-i-Sharief after analyzing all aspects of the situation on ground.

At about 2230 hours as the cordon/search party comprising of SDPO Charar-i-sharief Dy SP Salim Jahangir, Inspr. Yasir Rashid Bhat, and others. The hiding terrorist tried to flee from the cordoned area taking an advantage of the darkness, but couldn't as the cordon was very strong.

In order to rule out any chance, cordoned area was further strengthened by deploying additional parties headed by Addl. SP Budgam Gawhar Ahmad and assisted by Ct Mushtaq Ahmad Wani and others. Announcements were made to offer the opportunity of surrender to the hiding terrorist to whom he did not pay any heed.

All the civilians were evacuated from all the adjoining houses around the target area by the joint search team comprising of Addl.SP Budgam, SDPO Charar-i-sharief, SHO P/S Charar-i-sharief, Ct. Mushtaq Ahmad Wani and others without caring for any repercussions, exposing themselves to imminent threat, evacuated all the inmates of the houses surrounding the target area. As the search progressed, the terrorist who was hiding in a shed, fired upon the search party which was retaliated effectively by DySP Salim Jahangir, Inspr. Yasir Rashid Bhat, SgCt. Tariq Ahmad and Ct Mushtaq Ahmad Wani resulting killing of terrorist on 30.01.2022, who later identified as Bilal Ahmad Khan S/O Mohammad Amin Khan R/O Brass Khansahib, District Budgam, of LeT terror outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 03/2022 U/S 16,18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Chrar-i-Sharief.

The elimination of the terrorist is a major setback to the LeT outfit. The swift and gallant action displayed by the Police and SFs especially Inspr. Yasir Rashid Bhat and Ct Mushtaq Ahmad Wani has averted any possible terrorist act which could have been carried out by the terrorist.

In this operation, S/Shri Yasir Rashid Bhat, Inspector and Mushtaq Ahmad Wani, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/01/2022.

(File No.-11020/112/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 53—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Abdul Rahman Khan	Inspector	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
2.	Farooq Ahmad Awan	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16.10.2021, Police Awantipora received a credible input regarding the presence of a group of terrorists of LeT outfit in the residential house in Drangbal, Pampore. The input was shared with 50 RR/CRPF 110 Bn and after that Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora, CO 50 RR and COs of 110/185 Bns CRPF chalked out actionable plan keeping in mind all possible hostilities.

As per evolved strategy, during night hours after 12 AM, the composite parties of Army 50 RR led by CO 50 RR, CRPF 110/185 Bn led by their COs and Police Awantipora led by Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora approached the target house by adopting the unconventional treacherous routes maintaining highest level of surprise till complete gap free cordon get established. The whole deployment was divided into three segments.

One part of the deployment was exclusively given the task of law & order management and remaining two were tasked for outer and inner cordon. All the possible escape routes were plugged off tactically and clandestinely to negate escape of terrorists by breaking cordon. The situation became hostile and worse during the approach due to congestion around the target house. The hiding terrorists were challenged to surrender but sensing that they have been cordoned, the terrorists resorted to fire on cordon party and also lobbed hand grenade to explore their opportunity to break the cordon and get escaped. But due to excellent coordination between the cordon parties, despite of imminent danger, especially the innermost cordon party maintained their passion and effectively retaliated the fire.

During the whole night and following day till both the battle-hardened terrorist get neutralized; they have attempted a number of times to breach the cordon and make their escape good. Amid this milieu of intermittent fire, it was first and foremost task of composite operational party led by SSP with counterparts of army/CRPF to safely evacuate the civilians who got trapped in target house and in the adjoining houses to the safer places by risking their lives, as there was every apprehension that hiding terrorists may target the police party by firing upon the civilians and the evacuating police party. Since the target house was located in the congested area and as such there was every apprehension of breakdown of law & order problem which might have disrupted the search/cordon process. As such, sufficient deployment of CRPF and Police components were made strategically at the points in the surroundings of the target area so as to sterile the area from any kind of extrinsic interference. This deployment was only tasked to deal with any law & order problem. After the successful laying of cordon and evacuating the civilians to the safer places, the next step was to detect the hidden place of terrorists and neutralize them. The composite search parties constituted as per already evolved plan, commenced search of surrounding houses assisted by continuous aerial surveillance by quad-copters.

The composite search teams of Army 50 RR, Police Component Pampore and CRPF 110/185 Bn discovered the exact location of the target house, as three storied concrete house. As the target house was completely discovered, one composite component of operational party (Police+Army) led by SSP Awantipora tightened the innermost eastern flank of target house while as another operational component (Police+ CRPF) led by Inspr Abdul Rahman Khan, laid innermost cordon around the target house on its western flank in which HC Farooq Ahmad Awan was also part of this team. After this, the hiding terrorists were repeatedly asked to lay their arms and come out from the targeted house for surrender, however, they refused to surrender. On being exposed completely, the hidden terrorists fired indiscriminately and lobbed hand grenades upon the assault party with the aim to inflict casualties and to escape by breaking cordon. The fire of terrorists hit the BP vehicles of Police & Army, which were pressed into service for final assault. Suddenly fire broke out, which was extinguished by immediately calling the fire tenders on the spot. But the ever- resolute composite parties of Army, Police and CRPF, in a synchronized manner, effectively retaliated the assault by terrorists, letting no scope for them to escape. By exhibiting great synergy with different operational parties, the composite assault party repositioned themselves in the tactically viable position and initiated close gun battle resulting elimination of two terrorists of LeT outfit, who were later on identified as Umar Mushtaq Khanday S/o Mushtaq Ahmad Khanday R/o Tulbagh Pampore and Shahid Khurshid Dar S/o Khurshid Ahmad Dar R/o Methan Chanpora Srinagar.

The killed terrorists were battle harden & involved in number of terror crimes; in particular they were involved in killing of two police personnel in Baghat Srinagar. The killing of both the two terrorists broke the backbone of LeT in Kashmir valley; putting on end to unabated civilian's killings and recruitment of innocent youngsters by the hands of the said terrorists. The operation concluded without causing any collateral damage. The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by the advance team especially Inspr. Abdul Rahman Khan and HC Farooq Ahmad Awan, who fought bravely without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly gallant. They were oblivious to imminent danger but had played a conspicuous role of bravery, courage, rare tactical acumen & exemplary jointmen ship which led to successful neutralization of two dreaded terrorists without suffering any collateral damage.

In this operation, S/Shri Abdul Rahman Khan, Inspector and Farooq Ahmad Awan, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/10/2021.

(File No.-11020/27/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 54—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Mumtaz Ali	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Farooq Ahmad Awan	Head Constable	1st BAR TO GM
3.	Mohd Ayaz	Head Constable	GM
4.	Aijaz Ahmad Sheikh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.03.2022, Police Awantipora generated an information regarding presence of a terrorist in village Katipora Chersoo Awantipora in the residential house who was hatching criminal conspiracy for some terror act in the area. The input was analyzed/corroborated and immediately shared with CO 42 RR and CO 130 Bn CRPF. On confirmation of input, the operation was planned and coordinated with 42 RR & 130 Bn CRPF for cordon and search.

As per evolved strategy, the composite party of Police Awantipora, Army 42 RR and CRPF 130 Bn approached the target house by adopting the unconventional treacherous routes maintain high level of surprise till gap free cordon get established. After laying & strengthening the cordon, the steps for search of terrorist in the target house was started by the joint team of Police Awantipora led by SSP Awantipora with the assistance of Army 42 RR, CRPF 130 Bn. No sooner the cordon was being established, the terrorist hiding in the target house started indiscriminate firing upon search/cordon party and also hurled hand grenades upon them so as to break the cordon and get escaped from the cordoned area. But due to presence of mind, search party who were searching in the target house, quickly took positions and retaliated in self-defense thus foiled the attempt of hidden terrorist to escape from the cordoned area. As such the presence and exact location of the terrorist get confirmed; the cordon was intensified and retaliation was firmly executed by the joint team. Further, on the guidance of SSP Awantipora, 02 teams of Police, one led by SSP Awantipora himself along with HC Farooq Ahmad Awan & party of counterparts of Army 42 RR & CRPF 130 Bn at Western side, another led by DySP Javid Ahmad and party of counterparts of Army 42 RR, CRPF 130 Bn on Northern side were constituted to occupy the positions close to the target house. As the target house was located in the built-up area and there was every apprehension of eruption of law & order problem, therefore, in order to thwart any such attempt, the deployment of Police Awantipora & CRPF 130 Bn under the command of DySP Mumtaz Ali was strategically made at the points in its surroundings so as to sterile the target house/area from any kind of extrinsic interference which might otherwise could have disrupted to carry out the anti-terrorist operation successfully.

Since anti-terrorist operation was underway in broad day light and it was full of challenges that too when reports of hiding of local terrorist is received; SSP Awantipora acted as per the situation on ground, revisited the strategy and advised Shri Javid Ahmad, Dy SP. PC Awantipora, to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house and from the houses falling in close proximity of the target house. This was sensitive and vital stage of the operation to evacuate the civilians who were trapped in the target house and the adjoining houses, as there was every apprehension of the attack from the besieged terrorist. The dare devil task was conducted by the SSP Awantipora, along with Dy SP Mumtaz Ali, HC Farooq Ahmad Awan, HC Mohd Ayaz, Ct. Aijaz Ahmad Sheikh and others amid the shower of fire from the terrorists. The evacuation of civilians was made possible with the help of covering fire provided by Police component Awantipora & CRPF 130 Bn. After that, hidden terrorist was given an opportunity to lay his arms and surrender through the respectable of the area which he ignored and in turn opened volley of fire upon the search/assault party and under volley of fire coupled with hurling of hand grenades, the hiding terrorist rushed out of the house and climbed wall of yard of the target house and tried to break the cordon and get escaped. The composite assault party of Police Awantipora, 42 RR, CRPF 130 Bn spearheaded by SSP Awantipora took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized the said terrorist while climbing on the wall. The slain terrorist was later on identified as Owais Raja Dar (Cat-C) S/o Mohammad Ramzan Dar R/o Subhanpora Kulgam, affiliated with proscribed terrorist outfit LeT. Arms/ ammunition were also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 39/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 18, 19, 23, 38 & 39 ULA (P) Act stands registered in P/S Awantipora and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Mumtaz Ali, Deputy Superintendent of Police, Farooq Ahmad Awan, Head Constable, Mohd Ayaz, Head Constable and Aijaz Ahmad Sheikh, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15/03/2022.

(File No.-11020/114/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 55—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) and 2nd Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Sumit Kumar Sharma	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Amit Raina	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO GM
3.	Farooq Ahmad Awan	Head Constable	2nd BAR TO GM
4.	Aijaz Ahmad Khan	Head Constable	GM
5.	Waseem SulamanYatoo	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16.03.2022, a specific input was generated by the formation of Police Component Srinagar in collaboration with Police District Awantipora with regard to the presence of unknown terrorist(s) carrying illegal arms/ ammunition hiding in Shankerpora, Wanabal area, falling within Revenue District Budgam and Police J/D of P/S Nowgam, Srinagar. It was also learnt that these terrorists have plans to carry-out some sensational terror activities in the area. Immediately, acting on the tip-off, joint police teams of District Police Srinagar/ Police Component Srinagar and police party of PD Awantipora along with Valley QAT CRPF and Army (50 RR) were constituted to identify and track-down the hidden terrorists and to subsequently neutralize them without any collateral damage. The teams so-constituted intensified the searches in the said area during which they succeeded in zeroing the target location (house of Bashir Ahmad Bhat S/o Mohd Sultan Bhat R/o Shankerpora Wanabal Nowgam) where the terrorists were hiding. Suddenly on seeing the presence of forces in the area, the terrorists hurled grenades amid indiscriminate fire upon the forces with the intention to kill and manage their escape from the locality.

Immediately, an operational plan was chalked out by DIG CKR-Srinagar along with police party and adequate nafri of Valley QAT CRPF was constituted. Accordingly, the nafri was divided into different parties - one of the parties along with the adequate nafri of Valley QAT CRPF and Army (50RR) was assigned for outer cordon of the target area and another party consisting personnel of PC Srinagar, District Police Srinagar including West Zone, Srinagar and PD Awantipora along with sufficient nafri of Valley CRPF was assigned to lay inner cordon of the target location.

The afore-mentioned special team was further split into 03 groups and was assigned to approach/ advance towards the target location from all the sides for appropriate action and for final assault on the hidden terrorist, if required. As per the operational plan, the operational groups Group-A consisting of SP Iftkhar Talib, Dy SP Sumit Kumar Sharma, HC Aijaz Ahmad Khan, Sg Ct. Waseem Sulaman Yatoo, Sg Ct. Mohd Iqbal, Sg Ct. Irshad Ahmad, Group-B under command of DIG CKR-Srinagar along with Dy SP Himayun Muzzammil, SI Farooq Ahmad, HC Yash Paul, HC Farooq Ahmad Awan, SgCt. Tanveer Ahmad and Group-C consisting of SSP Rakesh Balwal, SP Syed Al-Tahir Gilani, Dy SP Mohan Lal, ASI Amit Raina, HC Parvaiz Ahmad. The special team so-constituted having taken all precautions and being in close coordination with each other encircled the target location and initiated the process of advancing amid operational tactfulness and bravely evacuated the inmates of adjoining houses and shifted the inmates to nearby safer place and ensured no collateral damage.

The Group A led by SP Iftkhar Talib along with Dy SP Sumit Kumar Sharma, HC Aijaz Ahmad Khan, SgCt. Waseem Sulaman Yatoo, Sg Ct. Mohd Iqbal and SgCt. Irshad Ahmad eliminated one of the terrorists and pushed back other terrorists inside the target location. However, Group B, led by DIG CKR-Srinagar along with Dy SP Himayun Muzzammil, SI Farooq Ahmad, HC Yash Paul, HC Farooq Ahmad Awan, Sg Ct. Tanveer Ahmad, crawled nearer to the target location where from the terrorists resorted to fire on the operational party, retaliated the fire amid indomitable courage with utter disregard to personal safety in the line of fire from hiding terrorists, exhibiting nerves of steel and bravery of highest order eliminated another terrorist in the face-to-face gunfight while as the other terrorist, who in order to escape from the spot, hide himself in rear side of the target house and continued to open indiscriminate fire. Sensing the location of the last surviving terrorist, the Group-C led by SSP Rakesh Balwal along with SP Syed Al-Tahir Gilani, Dy SP Mohan Lal, ASI Amit Raina,

HC Parvaiz Ahmad retaliated the fire effectively and bravely and in a face-to-face gun fight between the two sides, the 3rd terrorist was neutralized.

SP Iftkhar Talib, Dy SP Mohan Lal, Dy SP Sumit Kumar Sharma along with their group buddies not only took front in elimination of terrorists but their indomitable will and role in planning the operation till its culmination, upholding of honour and integrity of the nation and professional tactics attributed to the tremendous grit, determination and exemplary valour led to successful conclusion of the operation and elimination of 03 dreaded terrorists without any collateral damage.

Meanwhile, the dead bodies of 03 terrorists were retrieved from the encounter site whose identification was later on ascertained as Aadil Ahmad Teli @ Adil Nabi Teli @ Abu Zazaar, B-Category terrorist of LeT/TRF outfit S/O Ghulam Nabi R/O Galchibal Chandhar Pampore, Pulwama, Yasir Ahmad Waqay, C-Category terrorist of LeT outfit S/O Ab Rehman Wagay R/O Kujar Frisal Yaripora, Kulgam and Shakir Ahmad Tantray, C-Category terrorist of LeT outfit S/O Gh Mohd Tantray R/O Ranipora Shopian, Shopian who were responsible/ involved for a number of subversive activities in the valley. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 45/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,18, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Nowgam.

The efforts and dedications of the operation party in general and Dy SP Sumit Kumar Sharma, ASI Amit Raina, HC Farooq Ahmad Awan, HC Aijaz Ahmad Khan and Sg Ct. Waseem Sulaman Yatoo are significant, outstay contribution in the instant operation. This is an exemplary gallant act exhibited by them not only took front in elimination of terrorists but our indomitable will and role in planning the operation till its culmination, upholding of honour and integrity of the nation and professional tactics attributed to the tremendous grit, determination and exemplary valour led to successful conclusion of the operation without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Sumit Kumar Sharma, Deputy Superintendent of Police, Amit Raina, Assistant Sub-Inspector, Farooq Ahmad Awan, Head Constable, Aijaz Ahmad Khan, Head Constable and Waseem Sulaman Yatoo, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/03/2022.

(File No.-11020/115/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 56—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Omer Hussain Wada	Head Constable	GM
2.	Ghulam Nabi Bhat	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06.06.2022 at about 14:30 hours, while acting upon a credible input regarding presence and movement of terrorists in Pannipora forests area of Bomai Sopore, a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police, in collaboration with 09 PARA / 22-RR and 179 Bn. CRPF. Since the area of operation was covered with forests in all sides, besides it was entirely undulated and the operation was launched in day broad light and as such, it was very difficult to neutralize the terrorist without any collateral damage. But the Security forces adopted a well strategy and at first instance, the people who were working in the nearby forest areas have been evacuated to the safe places and during the process of evacuation, the security forces exhibited highest degree of professionalism and resilience by putting their lives in great risk. Once the civilian's evacuation process was completed, the cordon was more tightened by sealing all entry and exist points and search operation started and during search operation few bullets were fired in air to get the response from the terrorist's side, but no response was heard initially.

Accordingly, as per planned strategy and after thorough consideration and consultation with the counterparts of Army and CRPF, two joint teams, who volunteered themselves to move ahead towards the suspected place for last and final assault were formulated. The first joint team of Police/ Army was constituted as an advance team, who do their assignment under the backup/covering firing of 2nd joint party.

Team first started approaching in creeping formation towards the suspected area and as long as the joint team was about to reach nearer to the suspected place, the hiding terrorist stood and fired indiscriminately with his sophisticated weapons upon the security forces, but the joint teams especially in team first HC Omer Hussain Wada and Ct Ghulam Nabi Bhat remained determinant and resilient just like a rock and retaliated the fire effectively face to face and in the ensuing gunfight one terrorist identified as “Qasim @ Rehaan @ Hanzalla R/O Pak” belonging to Lashker-i-Toiba (LeT) got neutralized. The slain terrorist was A+ Category terrorist of LeT outfit. While fighting with the slain terrorist, the joint teams especially in team first HC Omer Hussain Wada and Ct Ghulam Nabi Bhat put their lives in a great risk to uphold the security and sovereignty/integrity of the country and it is because of their sheer bravery, resilience and quality leadership and professionalism, the operation was culminated with the elimination of one dreaded terrorists in a very difficult and uneven situation. Arms/ammunition were also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 28/2022 U/S 307 IPC, 7/25 I.A.Act, 16, 23 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Bomai.

In this operation, S/Shri Omer Hussain Wada, Head Constable and Ghulam Nabi Bhat, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 06/06/2022.

(File No.-11020/124/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 57—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Mohmad Maqsood Lone	Head Constable	GM
2.	Azad Ahmad Bhat	SgCT	1st BAR TO GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.04.2022, Kulgam Police received specific information through reliable source regarding movement of terrorists in a vehicle on Manzgam-Aharbal axis. Instantly Dr.G.V.Sundeeep Chakravarthy-IPS SSP Kulgam established surprise Nakas at various suspected points to trace out the actual location of the terrorists. Police Kulgam along with troops of 9 RR and 34 RR chalked out strategic plan to nab the terrorists without any collateral damage. As per strategic plan, the suspected terrorists were chased and challenged at Korel Main Road. However, the travelling terrorists in the vehicle jumped out and resorted to indiscriminate firing towards the security forces with the intention to kill them. The fire was effectively retaliated which led to an encounter.

As the operation started between terrorists and security forces some civilians got trapped within encounter site. Instantly, SSP Kulgam gave special priority to evacuate the trapped civilians from the spot-on war footing basis towards safer places. The terrorists were encircled from three sides to ensure that they will not get any chance to flee from the spot. The terrorists were changing their positions continuously & not permitting the security forces to move forward. Meanwhile, HC Mohmad Maqsood Lone and Sgct. Azad Ahmad Bhat sensed the location of terrorists and challenged them in open without caring about their precious lives. During an encounter both brave officials got grievously injured and were shifted immediately to 92 Base Hospital Srinagar for treatment. However, the joint teams of District Police Kulgam, 9 RR & 34 RR showed professionalism, bravery, dedication and devotion and challenged the terrorists in open without caring for their personal safety and security. The brave officers/officials of Police/SFs neutralized 02 terrorists on spot and thus diverted a major threat to the security and integrity of nation.

The coherence showed by the Police party especially by HC Mohmad Maqsood Lone and Sgct. Azad Ahmad Bhatan exemplary role in elimination of 02 terrorists of JeM outfit namely Jameel Pasha @ Usmaan Chachu (Category "A") R/o Pakistan and Sameer Sofi (Hybrid Terrorist) S/o Farooq Ahmad Sofi R/o Amshipora District Shopian without caring about safety of their personal lives. Besides, they showed presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorist on spot without any collateral damage. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 09/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 18, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Manzgam.

In this operation, S/Shri Mohmad Maqsood Lone, Head Constable and Azad Ahmad Bhat, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/04/2022.

(File No.-11020/129/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 58—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Zafar Mahdi	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Mohd Ashraf Sheikh	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.05.2022, Police Bandipora received an information through reliable sources to the effect that terrorist equipped with heavily sophisticated weapons are hiding in forest area of Sirander Sumlar Bandipora. Acting on this information, Police party from PC Bandipora headed by Dy SP Zafar Mahdi under the supervision of SSP Bandipora/SP (OPS) Bandipora moved towards the hiding spot and a joint operation was launched with the help of 14 RR and 3rd Bn CRPF. After a brief discussion with the army with regard to the topography of the area, process of cordon and search operation was started. As planned, initial cordon party headed by Dy SP Zafar Mahdi assisted by SgCt. Mohd Ashraf Sheikh along with Army and CRPF components, volunteered them to be part of search. Search operation was started on spot. While carrying search of the suspected area, all of sudden; the search team came under heavy fire from the terrorist who had taken shelter inside thick bushes. The searching team was enough vigilant and remained unharmed during the attack and a meticulous strategy was chalked out by the operational officers and the location of the terrorist was marked/identified. After this, a plan was devised on spot wherein joint parties of Army and Police were placed at very close to the target site. Needless to mention that, after this DySP Zafar Mahdi along with Sg Ct. Mohd Ashraf Sheikh made a very bravemove and crawled through thorny bushes to the target site and aimed at the terrorist hiding inside thick bushes behind a terrain. After securing the cordon site, the announcements were made repeatedly through.

which terrorists was asked to surrender. But instead of surrender, the terrorist opened indiscriminate fire upon the joint parties deployed in inner cordon. The joint parties retaliated with counter fire by taking due precaution to cause minimum collateral damage. There was continuous firing from terrorist side as they were well positioned and feeling themselves secured in the dense forest. However, Dy SP Zafar Mahdi and SgCt. Mohd Ashraf Sheikh remained committed and retaliated the fire which did not allow the terrorist to execute their nefarious design.

On the directions of team leader, volley of fire was fired upon the terrorist. Terrorist fired on assault party, but the assault party did not give in and remained committed, and from close range gun battle between terrorist and assault party continued till elimination of terrorist, who was latter on identified as Gulzar Ahmad Ganie @ Faizan S/o Bashir Ahmad Ganie R/O WussunPattan as "B" category terrorist of LeT outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. In this connection, a Case FIR 85/2022 U/S 307 IPC, 7/27 IA Act stands registered in P/S Bandipora for further investigation.

In this operation, S/Shri Zafar Mahdi, Deputy Superintendent of Police and Mohd Ashraf Sheikh, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/05/2022.

(File No.-11020/29/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 59—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Mohd Yousif	Senior Superintendent of Police	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
2.	Parmeet Singh	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Ishtaq Ahmed Bhat	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the process of picking of some OGWs, an input provided to Police Awantipora based on information from one of the OGW on 06.04.2022, raid/cordon was jointly laid by Police Awantipora, Army 42 RR and CRPF 180 Bn in village Arigam Tral.

As per the evolved strategy, joint troops of Police Awantipora, 42 RR & 180 Bn CRPF started laying cordon from 0550 hours in village Arigam Tral from two axes i.e. Sherabad- Arigam and Shariabad-Arigam. As the laying of cordon was in progress, joint troops of Sherabad-Arigam axis observed movement of 02 suspicious persons in mustard field/thick vegetation. All the parties were alerted immediately by their respective commanders. Joint troops asked them to stop but instead of stopping, the suspected persons taking advantage of thick vegetation and Nallah started fleeing towards Awantipora-Tral road near Konsarbal/Eidgah. As the fleeing suspects managed to reach road side, their suspicious movement was observed by Police led by SSP Awantipora who were on the way to Tral near Konsarbal/Eidgah. The suspects were again challenged to stop by Police party of SSP Awantipora. The suspects sensed that they have been trapped by the troops, instead of stopping opened fire on police party and also lobbed grenade. The Police party headed by SSP Mohd Yousif, comprising ASI Parmeet Singh, Ct. Ishtaq Ahmad Bhat and others immediately took cover and retaliated effectively in self defense. In this ensuing exchange of fire one terrorist was neutralized. However, the 2nd terrorist managed to escape towards Arigam village by taking cover of thick vegetation.

SSP Awantipora along with his counterparts of Army 42 RR and CRPF 180 Bn revisited the strategy and took stock of the situation to start search of the 2nd terrorist who managed to flee/escape hiding himself in nearby area taking advantage of thick vegetation. Cordon was strengthened and joint troops of Police, Awantipora 42 RR and 180 Bn CRPF were tactically placed to cover entire village Arigam. Tracker dogs & drones service was also put into service to locate the position of terrorist. Terrorist was suspected to be hiding/taking cover in the open field behind the thick vegetation and the searching troops were exposed to grave threat without any proper cover from the terrorist fire. Search was fraught with danger, as the hiding terrorist had advantage watching the joint troops in action. As such, it was decided that search would be conducted in small teams led by their respective commanders. During search of the mustard field/mixed vegetation, searching party noticed fresh blood spots which were an indication of injured terrorist. Tracker dogs gave indication towards a cow shed/house in the outer of the Arigam village. Seeing this, it was decided to start search of the suspected cow shed and adjoining vehicle parking area. As the searching party advanced tactically towards the haystacks, the terrorist hiding there sensed the danger and suddenly came out from the haystack and took cover behind parked vehicles and opened volley of fire on the joint search party with the intention to inflict causality and to escape from the cordoned area which was retaliated by the joint search party of Police Awantipora, Army 42 RR & 180 Bn CRPF.

SSP Awantipora alongwith counterparts of Army & CRPF advanced towards the terrorist position and tactically blocked the escape routes and thus a tight cordon was placed around the 2nd hiding terrorist who was continuously firing on these cordoned troops and also lobbed a grenade. The joint troops using security drill, advanced towards the terrorist's position. The composite assault party of Police, Army, CRPF spearheaded by Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora and his counterparts of Army/CRPF together with his buddies ASI Parmeet Singh, Ct. Ishtaq Ahmad Bhat others displayed extraordinary courage, fire discipline, determination & gallant action, and in this action, joint troops fired effectively on the terrorists position and neutralized them in a close quarter battle. The killed terrorists were later on identified from the Identity card recovered from the pocket of the personal apparel of the slain terrorists which was further corroborated by their legal heirs as Umar Nabi Teli (LeT) S/O Lt. Gh. Nabi Teli R/o Kumar Mohalla Ladhoo and Shafat Muzaffar Sofi (AGuH) S/O Muzaffar Ahmad Sofi R/o BatagundTral alongwith recovery of arms/ ammunition from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 37/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 18 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral for further investigation.

In this operation, S/Shri Mohd Yousif, Senior Superintendent of Police, Parmeet Singh, Assistant Sub-Inspector and Ishtaq Ahmed Bhat, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 06/04/2022.

(File No.-11020/117/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 60—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Nissar Ahmad Darzi	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Azim Iqbal	Inspector	GM
3.	Danish Allahi Rather	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.03.2022 on specific information about the presence of terrorists in Naina Batpora area, Pulwama Police, 55 RR and CRPF 182 Bn launched a joint CASO of target area at village Naina Litter. After plugging off all the interior roads, lanes and path ways strongly; two joint teams, one team headed by DySP Nissar Ahmad Darzi assisted by HC Mushtaq Ahmad, SgCt Danish Allahi Rather along with components of 55 RR and CRPF 182 Bn were formed for conducting searches in the suspected area and another team under the command of Inspector Azim Iqbal has been deployed in inner cordon for immediate assistance of the initial search party. During the search process, the terrorists hiding in a Minaret of a local Mosque hurled a grenade followed by heavy volume of indiscriminating firing upon the search party with the aim to cause damage to the forces and to make way for escaping. In the initial firing, 03 army men of 55 RR sustained injuries who were immediately evacuated from the spot and hospitalized. The troops without losing their concentration immediately took cover, retaliated the fire with dedication and forced the terrorists to turn defensive. In order to avoid civilian casualties, priority was given for evacuation of the people especially women & children trapped in the cordoned area to safer places.

In order to maintain the sanctity of the religious institution (Mosque) and to avoid it from damages, terrorists were repeatedly appealed to surrender which they totally denied and continued indiscriminate firing upon the troops. For giving effective defeat to the terrorist plans, the initial search party headed by DySP Nissar Ahmad Darzi has been asked to come out of the danger zone and took position in a lane leading towards the inhabited area and the 2nd party headed by Insp. Azim Iqbal has been re-deployed in the structure facing to target area (Mosque) and asked to fire tear smoke shells towards the Minaret in which the terrorists were hidden to force the terrorists to come out of the Mosque and to save the religious Institution (Mosque) from damages. As soon as the tear smoke spread in the Mosque area, the terrorists while continuing indiscriminate firing upon the forces came out of the Mosque and tried to escape from two different sides, however, the above mentioned Police/SF parties and other deployments at once came into action and retaliated bravely from the front without caring for their precious lives and gunned down two (02) dreaded terrorists of LeT/ TRF outfit of C-category, who were later on identified as Shahid Hussain Khan S/o Gh. Mohi-ud-din Khan R/o Batpora-Naina Pulwama and Fayaz Ahmad Sheikh S/o Gh Rasool Sheikh R/o Shahpora Ganderbal. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 18/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Litter for further investigation.

Neutralization of above-named hardcore terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially for LeT outfit and is a great achievement for security agencies. Besides, these terrorists were involved in various terrorist related activities.

In this operation, S/Shri Nissar Ahmad Darzi, Deputy Superintendent of Police, Azim Iqbal, Inspector and Danish Allahi Rather, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/03/2022.

(File No.-11020/113/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 61—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Afaq Ali Dewani	Head Constable	GM
2.	Rajan Kumar	Head Constable	GM
3.	Sajad Ahmad Talee	Constable	GM
4.	Mohd Shafi	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.04.2022 at about 0514 hours, Shri Gh. Jeelani Wani, SSP received specific input about the presence of terrorists in village Pahoo Pulwama who were planning to carry out some subversive action upon Security forces and their establishments. Accordingly, the information was shared with Army 50 RR and it was decided to lay a joint cordon at the target Place. SSP Pulwama along with SOG party rushed to the spot for launching cordon & search operation. On reaching the target location, the suspected area was put under heavy/tight cordon and a dedicated team led by Shri Gh Jeelani Wani, SSP along with SOG party including HC Rajan Kumar, HC Afaq Ali Dewani, Ct Sajad Ahmad Talee, Ct Mohd Shafi and a component of Army 50 RR was constituted to conduct searches in the target area where terrorists were hiding.

Thereafter, SSP Pulwama, along with his team members taking lead and started search of the target area. During the search process, the terrorists hiding in the inhabited area, started indiscriminate firing upon the approaching Police/SF party which could have resulted major loss, if, bullet proof vests would not have been put in place. However, SSP Pulwama Shri Gh. Jeelani Wani without losing grip over his party, encouraged the team mates and retaliated the fire with dedication and compelled the terrorists to turn in defensive. After establishing the contact with the terrorists, SSP Pulwama asked his party to come out of the target house tactfully and strengthen the Police/SF party taking position in the inner cordon to fight the terrorists firmly. In the meantime, Components of CRPF 182/183 Bns also reached the spot and joined the operation. In the meantime, it was observed that many civilians got trapped in their residential houses situated in the cordoned area and their evacuation was much important and prime duty of police.

In order to ensure safe evacuation of these civilians, SSP Gh. Jeelani Wani constituted a joint team under his supervision for the purpose. Although the evacuation team led by SSP Pulwama came under heavy firing of terrorists, however the team without caring for their precious lives completed the evacuation process successfully without any collateral damage and thus averted a big tragedy. After safe evacuation of the civilians from the target area, SSP Pulwama (Operational Commander) offered the holed-up terrorists to surrender repeatedly which they refused and continued firing upon the troops and tried to escape from the spot but could not find any escaping gap which compelled them to took shelter behind the bushes near the residential area. In order to make the operation successful, the operational Commander (SSP Pulwama) constituted two dedicated Police/SF's joint teams to retaliate the terrorist fire firmly/effectively and to neutralize the holed-up terrorists without any collateral damage. SSP Pulwama himself commanded the 1st team including HC Rajan Kumar, HC Afaq Ali Dewani, Ct Sajad Ahmad Talee, Ct Mohd Shafi and Components of 50 RR and 182/183 Bn CRPF and took position in North-East area and the 2nd team led by SI Jagdesh Singh and QRT's of 50 RR & 182/183 Bn CRPF have been asked to take position on South-West area. All the constituted joint teams took positions as per the directions/plans after taking valuable tips from the operational Commander SSP Pulwama.

In the meantime, the holed-up terrorists fired rifle grenade followed by heavy volume of firing towards the joint Police/SF party positioned in North-East area in which SSP Pulwama and his team had a narrow escape. However, SSP Pulwama and his team without losing their concentration immediately came into action and fought bravely from the front without caring for their lives and gunned down two terrorists while as the third one returned back and fired upon the Police/SF parties positioned in South-West area with the aim to cause damage to them and to escape from the cordoned area. However, the joint party under the charge of SI Jagdesh Singh positioned in this direction immediately took cover and retaliated the fire with courage/dedication and neutralized him successfully. The dead bodies of slain terrorists of LeT/TRF were retrieved who were later on identified as Abu Wahab @ Abu Huzaifa @ Chotu R/o Pakistan, Arif Ahmad Hazar @ Rehan S/o Farooq Ahmad Flazar R/o Wagram Pulwama and Natish Shakeel Wani @ Haider S/o Shakeel Ahmad Wani R/o Babdemb Khanyar Srinagar. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 31/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Kakapora for further investigation.

In this operation, S/ShriAfaq Ali Dewani, Head Constable, Rajan Kumar, Head Constable, Sajad Ahmad Talee, Constable and Mohd Shafi, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24/04/2022.

(File No.-11020/120/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 62—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Om Prakash Tiwary	Sub-Divisional Police Officer	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
2.	Digvijay Singh	Inspector	GM
3.	Roushan Kumar Singh	Sub-Inspector	GM
4.	Anup Lakra	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On a highly reliable information received from S.P, Khunti about the presence of PLFI supremo Dinesh Gope, Sanichar Surin (Zonal Commander), Martin Kerketta (Zonal Commander) and other members of PLFI in the bordering areas of Khunti and Chaibasa district, an operation was planned by Khunti Police in consultation with Chaibasa Police. The overall responsibility of leading the troops was given to Shri Om Prakash Tiwary, SDPO, Torpa, Khunti. The operational party moved stealthily in the target area. While approaching the area, this party was fired upon indiscriminately by the PLFI insurgents. This party under command Shri Om Prakash Tiwary immediately took position and warned the ultras for surrender. The PLFI insurgents ignored the repeated warnings and increased the volley of fire targeting the Police Party. Shri Om Prakash Tiwary immediately ordered Shri Digvijay Singh, Circle Inspector, Torpa, Khunti, S.I Roushan Kumar Singh, OC Rania P.S, Khunti to cover the area from the left Hank and along with Ct Anup Lakra advanced from the right flank in utter disregard to their personal safety to thwart the impending threats on the lives of their men and materials. Amid the raining bullets, he along with Shri Digvijay Singh, Circle Inspector, Torpa, Khunti, S.I Roushan Kumar Singh, OC Rania P.S, Khunti, Ct Anup Lakra crawled towards the insurgents and fired towards the insurgents. With their excellent co-ordination & effective firing Shri Om Prakash Tiwary, S.D.P.O, Torpa, Khunti, Shri Digvijay Singh, Circle Inspector, Torpa, Khunti, S.I Roushan Kumar Singh, OC Rania P.S. Khunti and Ct Anup Lakra reached close to the insurgents position displaying raw courage and sound professional acumen, the four of these officers in the most co-ordinated manner, charged upon the insurgents from a close quarter with their precise firing, they neutralized one dreaded PLFI extremist namely Sanichar Surin S/O Charka Surin. vill- Sarila, PS-Kamdara, Distt-Gumla, Jharkhand (10 lakh rewarder declared by Government of Jharkhand and wanted in 84 cases in the district of Khunti, Chaibasa and Gumla). This close quarter battle was fought exclusively by men of Khunti District Police who were only 20 in number and were neither any specialized force nor were carrying any area weapons or specialized weapons, whereas PLFI group was present there in its full strength with all veteran commanders but they fearlessly charged upon these insurgents in a well-coordinated manner avoiding any collateral damage. 01 Pistol 9mm, 01 Pistol 7.65mm, 19 Live Rounds and other items were recovered.

In this operation, S/Shri Om Prakash Tiwary, Sub-Divisional Police Officer Digvijay Singh, Inspector, Roushan Kumar Singh, Sub-Inspector and Anup Lakra, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/07/2021.

(File No.-11020/53/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 63—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Rajiv Kumar	Inspector	GM
2.	Krishna Oraon	Constable	GM
3.	Vinay Tete	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.12.2020 in evening at 17.12 pm, a message was sent through wireless by the S.S.P Ranchi that from the forest of Karra- Lodhma, 4-5 persons having weapons with them and with a purpose to commit some crime are moving and in this regard, the entire city was kept on high alert and also there was a direction of rapid checking and alert. The Officer in charge, Dhurwa P.S Rajiv Kumar along with Q.R.T. Team, under his leadership constituted a team of Rajiv Kumar, Inspector- cum-officer in charge, Dhurwa Police station. Q.R.T. Team Constable Krishna Oraon and Constable Vinay Tete and also S.I Vivek Kumar and Body-Guard Police Manish Kumar and also Pradeep Kujur reached near Lodhma-Karra Road, overbridged and

met the Q.R.T. Team and on the aforesaid information of the PLFI activists, the team came to know that, under Nagri P.S in the west Forest Mountain at Singhpur, Nagri Tola, PLFI activists had assemble with the weapons.

The aforesaid Teamled by Rajiv Kumar, Inspector-cum-in-charge, Dhurwa P.S after informing the NAGRI police station and Senior Police officers, the aforesaid team and and Q.R.T. Team reached Katari Tola by their official vehicles about 18:00 hours in order to verify the information. The team proceeded towards the Forest without the vehicle, in the meantime, there was continuing firing, targeting the police team and the aforesaid police team in its defence got themselves in position and Rajiv Kumar, addressed in Loud voices that, they are the police persons and asked them to surrender but even after repeated warning, there was indiscriminate firing from the PLFI activists from the side of forest it is relevant to mention that there was a peak of forest and mountain from where the PLFI activists were firing and the police party were in open place (Road) and were in very much insecure and several times the police party fell that, splinters of firing are crossing their body and even on repeated warning by Rajiv kumar, the maoists were continuous firing upon the team deadly and seeing no option, the police party in self defence also started controlled firing at the cost of their lives and firing had also been continued from the side of maoists and after half an hour, the firing got stopped, after some time, when there was no firing, the team proceeded towards the area from where the firing was made by the maoists and in the light of torch and after a hectic search, it found that, over a peak of the mountain, a person is dead and pool of blood behind him, there is a 9 mm pistol and also there were some empty cells of cartridges and in the meantime other police party also came there for co-operation and after a search, it was also found that, onecarbine and some empty cells and the matter was reported to the Sr. police officers and further it was found that, in the aforesaid encounter, the maoists fired 30-35 round firing and in the morning the local people identified the dead PLFI activist as Punit Oraon@ Punai Oraon, son of Dharchu Oraon resident of Gargaon, P.S Itki, District Ranchi. He was a Prize crook activist of PLFI and accordingly the team has further seized at the place of occurrence 1. 9 mm pistol having 4 live cartridges and its magazine, 2. 10 pcs. of cells, 3. one carbine, 4-5 live cartridges and the police party has also submitted their details of the bullets used in firing of the self defence.

Though the maoists, who were equipped with weapon, Rajiv Kumar, Inspector cum-officer-in- charge of Dhurwa P.S led the team from the front with caring for his life and the positioned himself in the front along with Q.R.T. Team, Rajiv Kumar, Inspector cum-officer-in-charge of Dhurwa Police Station, Constable Krishan Oraon and Contable Vinay Tete and they jointly inflicted heavy casualties on maoist.

In this operation, S/Shri Rajiv Kumar, Inspector, Krishna Oraon, Constable and Vinay Tete, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/12/2020.

(File No.-11020/54/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 64—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Bikrant Kumar	Sub-Inspector	GM
2.	Fabianus Tirkey	Havildar	GM
3.	Narayan Manjhi	Havildar	GM
4.	Amit Kumar	Havildar	GM
5.	Anil Oraon	Constable	GM
6.	Baburam Baski	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

The state of Jharkhand has been a prominent place of strategic importance for the CPI (Maoist) and other splinter groups like PLFI (People's Liberation Front of India), which have been banned under Unlawful Activities Prevention Act. Khunti is one of the most severely Naxal affected districts in Jharkhand. It is also surrounded with those districts which are equally affected by Naxal violence. The hilly terrain, rough gradients, steep cliffs, dense vegetation with tracts of broken lands and inhabitation of population which is either being coerced into supporting the Naxals or arc sympathetic to the Naxals make the task tough and challenging for the Police and security forces operating in the area. In these terrains, these groups organize meetings, carry out recruitments, train their men and resort to violent activities which hamper developmental works and create an atmosphere against government schemes and projects. People's Liberation Front of India (PLFI) has its vast network and

has many cadres operating in the district. Khunti and its adjoining areas has witnessed many brutal and violent activities by the cadres of PLFI.

On an highly reliable information received from S.P. Khunti about the presence of PLFI Sub-Zonal Commander Laka Pahan @ Vishal Ji and other members of PLFI near Kola village of Murhu P.S., an operation was planned by Khunti Police. The overall responsibility of leading the troops was given to SI Bikrant Kumar, OC Murhu P.S, Khunti. The operational party moved stealthily in the target area. The party on arrival at the specific place discovered a gathering for Chhau mela near the place. While screening the area stealthily, the party noticed 5/6 suspected men near foothills of a small hill. When challenged, they started indiscriminate and heavy firing on the Police Party. This party under command SI Bikrant Kumar, OC Murhu P.S immediately took position and warned the ultras for surrender. The PLFI insurgents ignored the repeated warnings and increased the volley of fire targeting the Police Party. SI Bikrant Kumar, OC Murhu P.S immediately ordered Havildar Fabianus Turkey, Constable Anil Oraon and Constable Baburam Baski to cover the area from the left flank and himself along with Havildar Narayan Manjhi and Havildar Amit Kumar advanced from the right flank in utter disregard to their personal safety to thwart the impending threats on the lives of their men and materials. Amid the raining bullets, he along with Havildar Fabianus Turkey, Constable Anil Oraon, Constable Baburam Baski, Havildar Narayan Manjhi and Havildar Amit Kumar crawled towards the insurgents and fired towards the insurgents. With their excellent Co-ordination & effective firing SI Bikrant Kumar, OC Murhu P.S, Havildar Fabianus Turkey, Constable Anil Oraon, Constable Baburam Baski, Havildar Narayan Manjhi and Havildar Amit Kumar reached close to the insurgents position displaying raw courage and sound professional acumen, the six of those officer and men in the most co-ordinated manner, charged upon the insurgents from a close quarter with their precise firing, they neutralized one dreaded PLFI extremist namely Laka Pahan @ Vishal Ji S/O I.epe Pahan, vill-Patratoli, P.S-Maranghada, Distt- Khunti. Jharkhand (Reward of Rs. 05 lakh was announced on him). This close quarter battle was fought exclusively by a very small team of Khunti District Police who were only 06 in number and were neither any specialized force nor were carrying any area weapons or specialized weapons, whereas PLFI group was present therein its full strength but they fearlessly charged upon these insurgents in a well-coordinated manner avoiding any collateral damage. 01 Pistol 9mm, 04 Live Rounds, 02 Misfire Ammunitions, 39 Cartridges and other items were recovered.

In this operation, S/Shri Bikrant Kumar, Sub-Inspector, Fabianus Turkey, Havildar, Narayan Manjhi, Havildar, Amit Kumar, Havildar, Anil Oraon, Constable and Baburam Baski, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/05/2022.

(File No.-11020/102/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 65—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Anurag Raj	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Rishav Kumar Jha, IPS	Sub-Divisional Police Officer	GM
3.	Deepak Kumar	Sub-Divisional Police Officer	GM
4.	Sadanand Singh	Sub-Inspector	GM
5.	Yacub Surin	Constable	GM
6.	Ashok Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.02.19 at around 18.00 hrs, Superintendent of Police, Gumla received secret information regarding the presence of PLFI naxal Guju Gope and his associates equipped with lethal weapons near forest area of village-Turundu, PS-Kamdara, Dist-Gumla, for planning some subversive and violent activities. In this regard, S.P. Gumla consulted and discussed with S.P. Khunti. S.P Khunti also verified the information to be true. Accordingly, a team of Gumla Police comprising Sadanand Singh, SI, Const. Yacub Surin & Const. Ashok Kumar, was constituted which was joined by team of Khunti Police and teams of CoBRA 209 Bt for the verification and required action. Simultaneously, an Operation Plan was chalked out under the joint leadership of S.D.P.O. Basia Deepak Kumar, Additional SP (Ops.) Khunti Anurag Raj and SDPO Torpa Rishav Kumar Jha, since these officers had worked extensively in that area in the past and had a fair idea of the terrain. Along with Gumla Police and Khunti Police, the operation also included teams from 209 CoBRA Battalion. The prime focus of planning was to ensure

zero error with respect to the movement and search of naxals around civilian areas. All the personnel involved in the operation were properly briefed regarding these issues as well.

All teams reached Kuda village under Kamdara PS at around 01.00 hrs on 24.02.19 and left for Turundu village on foot. All teams proceeded through forests and hills avoiding main roads, villages and habitations. As per the plan, all teams proceeded in different directions to carry out search operation in areas near Turundu village. Around 06.00 hrs, when search operation was going on, the teams led by Deepak Kumar, SDPO, Basia, Gumla including Assistant Commandant Vinit Meshram of 209 Cobra battalion and the teams led by Anurag Raj, Addl. SP(Ops), Khunti and Rishav Kumar Jha, EPS, SDPO Torpa including Assistant commandant Sanjeet Kumar of 209 CoBRA battalion suddenly started receiving fire. The police party started addressing in loud voices that they weredice personnel and the naxals must stop firing and surrender, but the naxals kept on firing indiscriminately from many directions targeting the police party. After repeated warnings when firing from the naxals did not stop then the Police party was ordered to open retaliatory, controlled and calculated firing in self defence and to safeguard the arms and ammunitions. The teams were receiving targeted firing from the naxals who were 05-06 in numbers. Since the police party was comprised of a few personnel so it was very important to maintain a balance between defense tactics and offensive actions. These officers showed extreme grit, resilience and presence of mind and commanded their teams to ensure the safety as the firings from the naxals were mostly by automatic weapons in burst mode. After recovering from the incoming barrage of bullets, Deepak Kumar, SDPO, Basia, Gumla led from the front and advanced with his men Sadanand Singh, SI, Const. Yacub Surin& Const. Ashok Kumarby crawling and taking natural cover. Additional SP (Ops.) Anurag Raj kept firing using available natural cover and replied to naxal firing very bravely. SDPO Torpa Rishav Kumar Jha kept motivating his men and kept firing while moving forward and the naxals started retreating back. At this time, one naxal who was bald started running down the hillock after being hit, in an injured state. He was chased by the team but he managed to evade taking covers. At one point of time, these officers were in direct line of fire from the naxals. They kept on retaliatory firing and forced the naxals to retreat back. These officers fired many targeted rounds from their service AK-47 rifle, keeping in mind the positions of other police personnel. The firings from the naxals were multi directional as they had surrounded the police team almost from two sides and they had a slight advantage of occupying the top of the hillock. In such circumstances it was necessary to show tactical prowess of jungle warfare and extreme courage to overpower the situation. These officers never let go of these qualities even at the most testing moments. After around forty (40) minutes, firing stopped from the other side, immediately the police team was ordered to stop firing. After a strategic wait, the police party began moving forward carefully and started searching the entire area tactically and cautiously. During the search by the teams of Gumla Police & CoBRA 209 one person was foundlyingdown the hillock with bullet injuries. Police team tried to provide him the First Aid but after all attempts it was found that he was dead. Simultaneously, during the search operation by the teams of Khunti Police & CoBRA 209 two people were found lying down with bullet injuries down the hillock. They were immediately provided with first aid treatment, but they were found to be already dead. One PLFI activist who got injured in the encounter and escaped was arrested from Ranchi. He was identified as PLFI Zonal Commandar SantoshYadav, S/o- Late Shambhu Yadav, Vill- Chani, P.S. - Lawalong, and Distt.- Chatra. Santosh Yadav carried a reward of 01 million INR. After extensive search of the encounter site there (03) dead bodies were found which were later identified by their family members as Gujju Gope, S/o Late Fucchu Gope, Vill- Kotanga, PS- Rania, Distt.- Khunti, Jharkhand, (01 Million INR Rewardee), Vishnu Singh, S/o Late Govardhan Singh, Vill- Khijri, PS- Kurkura, Distt.- Gumla, Jharkhand and Sameer Kandulna, S/o Ajeet Kandulna, Vill- Gatibandu, PS- Mahabuang, Dist-Simdega, Jharkhand. A huge cache of arm, ammunitions and other utility items i.e 02AKM/AK-47 Rifle, 05 AK-47 Magazine, 02 .315 Rifle with Magazine, 01 Swiss Pistol (SIG Sauer P320SP) with Magazine, 01 9 mm Auto Pistol with Magazine and other items were recovered.

In this operation, S/Shri Anurag Raj, Additional Superintendent of Police, Rishav Kumar Jha, IPS, Sub-Divisional Police Officer, Deepak Kumar, Sub-Divisional Police Officer, Sadanand Singh, Sub-Inspector, Yacub Surin, Constable and Ashok Kumar, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24/02/2019.

(File No.-11020/103/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 66—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Brijendra Kumar Mishra	Additional Superintendent of Police	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
2.	Ranjeet Kumar	Constable	GM
3.	MD. Asgar Ali	Constable	GM
4.	Sekh Sikander	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Amongst the Maoist afflicted regions of country, Jharkhand's Bishunpur, division under Gumla District remains severely infested with Maoist activities. The region encompasses area where banned outfit's central command usually organizes meetings, establishes training camps, carries out fresh recruitments and above all resorts to attack on government infrastructure and security forces. Also, the said area falls under Maoist largest sub-zone in terms of spread as per their formation. Following the tracks of movement of senior Maoist leader RCM (BRC) Ravindra Ganjhu and Dasta operating in the area, SP Gumla received vital Intelligence regarding the movement of CPI (Maoist) leaders of BRC including @RCM Ravindra Ganjhu, and armed cadres camping with some ulterior motive in the adjoining forest area of village- Jurwani under P.S Bishunpur, District- Gumla on 31/03/2020. It is also pertinent to mention here that, in the recent past RCM Ravindra Ganjhu and Dasta not only had succeeded in causing damage to civilians but police forces as well by planting IEDs in this area. They have but also conducted killing of civilians in the name of being police informers.

Striking the Maoist group in their own den has always been a challenging task considering the distance that the troops have to negotiate from their induction, outwitting the early warning systems of the Maoists placed in between, treading the heavily mined approach routes and deceiving the tactically placed sentries apart from complexity of navigation in hilly undulating terrain with dense forest. To maintain the speed, surprise and secrecy of this daunting & challenging task and to conduct a surgical Operation, the responsibility was assigned to Addl. SP (ops) Gumla Brijendra Kumar Mishra by S.P Gumla, in which Gumla District SAT-11,12,13 and F/158 CRPF were also included. Upon this Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla made a swift plan to strike hard to the CPI (Maoist) group. He briefed all the participants, about the role of each member during combing and searching of the earmarked area. To complete the assigned task Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla along with SAT-12,13,11 & F/158 CRPF debussed near Banalat /Ghaghra. After debussing, the troops advanced towards the target area evasively avoiding habitation in order to avoid the early warning systems and maze of I.E. Ds planted.

Search teams led by Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla tactically advanced around 1200 hrs on 31.03.2020 for searching and combing their earmarked area as planned. As they came closer to Kathakuwa jungle area, suddenly they came under the heavy volley of fire from a dominated and fortified height. The fire was indiscriminate and targeted. Upon this police party started addressing in loud voices that they are police personnels and Maoist must stop firing and surrender. This sudden attack brought the focus of the whole team to his direction. Firstly, the troops were alerted by Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla, then he shouted and ordered the scout group to duck and take cover of available trees there. The scout group immediately took available cover and positioned themselves. In the meanwhile, Addl SP (ops) Gumla Brijendra Kumar Mishra could locate the Maoist and intense firing from the side of Maoist started. He challenged the armed Maoist to surrender but the call returned with barraging of bullets by Maoist with intention to fatally harm the troops and snatch their weapons. Upon this Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla improvised the plan by applying his operational acumen and made the whole party to get divided into two parts first one led by Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla consisting of District Gumla SAT 11,12,13 and second one comprising of F/158 CRPF. He ordered personally, through the checkwireless set to second party to encircle Maoist from the both sides and were tasked to move from right and left flanks. Meanwhile, the scout group was in pinned down state due to heavy volley of Maoist fire and needed immediate support. Sensing the urgency of assisting the scout group, Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla rose to the occasion and launched frontal attack with selected commandos including his buddies Md. Asgar Ali, CT, Ranjeet Kumar, CT and Sekh Sikander, CT. He directed Md. Asgar Ali, CT and Sekh Sikander, CT to engage Maoist from his position and give cover fire to Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla and his buddy.

Despite being in open and scant availability of covers Addl SP (ops) Gumla Brijendra Kumar Mishra positioned himself in front and knowing that they were trapped in an Ambush by Maoist. He along with Md. Asgar Ali, CT, Ranjeet Kumar, CT and Sekh Sikander, CTretaliated by employing fire and move tactics, making the best use of ground to self-advantage and by employing the method of battle field craft. Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla and his buddies started crawling so as to get nearer to the Maoist. They continued crawling towards the Maoist without caring for their personal safety in order to capture and over power them. After Seeing the troops coming closer to them Maoist launched a full-fledged frontal attack employing in heavy fire power upon Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla and his buddies and tried to kill them and secure their dominating and fortified location. Upon this Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla made his mind to launch a full-fledged counter frontal attack, employing in heavy fire power to unsettle the Maoist from their dominating position. He relayed this order to all commandos / troops, that when he starts rushing towards the Maoist fire all will follow him aligning themselves in extended formation and run towards Maoist fire, while using targeted/directional fire power over the Maoist.

The logic behind taking this decision was that since all his troops were being in open and scant covers were available, there was high probability of being hit from the raining bullets, coming from the Maoist, who were placed in relatively dominating and defended position. Whereas, launching a full-fledged counter offensive immediately was the best opportunity. As soon as, Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla stood and started running in prone position, all his buddies and troops, followed him in the suit, under clear life-threatening situation, the advancing troops employed fire and move tactic despite heavy volley of fire of enemy bullets from several directions. The small party of troops consist of Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla, Md. Asgar Ali, CT, Ranjeet Kumar, CT and Sekh Sikander, CT did not deter and fearlessly moved forward risking their lives and counter attacked the entrenched enemy. The dastardly misadventure of Maoist was met with courageous decision making, selfless leadership unparalleled bravery and team spirit. The small party of Md. Asgar Ali, CT, Ranjeet Kumar, CT and Sekh Sikander, CT under commend of Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla fought without caring for their life, put their lives in the line of fire to defend one another knowing well that every step could have been fatal. Soon Maoists intensified their fire targeting the above party. Sensing the gravity of situation troops took position and stood their ground firmly. Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla crawled and briefed the troops to launch a counter attack on the well-fortified enemy, using fire and move action by which they got near to the dominated location of Maoist having heavy fire power. They heard sounds of Maoist crying, as if being hit in their retaliatory action. Soon the Maoist who were entrenched there, were dislodged.

This intense and fierce gun battle continued for around 40 minutes, in which troops braved the bullets while negotiating around 300 mtrs. area and at each movement, there was impending threat to life of every commando. Now the troops had captured the Maoist location. Here Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla ordered all the troops to regroup themselves and get charged for pursuing the fleeing Maoist inside the jungle. The troops tactically move inside with fire and move tactics. Troops chased fleeing Maoist up to 500 mtr inside the forest. Intermittent firing continued for around 80 min. Finally sensing the extreme aggression and counter offensive of the troops, the Maoist fled by taking cover of thick forest cover, leaving behind huge cache of explosives/ arms and ammunitions and their belongings. Extensive search of the area led to recovery of one dead body in uniform who was later identified as 2 Lacs rewarder CPI Maoist Area commander Dinu Oraon of Ravindra Ganju (RCM) dasta, and a lot of assorted ammunition along with IED making items and Maoist related articles. During the search blood stains and blood trails were also found towards escape route of Maoist suggesting killing and grave injuries of few other Maoist which was confirmed later by reliable sources. The overall recoveries tell- tale signs and recovered items signaled that overall strength of the Maoist would have been around 20-25.

Though outnumbered by Maoist who were equipped with automatic weapon. Brijendra Kumar Mishra, Addl SP (Ops) Gumla led the troops from the front without caring for his own life. He positioned himself in the front along with Md. Asgar Ali, CT, Ranjeet Kumar, CT and Sekh Sikander, CT. They jointly inflicted heavy casualties on Maoist. Their men with their indomitable courage and un parallel bravery kept enemy at bay. Although being fired upon from all sides. They dislodged the Maoist from their fortified/ dominating position. Their bravery of higher order in front of the enemy inspired other team mates, who also retaliated with full strength. They made effective use of their fire power. For displaying rare valour under adversity in the face of massive offensive by the Maoist, by launching a counter offensive, showing most conspicuous bravery with exceptional courage, daring, pivotal and frontal role and leadership of the highest order in the face of strong enemy and inflicting casualties on the strongest group of armed Maoist in the area.

In this operation, S/Shri Brijendra Kumar Mishra, Additional Superintendent of Police, Ranjeet Kumar, Constable, MD. Asgar Ali, Constable and Sekh Sikander, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 31/03/2020.

(File No.-11020/1216/12/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 67—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Anshuman Singh Chauhan	Inspector	GM
2.	Atul Kumar Shukla	Head Constable	GM
3.	Manoj Kumar Kapse	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Since mid-November 2022, continuous intelligence inputs were being received regarding the presence of a large number of Maoists in the Supkhar Forest area of Distt Balaghat. On 30th November at around 00.30 hrs, to verify these intelligence inputs, Special Operations Group (SOG) Motinala under the leadership of Inspector Anshuman Singh Chauhan was sent in Supkhar Forest area. In the early morning hours of 30th November, credible intelligence input was received by SOG Motinala regarding the plan of Maoists to come to Jamsehra Forest Camp to kill forest personnel on the suspicion of being informers. This input was immediately shared by Anshuman Singh with SP Balaghat, CO Hawk Force and SP Mandla.

SP Balaghat and CO Hawk had cross-checked the intelligence inputs from various sources and find out the possible hideouts of the Maoists in the forest area of Supkhar. SP Balaghat, CO Hawk, SP Mandla and SOG Motinala incharge agreed to rendezvous at a common meeting point near Jamsehra Forest Camp. SP Balaghat and CO Hawk divided the force into four teams and briefed them. After briefing, Police teams started intensive search operation in the forest areas surrounding the Jamsehra Forest Camp looking for possible Maoist hideouts.

At around 10:30 hrs of 30.11.22, when the Police teams were approaching Jamsehra Camp from both sides, they came under a sudden burst of deadly fire from the Maoists who were already sitting in ambush. Police teams immediately took whatever cover they could and warned the Maoists loudly that they have been surrounded by the police and should lay down their arms and surrender. But the Maoists continued indiscriminate firing and aimed their assault straight at the source of the warning.

SP Balaghat quickly assessed the situation and decided that a counter-ambush maneuver was to be undertaken by approaching the Maoists from both sides. SP Balaghat, CO Hawk, SP Mandla and SOG Motinalaincharge, along with his buddies Head Constable Atul Kumar Shukla and Head Constable Manoj Kumar Kapse displayed indomitable courage and total disregard for their personal safety, and decided to move out of their cover and crawl towards the incoming bullets. A few bullets missed the officers narrowly but these officers risked their lives and advanced further to return fire and demonstrated exceptional battlecraft. As a result of their courageous tactics, two hardcore Maoists were neutralized in the crossfire.

The dead Maoists were later identified as (1) Ganesh Madavi (DVCN) r/o Distt. Gadchiroli (M.H) carrying an AK-47 Rifle who was heading the coordination committee of the entire MMC Zone and was carrying a cash reward of total Rs. 29 lacs. (2) Rajesh Vanjam, Commander, r/o Dist. Sukma (C.G.) carrying a .315 Rifle who was an active hardcore Maoist Commander and was carrying a cash reward of total Rs. 20 lacs.

Undoubtedly, this group of hardcore Maoists had thrown their full force to cause a deadly blow to the lives of the policemen involved in the operation. It was through sheer grit and courage of the above officers that the police teams were able to retaliate effectively and dispel the Maoist Dalam.

In this operation, S/Shri Anshuman Singh Chauhan, Inspector, Atul Kumar Shukla, Head Constable and Manoj Kumar Kapse, Head Constable of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30/11/2022.

(File No.-11020/84/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 68—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Sanket Satish Gosavi	Sub-Divisional Police Officer	GM
2.	Kamlesh Nikhel Naitam	Naik Police Constable	GM
3.	Shankar Pocham Bachalwar	Naik Police Constable	GM
4.	Munshi Masa Madavi	Naik Police Constable	GM
5.	Suraj Devidas Chudhari	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27/04/2021, an intelligence was received about the camping of armed Naxalites in the forest of Gorgutta under the jurisdiction of AOP Gatta (Ja.). This intelligence merely provided general area in which the Naxals were camping. This input was further corroborated and refined through human intelligence present on the ground by Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO, Hedri and put forth to SP Gadchiroli. Hence, at the behest of Superintendent of Police, Gadchiroli, an anti-Naxal operational plan was chalked out by Shri Somay Munde, Addl. SP, Aheri.

Accordingly, a police team consisting of three police officers and 77 policemen was formed for conducting anti-Naxal operation in the forest of Gorgutta. The anti-Naxal operation was led by Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO, Hedri. On 27/04/2021 during the evening, the police personnel set out from AOP Gatta (Ja.) and made a night halt in the forest of Yerdalami. On 28/04/2021, after reaching the Gorgutta forest, the police personnel divided themselves into two groups to suit the operational requirement. The first group was led by Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO. Hedri and comprised PS1 Nagesh Tekam group and Sanjay Wachami group.

And, the second group was led by PSI Bhaskar Kamble and comprised Sagar Mullewar group and Subhash Wadhai group. This tactical maneuvering was based on the detailed study conducted by Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO, Hedri about the Naxal hideouts, probable routes, ambush points in the Gorgutta forest area. This tactical movement of police parties from various directions was planned by Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO, Hedri, so that all the probable Naxal hideouts could be checked by the police parties. And, the police parties were placed in such a manner that they could come together for assistance of each other, in short period of time in case of attack by Naxals.

On 28/04/2021 while searching the forest of Gorgutta, they came across a hill. At around 0630 hrs to 0700 hrs, as the police parties ascending the hill, 40-50 armed Naxalites clad in green-black uniform suddenly opened indiscriminate fire and hurled bombs. The police parties managed to take cover of available trees and boulders. Then they shouted out in appeal to the Naxalites to stop firing and surrender. But, disregarding the appeal made, the Naxalites continued to fire at the police parties. Therefore, police commandos had to retaliate by opening counter retaliatory fire at the Naxalites in self-defense. Shri Sanket Satish Gosavi was constantly instructing all the police commandos to advance at the Naxalites taking due precautions. At that time, 20-30 armed Naxalites surrounded the group headed by Shri Sanket Satish Gosavi and opened intense fire at them. Sensing the gravity of the Naxal attack, Shri Sanket Satish Gosavi immediately informed the other group led by PSI Bhaskar Kamble and called for assistance. Immediately, the second group was divided into two small groups. At that time, Shri Shankar Pocham Bachalwar, NPC and Shri Kamlesh Nikhel Naitam, NPC leading their respective smaller groups, advanced aggressively at the direction of Naxalites in a coordinated manner so as to dislodge the Naxalites from their position. Then, in order to rescue the trapped policemen, Shri Shankar Pocham Bachalwar and Shri Kamlesh Nikhel Naitam along with other police commandos of the second group, using excellent tactics, skillfully provided cover fire to the policemen trapped in the encirclement. The quick response and courageous attitude shown by the above commandos helped in rescuing the trapped policemen. The retaliation put forth by the above group dislodged the Naxalites from their positions and hence precious lives of the trapped commandos could be saved.

Meanwhile, one commando named Sadhu Timma came under the heavy shelling of the Naxalite and got trapped in an open space. Noticing this, the Naxalites opened intense rapid fire at him. At that time, Shri Sanket Satish Gosavi along with PC Suraj Devidas Chudhari and PC Munshi Masa Madavi and some policemen using warfare tactics skillfully rushed towards the above trapped commando. Due to the quick response shown and the aggressive cover fire provided by the above commandos, the trapped commando could be rescued safely. Then the combined retaliation made by the policemen caused the Naxalites to dislodge from their advantageous position and to retreat into deep wood for their lives.

This tactical and coordinated movement, excellent planning and valiant act of the police personnel have resulted in the elimination of two hardcore Naxalites including one Area Committee Member of Bhamragad area named Suraj Narote and a member of Bhamragad LOS named Vinay Narote. Also, one 9MM pistol, one Bharmar gun, explosives weighting to 800 gms, ammunitions and Naxal belongings in huge quantity could be seized by the police from the place of incident. The total bounty announced by Government on the heads of these Naxals was 08 lakh rupees.

S/Shri Sanket Satish Gosavi, SDPO, Kamlesh Nikhel Naitam, NPC, Shankar Pocham Bachalwar, NPC, Munshi Masa Madavi, NPC and Suraj Devidas Chudhari, PC have displayed outstanding courage and leadership which resulted in successful encounter with the Naxalites. The operational knowledge, tactical movement shown by these men was extraordinary. Great coordination was maintained by smaller groups of police party led by these men. Their timely action on the field led to saving lives of their associate commandos. This successful operation had dealt a severe blow to the Naxal formations in the district. In the said instant, the Naxal had gathered in huge numbers to carry out violent activities. But, due to the extra ordinary performance by the below mentioned men, a major subversive act by Naxals could be averted.

In this operation, S/Shri Sanket Satish Gosavi, Sub-Divisional Police Officer, Kamlesh Nikhel Naitam, Naik Police Constable, Shankar Pocham Bachalwar, Naik Police Constable, Munshi Masa Madavi, Naik Police Constable and Suraj Devidas Chudhari, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28/04/2021.

(File No.-11020/1195/16/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 69—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Somay Vinayak Munde, IPS	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Mohan Lachhu Usendi	Head Constable	GM
3.	Devendra Purushottam Atram	Naik Police Constable	GM
4.	Sanjay Watte Wachami	Naik Police Constable	GM
5.	Vinod Motiram Madavi	Naik Police Constable	GM
6.	Gurudeo Maharuram Dhurve	Naik Police Constable	GM
7.	Durgesh Devidas Meshram	Naik Police Constable	GM
8.	Hiraji Pitambar Neware	Police Constable	GM
9.	Jyotiram Bapu Weladi	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02/03/2021, information was received that a large number of armed Naxals had gathered under leadership of Sonu @ Bhupati (CCM) in the forest of Koparshi under the limits of AOP Kothi. These Naxalites belonged to the Communist Party of India (CPI) (Maoist) group and they were hatching a criminal conspiracy to unseat the democratically elected Government and thereby indulge in anti-national activities. Specifically, they were planning to launch an ambush on the patrolling police parties.

Hence on the behest of Shri Ankit Goyal, Supdt. of Police, Gadchiroli, a plan for carrying out an anti-Naxal operation was chalked out. Shri Maneesh Kalwaniya, Addl. SP (Ops.) and Shri Somay Vinayak Munde, Addl. SP Aheri teamed up and chalked out a plan for conducting an anti-Naxal operation in the said areas. As per the plan, under the leadership of Shri Somay Vinayak Munde, Addl. SP Aheri, the Special Operation Squads belonging to Gadchiroli and Pranhita would conduct the operation.

Accordingly, on 02/03/2021, two teams, one comprising 3 special operations squads and another with 5 special operations squads, were formed. First team was comprised of 3 squads led by Shri Somay Vinayak Munde, Addl SP Aheri. They, thereafter, trekked for 21 kilometers in the Hikker forest area. For a consecutive period of two days i.e. from 02/03/2021 to 03/03/2021, the commandos conducted anti-Naxal combing operations and then made a night halt at a pre-decided location which was around 10 kms away from the group led by Shri Somay Vinayak Munde.

The following day on 04/03/2021, as one of the squads headed by Shri Somay Vinayak Munde, Addl. SP, Aheri was combing through the forest at around 1500 hours they noticed around 70 to 80 armed Naxalites clad in olive green uniforms. Hence, at once the police parties split themselves into three smaller groups and pursued the Naxalites. Brief exchange of fire took place at this location. Thereafter, police parties chased the Naxalites through the forest for about 5 to 6 kms. During the chase, the police parties had crossed over Maharashtra-Chhattisgarh border and had entered Abujhmad area (Naxal stronghold) of Narayanpur district. At around 1600 hrs as they began to ascend a hill, the Naxalites who had set up an ambush on hilltop, suddenly opened indiscriminate fire at the police parties. Unperturbed by this sudden attack, the police personnel took position on the ground finding cover behind the trees and big boulders. Shri Somay Vinayak Munde, Addl. SP, Aheri made an appeal to the Maoists to stop firing and surrender. Disregarding the appeal, the Maoists continued to fire at the police personnel. Hence, the police parties opened controlled fire at the direction of the Naxalites in self-defense and simultaneously advanced at them.

Meantime, the members of one squad were pinned down by heavy automatic fire and were unable to find cover. Seeing this grave situation, leaving his proper cover behind the boulders, HCMohan Lachhu Usendi put his life in great danger and resorted to aggressive fire at the direction of Naxalites by advancing upon them. The accurate fire by ensured that Naxals had to retaliate to his fire and divert their attention from the trapped section. Thus, members got an opportunity to extricate

themselves from the killing zone laid by the Naxalites. During the course of retaliation, as he had to leave his cover for making aggressive movements, HCMohan Lachhu Usendi received a bullet injury in his leg. Still, he kept up the fire and rescued. Listening to calls for assistance by HCMohan Lachhu Usendi, Addl SP Aheri along with others arrived at his assistance and put intense fire at Naxalites. Thereafter, as the police pressure mounted, the Naxalites fled away and grievously wounded HCMohan Lachhu Usendi could be rescued. After the gunfire stopped from both sides, Shri Somay Munde, Addl. SP Aheri and the policemen under his command searched the area taking due precautions. During the search it was discovered that the Naxal camp was the site of their weapon manufacturing unit.

It was realized that it camped approximately 100-150 Naxals, hence it was important to get moving after destroying as much of the camp as possible. Hence all of the camp was destroyed along with weapon manufacturing unit, finished-unfinished weapons, BGL rounds, IEDs. Besides, 10 guns including .303 rifles, bharma (old and newly made). 1 Barrel Grenade Launcher, detonators, 1 BGL. magazines, live rounds and other Naxal material was seized for evidentiary purposes.

Then, PC Sadhu Atram who was on the left side got trapped in the ambush laid by the Naxalites. In order to break the ambush and rescue trapped men NPCVinod Motiram Madavi who had taken position in the middle of the trapped group, risking his life, left his cover in order to fire UBGL towards the Naxals. While he was firing his UBGL in standing position, a burst of bullets were fired upon him. One such bullet hit him in the magazine pouch and his magazine pouch burst. Thus, caused severe splinter injuries to his abdomen. In spite of this, he kept up the fire. At that time, one Naxalite fell to the ground due to the impact of the explosion of the UBGL cell. The presence of mind and aggressive retaliation put forth by the police compelled the Naxalites to flee away.

Meanwhile, four Naxalites advanced towards the police parties from the west side along a footpath and tried to break up the encirclement of the police laid for the protection of the safe landing of the helicopter. But, PC Jyotiram Bapu Weladi exposed himself to grave danger and took on 4 Naxalites even though he was alone. He opened fire at them and precisely hit one Naxalite who then fell to the ground. At that time, one of his associate Naxalites dragged him away. Despite the heavy shelling from the Naxalites, he did not budge an inch from their positions and retaliated aggressively at the Naxalites. Despite these efforts, due to increasing firepower from the Naxal, it was deemed unsafe for the helicopter to land at the site. Hence it was decided to cancel the casualty evacuation by helicopter.

Accordingly, on 05/03/2021 as per the orders of senior officers, above five squads crossed the Parlakota river and reached into the forest of Koparshi. Then, they divided themselves into two groups. First group comprised 3 group. First group and second group were tasked to climb up the hill on parallel ridges and reinforce each other in case of ambush. Meanwhile, since the last 26 hours, the trapped three police teams had been retaliating to the Naxal attacks and ambushes laid by the Naxalites. Due to news of reinforcement teams, the morale of the three trapped police teams was boosted.

Most important task at the time was to break the encirclement of trapped parties in order to evacuate the wounded men and provide immediate medical help. Then, in order to break the ambush and start downward descent from the hilltop. Addl SP Aheri formed a box formation with the wounded in between the box and opened a flank with heavy fire in order to push down the hill and towards reinforcement teams. Addl SP Aheri regularly kept communicating over walkie-talkie sets with the reinforcement teams. Then, the three trapped teams began to advance. On their way downhill, one of the squads walking through the middle carried the two injured policemen. Seeing the injured men being carried: the Naxalites mounted a fierce attack by opening indiscriminate automatic fire and BGL shelling. Hence, this group stuck there and came under the heavy shelling of the Naxalites. Since, there were two injured policemen, this group was unable to retaliate the Naxal attack. Therefore, they asked for assistance over the walkie-talkie sets. Accordingly, Addl SP Aheri responded to the call of assistance and immediately took 6 men from another group. Addl SP Aheri along with 6 men left their secured cover behind the trees, made a flanking movement to the left of attacking Naxals. The intense and accurate fire ensured that attention of Naxals was diverted from the trapped section. In order to save themselves they had to retaliate to the section led by Addl SP Aheri. Thus, the trapped section along with wounded men got time to take cover and retaliate. This risky maneuvered great personal risk allowed injured men to be rescued from fatal injury. The aggressive retaliation put forth by Shri Somay Vinayak Munde and his group, compelled the Naxalites to retreat from their position. Hence, the encirclement of the Naxalite could successfully be broken. This saved the lives of injured policemen and further advance could be made. In spite of this, the advance was continuously being hindered due to intermittent heavy fire and shelling by Naxals. Eventually, the parties had to continuously fire and charge downhill personally led by Addl SP Aheri. After some time, the 3 squads going downhill met up the 5 squads going uphill for reinforcement. Thereafter, all the police groups got together and began to cautiously descend the hill. PSI Namade and his group were tasked to notice the activities at the rear side and simultaneously to take care of the seized arms that were being carried by them. As the police party descended the hill for 400 meters, suddenly, the Naxalites attacked the rear group by opening indiscriminate fire and hurling GBL. All the police groups at once managed to shield themselves. At that time, PSI Namade and one policeman named PCTulshiram Gedam resorted to aggressive firing at the Naxalites. While resorting to firing, PCTulshiram Gedam lost his balance and his rifle was thrown off at some distance away. Noticing this lapse on the part of police, the Naxalites opened rapid fire at the direction of PCTulshiram Gedam with an intent to kill him and then snatch away his weapon. As soon as this was realized, NPCDevendra Purushottam Atram and NPCSanjay Wate Wachami advanced towards Gedam and retaliated against the Naxalites by opening heavy fire. Due to this aggressive action by the two policemen, the bullet shots that were being fired at Gedam could be checked and his life was saved. Due to the sudden and

strong retaliatory response put forth by the above police personnel, the evil intention of the Naxalites to kill the policemen and then snatching away arms was defeated.

As the police personnel on their way back, the Naxalites again attacked them by unleashing bullets from the upper bank of a stream. Then the section of commandos at the rear guard challenged the Naxalites which resulted in an exchange of firing that continued for about 15 minutes. The policemen namely, NPCGurudeo Maharuram Dhurve, NPCDurgesh Devidas Meshram and PCHiraji Pitambar Neware showed extraordinary courage and tactics on the battlefield. They put their own lives in great danger, crossing a running stream to rescue the lives of fellow policemen. The bold initiatives undertaken by the police personnel and their strong dedication to the cause of fighting Naxalites, in fact dislodged the Naxalites from their position and compelled them to flee for lives.

The extraordinary courage was shown by raiding three squads led by Addl SP Aheri and five reinforcement squads, with non-stop firefighting for 26 hours, in demolishing the weapon manufacturing unit camp in Abujhmad area in the hostile territory. Further, the police succeeded in recovering a lot of arms and ammunition along with Naxal belongings. Further, according to an intelligence report generated on 02/04/2021 by the Stale Intelligence Department, twoNaxals namely, Vijay and Sangita were killed in these exchanges of lire and one more Naxal was seriously injured.

Shri Somay Vinayak Munde, Addl. SP. Aheri displayed the quality of efficient leadership, courage and warfare tactics during the exchange of firing. It is under his expert leadership that the commandos successfully beat the Naxalites in their own stronghold.

In this operation, S/Shri Somay Vinayak Munde, IPS, Additional Superintendent of Police, Mohan Lachhu Usendi, Head Constable, Devendra Purushottam Atram, Naik Police Constable, Sanjay Watte Wachami, Naik Police Constable, Vinod Motiram Madavi, Naik Police Constable, Gurudeo Maharuram Dhurve, Naik Police Constable, Durgesh Devidas Meshram, Naik Police Constable, Hiraji Pitambar Neware, Police Constable and Jyotiram Babu Weladi, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05/03/2021.

(File No.-11020/1197/16/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 70—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Madhav KorkeMadavi	Naik Police Constable	GM
2.	JivanBudhajiNarote	Naik Police Constable	GM
3.	Vijay BaburaoWaddetwar	Police Constable	GM
4.	Kailas Shravan Gedam	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26/08/2020, information was received about the gathering of armed Naxalites clad in green-black clothes in the forest of Dolanda under the jurisdiction of PS Jarawandi. Hence, at the behest of Shri Shailesh Balkawade, Superintendent of Police, Gadchiroli, an anti-Naxal operational plan was jointly chalked out by Shri Maneesh Kalwaniya, Addl. SP (Ops.) and ShriBhausahab Dhole, Dy. SP (Ops.).

Therefore, a police party consisting of 46 policemen set out from Gadchiroli on 26/08/2020 at around 1145 hrs for conducting anti-Naxal operation in the forest of Dolanda. After reaching there, they split themselves into three groups and started conducting anti-Naxal operation. As they were combing through the forest of Dolanda under the limits of PS Jarawandi, at around 1430 hrs, 35-40 armed Naxalites clad in green-black clothes surrounded one of the police parties and opened indiscriminate fire. The commandos at once took position on the ground and appealed loudly to the Naxalites for surrendering. But, disregarding the appeal made, the Naxalites continued to fire the at police personnel.

Then, the policemen of trapped police group namely, NPCDevendra Atram along with PC Dhanraj Gaurkar, PC Mangesh Sonule, HC Pradip Gedam, NPC JivanBudhajiNarote and NPCShankar Potavi started retaliating. At that time, NPCJivanBudhajiNarote showed extraordinary courage and risking his life retaliated strongly. The aggressive retaliation by

him restricted the Naxalites until the assistance arrived. Also, he informed other groups over walkie-talkie sets that the Naxalites had surrounded them and opened indiscriminate fire at them and called them for assistance.

Soon thereafter, second group consisting of policemen namely, NPCNangasuUsendi, PCKailash ShravanGedam, NPCDhananjay Surpam, PCRosshan Shenmare, PCDinkarMadavi, NPCGanesh Uikey and other policemen arrived from the right side and third group consisting of policemen NPCRamesh Atram, NPCMadhavKorkeMadavi, PC Vijay BaburaoWaddetwar, PCVishal Nikure, PCNikhil Durge, HCRajendra Madavi and other men began flanking the Naxalites from the left side and opened fire at the direction of Naxalites. The quick response and courageous attitude shown together by the commandos helped the policemen in rescuing the trapped police party. At the same time, policemen namely, NPCMadhavKorkeMadavi, PC Vijay BaburaoWaddetwar and PCKailash ShravanGedam showed highest degree of courage and tactics and resorted aggressively at the naxalites and broke the encirclement of the Naxalites. At the same time other policemen arrived there for assistance. They attacked the Naxalites from east side and mounted pressure on the Naxalites. Thereafter, sensing the mounting police pressure, the Naxalites fled away into the forest taking cover of thick forest. The exchange of firing continued between 1430 hrs to 1500 hrs (approx.).

In this incident, one woman Naxalite could be successfully eliminated by the police party. Also, six live cartridges of 12 bore gun, one cartridge of 8 MM rifle, one camera flash, three Naxal haversacks (pittus), one magazine pouch, one commando cap, two aluminum utensils, one umbrella, three steel plates, four plastic tarpaulins, two steel mugs, one steel deep perforated spoon, one steel spoon, two plastic can, one mosquito net, three soap cases, two pairs of plastic footwear, naxal books, civil clothes were recovered.

Also, the police party exhausted 167 rounds of AK-47 rifle, eight rounds of SLR, 19 rounds of SG rifle, four rounds of 9MM pistol and two UBGL Cells ammunition during the exchange of firing.

During the exchange of fire, NPCMadhavKorkeMadavi, NPC JivanBudhajiNarote, PC Vijay BaburaoWaddetwar and PCKailash ShravanGedam displayed extraordinary bravery and guerrilla warfare tactics by putting their own lives in great danger on the battle field. Due to the aggressive retaliation by these policemen, police could successfully eliminate one hardcore woman Naxalite. Also, the aggressive retaliation by these policemen greatly helped in saving valuable lives of trapped policemen.

In this operation, S/Shri Madhav KorkeMadavi, Naik Police Constable, JivanBudhajiNarote, Naik Police Constable, Vijay BaburaoWaddetwar, Police Constable and Kailas Shravan Gedam, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26/08/2020.

(File No.-11020/86/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 71—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Arun Kumar Bhue	Sub-Inspector	GM
2.	Motiram Sahoo	Havildar	GM
3.	Prakash Majhi	Commando	GM
4.	Niranjan Sahu	Commando	GM
5.	JadumaniBhue	Commando	GM
6.	Umesh Seth	Commando	GM
7.	BubunKumbhar	Commando	GM
8.	Sanjaya Kumar Guru	Commando	GM
9.	Biswajit Das	Commando	GM
10.	Laxman Nayak	Constable	GM
11.	Satya Odi	Constable	GM
12.	Kana Beti	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

This operation was launched after the receipt of credible intelligence input by Superintendent of Police, Malkangiri on 10.10.2021 regarding the presence of a group of armed Maoists cadres including senior leader in the reserve forest near Jajbhata (GP-Temurpalli) under Mahupadar OP of Mathili PS jurisdiction of Malkangiri District. This input revealed that they were planning to commit offences against government property, security forces and local populace in furtherance of Maoist ideology of waging armed war against the state. This information was further verified by IIC, Mathili PS and by DIOC, Malkangiri through reliable and credible local sources.

After being satisfied about the intelligence input and ruling out possibility of fake input for any trap by Maoists, to a reasonable surety, an operation was planned in DIOC, Malkangiri under the direct guidance of the SP, Malkangiri. It was further decided to take calculated risk of dropping parties in the evening hours at a strategic forward location. Operation plan was finalized after discussion with I.G. of Police (Operations), Odisha, Bhubaneswar and D.I.G. of Police, SWR, Koraput. Valuable suggestions as suggested by them were incorporated in the final plan and after their due approval, an operation was launched comprising DVF & SOG composite teams after detailed briefing regarding following of the SOPs at about 02.50 PM on 10.10.2021.

While the operation was going on, in the early morning hours of 12.10.2021 at around 05.50 AM, operational party observed some camping and movement of a group of armed cadres in the reserve forest area near Jajbhata under Temurpalli GP. Maoists had also deployed sentries for their own security and were found to be in olive green uniform and carrying automatic weapons. When the police team moved closer to the group so as to observe the subversive activities perpetrated by the cadres of CPI (Maoist), the sentries spotted the police team and started indiscriminate firing upon police team by automatic weapons. Police party then immediately took cover and urged Maoist insurgents to lay down their arms and surrender. But still the armed Maoists paid a deaf ear to the appeal and continued unprovoked firing from automatic weapons and even mounted flanking attack making the police team vulnerable to heavy fire from different directions. They also hurled grenades causing injuries to many commandoes of operational party.

Although largely outnumbered and despite heavy firing from the Naxals, police team leaders SI Santosh Kumar Nayak and SI Arun Kumar Bhue tactfully divided the operational team into smaller teams like 01 main assault team with 06 cut-off teams and counter-flanked the insurgents from multiple sides. Accordingly, the left flank Cut-off team-4 comprising SI Arun Kumar Bhue, Ct Kana Beti, Commando Prakash Majhi, Commando Jadumani Bhue, Cut-off team-5 comprising Ct Satya Odi, Commando Umesh Seth, Commando Bubun Kumbhar, Commando Niranjan Sahu, Cut-off team-6 comprising Havildar Motiram Sahu, Ct Laxman Nayak, Commando Sanjaya Kumar Guru, Commando Biswajit Das and the right flank teams comprising 03 nos Cut-off teams proceeded to retaliate the fire of the Maoists from the left side and right side respectively. SI Santosh Kumar Nayak along with OAPF/209 Krutibas Bhumia, OAPF/172 Subash Chandra Kirsani and other 05 commandoes led the main assault team in a frontal challenge. This small section of operational party valiantly retaliated the Naxal attack in a controlled manner in their self defence despite numerical disadvantage and severe terrain limitations by putting their lives on stake by disregarding their own personal safety. This team fought valiantly for about 70 minutes during which the Maoist insurgents heavily fired upon all the small teams (i.e., the right flank cut-off, left flank cut-off and the main assault team), as well as lobbed grenades on the main assault team.

As a result of their brave fight, two male and one female dead body of unidentified Maoists with gunshot injuries were recovered. Out of the 03 dead bodies, 01 female dead body found lying in front of the Cut-off team no-4, 01 male dead body found near the Cut-off team no-5, and another 01 male dead body found lying in front of the Cut-off team no-6. These three dead bodies along with sophisticated weapons including one INSAS rifle, one SLR rifle, one no INSAS Magazine, two nos INS AS Magazine (damaged), one no of SLR Magazine, one no AK-47 Magazine, 20 rounds of 5.56 mm ammunitions (live), 04 rounds 7.62 mm SLR ammunitions (live), one Rifle sling kit, 10 nos of detonators, 03 Kit bags, one IED mechanism, two remote control for IED, 11 nos pencil battery, Maoist literature, Medicines, 04 T-shirts, 02 lungi, 03 shawl, 02 Jackets, 02 nylon belt, 05 nos pouch, 03 pairs boot, 02 nos radio, 02 nos Torch, 02 nos Goggles, 01 Sony voice recorder, and other Maoist articles were recovered during subsequent search operation. In this connection, Mathili PS Case No.155, Date.13.10.2021 U/S-120-B/121/121-A/124/124-A/307/147/148/149 IPC/ 25/27 Arms Act/17 Cr. L.A. Act/16 (1) (b) /18/20 UAP Act has been registered. Since then, the two male Maoists have been identified as a dreaded Maoist namely (1) Anil @ Kishor @ MukaSodi (M) (ACS) S/O-Soma Sodi, Village-Sudhakonda PS-Kalimela, Dist-Malkangiri (Odisha), before his death he was working as Secretary of Gumma AC under AOBSZC. Government of Odisha had declared a cash reward of Rs.5,00,000/- (Five Lakhs only) against him and other neighboring states had also placed higher rewards on him. (2) Chinna Rao (M) PM of Pedabailu AC S/O- Marri Subba Rao, Village-Veeravaram, PS- G.K. Veedhi, Dist-Visakhapatnam (AP), before his death he was working in Arana protection team as body guard of Aruna (SZCM) and was carrying a cash reward of Rs.2,00,000/- (Two Lakhs only). The female Maoist cadre has been identified as (3) Sony @ Paro Vekko (F) D/O-Itwari Vekko, Village-Keshkutul, PS-Bhairamgarh, Dist-Bijapur, (CG), before her death she was working as ACM of Uday (CCM) protection team under AOBSZC and was carrying a cash reward of Rs.4,00,000/- (Four Lakhs only). These Maoists cadres were involved in several cases of murder and arson registered in various police stations of Malkangiri, Koraput District of Odisha State and in the neighboring districts of Andhra Pradesh and Chhattisgarh.

It is pertinent to mention here that, highest standards of exemplary coordinated team work were set by the teams of DVF, Malkangiri and Special Operation Group during this operation. During entire operation starting from collection of

intelligence, planning, dropping, execution, monitoring, supervision, withdrawal of the team by observing all the SOPs, the constant effort of the team work is praiseworthy. Every team member contribution cannot be undermined or compared with each other as each one of them has shown one hundred percent grit, zeal and determination in their respective fields during the operation in the service of nation.

In this operation, S/Shri Arun Kumar Bhue, Sub-Inspector, Motiram Sahoo, Havildar, Prakash Majhi, Commando, Niranjan Sahu, Commando, Jadumani Bhue, Commando, Umesh Seth, Commando, Bubun Kumbhar, Commando, Sanjaya Kumar Guru, Commando, Biswajit Das, Commando, Laxman Nayak, Constable, Satya Odi, Constable and Kana Beti, Constable of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/10/2021.

(File No.-11020/2243/21/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 72—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Ramakanta Sahu	Sub-Inspector	GM
2.	Satyabadi Bhui	Constable	GM
3.	Suraj Kumar Sahu	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.11.2021 at 4.40 PM, after getting credible information regarding the movement and assembly of 8-10 numbers of armed cadres of CPI(Maoists), a banned organization of Bargarh-Balangir-Mahasamund Division in Gandharmandan reserve forest area near village Junanibahal under Khaprakhol PS. An intensive search operation was launched by Superintendent of Police, Bolangir with District Voluntary Force (DVF) of Balangir district led by SI Ramakanta Sahu, Office In Charge, Khaprakhol PS. The party led by SI Ramakanta Sahu reached near village Junanibahal at about 7 PM. While the police party was conducting search operation at about 7.30 PM, a group of 8-10 numbers of armed Maoists started indiscriminate firing at Police team. The Police team took cover strategically. While taking cover to save life and properties, from the firing of Maoists, he along with CT Satyabadi Bhui and CT Suraj Kumar Sahu received injuries. Finding no way, the Police team took forward positions and initiated controlled and restricted firing in self-defense. The leader and the team members rose to the occasion when it was most needed and acted in adverse circumstances to such a perfection and tactical skills so that not only the enemy had to retreat but the police team could inflict heavy casualty on them with little collateral damage. The successful operation led to the death of one male Maoist cadre namely Shankar (ACM) aged about 31 of BBM division of CPI (Maoist) on whom the Government of Odisha had declared a reward of. Rs. 4,00,000/.

The team leader SI Ramakanta Sahu as well as CT Satyabadi Bhui and CT Suraj Kumar Sahu displayed great degree of courage and determination in the face of enemy and did not care for their personal safety on the line of duty. During the process, they exposed themselves to enemy fire several times, yet that did not deter them from discharging their duty. Their fearless action not only ensured safety of the Police team from a surprise attack by the enemy but also confirmed the success of the operation.

In this operation, S/Shri Ramakanta Sahu, Sub-Inspector, Satyabadi Bhui, Constable and Suraj Kumar Sahu, Constable of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/11/2021.

(File No.-11020/3235/21/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 73—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Punjab Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Dalbir Singh	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

The investigation of case FIR No. 35 dated 17.02.2020 u/s 307, 506, 148, 149, IPC 25/54/59 Arms Act, P.S. City Nawanshahar, Distt. SBS Nagar was marked to Inspector Dalbir Singh, In charge, CIA Staff, SBS, Nagar by the SSP/S.B.S. Nagar. In this case, Mandeep Singh @ Manna s/o Joginder Singh r/o village Uppal Jagir P.S. Noormahal and his associates were wanted. On 07.03.2020, a secret information received by Inspector Dalbir Singh that accused are hiding nearby some tube well room in the area of village Birampur, P.S. Garhshankar, District, Hoshiarpur. When police conducted raid on the said place, they managed to escape from the spot. Lateran, on 08.03.2020, he got information that accused have been hiding in an abandoned house on the backside of F.C.I. Godown, Mahilpur, Distt. Hoshiarpur. On receipt of this information, Inspector. Dalbir Singh along with service Pistol 9mm and other members of police reached on the spot. The suspected place, disclosed by the informer was cordoned off at about 8.30 P.M. and SHO P.S. Mahilpur was also informed to bring more police force to the place, in the meanwhile, 3 young men while jumping over the walls of the Kothi attempted to kill the police party by firing upon them in order to escape from the spot. From among them, one youngman tried to kill Inspector Dalbir Singh by firing with his pistol. At this, Inspector Dalbir Singh fired upon accused in order to save himself, due to which accused killed was on the spot. One more youngman was apprehended on the spot and other one managed to escape due to darkness while firing upon the police party. The apprehended youngman disclosed his name as Gurjant Singh @ Janta s/o Lakhwinder Singh r/o Vill. GobindpurLohgarh, P.S. Mehatpur, Distt. Jalandhar and the one who has fled away identified as Mandeep Singh @ Manna s/o Joginder Singh r/o vill. Uppal Jagir, P.S. Noormahal, and the one who has been killed identified as Varinder Singh @ Shooter @ Kaka s/o Ram Lai r/o Village Nandoki, P.S. Sadar Kapurthala.

In this incident, Inspector Dalbir Singh cordoned off the area and took the position towards which the criminals were to escape, who were firing at the police party. Inspector Dalbir Singh moved on bravely without caring of bullets and he was fired upon by accused Varinder Singh @ Shooter with his country made .32 bore pistol. Inspector Dalbir Singh return fired upon accused in his self- defence with his service pistol, at the risk of his life. It is an example of utmost devotion and dedication in the performance of duties as well as extra-ordinary courage and bravery, displayed by him. He has shown splendid courage, bravery and professional competence even without caring his own life. In this regard, Case FIR No. 30 dated 09.03.2020 u/s 307, 353, 186, 34 IPC, 25/54/59 Arms Act, P.S. Mahilpur, Distt. Hoshiarpur has been registered and also one Motor Cycle, 1 Pistol .32 Bore along with 03 live, one empty cartridge .32 Bore and Mobile were recovered.

In this operation, Shri Dalbir Singh, Inspector of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 08/03/2020.

(File No.-11020/1202/22/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 74—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Punjab Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Malkeet Singh	Assistant Sub-Inspector (LR)	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

“On 24.08.2020 ASI (LR) Malkeet Singh along with PHG Ranjit Singh, P.S. Bhikhiwind had gone to Village Puhla for disposal of a complaint. When they were returning from village Puhla, they saw two suspected persons riding on bullet motorcycle in the same village and when suspected persons saw to the police party, they attempted to escape from the spot. One of them unknown and other identified as Rachpal Singh @ Daula s/o Joginder Singh, caste Jat, r/o Bhuchar Kalan. Rachhpal Singh @ Daula fired indiscriminately on ASI/LR Malkeet Singh with his automatic pistol and he fired five rounds upon ASI/LR Malkeet Singh, which hit on the right leg and pierced through. ASI/LR Malkeet Singh in spite of injured leg with the help of PHG RanjitSingh overpowered Rachhpal Singh @ Daula and arrested him. After that ASI Malkeet Singh was admitted to hospital at Bhikhiwind. Rachhpal Singh @ Daula is a notorious smuggler and gangster, having links with terrorists and was also in contact with many Pak-based smugglers. He is wanted in at least 08 FIRs registered against him under various provisions of NDPS and Arms Act in dsirict Amritsar, Tarn Taran and S.A.S. Nagar. Several weapons and commercial

quantities of drug were seized from said Rachhpal Singh in the past too. ASI (LR) Malkeet Singh in spite of being unsaved gallantly overpowered Rachpal Singh without caring for his life. From the spot, one Pistol 7.62 M.M.(Made in Italy), 02 Magazine, 06 live cartridges, 03 empty cartridges, one Rifle DBBL 12 Bore, 19 live cartridges 12 bore, Bullet Motor Cycle No. PB-10-GZ-6673, one Mobile, one Wi-fi have been recovered. In this regard case FIR No. 159 dated 24.08.2020 u/s 307, 353, 332, 333, 186, 34, IPC, 25, 27, 54, 59 Arms Act P.S. Bhikhiwind has been registered against the accused.

In this operation, Shri Malkeet Singh, Assistant Sub-Inspector (LR) of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24/08/2020.

(File No.-11020/11/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 75—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Punjab Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Late Shri Mandeep Singh	Senior Constable	GM (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Born in a respectable family in Village KotliGazran, Tehsil Shahkot, District Jalandhar on 04.07.1990 and enlisted as constable in Punjab Police on 01.11.2013, Sh Mandeep Singh, Senior Constable had remained always dedicated to his duty and while performing his duty, has laid down his life while fighting with Anti-Social elements.

A complaint was lodged by cloth merchant Bhupinder Singh alias Timmy Chawla, son of Harminder Singh, resident of Adarsh Colony, Nakodar with the police administration informed therein that he was receiving threat calls from Gangsters that if ransom is not paid, he would be eliminated. Further, he requested for providing adequate security. Acceding to his request a Senior Constable namely Mandeep Singh, was attached with the complainant as Gunman.

On 07.12.2022 at 8:15 PM, while the complainant was sitting in his car after shutting down his business venture, he was attacked by 2/3 unknown persons and fired bullets towards him. Senior Constable Mandeep Singh immediately swung into action and opened retaliatory fires. He also came in front of the complainant in order to protect him and provide him bodily shield to save his life. Unfortunately, while protecting the complainant he received bullets injuries and lost his consciousness. Taking advantage of his unconsciousness, the assailant hit the complainant who received several bullets and died on the spot. However, Senior Constable Mandeep Singh was rushed to CAPITOL Hospital, Jalandhar, where on 08.12.2022 morning he succumbed to bullet injuries. A case FIR No 144 dated 08.12.2022 u/s 302, 307, 34 IPC, 25, 54, 59 Arms Act PS City Nakodar has been registered against the accused/Anti-Social elements. In the entire episode, Senior Constable Mandeep Singh showed exemplary courage and bravery of the highest order and gave the supreme sacrifice of his life while fighting with the Anti National Elements.

In this operation, Late Shri Mandeep Singh, Senior Constable of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/12/2022.

(File No.-11020/12/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 76—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Punjab Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Bikramjit Singh Brar	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Jagjit Singh	Assistant Sub-Inspector	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
3.	Baljinder Singh	Assistant Sub-Inspector	GM
4.	Rahul Sharma	Assistant Sub-Inspector (LR)	GM
5.	Surinderpal Singh	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

As per secret information, 2 shooters Jagroop Singh @ Rupa and Manpreet Singh @ Manu Kusa of Lawrence Bishnoi - Goldy Brar gang involved in sensational murder of Punjabi singer Sh. Shubhdeep Singh @ Sidhu Moosewala, were hiding in secluded farmhouse in vill. Bhakna Khurd, PS Gharinda (Amritsar-R) and carrying sophisticated/automatic weapons. DSP Bikramjit Singh Brar alongwith police officials launched operation to arrest these gangsters. When police teams reached vicinity of farmhouse (hideout) in vill. Bhakna Khurd, PS Gharinda, being used by Jagroop Singh @ Rupa and Manpreet Singh @ Manu who were present inside, opened indiscriminate firing. DSP Bikramjit Singh Brar warned gangsters to surrender. Despite several warning, they didn't surrender. Consequently, Police led by DSP Bikramjit Singh Brar along with ASI Jagjit Singh and other officials without caring for their lives, crawled and bravely proceeded towards secluded farmhouse from where accused were continuously firing injuring three police personnel ASI Baljinder Singh, ASI/LR Rahul Sharma and HC Surinderpal Singh and one more police official ASI/LR Sukhdev Singh was also injured who was placed at outer cordon. Accused continued intermittent firing on police for more than 5 hours, which was telecasted live by electronic media. Cameraman Sikander Singh of news channel ABP Sanjha was also injured in firing. Police parties in self-defense and to affect arrest of accused returned fire. In ensuing exchange of fire, one of accused who was standing on terrace and firing towards police parties got hit and fell down. Other accused was again appealed to surrender but he continued to fire. Thereafter, exhausting all options, police teams led by DSP Bikramjit Singh Brar along with ASI Jagjit Singh bravely and intelligently crawled inside built-up structure towards second accused at grave risk and without caring for their personal safety. On spotting police, 2nd accused opened fire and Police returned fire in self-defense. In exchange of fire, 2nd accused was also hit. On physical inspection, it was found that both accused had died on spot, and their dead bodies lying on terrace and built-up corner of staircase were identified as Jagroop Singh @ Rupa and Manpreet Singh @ Mannu respectively. One AK 47 rifle, 2 pistols alongwith cartridges were recovered. In police action, Sh. Bikramjit Singh Brar PPS, ASI Jagjit Singh, ASI/LR Rahul Sharma, ASI Baljinder Singh and HC Surinderpal Singh showed exceptional courage, boldness, presence of mind and acted bravely in line of duty and public safety.

In this operation, S/Shri Bikramjit Singh Brar, Deputy Superintendent of Police, Jagjit Singh, Assistant Sub-Inspector, Baljinder Singh, Assistant Sub-Inspector, Rahul Sharma, Assistant Sub-Inspector (LR) and Surinderpal Singh, Head Constable of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20/07/2022.

(File No.-11020/166/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 77—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Telangana Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Vadicharla Srinivas	Junior Commando/ Police Constable	GM
2.	Naliveni Harish	Junior Commando/ Police Constable	GM
3.	Gaddipogula Anjaiah	Assistant Assault Commander/ Reserve Sub-Inspector	GM
4.	Boorka Sunil Kumar	Junior Commando/ Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on the specific information that the outlawed armed CPI/Maoists (members of 2nd CRC) are planning to sabotage the Government properties and also to attack the public representatives in Bijapur-District (Chhattisgarh), the Greyhounds planned a joint operation along with Chhattisgarh Police near BechirakuMadugu under Elmidid-PS limits of Bijapur-District, Chhattisgarh State.

As part of plan, on 23.10.2021, Greyhounds Units (6) reached Warangal base by 6.00PM and started combing operation. The Units moved forward duly taking all precautionary measures. The teams reached location/BechirakuMadugu by the night of 24.10.2021. On 25.10.2021 early morning, unit personnel noticed human voices and sighted enemies getting down the hill. As it is dark and enemy not visible properly due to which the party waited for some time to avoid cross firing among parties. Later, all members dropped the bags & as they took position in extended line in South-West direction, they sighted 1-Sentry in Civil Dress taking odd of a tree. Immediately, the Commandos moved forward and observed the Sentry is without weapon but another person (01live green dress) is running by firing with weapon. Then, the Greyhounds party warned to surrender but they paid deaf ear. Meanwhile, N Harish, JC/PC&others sighted 3- enemies including one female and the enemies also observed them and started indiscriminate firing due to which the N Harish, JC/PC& others retaliated by opening burst fire in self defence and gunned down 1- Maoist (Male).

While the team members of other Unit were moving in the same area at about 5.50AM on 25.10.2021, the B Sunil Kumar, JC/PC along with others chased the SLR enemy and neutralizedhim as he paid deaf ear to the warning of forces to surrender. Further, the G Anjaiah, AAC/RSIandB Sunil Kumar, JC/PCnoticed 3-Armed personnel and asked them to surrender but they continued firing with sophisticated weapons. The G Anjaiah, AAC/RSI, B Sunil Kumar, JC/PCand others advanced and retaliated in self defence by opening group fire resulting killing of 1-Maoist (Male).

Thus, 3-Maoists (viz.,members of 2nd CRC company NarotiDamal @ Kaama, ACM in 2nd CRC, PunemBadhru @ Kalin, Party Members in 2nd CRC &Sodi Ramal @ Santhosh, Members in 2nd CRC) were neutralized in the Exchange of Fire (EoF) occurred on 25.10.2021 and recovered SLR LMG Rifle-1, AK-47 Rifle-1, SLR Rifle-1, Air Gun-1, SLR Magazine-2 & 24 Live Rounds, SLR LMG Magazine-3 & 50 Live Rounds of SLR LMG, AK-47 Magazine-3, 18 Live Rounds of AK-47, etc., from the scene of EoF.

In this operation, S/Shri Vadicharla Srinivas, Junior Commando/ Police Constable, Naliveni Harish, Junior Commando/ Police Constable, Gaddipogula Anjaiah, Assistant Assault Commander/ Reserve Sub-Inspector and Boorka Sunil Kumar, Junior Commando/ Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25/10/2021.

(File No.-11020/3281/54/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 78—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Telangana Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	MD. Ayyub	Junior Commando/ Police Constable	GM
2.	P. Sathish	Junior Commando/ Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information that Manuguguru Area committee members were moving in the area of Janapeta Reserved Forest near Koppugutta under Mangapeta PS limits, Mulugu district of Telangana State, a Special Party of Mulugu District Police along with Greyhounds forces launched a combing operation in Musalammagutta forest area. On 18.10.2020 in the early hours, when the Greyhounds forces are mobbing in the area, the Maoists noticed them and began to fire with precision using automatic weapons with an intention to kill them. However, undeterred by the intense volley of bullets, the nominees along with fellow commandos took control of the situation and warned Maoists to surrender with an intention to catch them alive. The Maoists took advantage of being on elevated place, paid deaf ear and continued to fire indiscriminately. JC/PC MD. Ayyub and JC/PC P. Sathish courageously moved forward by risking their lives and in self defence retaliated due to which the Maoists fled away from the area. The retaliation of JC/PC MD. Ayyub and JC/PC P. Sathish had saved the lives of other Commandos. Later, when the Assault Units checked the area, they found dead bodies of 2-Hardcore Male Maoists and recovered SLR Weapon-1,8mm-1, SBBL-1, AK Magazines-2, AK Rounds-44, SLR Magazines-2, SLR Rounds-16, .303 Magazine-1, .303 Rounds-6, 12 Bore catridges-10 & 8 mm rounds-13 from the scene of Exchange of Fire (EoF).

JC/PC MD. Ayyub also played a daring role in another Exchange of Fire (EoF) which occurred on 31.07.2019 in the area of Damartogu Reserved-Forest, near Rollagadda-Village, under Gundala PS limits of BhadradiKothagudem District, Telangana State in which 1-Male Hardcore Maoist was neutralised besides recovery of SLR-Weapon-1, SLR-Magazine-1, Carbon-Magazine-1, SLR Rounds-81, Carbon rounds-3 from the scene of EoF.

In this operation, S/Shri MD. Ayyub, Junior Commando/ Police Constable and P. Sathish, Junior Commando/ Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18/10/2020.

(File No.-11020/3269/54/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 79—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Prashant Kumar, IPS	Additional Director General	GM
2.	Ms. Manzil Saini, IPS	Senior Superintendent of Police	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Prashant Kumar, ADG, Meerut Zone accompanying Ms. Manzil Saini, SSP Meerut while patrolling on N.H.58 in Meerut city area to inspect deployment of police, ensure effective law & order and smooth traffic, during 'Holy Shrawan Kanwar Congregation and Yatra' on 19.07.2017, having received information from SHO Partapur about hostage of a kidnapped Doctor from Delhi, in Partapur Area and arrival of Delhi police, immediately sprang into action and quickly reached at P.S. Partapur.

Shri Prashant Kumar, ADG and Ms. Manzil Saini, SSP, promptly knowing from Delhi police team about kidnapping of Dr. Srikant Goud of Metro hospital Delhi on 06.07.2018 and the same moment, getting credent information from Informer, about his hostage in a house, in Shatabdinagar, speedily moved with teams of SHO Partapur and Delhi police in their respective vehicles to Shatabdinagar.

Police teams under command of Shri Prashant Kumar, ADG and Ms. Manzil Saini, SSP arrived in Sector-4B of Shatabdinagar, according to information. They discussed the strategy to besiege dreaded kidnappers and rescue hostage doctor safely. Organizing police teams there, they directed them to blockade lanes and lay cordon and Shri Prashant Kumar himself, accompanying Ms. Manzil Saini, DCP-East and SHO Partapur, with their teams, strategically moved on foot towards house No. 112, and there, Shri Prashant Kumar, ADG directed team-mates to knock the shut-door and as door was knocked, 'kaun hai' was sounded from inside and police team told about its presence, there was fearsome quietude, inside.

Shri Prashant Kumar, ADG directed police officials, then to break the door and as door-panels were pushed, forcibly and got opened, dreaded 01 furious kidnappers abused, cried Police Aa Gayi Hai, Jaan se Mar do' and daringly opened abrupt fire, wherein, ADGP and police team, in proximity escaped providentially and remaining 03 dumb-found kidnappers holding, Hostage victim, tried to escape.

Shri Prashant Kumar in this situation, wherein, he himself, along with SSP and teammates escaped in close fire by kidnappers in front and determined to arrest them alive as they fearlessly tried to move ahead irritated cruel criminal, again fired a shot towards police party to restrain and a shot was also fired in reply of Delhi Police team. Yet, undeterred Shri Prashant Kumar, ADG heading and inspiring accompanying police team, himself and Ms. Manzil Saini in utter disregard to safety of their life and with conspicuous courage, gallant and devotion to duty as soon boldly moved ahead to capture them. Teammates under his command forcefully arrested 04 kidnappers Pramod, Amit, Nepal and Sohanvir, with illicit firearms at about 1845 hrs and captive kidnappee Doctor was rescued successfully.

In this operation, Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General and Ms. Manzil Saini, IPS, Senior Superintendent of Police of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/07/2017.

(File No.-11020/49/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 80—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Vinay Kumar	Assistant Commandant	GM
2.	Alyas Ahmed	Constable	GM
3.	Vikash Yadav	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19 Dec 21, based on the intelligence input received from SOG, JKP about the presence of heavily armed terrorists inside Darbagh (Muftibagh), Srinagar, a joint op was launched by Valley QAT, CRPF and SOG, JKP. Accordingly, 3 HITs of Valley QAT, CRPF, under command Sh Vinay Kumar, AC, 54 CRPF, ShSatendra Singh, AC 21 CRPF and Sh Amit Kumar, AC, 44 CRPF, under over all supervision of Sh O P Tiwari, 2 IC, 54 CRPF were formed.

As per the plan, teams reached PP Nehru Park (RV Point) and further, troops moved in advance in light vehicles to ensure element of surprise and lay initial cordon. Initially, cordon was placed around the cluster of suspected houses to plug the possible escape routes. After some time, HITs reached the target area and started strengthening the cordon already placed by troops. After zeroing in the target area, two houses were identified and surrender calls were made, but in vain.

After due deliberation, it was decided to carry out the house intervention. Accordingly, two HITs, first comprising ShSatendra Singh, AC and Sh Amit Kumar, AC, along with their buddies and second team comprising of Sh Vinay Kumar, AC, SI/GD Vikash Kumar, CT/GD Gamit Mukesh Kumar, were formed to undertake the house intervention. The first team along with all ballistic and safety equipment's tactically entered the house, the team commenced the search of all corners and rooms of the house, but nothing suspicious was found.

Thereafter, second team led by Sh Vinay Kumar, AC, SI/GD Vikas Kumar, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar entered the main target house with due safety and ballistic equipments. As, Sh Vinay Kumar, AC entered in the dark room, the hiding terrorist taking advantage of darkness lobbed a hand grenade towards him, which was followed by volley of indiscriminate fire. Sh Vinay Kumar, AC, immediately sensed the move of terrorist and took a safety cover. As the second team started giving cover fire, Sh Vinay Kumar, AC immediately entered between heavy exchange of fire and poured heavy fire towards the terrorist. During the exchange of fire, Sh Vinay Kumar, AC, injured the terrorist but the terrorist moved into the adjacent room. In the meantime, Ct/GD Alyas Ahmed moved towards the backside of the house for cover fire. The room intervention team, comprising SI/GD Vikas Kumar along with Ct/GD Gamit Mukesh Kumar, while entering the room was fired upon by the hiding terrorist. The terrorist also lobbed a hand grenade upon the HIT. Displaying tactical acumen and nerves of steel, SI/GD Vikash Yadav and Ct/GD Gamit Mukesh Kumar took cover and retaliated effectively. Then, SI/GD Vikash Yadav engaged the terrorist in fierce firing and Ct/GD Gamit Mukesh Kumar crawled near to the position of the terrorist who was inside the dark room. On reaching closer to the terrorist, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar grabbed and diverted the barrel of the terrorist's rifle upwards, to prevent him from firing upon the fellow troopers. Seeing this, SI/GD Vikash Yadav also rush towards the terrorist's position to support Ct/GD Gamit Mukesh Kumar and hand to hand fight ensued between them.

During this close hand-to-hand combat, the well-trained terrorist dropped a hand grenade on the floor intending to kill both of them. However, the duo, without losing a moment showed quick reflexes and took a few steps away to pin themselves down, by taking cover of the ballistic shield, to escape from the impact of the grenade. On the other hand, in his last desperate attempt, the terrorist jumped outside the house, through the window.

Sh Vinay Kumar, AC, SI/GD Vikash Yadav and Ct/GD Gamit Mukesh Kumar noticed this move of the terrorist and to give him a chase, all of them also jumped through the same window, firing towards the fleeing terrorist. Ct/GD Alyas Ahmed, who was placed at backyard of the target house, engaged and injured the terrorist with effective fire. For saving his life, the terrorist took cover behind the Cowshed and started engaging the team from this position. Amid the fusillade of bullets fired by the terrorist, Sh Vinay Kumar, AC, SI/GD Vikash Yadav and Ct/GD Gamit Mukesh Kumar showed unmatched courage and took a grave risk to their lives by challenging the terrorist in a fierce close gunfight from open ground and eliminated him in a veritable dogfight.

During the post encounter search, the dead body of 01 terrorist was recovered along with 01 AK 56 Rifle, 03 AK 56 magazines, 27 live rounds and 01 Chinese Grenade. The slain terrorist was later identified as Saifulla @ Abu Khalid @ Shawaz, Cat A++, Commander, LeT outfit.

In this operation, S/Shri Vinay Kumar, Assistant Commandant, Alyas Ahmed, Constable and Vikash Yadav, Sub-Inspector of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/12/2021.

(File No.-11020/03/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 81—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Imtitoshi Jamir	Assistant Commandant	GM
2.	Tulsi Das	Assistant Commandant	GM
3.	Purandra Singh	Head Constable	GM
4.	Rana Paul	Constable	GM
5.	ChappaAppalaswamy	Constable	GM
6.	Govind Kumar Prajapati	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10 Mar 22, based on specific input received from 55 RR and SOG Laspipora about presence of terrorists in Vill.Naina-Batpora, PS Litter, Distt Pulwama, J&K, a CASO was launched by 182 CRPF, 55 RR and SOG, J&K Police. As per plan, the joint troops reached village Naina-Batpora and laid a cordon around the suspected area in the village.

At about 0605 hrs., while laying of cordon was in progress, the terrorists opened fire on the troops with intention to break the cordon and escape. This firing was effectively retaliated and the terrorists were prevented from fleeing. The joint troops swiftly encircled the area. Sh Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF along with QAT of 182 under command ShImtitoshi Jamir, AC, reached Vill Naina-Batpora with their teams. A Command post was established to supervise the operation.

As the exact location of the terrorists in village was not clear, it was decided to search the area thoroughly. The troops moving towards on open area near the mosque, found 02 live rounds (one round each of 9 MM and AK) near the door of the minaret. The minaret was adjacent to the Mosque and were three storied cylindrical structures with windows on each side. The possibility of the terrorists hiding in the minaret was confirmed and an inner cordon was immediately placed around mosque complex.

As per the plan, QAT of 182 CRPF under command ShImtitoshi Jamir, AC, took position in the eastern side behind the bunker placed on road along the mosque complex. Troops of 55 RR covered the northern and southern sides. A team of E coy of 182 CRPF under command ShTulsi Das, AC, along with QAT of 183 CRPF and SOG, J&K Police covered the southern side. Remaining troops of E coy of 182 CRPF were placed on the southern side in the outer cordon to deal with any law-and-order situation. Since, the terrorists were believed to be holed up in Minaret of mosque complex, joint troops were directed to show utmost restraint and avoid collateral damage.

An appeal was made to the terrorists to surrender, but they did not respond. Again, an appeal was made by Maulvi of the Mosque to the terrorists to surrender, but, to no avail; terrorists started firing indiscriminately from the top floor of the minaret on the inner cordon party, which was retaliated by troops in a controlled manner. The terrorists had taken positions at different floors of the minaret and were firing from all sides by changing position.

The terrorists were firing from a dominant height on all sides. The Commandant 182 CRPF directed ShImtitoshi Jamir, AC, to engage the terrorist hiding on the second floor and ShTulsi Das, AC, to engage another terrorist holed up on top floor of the minaret. Intermittent exchange of fire was continued. In between, the terrorists also lobbed a grenade which blasted near the bunker and as a result three Jawans of RR were injured. ShImtitoshi Jamir, AC, along with his buddy Ct/GD Rana Paul and Ct/GD ChappaAppalaswamy, who were positioned on other side behind the bunker engaged the terrorists by effective fire. In the meantime, ShTulsi Das, AC, along with his buddies HC/GD Purandra Singh and Ct/GD Govind Kumar Prajapati noticed movement of the terrorist on the top floor and they opened effective fire on the terrorist in which terrorist got injured. The injured terrorist kept on firing indiscriminately by changing his position. The trio, displayed courage and with utter disregard to their personal safety, opened effective fire on the terrorist and neutralized the 1st terrorist.

The 2nd terrorist was still hidden in the lower floor of the minaret and was firing intermittently by changing his position. Sh Imtitoshi Jamir, AC, and his buddies Ct/GD Rana Paul and Ct/GD ChappaAppalaswamy who were positioned near the bunker along the road behind the MPV along with RR Jawans, displayed courage and without caring of their personal safety, started effective fire together on the windows of the minaret and neutralized the 2nd terrorist.

At about 1430 h, the firing stopped from the minaret and post encounter search dead bodies of two terrorists were recovered along with AK 56 rifle -1, 9 MM Pistol-1, AK magazines-2, Pistol magazine-1, AK rounds-25, 9 mm Pistol rounds-10, Chinese Hand Grenade-8. The slain terrorists were later identified as Shahid Hussain Khan, Category- “C” and Fayaz Ahmed Sheikh, Category- “C”, both of LeT outfit.

In this operation, S/Shri Imtitoshi Jamir, Assistant Commandant, Tulsi Das, Assistant Commandant, Purandra Singh, Head Constable, Rana Paul, Constable, ChappaAppalaswamy, Constable and Govind Kumar Prajapati, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/03/2022.

(File No.-11020/148/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 82—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Pradeep Singh Rathi	Assistant Commandant	GM
2.	Wanjari Sujit Bhashkarrao	Assistant Commandant	GM
3.	Mohd. Hanief	Head Constable	GM
4.	Mudassir Yosuf Bhat	Constable	GM
5.	Sukhlal Singh	Constable	GM
6.	Malothu Ramesh	Constable	GM
7.	Kanhaiya Lal	Constable	GM
8.	Govind Kumar Prajapati	Constable	1st BAR TO GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11 Mar 22 at about 2045 hrs, based on specific input received from J&K Police Pulwama about presence of 02 terrorists in VillChiva Kalan under PS and Distt Pulwama, J&K, a CASO was launched by 182/183 CRPF, JKP/SOG and 50 RR.

As per the plan, troops of CTT/182 CRPF under command ShWanjari Sujit Bhashkarrao, AC and CTT/183 CRPF under command Sh Pradeep Singh Rathi, AC, along with SOG JKP and 50 RR reached at VillChiva Kalan at about 2115 hrs. A cordon was laid around the suspected house which was a local Darasgah (Darul-Aloom) by joint troops.

All civilians within the cordoned area were evacuated to safety. However, during the evacuation process, terrorists concealed within the target house unleashed indiscriminate fire upon the joint troops, injuring one civilian namely Zahoor Ahmad Sherjogri. Swift medical attention was given to the injured person, who was immediately evacuated to the civil hospital. An appeal was made to the terrorists to surrender, but to no avail; they remained unresponsive and resumed firing on the joint troops. Nevertheless, the SFs effectively retaliated against the terrorists. ShWanjari Sujit Bhashkarrao, AC and Sh Pradeep Singh Rathi, AC, strategically led their respective troops to advance towards the target house amidst intense firing from the terrorists. ShWanjari Sujit Bhashkarrao, AC and his team, comprising Ct/GD Malothu Ramesh, Ct/GD Kanhaiya Lal, and Ct/GD Govind Kumar Prajapati, tactically took position in front of the wall located in the left side (west direction) of the target house. Similarly, Sh Pradeep Singh Rathi, AC and his team, consisting of HC/GD MohdHanief, Ct/GD Mudassir Yosuf Bhat, and Ct/GD Sukhlal Singh, strategically positioned themselves in front of the wall located on the right side (east direction) of the target house.

As the terrorists were hiding in a solid concrete house (Madrasa) that had 4 to 5 rooms and 3-4 bathrooms and was adjacent to the hill, it was challenging to determine their exact position. The terrorists repeatedly changed their position from the target house, firing on the joint troops. In an attempt to locate the terrorists, a quadcopter was deployed, and MGL was

fired at the suspected location. One CGRL was fired at the target house, causing the terrorists to panic, and one of them tried to flee towards the narrow passage between the Madrasa and the hill, firing indiscriminately at the joint troops. The troops of CTT/182 CRPF, under the command of ShWanjari Sujit Bhashkarrao, AC, immediately retaliated and denied any escape opportunity to the terrorist. Due to the heavy exchange of fire, the terrorist was compelled to abandon his position and started firing at the troops. As soon as the terrorist entered the lane between the Madrasa and the hill, ShWanjari Sujit Bhashkarrao, and hiteam, demonstrated exceptional bravery, fearlessly opening effective fire on the terrorist, and killing him in the narrow passage between the hill and Madrasa.

The second terrorist who remained concealed within the target house started intermittently firing on the troops from the windows. Although the quadcopter was utilized once again to locate the terrorist's position, the 2nd terrorist fired at and damaged the quadcopter. A second quadcopter was then deployed and used to shine light to pinpoint the exact location of the 2nd terrorist. Sh Pradeep Singh Rathi, AC, with the assistance of Ct/GD Sukhlal Singh, took aim at the first window while HC/GD MohdHanief and Ct/GD Mudassir Yosuf Bhat aimed at the second window of the target house. After a brief period, the 2nd terrorist emerged from the window and resumed firing on the troops. Sh Pradeep Singh Rathi, AC and his party, already in position and covering the windows, demonstrated great bravery and opened fire on the 2nd terrorist, killing him instantly.

At approximately 0600 hrs, the joint troops conducted a thorough search of the entire area. During the post encounter search, the dead bodies of two terrorists were recovered and later identified as _Kamaal Bhai @Jatt, Commander, Category A and Aqib Mush tag Bhat @ Zulqarnian, Category B, both of JeM outfit. Furthermore, the troops seized arms, ammunition, and documents from their possession, including 2 AK 56 rifles, 7 AK 56 magazines, 32 rounds of AK 56, and 2 pouches.

In this operation, S/Shri Pradeep Singh Rathi, Assistant Commandant, Wanjari Sujit Bhashkarrao, Assistant Commandant, Mohd. Hanief, Head Constable, Mudassir Yosuf Bhat, Constable, Sukhlal Singh, Constable, Malothu Ramesh, Constable, Kanhaiya Lal, Constable and Govind Kumar Prajapati, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/03/2022.

(File No.-11020/51/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 83—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Ram Gopal	Assistant Commandant	GM
2.	Chandra Shekhar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02 Feb 22, based on specific input received from SSP Shopian about the presence of suspected terrorists in the orchard area of villNadigam-Nowpora, under PS Imamsahib, Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 34 RR and SOG, JKP. As per direction of Commandant 178 CRPF, the joint teams consisting of troops of G coy of 178 CRPF under the command Sh Ram Gopal, AC, along with 34 RR and SOG, JKP, Imamsahib reached villNadigam-Nowpora (Orchard area) and laid a cordon around the suspected area.

Since, the orchard was spread over a large area and completely covered with snow; locating the precise position of the suspected terrorists posed a challenge. To aid in this endeavor, a drone was employed for surveillance. Consequently, a suspicious hideout was noticed in the orchard area with a visible hole, which was concealed by an iron gate. As a precautionary measure, all troops were promptly alerted, and the area was swiftly secured.

As directed by Commandant 178 CRPF, Sh Ajay Singh Parmar, 2 IC, along with the unit CTT, arrived at the location and reinforced the cordon. Subsequently, Sh Surjit Kumar, Commandant 178 CRPF, along with his security and medical team, accompanied by Dr Pankaj Kashyap, MO, also reached the vill of Nadigam- Nowpora. The Commandant 178 CRPF assessed the situation and discussed the operational plan with senior officers of RR and JKP. As per the strategy, the joint troops advanced towards the suspected terrorist hideout. Upon detecting the movement of the troops, the terrorist started firing from a distance towards the joint cordon teams and attempted to move towards adjoining villNadigam. An appeal was made to the terrorist to surrender, but to no avail, and on the contrary he started indiscriminate firing on the advancing teams in a bid to escape the cordon.

While the exchange of gunfire ensued, a burst fire of the terrorist hit the ground in front of Sh Ram Gopal, AC and his buddy Ct/GD Chandra Shekhar. Nevertheless, the duo skillfully evaded the bullets and persistently advanced, maintaining mutual cover. The joint troops tactically proceeded towards the terrorist, ultimately encircling him. In response to being besieged by the troops, the suspected terrorist opened fire, prompting an effective retaliation from the joint troops.

Sh Ram Gopal, AC, along with his buddy Ct/GD Chandra Shekhar of 178 CRPF was closest to the fleeing terrorist, and accordingly initiated a hot pursuit. Suddenly, the fleeing terrorist changed direction and turned to move towards them. Undeterred by the perilous situation, Sh Ram Gopal, AC, and Ct/GD Chandra Shekhar of 178 CRPF exhibited remarkable bravery. Ignoring their ownsafety, the duo fearlessly fired upon the fleeing terrorist in unison, and neutralized him on the spot.

After the firing subsided, the entire area was thoroughly searched by the joint SFs. During the post encounter search, the dead body of one terrorist was recovered along with 01 AK 56 rifle, 04 AK 56 magazines, 40 rounds of AK 56, 01 Chinese Grenade and other accessories. The slain terrorist was later identified as Umar Ishfaq Malik, District Commander of HM outfit, Category “A”.

In this operation, S/Shri Ram Gopal, Assistant Commandant and Chandra Shekhar, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/02/2022.

(File No.-11020/81/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 84—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Ajay Singh Parmar	Second-In-Command	GM
2.	Jyoti Das	Constable	GM
3.	Apurba Gogoi	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14 April 22 at about 1245 hrs, based on a specific input received from SSP Shopian about the presence of 4-5 terrorists in the area of Vill Badigam under PS Zainapora, Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 44 RR and SOG/JKP. As per plan, the joint teams consisting of troops of CTT of 178 CRPF under the command Shri Teja Ram Choudhary, AC, along with SOG of JKP and 44 RR reached Vill Badigam and laid a cordon around 15 suspected houses and plugged all probable escape routes.

In the meantime, Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC along with QAT of 178 CRPF reached vill Badigam and strengthened the inner cordon. After consulting the senior officers, Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC, and the QAT of 178 CRPF covered the target area from the west side, while the remaining troops of the QAT of 178 CRPF team provided cover from the north-west side. A team of 44 RR, SOG and CTT of 178 CRPF under command Shri Teja Ram Choudhary, AC, was positioned towards the south. Further, another team of 44 RR, SOG of JKP was placed in the south-west direction specifically near a mosque within the inner cordon.

Within the inner cordon, Ct/GD Apurba Gogoi and his buddy, both from CTT of 178 CRPF, provided cover from the north side. QAT of 178 CRPF, led by Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC, was deployed to block two lanes adjacent to the Mosque, one on the West and the other on the North side. Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC with his buddy Ct/GD Jyoti Das positioned themselves at the edge of the Mosque, covering the adjacent lane with the assistance of BP shield and other personnel were positioned on the side of the mosque, to cover another street approaching from the south direction.

Once the inner cordon was strategically strengthened, effectively blocking all possible escape routes, all civilians present in the cordon and nearby areas were evacuated to safer places. To maintain law and order during the operation, a team from E Coy of the 178 CRPF was deployed along the Badigam-Nagbal axis. Further, the remaining troops of the CTT/178 CRPF from the inner cordon was deployed on the Badigam-Kanigam axis, to prevent civilians from reaching the operation site.

At about 1455 hrs, joint teams 44 RR, SOG and CTT of 178 CRPF under command of Shri Teja Ram Choudhary, AC, came under fire from the terrorists. The attack originated from a narrow street situated between House No 59 and a cowshed adjacent to House No 58. The security forces swiftly retaliated against the terrorists, effectively suppressing their firing.

After some time, one of the terrorists, sensing the proximity of the security forces, attempted to flee from behind the Mosque, firing indiscriminately with his AK rifle. Upon noticing the position of the troops, the terrorist changed direction and headed North, seeking cover in an under-construction house. However, Ct/GD Apurba Gogoi and his buddy from CTT of 178 CRPF, who were already positioned in the North, exhibiting exceptional marksmanship, injured the terrorist. Despite being injured, the terrorist made a desperate attempt to escape by attacking the cordon. Ct/GD Apurba Gogoi of CTT of 178 CRPF, along with his buddy, demonstrated immense courage; and fearlessly disregarding their own safety opened fire on the terrorist and neutralized him on the spot.

In the meantime, two other terrorists, one armed with an AK 47 and the other with a pistol, fled towards the West from the same lane behind the mosque where QAT of 178 CRPF under the command of Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC was already positioned. For a few seconds, the terrorists found themselves face to face with Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC, and Ct/GD Jyoti Das. Realizing the gravity of the situation, both terrorists immediately resorted to indiscriminate firing and attempted to escape from the cordon. However, Shri Ajay Singh Parmar, 2 IC, and his buddy Ct/GD Jyoti Das, who were already positioned there, displayed immense bravery, raw courage and without caring of their personal safety, opened effective fire on the terrorists and neutralized both of them on the spot.

Simultaneously, a fourth terrorist emerged from the same lane and made a dash towards the North, armed with a 12 Bore weapon. The terrorist managed to slip into the stairwell of an under-construction house, seeking cover. Ct/GD Jyoti Das, along with his buddy of QAT of 178 CRPF, immediately opened fire on the terrorist, but the agile assailant swiftly changed his position, evading any hits.

The joint teams comprising the QAT of 178 CRPF, SOG, and 44 RR, placed in the Northern cordon, actively engaged the hidden terrorist and during the intense exchange of gunfire, the fourth terrorist was successfully neutralized.

When the firing subsided, the entire area was thoroughly searched by the troops. During the post encounter search, dead bodies of four terrorists were recovered along with 1 AK 47 Rifle, 1 AK 56 Rifle, 1 Double Barrel 12 Bore Gun, 8 AK 47 rounds, 1 12 Bore Gun round, 1 Chinese Pistol, 2 Pistol rounds, 2 AK 47 magazines and 1 Pistol magazine. The slain terrorists were later identified as Showkeen Ahmad Mir, Farooq Ahmad Bhat, Aqib Ahmad Thoker and Waseem Ahmad Thoker, category C, all of LeT outfit.

In this operation, S/Shri Ajay Singh Parmar, Second-In-Command, Jyoti Das, Constable and Apurba Gogoi, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14/04/2022.

(File No.-11020/89/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 85—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Reyaz Ahmad Kateria	Constable	GM
2.	Godraj Saini	Constable	GM
3.	Sailendra Kumar Chauhan	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07 Jun 22, at about 1500 hrs, based on a specific input received from SSP Shopian about the presence of 3-4 terrorists in orchard area of vill Aloora, PS Imamsahib, Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 34 RR and SOG J&K Police. As per the plan, Sh Surjit Kumar, Commandant, 178 CRPF along with his protection party, QAT of 178 CRPF under command Sh Ajay Singh Parmar, 2 IC and CTT of 178 CRPF under command Sh Teja Ram Choudhary, AC, reached the location and laid the initial cordon. The troops of 34 RR and SOG J&K Police also rushed towards the target location and reinforced the cordon. A team from 178 CRPF was deployed as a cut off on the DK Pora-Aloora axis, while another team from SOG Imamsahib was deployed as a cut off on the Sehpora/Dairpora-Aloora axis to ensure the maintenance of law and order in case of any emergent situation.

Based on the available information, it was most probable that the terrorists had taken refuge in the orchard area of villAloora. Consequently, the joint troops cordoned off a significant portion of the orchard area and secured all potential escape routes. Once the inner cordon was reinforced, a thorough search operation commenced within the orchard area. The QAT of 178 CRPF, led by Sh Ajay Singh Parmar, 2 IC, and the CTT of 178 CRPF, under command of Sh Teja Ram Choudhary, AC, were assigned to search from the southwest direction within the inner cordon. Simultaneously, the teams from SOG/JKP and 34 RR began searching from the north and southeast directions, respectively.

During the search, the team of CTT 178 CRPF observed the presence of 3-4 individuals sitting suspiciously amidst the dense trees. The joint teams were alerted and individuals were asked to disclose their identity. However, instead of complying, they suddenly opened indiscriminate Fire on the search party using automatic weapons, in an attempt to break the cordon and escape from the location. The troops of QAT 178 and CTT 178 CRPF effectively retaliated in self-defense, but the terrorists managed to evade capture by jumping into a nearby drain. In response, a robust cordon was swiftly reinforced, encircling the entire orchard area and specifically focusing on the position of the terrorists. Following the strategic positioning of troops, the joint search operation recommenced. As the security forces advanced, the hidden terrorists sensing the movement of SFs started indiscriminate Fire towards the joint troops. In response, the joint troops swiftly assumed defensive positions and effectively retaliated, employing all necessary precautions to minimize the risk of collateral damage.

Meanwhile, the concealed position of the terrorists remained obscured, and they intermittently fired upon the SFs. Consequently, after due deliberations, Ct/GD Godraj Saini, Ct/GD Sailendra Kumar Chauhan, and Ct/GD Reyaz Ahmad Kateria, along with the troops of 178 CRPF, executed a tactical advance towards the drain. Upon reaching, they visually confirmed the presence of a terrorist who taking cover at the edge of the drain was continuously engaging the SFs with fire. The joint teams swiftly encircled the terrorist and challenged him, urging him to cease fire and surrender; but the terrorist did not respond and kept firing on the SFs prompting an effective retaliatory response.

During the exchange of fire, the hidden terrorist sustained injuries, and in desperation, the terrorist suddenly stood up and unleashed indiscriminate fire in all directions, aiming to inflict maximum harm upon the troops. However, this reckless action exposed the terrorist's position and grabbing the opportunity, Ct/GD Godraj Saini, Ct/GD Sailendra Kumar Chauhan, and Ct/GD Reyaz Ahmad Kateria of 178 CRPF, who had already taken positions, displayed raw courage and without caring for their own safety, the trio unleashed a synchronized and effective volley of fire upon the terrorist, ultimately neutralizing him within the drain.

When the firing subsided, the joint troops conducted a thorough search of the entire area and dead body of a terrorist was recovered along with 01 7.62 mm SLR rifle, 03 7.62 mm SLR magazines, 60 7.62 mm SLR rounds, 01 AK-56 rifle, 05 AK 56 magazines, 120 AK-56 rounds, 02 Chinese grenade, 01 hand grenade and 01 Improvised IED. The slain terrorist was later identified as Raja Nadeem, Category B of LeT outfit.

In this operation, S/Shri Reyaz Ahmad Kateria, Constable, Godraj Saini, Constable and Sailendra Kumar Chauhan, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/06/2022.

(File No.-11020/95/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 86—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Chandan Kumar	Assistant Commandant	GM
2.	Ajay Kumar	Head Constable	GM
3.	Anil Kumar Chark	Constable	GM
4.	HeikhamPriyonanda Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11 June 2022 at about 1820 hrs, based on specific input received from SSP Pulwama about the presence of three terrorists in the area of Vill Drubgam PS Rajpora, Distt Pulwama, J&K, a CASO was launched by 182, 183 CRPF, 44 RR, and SOG, J&K Police. As per the plan, the joint teams comprising troops of CTT 183 CRPF under the command of Shri Chandan

Kumar, AC along with SOG, J&K Police and 44 RR, reached the target area at about 1830 hrs, laid a cordon around the suspected houses, and sealed all potential escape routes.

As per the plan, Shri RD Jeany Anal, Commandant 183 CRPF, and Shri Nigam Prasad, 2 IC, along with their protection teams, were deployed in the inner cordon. They positioned themselves to cover the target house from the northern side. Meanwhile, the CTT of 183 CRPF, under the command of Shri Chandan Kumar, AC covered the north-western side, and the QAT of 182 CRPF, led by Shri Rishikesh Meena, AC, provided cover from the western side within the inner cordon. The 44 RR and JKP teams were responsible for covering the eastern and southern sides respectively. CTT of 182 CRPF and QAT of 183 CRPF, along with the remaining components of JKP and RR, were deployed in the outer cordon to deal with any law and order or emergent situations that might arise.

During the ongoing search of the suspected houses, the terrorists hidden within the target house opened sudden and indiscriminate fire on the joint troops.

However, the troops swiftly responded with effective retaliation. The positions of the terrorists were detected, and the specific house where they were hiding was identified. The situation was reviewed, and as per strategy, Shri Nigam Prasad, 2 IC of 183 CRPF, accompanied by his protection party, QAT of 183 CRPF, and CTT of 183 CRPF under the command of Shri Chandan Kumar, AC, under overall supervision of Shri RD Jeany Anal, Commandant, CRPF, took up positions behind the trees on the side of the inner cordon, closer to the target house. Furthermore, all the civilians within the cordon area and nearby affected regions were promptly evacuated to safer locations. An appeal was made to the terrorists to surrender, but they disregarded the call and opened indiscriminate fire on the joint troops, which was effectively retaliated against.

Due to the intense exchange of fire, a terrorist taking advantage of the darkness attempted to escape from the encounter site towards the orchard area. In a desperate move, the terrorist also engaged in indiscriminate firing towards the cordon party. However, Shri Nigam Prasad, 2 IC, HC/GD Ajay Kumar, and Ct/GD HeikhamPriyonanda Singh from 183 CRPF, who were already positioned in that area, demonstrated exceptional bravery. Disregarding their personal safety, they courageously opened effective fire on the fleeing terrorist and neutralized him.

At approximately 2015 hrs, while the operation was still ongoing, an unruly mob gathered and started stone-pelting on the deployed troops, attempting to disrupt the operation and aid the terrorists' escape. Fortunately, additional joint troops deployed in the outer cordon promptly intervened and effectively controlled the situation. Throughout the night, intermittent firing occurred from both sides as the operation continued.

As the precise location of the terrorists was unclear, a quadcopter and thermal imagers were utilized to locate their positions. It was established that the terrorists were hiding near the windows of the target house. The terrorists hidden in the target house were provided with another chance to surrender, but again to no avail, they resumed firing on the joint troops, which was effectively retaliated by the joint troops, forcing the terrorists to come out abandoning their cover.

At about 0445 hrs, the second terrorist emerged from cover and attempted to escape in a north-easterly direction, taking refuge behind trees near the boundary. His objective was to break the cordon and inflict casualties on the troops. However, as soon as he entered the open space, the joint troops, who were already positioned there, effectively retaliated. During the intense exchange of fire between the terrorist and the SFs, the second terrorist was also neutralized.

Meanwhile, the third terrorist who still remained hidden inside the target house indulged in sporadic firing from various directions. The joint troops promptly retaliated. Shri Chandan Kumar, AC, and his buddy Ct/GD Anil Kumar Chark of CTT 183 CRPF, along with their team, tactically advanced towards the target house. They positioned themselves near a window facing north and aimed at the window of the target house. At about 0515 hrs, the third terrorist approached the window on the northern side of the target house and started indiscriminate fire at the joint troops. Shri Chandan Kumar, AC, and Ct/GD Anil Kumar Chark of CTT 183 CRPF displayed courage and, without caring about their personal safety, opened effective fire on the terrorist and neutralized him. As news of the elimination of the three terrorists spread, unruly mobs from the surrounding area began pelting stones at the deployed SFs. The outer cordon troops exhibited utmost restraint and effectively managed the situation.

The joint troops conducted a thorough search of the entire area. During the post-encounter search, the dead bodies of three terrorists were recovered along with two AK 56 rifles, one Star Pistol, 20 rounds of 7.62 mm AK, five rounds of 7.63 mm Star Pistol, eight AK rifle magazines, one pistol magazine, eight Chinese hand grenades, and other accessories. The slain terrorists were later identified as Faisal Nazir Bhat, Irfan Ahmad Malik, and Junaid Qadir Sheergujree, all of the LeT outfit.

In this operation, S/Shri Chandan Kumar, Assistant Commandant, Ajay Kumar, Head Constable, Anil Kumar Chark, Constable and HeikhamPriyonanda Singh, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/06/2022.

(File No.-11020/96/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 87—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Akhand Pratap Singh	Assistant Commandant	GM
2.	Bhajan Lal	Assistant Commandant	GM
3.	Subhash Yadav	Inspector	GM
4.	Ranjit Kisan	Constable	GM
5.	Ranu Pratap Sahoo	Constable	GM
6.	Padagala Mariraju	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30 May 22 at about 1700 hrs, based on a specific input received from SSP Awantipora about the presence of 2-3 terrorists in vill Chak Rajpora, PS/PD Awantipora, Distt Pulwama, J&K, a CASO was launched by 130, 180 CRPF, 42 RR and SOG of J&K Police. As per plan, CTT of 130 CRPF under command ShAkhand Pratap Singh, AC, along with SOG of J&K Police and 42 RR reached vill Chak Rajpora and started laying cordon in the suspected area.

While the cordon was in progress, the terrorists who were hiding near the houses opened indiscriminate fire on the joint troops which was effectively retaliated. A strong cordon was laid around the suspected areas, and all potential escape routes were sealed. Simultaneously, the minority piquet guards of 130 CRPF, which were established to provide security to minorities, migrants, and non-locals, were alerted. Flash naka/cut-off nakas were also placed at Noorpora and Dadsara. Meanwhile, ShHelal Firoz, Commandant of 130 CRPF, along with his protection team, and Sh Arun Kumar, 2 IC of 130 CRPF, along with the QAT of 130 CRPF, arrived at the village Chak-Rajpora and reinforced the inner cordon.

Sh Harshavardhan, Commandant, 180 CRPF, along with his protection party and other troops of 180 CRPF, also arrived at vill Chak Rajpora and were deployed in the cordon and cut-off areas. The civilians within the cordon were evacuated one by one to safer locations. However, during this process, a local resident and his family did not come out from their house, which was located inside the cordon area. Attempts were made to contact them through phone, but they did not answer the call. Subsequently, two civilians were sent to the house to call out the owner and inhabitants. The occupants eventually came out from the house and revealed that two armed terrorists had forcibly entered their residence and were still hiding inside.

The terrorists found themselves trapped in the cordon. An appeal was made, urging them to surrender, but in vain and terrorists started firing towards the joint troops, which was effectively retaliated. The situation was reviewed and it was decided to establish three fire bases near the target house. This strategic move was intended to put effective firepower on the concealed terrorists and neutralize their threat effectively.

As per strategy, Sh Akhand Pratap Singh, AC and his buddy Ct/GD Padagala Mariraju of CTT 130 CRPF were entrusted with the responsibility of reaching fire base No 1. Ct/GD Ranjit Kisan along with his buddy Ct/GD Ranu Pratap Sahoo of 130 CRPF were entrusted with the responsibility of reaching firebase No 2. The responsibility for reaching at fire base No 3 was assigned to a party of 180 CRPF. It was very difficult and challenging task for joint troops to reach firebases and carry out the operation as they were clearly visible in the open area and were exposed from the target house. Due to the open area between the target house and fire base No 3, it was also very difficult to reach there, as the terrorists were continuously firing from the target house. However, Sh Bhajan Lal, AC and his buddy Insp/GD Subhash Yadav of 180 CRPF, without caring for their personal safety, completed the action of reaching at the fire base No 3 located in the eastern direction. Once all three fire bases were established, the troops directly engaged the terrorists. After observing movement of the SFs in the nearby fire bases, the hidden terrorists started heavy fire on the joint troops, which was effectively retaliated.

Due to the darkness, cordon lights were installed around the target house to illuminate the area, and drones were also deployed to locate the terrorists' positions. The terrorists were constantly changing their locations inside the target house, and were indiscriminately firing on the security forces, which was effectively retaliated by the troops of 130/180 CRPF deployed at the Fire bases. Of the three Fire base parties, the one at firebase No 1 faced the extreme danger as they were closest to the

target house and were directly in the line of Fire. In such rigorous challenging scenario, ShAkhand Pratap Singh, AC, and his buddy Ct/GD PadagalaMariraju suddenly noticed some movement from the window of the target house illuminated by the cordon lights. Reacting swiftly and displaying immense bravery without any hesitation or concern for their own safety, they maneuvered their position and opened a decisive and accurate fire on the terrorist and amidst the intense exchange of firing from close quarters, one terrorist was successfully neutralized.

The parties at Firebases No 2 and 3 were also positioned in the open area near the target house and were in direct line of fire from the terrorists. However, due to the strategic positioning of the joint troops at the Firebases, they were able to effectively retaliate against the terrorists. All of a sudden; some movement was observed at the window of the target house. Responding swiftly, Ct/GD Ranjit Kisan and Ct/GD Ranu Pratap Sahoo of 130 CRPF deployed at Fire base No 2, as well as Sh Bhajan Lal, AC, and his buddy Insp/GD Subhash Yadav of 180 CRPF deployed at fire base No 3, exhibited remarkable bravery. Without losing a moment and without any concern for their personal safety, they courageously engaged the terrorists by opening effective fire. During this intense exchange of Fire, the second terrorist was also neutralized in a close-quarter battle.

After successfully neutralizing the heavily armed terrorists, the joint troops conducted a thorough search of the entire area. During the post encounter search, two dead bodies of terrorists were recovered along with 01 AK 56 rifle, 01 AK 47 rifle, 05 magazines and 13 rounds of AK rifle. The slain terrorists later were identified as Umer Yousuf Seh, Category C of LeT outfit and Shahid Ahmad Rather, Category C of JeMoutfit.

In this operation, S/Shri Akhand Pratap Singh, Assistant Commandant, Bhajan Lal, Assistant Commandant, Subhash Yadav, Inspector, Ranjit Kisan, Constable, Ranu Pratap Sahoo, Constable and PadagalaMariraju, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30/05/2022.

(File No.-11020/105/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 88—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Satendra Singh	Assistant Commandant	GM
2.	Sandip Mahata	Constable	GM
3.	Gopinath Bar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03 Jan 22 at about 1630 hrs, a specific input, received from J&K Police about the presence of armed foreign terrorists in the area of vill Gossu, PS Zakoor, Distt Srinagar. Accordingly, a joint team of Valley QAT, CRPF under the command of Sh O P Tiwari, 2 IC and SOG, J&K Police, planned a cordon and search operation. Since target house was not identified, it was decided that small teams of Valley QAT will move in advance and lay initial cordon with element of surprise and once the target house is identified, rest of the troops of Valley QAT, CRPF and SOG, JKP will strengthen the cordon.

As per the plan, 04 HITs (House Intervention Teams) of Valley QAT reached Gossu village at around 1650 hrs and placed initial cordon of the target area. The area was densely populated and the houses were intertwined. After covering all the potential escape routes, the small team of Valley QAT started identification of the target house. During the process, a particular house was identified and local police confirmed that the owner of this house is having another house at a distance and is available there. Accordingly, some of the troops immediately rushed towards the second house; and during spot interrogation, the owner and his family members informed about the presence of an armed terrorist in the house. Accordingly, the cordons were again beefed up and strengthened by the troops of Valley QAT and firebases were established in the dominating adjoining houses.

The thick vegetation and undulating terrain at the rear of the target house was making it tough to reach there, however despite the challenge it was tactically covered by Sh Vinay Kumar, AC and his team. As the team was laying cordon, troops noticed jumping of 01 terrorist out of the house. The terrorist started indiscriminate fire on the team and as bullets whiskered by their side, the team saved their lives by taking available cover. For some time, the terrorist continued to fire from the cover

of a wall and a Poplar tree, but could not sustain for long against, the forceful retaliation of the team and started running towards the civilian area. This specific movement of terrorist was immediately informed to all the teams placed in cordon.

Sh Satendra Singh, AC, along with his team immediately rushed to reinforce the rear team and took a brave and challenging decision to chase the terrorist along with his buddies, in the direction that the terrorist had fled. The terrorist was firing indiscriminately at the chasing team of Sh Satendra Singh, AC, making the chase very risky and difficult. After chasing for a while, Sh Satendra Singh, AC, challenged the terrorist to stop, but in response, the terrorist fired fusillade of bullets towards the team. Despite this, the team kept advancing tactically. The terrorist lobbed a grenade towards Sh Satendra Singh, AC and his buddies but they immediately ducked down and saved themselves. Due to the impact of grenade blast, the entire area was filled with smoke and dust. Taking advantage of dust and smoke, the terrorist shifted his position and took cover behind the trunk of a huge tree. Now the terrorist was at an advantageous position and again started firing towards Sh Satendra Singh, AC and his team. Sh Satendra Singh, AC took stock of the situation and planned a flanking attack from both sides simultaneously. He briefed his buddies and accordingly asked Ct/GD Gopinath Bar to provide cover fire. Immediately on launching of a flanking attack, the terrorist, finding himself trapped from all directions, left the cover and started running towards the houses, which was communicated to all the teams.

The team started search of the terrorist, who had acquired complete silence for some time. In the moment of uncertainty and grave danger, the team advanced tactically and on reaching near a depressed land, they noticed something suspicious. They took positions on the open ground and Sh Satendra Singh, AC, advanced under cover fire of his buddies. Suddenly, the terrorist hurled two back-to-back grenades towards them but the team survived miraculously from the shrapnel of the grenade blasts as they remained pinned to the ground. This grenade attack roughly indicated the position of the terrorist. With an intention to neutralize the terrorist in close quarter fight, Sh Satendra Singh, AC took a courageous and calculated move of stepping out of the cover. Under effective cover fire from his buddies Ct/GD Sandip Mahata and Ct/GD Gopinath Bar, he kept advancing tactically towards the position of the terrorist. As he reached close to the depressed land, the terrorist stepped out and in a desperate and frenzied attempt to inflict casualties on the advancing team, opened rapid fire in the direction of the advance of Sh Satendra Singh, AC and his team. The team retaliated effectively and poured very effective volley of fire on the terrorist. In the face of life-threatening situation, the team injured the terrorist badly and in a final assault, Sh Satendra Singh, AC along with his buddies poured heavy fire at the terrorist and neutralized him.

Post encounter search, one dead body of terrorist was recovered along with 1 AK series rifle, 3 AK magazines, 46 AK rounds and some misc. items. The slain terrorist was later identified as Hafiz @ Hamza @ Abu Ukasha of LeT outfit, category "A". The aforementioned dreaded terrorist was active in the areas of South/Central Kashmir and was responsible for planning of various subversive activities in these areas. He was master planner and motivator for recruiting local youths as terrorist.

In this operation, S/Shri Satendra Singh, Assistant Commandant, Sandip Mahata, Constable and Gopinath Bar, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/01/2022.

(File No.-11020/133/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 89—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Teja Ram Choudhary	Assistant Commandant	GM
2.	Kushal Kumar Das	Head Constable	GM
3.	Utpal Hajong	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14 Jun 22, at about 2130 hrs, a specific input received from SSP Shopian about the presence of 2-3 terrorists in vill Kanjiullar, PS and Distt Shopian, J&K. Accordingly a CASO was launched by 178 CRPF, 34 RR and SOG of J&K Police. As per the plan, Sh Surjit Kumar, Commandant 178 CRPF with his protection party, QAT/178 CRPF under command Sh Ajay Kumar Parmar, 2 IC and CTT/178 CRPF under command Sh Teja Ram Choudhary, AC reached the target location and laid the initial cordon. The troops of 34 RR and SOG of JKP also rushed to the target location and strengthened the cordon. A small

team of 178 CRPF was deployed at Vill Kanjiullar-Feripora axis and a team of SOG Imamsahib was deployed on the second road leading to the village to maintain the law-and-order situation.

Around 10-12 suspected houses were initially cordoned off, and all potential escape routes were sealed. QAT/178 CRPF, under the command of Sh Ajay Singh Parmar, 2 IC, was deployed towards the north. After strategically positioning the troops, all civilian residents within the cordon were safely evacuated and subsequently interrogated regarding the presence of hidden terrorists. During the interrogation, a local individual named Hilal Ahmad Magrey, son of Md Yusuf Magrey and owner of house No 61 A, confirmed the presence of two armed terrorists with sophisticated weapons in his house.

The target, House No 61 A, was a single-storey building situated at the far end of the village, with an orchard area located behind it. Concerns arose that the concealed terrorists might attempt to flee through the orchard at the back of the house. Since, it was dark, the cordoned-off area was illuminated using cordon lights, and a drone was utilized to locate the terrorists' positions. As the drone approached the window of the target House No 61 A, the positions of the hidden terrorists were revealed.

Upon confirmation of the presence of two terrorists in House No 61 A, the cordon was further tightened around two houses (House No 61 and 61 A) from all directions. A firebase was established in House No 27, a two-storey building located to the south, approximately 50-60 feet away from the target House No 61 A. CTT/178 CRPF, under the command of Sh Teja Ram Choudhary, AC, along with Ct/GD Utpal Hajong and other personnel, were deployed on the first floor of the firebase in House No 27. Meanwhile, QAT/178 CRPF, led by Sh Ajay Singh Parmar as the 2 IC, was positioned in the northern direction of the cordon within the orchard area situated behind the target House No 61 A. Additionally, SOG Imamsahib was deployed to cover the remaining area of the orchard.

Sh Teja Ram Choudhary, AC, along with his buddy HC/GD Kushal Kumar Das and Ct/GD Utpal Hajong of CTT/178 CRPF, took the lead position. An appeal was made to the terrorists to surrender, but in turn the terrorists started firing from targethouse No 61 A on the troops, which was effectively retaliated. In the course of this exchange of gunfire, one terrorist sustained serious injuries.

Subsequently, both terrorists ascended to the roof of target House No 61 A with the intent to kill the security forces and hurled 02 grenades in different directions towards the troops deployed on ground in the inner cordon followed by indiscriminate firing. The teams of QAT/178 CRPF, positioned strategically on the ground, skilfully managed to shield themselves from the impact of the explosions.

In the meantime, the positions of both terrorists were visible from House No 27 (firebase). To enhance the firepower's effectiveness, an MGL was utilized. Sh Teja Ram Choudhary, AC and his buddy HC/GD Kushal Kumar Das and Ct/GD Utpal Hajong, of CTT/178 CRPF, who were already positioned at the firebase (House no 27) fired on the terrorists to neutralize them. In their final struggle and with a sense of desperation, the terrorists once again positioned themselves on the roof of target House No 61 A and started heavy firing towards the inner cordon teams with the aim of killing the troops. As soon as the position of the terrorists was disclosed Ct/GD Utpal Hajong, Sh Teja Ram Choudhary, AC and his buddy HC/GD Kushal Kumar Das of 178 CRPF who had already taken position in house No 27 (firebase), displayed raw courage and without caring for their personal safety, opened heavy fire together effectively on the terrorists and killed them during a fierce gun battle.

The entire area was thoroughly searched by the troops and post encounter search, dead bodies of two terrorists were recovered along with 1 AK 56 rifle, 04 AK 56 magazines, 78 rounds of AK, 08 rounds AK-56 AP 7.62 mm, 01 Pistol, 01 Pistol magazine, 07 rounds of Pistol and 03 Chinese grenade. The slain terrorists were later identified as John Mohammad Lone, category C and Tufail Nazir (Ahmad) Ganie, category C, both of LeT outfit.

In this operation, S/Shri Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant, Kushal Kumar Das, Head Constable and Utpal Hajong, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14/06/2022.

(File No.-11020/136/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 90—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Brij Lal	Assistant Sub-Inspector	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
2.	Rajesh Kumar	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Rahul Melkani	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04 Jul 20 at about 1230 hrs, based on a specific input received from SSP Kulgam about the presence of unknown terrorists in villArreh, PS Kulgam, Distt Kulgam, J&K, a CASO was launched by 18 CRPF, 34 RR and SOG of J&K Police. As per plan, QAT, C Coy of 18 CRPF along with 34 RR and SOG of J&K Police reached the target location at about 1250 hrs.

After confirming the presence of two unidentified terrorists in one residential house of Arreh, Mohanpora, the joint troops laid cordon around the target house. While the cordon was being laid, a terrorist came out from the targeted house and started indiscriminate fire on the cordon party and hurled grenades. The joint troops promptly assumed strategic positions and fiercely retaliated. As a result of the grenade explosion, three personnel of RR sustained injuries. In the meantime, ASI/GD Brij Lal, accompanied by the personnel of 34 RR positioned on the west side, and ASI/GD Rajesh Kumar, Ct/GD Rahul Melkani from CTT of C/18 CRPF, alongside J&K Police placed on the south side of the targeted house, exhibited remarkable courage, and without caring for their personal safety, opened effective fire, on the fleeing terrorist and neutralized him during an intense gun battle.

The second terrorist remained hidden within the targeted house, and kept firing on the joint troops, which was effectively retaliated by the troops. This exchange of gunfire continued for a few minutes. Subsequently, the joint troops fired tear gas and smoke shells inside the targeted house. Consequently, the second terrorist came out from the targeted house, firing indiscriminately on the cordon party. The joint troops, having already assumed strategic positions and demonstrating unwavering courage and grit, promptly retaliated and successfully neutralized the second terrorist during this intense firefight.

Post encounter search, dead bodies of two terrorists were recovered along with AK 56 rifle-1, AK 56 magazines-5, Ammunition 7.62 mm-25, Ammunition 7.62 mm ball rounds-97, Pistol 9 mm Black colour-1, Pistol 9 mm magazine-1, Chinese grenade-1, Combat pouch-1, Mobile Charger Make MI-1, Ponchu Black-1, Spectacles-2 and Pull through-1. The slain terrorists were later identified as Hilal Ahmad Malik, outfit HM and another one as unidentified FT.

In this operation, S/Shri Brij Lal, Assistant Sub-Inspector, Rajesh Kumar, Assistant Sub-Inspector and Rahul Melkani, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/07/2020.

(File No.-11020/149/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 91—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Narender Yadav	Second-In-Command	GM
2.	Amit Kumar	Assistant Commandant	GM
3.	Aditya Kumar	Sub-Inspector	GM
4.	Saroj Kumar	Constable	GM
5.	Kishun Pal Singh Jadon	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 Sep 20 at about 2330 hrs, input was received from SOG, J&K Police about the O presence of terrorists in the general area of Firdousabad under PS Batmaloo, Srinagar. Accordingly, an op was planned involving 4 House Intervention Teams (HITs) of Valley QAT, CRPF, under the overall command of Sh Narender Yadav, 2 IC, along with Sh. Rahul Mathur, DC, Sh. Amit Kumar, AC and Sh. Loukrakpam Ibomcha Singh, AC.

As per the plan, on 17 Sep 20, the suspected house was cordoned off at 0300 hrs. The area around the suspected house was divided into four parts. Sh. Rahul Mathur, DC, along with his team was tasked to cover the rear side, Sh. Amit Kumar, AC, along with his team was tasked to cover the right side, Sh. Loukrakpam Ibomcha Singh, AC, along with his team was tasked to cover left side and Sh. Narender Yadav, 2 IC along with his team covered the front side of the suspected house. The houses adjacent to the target house were searched and on enquiring from the civilians in the neighbourhood, the presence of unknown persons in the target house was confirmed. Sh. Amit Kumar, AC, along with the team of Valley QAT and SOG, reached close to the gate of the target house. The occupants of the suspected house were asked to come out. The owner of the house was asked to go inside his house; and switch on all the lights, open all windows, and doors and remove curtains. The owner went inside the house and was taking more than usual time in complying with the instructions.

At around 0315 hrs, when the house owner and his family members were engaged in conversations at the front entrance of the house, Sh. Rahul Mathur, DC, along with his team entered the house from the kitchen side door. As the team entered the house, terrorists inside the house opened fire, inflicting bullet injury on Sh. Rahul Mathur, DC. Despite the injury, Sh. Rahul Mathur, DC, retaliated and neutralized one of the terrorists. However, since Sh. Rahul Mathur, DC, was bleeding profusely, accordingly tactically withdrew from the house and fell unconscious. Thereafter, Sh. Rahul Mathur, DC was evacuated to 92 Base Hospital.

Sh. Narender Yadav, 2 IC, once again beefed up the cordon and got all the civilians evacuated from the neighbourhood houses. The terrorists were persuaded to surrender but in vain. The terrorists started firing in the direction of troops operating megaphones, which helped the teams to locate positions of the terrorists in the house. After due deliberation, MGL were fired from different directions targeting different rooms. The terrorists targeted the team of Sh. Amit Kumar, AC, but the team had a miraculous escape. Due to multiple firing rounds of MGL, the kitchen caught fire which was doused immediately by the team of Valley QAT. Then, Sh. Narender Yadav, 2 IC, decided to carry out house intervention and accordingly, 2 HITs were formed. Both the teams equipped themselves with all the protective gear & ballistic shields and synchronized their entry.

The first team led by Sh. Narender Yadav, 2 IC, along with his buddy Ct/GD Saroj Kumar entered the target house from the front side; and another team comprising of Sh. Amit Kumar, AC, along with his buddy SI/GD Aditya Kumar, and Ct/GD Kishun Pal Singh Jadon entered the house from the rear side. Both the teams entered the house simultaneously. Sh. Narender Yadav, 2 IC, and his team came under fire, but the team was missed by a whisker. The team was determined to take terrorists head-on and started clearing rooms on the right side of the house. After clearing the first room, as the team moved towards the second room, terrorists lobbed grenades. The team immediately took cover in another room. Sh. Narender Yadav, 2 IC, directed his buddy Ct/GD Saroj Kumar, to give cover fire at the room entrance and with the support of cover fire; he took position on the other side of the door, as a result of which, the team was now having a better view of the room and tactically fired on terrorists hiding in the room. Then, Sh. Narender Yadav, 2 IC, deciding to do a final assault, took a calculated risk, left his cover and without caring for his life, fired on the terrorist with the support of Ct/GD Saroj Kumar; and as a result of which the second terrorist was neutralized.

Meanwhile, the second team of Sh. Amit Kumar, AC, entered the compound of the target house from the rear side. As Sh. Amit Kumar, AC and his team were about to enter the house through the kitchen, the hiding militant lobbed a grenade and started firing indiscriminately. The grenade landed inside the kitchen and blasted. The alert team had a narrow escape from the splinters of the grenade. The team remained undeterred and committed. Adopting the fire and move tactics, Sh. Amit Kumar, AC with his buddies entered the kitchen and cleared it. Sh. Amit Kumar, AC further directed SI/GD Aditya Kumar to reach close to the door of the kitchen connecting the kitchen to the corridor. As SI/GD Aditya Kumar reached to the corner close to the door and was in the process of taking cover, the terrorist hiding under the staircase fired towards him.

Sh. Amit Kumar, AC, and his buddies, to suppress the terrorists fire, who was hiding under the stairs with proper cover, started firing towards the terrorist. Sh. Amit Kumar, AC, along with his buddies also crawled close to SI/GD Aditya Kumar. Intending to neutralize the terrorist and without caring for personal safety, Sh. Amit Kumar, AC took a calculated decision of stepping out of cover and amidst the firing, adopted fire and move tactics and charged at the terrorist. The terrorist raised his weapon towards the team, but before he could press the trigger, Sh. Amit Kumar, AC with the support of SI/GD Aditya Kumar, and Ct/GD Kishun Pal Singh Jadon, poured heavy fire on the terrorist and in a close quarter battle, the third terrorist was also eliminated.

During the post-encounter search, the dead bodies of three terrorists were recovered along with 03 Chinese Pistols, 03 Pistol magazines and 01 Pistol round. The slain terrorists were later identified as Ubair Musthat Bhat, and Zakir Ahmad Paul, both of HM and Adil Hussain Bhat, A1 Badr outfit.

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In-Command, Amit Kumar, Assistant Commandant, Aditya Kumar, Sub-Inspector, Saroj Kumar, Constable and Kishun Pal Singh Jadon, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/09/2020.

(File No.-11020/06/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 92—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Late Dharm Dev Kumar	Constable	GM (Posthumously)
2.	Late Sakhamuri Muralikrishna	Constable	GM (Posthumously)
3.	Late Routhu Jagadish	Constable	GM (Posthumously)
4.	Late Samaiya Madvi	Constable	GM (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02 Apr 21, based on a specific input, received from SP Bijapur, CG, regarding presence of DVCM Maddanna and Tanti Kamlesh @ Gandhi along with 35-40 cadres of CPI (Maoist) in the jungle area of Vill Aliguda and Jonaguda under PS Tarrem, Bijapur, Chhattisgarh, a joint special operation was planned by DIG Ops Bijapur and SP Bijapur, despite the fact that the outlawed CPI (Maoists) were observing their Tactical Counter Offensive Campaign (TCOC), wherein they carry out maximum attacks against security forces. This region also serves as the primary operational area of the PLGA Battalion, led by the dreaded Maoist Hidma.

Accordingly, as planned and after a detailed briefing about the intelligence input, the joint teams, departed from ops base Tarem on 02 Apr 21, at 2330 hrs. The teams were divided into six strikes consisting of CoBRA, CRPF, DRG and STF and moved towards the target area of Vill. Jonaguda, under overall command of Sh. Sandeep Dwivedi, 2 IC of 210 CoBRA. The strikes had to traverse a distance of around 15 km through undulating terrain, negotiating thick vegetation and small hill features, to reach the target area.

Around 0925 hrs, a real-time input was received by strike 3 regarding the movement of 40-50 armed Maoists from vill Tekalguriam toward height 221. Strike 3 monitored the Maoists movement from height 221. At about 1030 hrs, updated intelligence indicated the presence of 50-60 armed Maoists near the foothills of Pandu Metta at height 317.

After traversing for 250-300 meters, Ct/GD Samaiya Madvi of 241 CRPF and Ct/GD Dharm Dev Kumar of 210 CoBRA, who were at the forefront, having maximum exposure to the adversaries, observed the movement of the Maoists and promptly informed the ops commander. In the meantime, Maoists unleashed an intense barrage of gunfire and explosive assaults from the northern side of height 221 and were also simultaneously advancing from the north and south, firing BGL with indigenous launcher. Troops adopted the combination of fire and move tactics to counter the intense firing from the Maoists, despite suffering losses.

Ct/GD Dharm Dev Kumar fought bravely on the northwest side of Height 221, to protect his fellow troopers and stopped the Maoists maneuvering. He fired heavily on the Maoist without caring for his life, but unfortunately, he was hit by a BGL round on his head, resulting in serious injuries. During the course of evacuation to safer location, Ct/GD Dharm Dev Kumar tragically lost his life and made supreme sacrifice in the line of duty. Amidst intense firing from armed Maoists, Ct/GD Samaiya Madvi of 241 CRPF voluntarily took the advance position to retaliate Maoists firing. He effectively countered the Maoist attack and bravely facilitated the safe passage of the besieged platoon, but tragically succumbed to a fatal gunshot by the Maoists. He fought till his last breath gallantly and attained martyrdom in the line of duty. In the course of retrieving the mortal remains of Ct/GD Samaiya Madvi and evacuate the personnel of 241 CRPF, Ct/GD Sakhamuri Muralikrishna, Ct/GD Routhu Jagadish and others engaged the Maoists with relentless fire power; they fired HE Bombs and UBGL towards Maoists. They demonstrated remarkable bravery, high sense of professionalism and by using fire & move tactics reached near the Maoists. On reaching there they fired heavily on Maoists and succeeded in retrieving the body of Ct/GD Samaiya Madvi and successfully evacuating all trapped personnel besides inflicting injuries on Maoists.

Vill Tekalguriam, a highly Maoist infested village is well known for pro-Maoist activities, was cordoned, and complete tactical domination of the village was also ensured. Due to intense firing between the troops and Maoists in and around Tekalguriam village, the chopper couldn't land to evacuate the injured. Therefore, it was decided to evacuate the injured personnel to a more secure area. The strikes organized themselves into a box formation, with teams 1 and 2 at the front, teams

3 and 6 at the rear, and teams 4 and 5 in the middle, responsible for evacuating the injured and deceased. Adopting fire and move tactics, the troops advanced despite of Maoists relentless assault using BGLs/RPGs and automatic weapons from the east and south. The Maoists intensified their firing, making it challenging for the troops to maintain their rear position. The Maoists possessed with formidable firepower, continuously escalated their assault with BGLs, RPGs, and UBGLs. Consequently, the evacuation was halted, and the team commanders decided to engage the Maoists. During the course of engaging the Maoists, the troops displayed resoluteness and effective coordination in engaging in a fierce encounter for over 6 hours and inflicting significant casualties on the Maoists, thereby facilitating smooth evacuation of the martyrs and injured personnel.

Ct/GD Dharm Dev Kumar, exhibited exceptional bravery, leadership, and camaraderie during the operation. He not only made supreme sacrifice, but also shown exemplary courage and devotion to duty as he rushed to save the life of the injured troops and while performing his duties with utmost dedication, he was hit by a BGL round on his head, resulting in serious injuries and later succumbed to fatal injuries. Ct/GD SamaiyaMadvi, during a compelling situation when Maoists were ruthlessly gunning for the injured commandos, he took the lead in fortifying the defense around them, in spite of being fully aware of the fact that he was inevitably putting his life at stake. Tactical brilliance and unmatched bravery displayed by him in the eyes of death, and his effective use of fire power forced the Maoists to retreat. He was however severely hit by the bullets of Maoists and eventually succumbed, to his injuries. Ct/GD SakhamuriMuralikrishna on seeing his commander and other two commandos injured, due to his vast experience understood the requirement and strengthened the security ring around the injured personnel. Amidst the heavy EOF he owned the responsibility completely aware about the risk to his life. In this process he sustained severe bullet injury from Maoist's fire and attained martyrdom. Ct/GD Routhu Jagadish, also exhibited an exceptional saga of camaraderie, when he rushed to aid his injured teammates, despite being aware of the certain death scenario. He retaliated the Maoist firing with an unprecedented courage, but sustained severe injuries during the episode, and eventually made supreme sacrifice.

The tactical and strong retaliation by the teams not only resulted in the neutralization/injuries to many Maoists but also compelled them to retreat and flee from the area taking advantage of the undulating terrains and thick vegetation. After culmination of the operation, while searching the incident place, a female Maoist's dead body along with 1 INSAS rifle, 26 INSAS live rounds, and 3 magazines were recovered.

In this operation, S/Shri Late Dharm Dev Kumar, Constable, Late SakhamuriMuralikrishna, Constable, Late Routhu Jagadish, Constable and Late SamaiyaMadvi, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/04/2021.

(File No.-11020/135/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 93—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Shri Jangle Sunil Narayan	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On an input, received from SP Gumla, regarding presence of Naxal leader Ravindra Ganjhu, along with his dasta in Bishunpur area, an operation was launched by 158 CRPF and Jharkhand Police.

Troops left the base camp Jori, Gumla, at around 1130 hrs, on 31 Mar 20, and advanced towards the target area. Moving cautiously, troops tactically searched the area of Ghaghra, & Kateltanr and headed towards village Kotthukwatoli. At around 1340 hrs, when the troops were searching the forest area near Kotthukwatoli village, they were fired upon indiscriminately, by the Naxals, from a hillock.

Troops immediately took position and retaliated the attack with controlled fire, while tactically advancing towards the direction of fire. The field commanders quickly chalked out a plan to nab the Naxals. As per the plan, team of Jharkhand Police moved tactically from left flank of the Naxals, while troops of 158 CRPF approached from the right flank.

Using fire & move tactics, troops of 158 CRPF reached close to the Naxal's position, when Ct/GD Jangle Sunil Narayan of 158 CRPF, heard footsteps of someone, running over dried fallen leaves. As he could hardly turn his eyes in that direction, he noticed some Naxals closing in. Before he could respond, Naxals opened a volley of fire towards him. Ct/GD Jangle Sunil Narayan, displaying sharp reflexes not only saved himself but also took position and retaliated the attack. With

his accurate fire he neutralized one of the Naxals, from a close range. Frightened by the audacious onslaught of SF, the Naxals fled away from the encounter site, leaving their dead cadre and stores behind.

During post encounter search, dead body of a Naxal, in uniform, along with Arms, ammunition and miscellaneous incriminating items were recovered from the encounter site.

In this operation, Shri Jangle Sunil Narayan, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 31/03/2020.

(File No.-11020/76/2021- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 94—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Harshavardhan	Commandant	GM
2.	Ravinder Kumar	Second-In-Command	GM
3.	Ram Kunwar Jat	Assistant Commandant	GM
4.	Imtiaz Ahmed	Constable	GM
5.	Harveer Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06 Apr 22, based on specific input about the presence of 02 terrorists in vill Arigam, PS Tral, Distt. Pulwama, J&K, a CASO was launched by 180 CRPF, SOG Tral, JKP and 42 RR. At about 0550 hrs. The joint troops under the command Sh Ram Kunwar Jat, AC, and under the overall command of Sh Ravinder Kumar, 2 IC started laying cordon in and around the suspected area of vill Arigam from two axes i.e. Sherabad- Arigam and Sharifabad-Arigam.

While the cordon was in progress, the joint troops at Sherabad-Arigam axis noticed the movement of two suspicious people in a mustard field and dense trees. Immediately, the team asked both suspects to stop, but they refused and began running under the cover of the dense forest and mustard fields. Sh Ram Kunwar Jat, AC and his buddy Ct/GD Harveer Singh, along with the troops, swiftly moved towards the suspects and asked them to stop once again. The suspects realizing that they were encircled by security forces started firing, which the troops effectively retaliated. The terrorists fled towards the Awantipora-Tral road near Kasuharbal/Eidgah, where SSP Awantipora and his team were present. An appeal was made to the terrorists to surrender, but they ignored it and started firing and lobbing grenades on the troops. An encounter ensued between the terrorists and the joint troops. Sh Ram Kunwar Jat, AC and his buddy Ct/GD Harveer Singh, along with the troops, pursued the fleeing terrorists and engaged them with effective fire. Sh Ram Kunwar Jat, AC and his buddy using field craft and tactics, advanced towards the terrorists with grit and determination. Disregarding their own safety and displaying conspicuous courage, they effectively engaged the terrorists in close quarter combat, which resulted in the neutralization of one terrorist.

The second terrorist managed to escape from the area, under the cover of dense forest/drain. Sh Harshavardhan, Commandant and Sh Ravinder Kumar, 2IC of 180 CRPF, along with their teams, arrived at the encounter site from the Sharifabad-Arigam axis. SSP Awantipora, CO 42 RR, and Commandant 180 CRPF reviewed the situation and planned their strategy to search for the hidden second terrorist in the nearby areas. The cordon was reinforced, and joint troops were strategically positioned to cover the entire Arigam village. Tracker dogs were deployed to aid in the search.

The joint troops advanced towards Arigam, utilizing a drone to locate the terrorist's position. The terrorist was suspected to be hiding and seeking cover in the open field behind thick vegetation. The troops commenced searching the mustard field and forest area in small teams led by their respective commanders. During the search, the search team discovered fresh bloodstains in the fields and on the unpaved road, indicating the escape of the injured terrorist. Subsequently, a search was conducted in the mustard field in Arigam village, adjacent to the drain. The tracker dogs gave indication towards a cowshed on the outer periphery of Arigam village. Observing this, Commandant 180 CRPF decided to search the suspected cowshed and the surrounding area.

The search team, under the command of Sh Harshavardhan, Commandant, Sh Ravinder Kumar, 2IC, and his buddy Ct/GD Imtiaz Ahmed of 180 CRPF, moved tactically towards the haystack in the cowshed. Sensing the danger, the hidden second terrorist suddenly emerged from the haystack, hurled a grenade, and opened indiscriminate fire on the search party with the intention of causing casualties and to escape. The search team retaliated against the attack and due to the effective retaliation; the terrorist swiftly retreated and sought cover behind a parked vehicle and a tree. From this position, the terrorist resumed indiscriminate firing on the search party. Sh Ravinder Kumar, 2 IC, along with his buddy Ct/GD Imtiaz Ahmed, under the command of Sh Harshavardhan, Commandant of 180 CRPF, immediately advanced towards the terrorist's location. They displayed excellent field craft, courage, and combat tactics, without regard for their personal safety and opened effective fire on the second terrorist and neutralized him in close-quarter combat.

During the post encounter search, dead bodies of two terrorists were recovered along with 02 Pistols, 02 Pistol magazines, 13 rounds of Pistol, 01 hand grenade (destroyed on the spot) and 02 identity cards. The slain terrorists were later identified as Shafat Muzaffar Sofi, Category C of the HM/AGuH outfit, and Umar Nabi Teeli, Category C of the LeT outfit.

In this operation, S/Shri Harshavardhan, Commandant, Ravinder Kumar, Second-In-Command, Ram Kunwar Jat, Assistant Commandant, Imtiaz Ahmed, Constable and Harveer Singh, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 06/04/2022.

(File No.-11020/78/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 95—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Abhay Kumar Singh	Assistant Commandant	GM
2.	Devendra Kumar Singh	Head Constable	GM
3.	Dalve Pravin Bandurao	Constable	GM
4.	Mali Arun Shrawan	Constable	GM
5.	Jitendra Kumar	Head Constable	GM
6.	Sukanta Pal	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24 Apr 2022 at about 1400 hrs, based on the intelligence input regarding the presence of unknown terrorists at Vill. Pahoo, PS Kakapora, Distt. Pulwama, J&K; a cordon and search operation (CASO) was launched by 182/183 CRPF, SOG, 50 RR and State Police.

In accordance with the plan, the troops of QAT E/183 CRPF under the command of Sh Abhay Kumar Singh, AC, accompanied by SOG Kakapora and 50 RR, arrived at Vill. Pahoo at approximately 1515 hrs and commenced laying a cordon around the targeted house. Nonetheless, the terrorists hiding inside the targeted house endeavored to flee by indiscriminate firing upon the joint troops, who retaliated effectively. Subsequently, the terrorists were compelled to retreat back into the targeted house due to the troops' efficient counter-firing.

Sh Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF, Sh Hanuman Prasad, 2 IC, 183 CRPF, along with their protection party, SSP Pulwama, and Senior Officers of 50 RR, soon arrived at the location and joined the operation. The troops laid a cordon around the target house and concertina wires were placed to impede movement. The troops of 50 RR along with Sh. Deepak Dhoundiyal, Commandant 182 CRPF took position in the inner cordon on the northern side while Sh Hanuman Prasad, 2 IC, 183 CRPF along with SOG Pulwama were placed in the inner cordon on the eastern side and troops of QAT E/183 CRPF under command Sh Abhay Kumar Singh, AC, along with SOG Kakapora, were in the inner cordon from the southern side of the target house. The remaining troops covered the target house from the west.

At about 1620 hrs, all civilians in the cordon and nearby areas were safely evacuated. An appeal was made to the terrorists to surrender, but which was of no avail, and the terrorists started firing on the joint troops which was effectively retaliated. A command post was also established near the target house to oversee the operation. The terrorists hidden in the

target house were given another opportunity to surrender, but they did not respond and instead again started firing and lobbed a grenade on the troops. It was later discovered that the terrorists had divided themselves into two groups and were engaging the troops from two sides. The intermittent firing by the terrorists from inside the target house continued.

In an endeavor to locate the elusive terrorists whose precise whereabouts remained uncertain; troops utilized a quadcopter. This maneuver enabled them to ascertain that the terrorists had taken refuge between two walls of adjacent houses and sought cover behind a tin-shed, rendering direct firing from small arms futile. Once the terrorists' location was pinpointed, the joint troops comprising an inner cordon unleashed a barrage of gunfire and grenades to compel the terrorists to vacate their hideout and expose themselves in the open field.

At about 1705 hrs, the first terrorist sprang out, firing indiscriminately and attempting to break the cordon by taking cover behind walls, trees and the adjacent boundary made of tin sheets. Upon entering an open space, HC/GD Sukanta Pal and HC/RO Jitendra Kumar, who were already positioned in the north side, showed immense courage and opened effective fire, resulting in the killing of the first terrorist.

After a period of time, approximately at 1710 hrs, the second terrorist also emerged from his hiding place and made a dash towards the eastern side (roadside), endeavoring to break the cordon. However, he was met with proficient retaliation from the 183 CRPF/SOG Pulwama party. Ct/GD Mali Arun Shrawan, along with the troops of SOG Pulwama, who were already positioned in that vicinity, exhibited immense valour and returned effective fire towards the second terrorist, eventually neutralizing him.

The third terrorist remaining concealed within the targeted house, sporadically fired from all angles, which was promptly retaliated by the joint troops. Around 1730 hours, the third terrorist endeavored to evade from the southeast region, utilizing the cover of a tree trunk while firing, with the intention of breaking through the cordon, which was only 20 meters away from the nallah and roadside, located on the eastern side of the target house. Sh Abhay Kumar Singh, AC, along with his associates HC/GD Devendra Kumar Singh and Ct/GD Dalve Pravin Bandurao, stationed on the road and nallah side, exemplifying remarkable courage, proficiently returned fire towards the terrorist. During this intense exchange of firing, the third terrorist was also eliminated.

During the post encounter search, the dead bodies of three terrorists were recovered along with 02 AK 74 rifles, 01 Pistol, 06 AK 74 magazines, 02 Pistol magazines, 57 rounds of AK 74, 08 rounds of Pistol and other accessories. The slain terrorists were later identified as Arif Ahmad Hazar @ Rehan, Category A, Deputy Commander, Natish Shakeel Wani @ Hyder Category C and Abu Huzaifa @ Haqqani, Category A+, all of LeT outfit.

In this operation, S/Shri Abhay Kumar Singh, Assistant Commandant, Devendra Kumar Singh, Head Constable, Dalve Pravin Bandurao, Constable, Mali Arun Shrawan, Constable, Jitendra Kumar, Head Constable and Sukanta Pal, Head Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24/04/2022.

(File No.-11020/09/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 96—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Narpat Singh	Deputy Commandant	GM
2.	Kumar Rituraj	Inspector	GM
3.	Pradeep Kumar	Head Constable	GM
4.	Bheem Singh	Head Constable	GM
5.	Bhaginder Singh	Head Constable	GM
6.	Mrityunjay Kumar Rai	Head Constable	GM
7.	Arjun Singh	Constable	GM
8.	Asim Toppo	Constable	GM
9.	Ganesh Singh Rana	Constable	GM
10.	Rohit Kumar Thakur	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on a specific intelligence received by Sh. Deepak Singh, Commandant 32nd Bn SSB Bela, Muzaffarpur, about the presence of Maoists camp in the dense and yawning forest of Valimiki Tiger Reserve (VTR), Bagaha, Bihar, under the command of most wanted Maoists (PLGA) Raj an @ Ram Babu Ram @ Prahar, Secretary of NBWZC & 10-15 other armed Maoists. Maoists had planned to target SSB/Police vehicles for snatching weapons and attack on SSB BOPs at Indo-Nepal Border.

At the onset of early hours of 10/07/2020, during advancement from South to North above a high elevation ridge, Team-A under the Command of Sh. Narpat Singh, unexpectedly met with an IED blast, triggered by Maoists followed by ghastly firing. Displaying quick presence of mind and composure, Team-A instantly retaliated by fire on Maoists showering volleys of bullets. Explosion of IED made them deaf and it was like cloud of dark smoke with sand and splinters. To suppress the showers of heavy fire from Maoists Team A opted “fired and advance” tactics with utmost bravery.

Due to bold reply by Sh. Narpat Singh, DC/GD, Insp/GD Kumar Rituraj, HC/GD Pradeep Kumar, HC/GD Bhagindra Singh, HC/GD Mrityunjay Kumar Rai, HC/GD Bheem Singh, CT/GD Ganesh Singh Rana, CT/GD Rohit Kumar Thakur, CT/GD Asim Toppo, and CT/GD Arjun Singh, Maoists were forced to flee away leaving behind these dead Maoists with weapons namely 1) Bipul@Alok@Alok Ranjan-ZCM 2) Deepak@Ram@Kiran, ZCM 3) Nakul@Amarlal Dev@Srikant - SAC 4) ChottuMahto@Sonu,-LGS along with AK-56-01, 7.62 MM-SLR-03, 303-BoIt-Action-Rifle-01, Ammunition -911 Nos, IED explosives, detonators, laptop, mobiles, walkitalki, radios and daily routine items in huge.

During the action, Insp/GD Kumar Rituraj sustained bullet injury on his right arm. Despite being severely exhausted, team remained cool calm and confident. Soon the team organised cordon the area and immediately provided medical assistance to Kumar Rituraj.

Shri Narpat Singh, DC/GD, Inspector (GD) Kumar Rituraj, Head Constable (GD) Pradeep Kumar, Head Constable (GD) Bhaginder Singh, Head Constable (GD) Mrityunjay Kumar Rai, Head Constable (GD) Bheem Singh, Constable (GD) Asim Toppo, Constable (GD) Ganesh Singh Rana, Constable (GD) Rohit Kumar Thakur & Constable (GD) Arjun Singh exhibited courage, sterling leadership quality, indomitable spirit, invincible fortitude and intelligence under such unrelenting situation beyond the call of duty.

In this operation, S/Shri Narpat Singh, Deputy Commandant, Kumar Rituraj, Inspector, Pradeep Kumar, Head Constable, Bheem Singh, Head Constable, Bhaginder Singh, Head Constable, Mrityunjay Kumar Rai, Head Constable, Arjun Singh, Constable, Asim Toppo, Constable, Ganesh Singh Rana, Constable and Rohit Kumar Thakur, Constable of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/07/2020.

(File No.-11020/1219/49/2022- PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 97—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Manoranjana Kumar Pandey	Commandant	GM
2.	Pradeep Kumar	Head Constable	1st BAR TO GM
3.	Asim Toppo	Constable	1st BAR TO GM
4.	Ganesh Singh Rana	Constable	1st BAR TO GM
5.	Deepak Singh	Commandant	GM
6.	Jasbeer Singh Tomar	Assistant Commandant	GM
7.	Kumar Rituraj	Inspector	1st BAR TO GM
8.	Mohit Kumar	Constable	GM
9.	Narpat Singh	Deputy Commandant	1st BAR TO GM
10.	Shivam Kumar	Assistant Commandant	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On dated 01.02.2022, an information was shared by Intelligence Bureau (IB) about collection of levy & planning to abduct a contractor under threat on direction of dreaded CPIMaoists leader PBPI-SAC Secretary, Anuj also known as Pravesh (Five Lakh reward in Bihar & Twenty-Five Lakh reward in Jharkhand). Arjun Koda (Deputy Commander, SAC Company, PBPI-SAC, CPI-Maoists) along with Virendra Koda, Jagdish Koda, Baleshwar Koda, Arvind Yadav, and 20 other armed Maoists were gathered to collect the levy amount near hilly dense forest of village GhoghiKodasu PS Pin Bazar, Distt. Lakhisarai. These dreaded armed Maoists had a long heinous criminal record.

Based on the above input and considering heinous criminal record of Maoists, with consideration towards difficult terrain, Shri Deepak Singh, Commandant 32 Bn. Sh. Manoranjan Kumar Pandey, Commandant 35 Bn & Sh. Sushil Kumar, SP Lakhisarai, decided to accept the tough challenge & planned an operation to apprehend these armed Maoists. Two teams were constituted for executing the operation. Team-1, under command of Sh. Narpat Singh, Deputy Commandant along with 35 personnel were directed to conduct an ADP towards hilly area of GhoghiKodasi to Hadahadiya Village. Team-2 under command of Sh. Deepak Singh, Commandant along with SP Lakhisarai & 15 personnel remained on toes as reinforcement for Team-1. In the evening of 01.02.2022, team-1 left the base camp "F" Company, 32 Bn SSB Kajra & took position between hill top of LathiaKol and GhoghiKodasi. In the early morning of 02.02.2022, while Team-1 was crossing between two hills through a narrow pagdandi Team-1 suddenly received "A Barrage of heavy Bullets". Fire was indiscriminate and targeted on security forces. Soon Team-1 adopted tactical position. Team-1 commander disclosed their identity and challenged them to surrender and stop the firing but instead of ceasing the fire from other side, the barrage of bullets got intensified on Team-1. Naxals have taken advantageous position at height and was firing indiscriminately. It was clearly confirmed that they were Maoists by listening their voice as they were shouting the names of Arjun Da, Virendra Da, Jagdish Da etc and calling each other to hit Security Forces until death. Now Commander of Team-1 had only one option either to retaliate or die.

Team-1 Commander communicated with his team with help of field signals & decided to retaliate with motto to nab armed Maoists. DC/GD Narpat Singh, HC/GD Pradcep Kumar, CT/GD Asim Toppo, CT/GD Ganesh Singh Rana, AC/GD Shivam Kumar & CT/GD Mohit Kumar advanced under heavy fire without caring for their lives. Rest personnel gave cover fire to the advancing troops under command of AC/GD Jasbeer Singh Tomar & Insp/GD Kumar Rituraj, PSI Anirudh Kumar. Due to this valiant act of Team-1, Maoists got panic and were taken aback. Maoists were forced to retreat from their tactical Morchas.

Under this most perilous situation Team-1 remained cool, confident and intact. Though Maoists were still at the tactically advantageous position and was firing from height, Team-1 commander communicated with commander of Team-2. Sh. Deepak Singh & SP Lakhisarai Sh. Sushil Kumar to provide reinforcement. Team-2 was swiftly moving towards team-1 for reinforcement, meanwhile a group of Maoists opened heavy fire on Team-2 with intention to break into the troops who were giving support to Team-1 moving upwards. This party advanced towards height employing fire and move tactics and by making the best use of the ground. During their movement, few Naxals who had taken defensive position, fired heavily on them. It involved immense risk to advance but Team-2 commander Sh. Deepak Singh. Commandant, Sh. Sushil Kumar. SP Lakhisarai & Sh. MK Pandey, Commandant sensed the evil design of Maoists and showing utter disregard to their life, gave them strong retaliation, and hold the Naxals from advancing in spite of being at less advantageous position i. e., at relatively lesser height and forced them to withdraw back. After few minutes, both teams allied and advanced to cordon Maoists. Since Maoists were on back foot, this was the best time to launch counterattack. Team 1 and Team 2 together lead the hot pursuit of the fleeing Maoists, showing fearless bravery in the face of intimidating fire and utter disregard to their personal safety. They employed heavy firepower, and advanced tactically inside jungle adopting fire and move tactics. Finally, sensing the extreme aggression and counter offensive approach of the troops, the Maoists fled taking cover of the thick forest, leaving behind explosive arms and ammunition. Encounter lasted for almost 03 hours. The well-coordinated plan, perfect execution and exemplary cohesion at the time of crisis, gallant and vigorous act of the Team-1 and Team-2 and their team led to killing of 2 dreaded CPI (Maoists) namely Virendra Koda S/o Vasudev Koda and Jagdish Koda S/o Mogar Koda.

Beside above sophisticated weapon like SLR, IED and large cache of ammunition were also recovered. These dreaded extremists had created atmosphere of terror and had strong in Bheembandh region consisting of Lakhisarai, Munger and Jamui District. Their death led to establishment of peace and tranquility in Bheembandh region and support base of Maoists in that region is almost finished.

Due to valorous retaliation and timely reinforcement by the Team-1 and Team-2, Maoists did not succeed in their evil planning. Sh. Singh. Commandant. 52 Bn, Sh. M.K. Pandey, Commandant 35 Bn & Sh. Sushil Kumar, SP Lakhisarai from Team-2 & Sh. Narpat Singh, Deputy Commandant, Sh. Shivam Kumar, Assistant Commandant, Head Constable Pradeep Kumar from Team-1 took responsibility to advance from even in such perilous situation which involved the risk of life. Sh. Jasbeer Singh Tomar, Assistant Commandant, Inspector Kumar Rituraj, SI/P Anirudh, Constable Asim Toppo voluntarily participated & advanced in life threatening condition without thinking about their lives.

In this operation, S/Shri Manoranjan Kumar Pandey, Commandant, Pradeep Kumar, Head Constable, Asim Toppo, Constable, Ganesh Singh Rana, Constable, Deepak Singh, Commandant, Jasbeer Singh Tomar, Assistant Commandant, Kumar Rituraj, Inspector, Mohit Kumar, Constable, Narpat Singh, Deputy Commandant and Shivam Kumar, Assistant Commandant of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/02/2022.

(File No.-11020/65/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 98—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal Awarded
1.	Late Shri Vijay Kumar	Constable	GM (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Martyr Vijay Kumar Ex-Constable ((H)) joined Sashastra Seema Hal as Constable (CM) on 04/08/2011 at 15'h Bn SSB Bogaigaon. After transferred from 24th Bn SSB Rangia, he joined at 42ndBn SSB Bahraich on 26.05.2018. He was detailed for J&K Panchayat Election duty in 2018 with 'D' Coy of 42nd Bn and was deployed at 'E' Coy location of 180 Bn CRPF Midoora, Distt- Pulwama since 06.10.2018.

On 21.10.2018 at 2020 hrs, militant attacked the security campus of 180/E CRPF Midoora. PS-Awantipora, (J&K) where Coys of SSB "D" Coy 42nd Bn & 3rdBn Composite Coy was deployed for Law & Order duty for Panchayat Election - 2018. Martyr CT/GD Vijay Kumar along with CT/GD Virender Kumar Singh were performing their duties in Morcha No. 5 with their personal weapons.

Martyr Vijay Kumar Ex-CT/GD performed valor and retaliated the fire and stopped militants to enter inside the campus. 02 rounds were fired by the militant on Morcha No.05. 01 bullet hit on the head of CT/GD Vijay Kumar resulting severe headinjury to CT/GD Vijay Kumar.

Further. Coy Commander ordered to evacuate the injured CT/GD Vijay Kumar through (bunker) of 180/E Coy CRPF stationed in the campus. Immediately ambulance along with the doctor from Tral location for better management. On the way CT/GD Vijay Kumar was shifted to the ambulance along withdoctor rushed towards 92 Base Hospital, Srinagar. On reaching at 92 Base Hospital, the treating doctor declared him brought dead.

In this operation, Late Shri Vijay Kumar, Constable of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 21/10/2018.

(File No.-11020/138/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

MINISTRY OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE)

New Delhi, the 6th May 2024

No. 8-135/2020-PP.II—In partial modification of Government of India, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare Notification No.8-97/91-PP.I dated 26.11.1993, as amended from time to time, it is hereby notified for general information that the following entries shall be included by way of addition under the relevant heads specifying officers, by designation, who are authorized to inspect, fumigate or disinfect and grant phytosanitary certificates in respect of plants and plant materials intended for export to other countries, which require such certificates:—

- I. Central Government :
Odisha
(Lxxiii) Officer In -charge
Central Integrated Pest Management Centre,
Bhubaneswar, Odisha
{Code No.'C'(PPQS)1(73)}

FAIZ AHMED KIDWAI
Additional Secretary

Note: The original notification was issued by Department of Agriculture & Cooperation vide notification no. 8-97/91-PP.I dated 26.11.1993 and subsequently modified vide notification no. 8-97/91-PP.I dated 25.11.97, notification no. 8-70/98-PP.I dated 30.09.1999, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 06.11.2001, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 06.05.2002, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 30.05.2002, notification no. 8-33/2003-PP.I dated 7.6.2004, notification no.8-217/2004-PP.I(pt.) dated 11.05.05, notification no.8-217/2004-PP.I(pt.) dated 20.06.05, notification no.8-217/2004-PP.I(pt.) dated 8.12.05, notification no.8-217/2004-PP.I(pt.) dated 9.1.06, notification no.8-217/2004-PP.I(pt.) dated 26th December, 2011, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 30th January, 2013, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 6th July, 2015, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 21st June, 2016, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 12th January, 2017 and notification no. 8-65/2017-PP.II dated 13th April, 2017 and notification No. 8-65/2017-PP.II dated 11th August, 2017 and notification No. 8-65/2017-PP.II dated 14th March, 2018, notification No. 8-65/2017-PP.II dated 10th April, 2018, notification No. 8-65/2017-PP.II dated 10th May, 2019 and notification No. 8-65/2017-PP.II dated 16th July, 2019, notification No. 8-65/2017-PP.II dated 10th December, 2019, notification No. 8-65/2017-PP.II dated 21st February July, 2020, notification no. 8-135/2020-PP.II dated 13.08.2020 and notification no. 8-135/2020-PP.II dated 3.02.2021 and notification no. 8-135/2020-PP.II dated 28.07.2023 and notification no. 8-135/2020-PP.II dated 13.09.2023